RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 272
लखनऊ, रविवार, 25 जुलाई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

पहले दिन से किया चुनौतियों का सामना
राष्ट्रीय-6

www.dailypioneer.com

टोक्यो ओलंपिक में चमकीं चानू, भारत की चांदी

खेल महाकुंभ के पहले दिन मीराबाई ने देश का खोला खाता, भारोत्तोलन में 21 साल का सूखा किया खत्म

भाषा। टोक्यो

ओलंपिक की भारोत्तोलन स्पर्धा में पदक के लिए भारत का 21 वर्ष का इंतजार खत्म करने वाली मीराबाई चानू ने 49 किलो वर्ग में रजत पदक जीता तो उनकी विजई मुस्कान ने उन सभी आंसुओं की भरपाई कर दी जो पांच साल पहले रियो में नाकामी के बाद उनकी आंखों से बहे थे। पांच साल पहले खेलों के महासमर में निराशाजनक पदार्पण के बाद इसी मंच से वह रोती हुई गई थीं। उनकी इस ऐतिहासिक जीत से भारत पदक तालिका में अभी दूसरे स्थान पर पहुंच गया, देश ने यह उपलब्धि पहले कभी हासिल नहीं की थी।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देश भर ने भारोत्तोलक मीराबाई चानू को तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने के लिए बधाई दी। मणिपुर की 26 साल की भारोत्तोलक ने कुल 202 किग्रा से कर्णम मल्लेश्वरी के 2000 सिडनी ओलंपिक में कांस्य पदक से बेहतर प्रदर्शन किया। इससे उन्होंने 2016 में रियो ओलंपिक के खराब प्रदर्शन को भी पीछे छोड़ दिया जिसमें वह एक भी वैध वजन नहीं उठा सकीं थीं। करियर की इस शानदार जीत के बाद चानू ने पत्रकारों से कहा, मैं बहुत खुश हूं, मैं पिछले पांच वर्षों से इसका सपना देख रही थी। इस समय मुझे खुद पर गर्व महसूस हो रहा है। मैंने स्वर्ण पदक की कोशिश की लेकिन

● 49 किलोग्राम भार वर्ग हासिल की कामयाबी, 21 वर्षीया वेटलिफ्टर ने कुल 202 किग्रा वजन उठा कर्णम मल्लेश्वरी को छोड़ा पीछे

रजत पदक भी मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। वह पिछले कुछ महीनों से अमेरिका में ट्रेनिंग कर रही थी। 2016 का अनुभव काफी खराब रहा था और उन्होंने इसके बारे में बात करते हुए कहा था कि बड़े मंच पर अपने पदार्पण के दौरान वह कितनी घबराई हुई थी। यह पूछने पर कि मणिपुरी होने के नाते इसके क्या मायने है तो उन्होंने कहा, मैं इन खेलों में भारत के लिए पहला पदक जीतकर बहुत खुश हूं। मैं सिर्फ मणिपुर की नहीं हूं, मैं पूरे देश की हूं। शनिवार को चानू पूरे आत्मविश्वास से भरी थी और पूरे प्रदर्शन के दौरान उनके चेहरे पर मुस्कान रही। और उनके कान में ओलंपिक रिंग के आकार के बूंदे चमक रहे थे जो उनकी मां ने उन्हें भेंट दिए थे। चीन की होऊ जिहुई ने 210 किग्रा के प्रयास से स्वर्ण पदक जीता जबकि इंडोनेशिया की ऐसाह विंडी कांटिका ने 194 किग्रा के प्रयास से कांस्य पदक अपने नाम किया। (शेष पेज 8)

टोक्यो में रजत पदक के साथ मीराबाई चानू

कोविंद, मोदी, योगी ने दी बधाई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत पूरे देश ने चानू को तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने के लिए बधाई दी। राष्ट्रपति कोविंद ने ट्वीट किया, भारोत्तोलन में रजत पदक जीतकर तोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत की पदक तालिका में शुरूआत कराने के लिए मीराबाई चानू को बधाई। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, तोक्यो ओलंपिक 2020 में इससे सुखद शुरुआत नहीं हो सकती थी। भारत मीराबाई चानू के शानदार प्रदर्शन से बहुत खुश है। भारोत्तोलन में रजत पदक जीतने के लिए उन्हें बधाई। उनकी सफलता प्रत्एक भारतीय को प्रेरित करेगी। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने ट्वीट किया, भारत का पहले दिन का पहला पदक। (शेष पेज 8)

गुडलक के लिए खास बालियां पहनकर उतरीं थी चानू

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मीराबाई चानू के ऐतिहासिक रजत पदक और उनकी मधुर मुस्कान के अलावा शनिवार को इस भारोत्तोलक के शानदार प्रदर्शन के दौरान उनके कानों में पहनी ओलंपिक के छल्लों के आकार की बालियों ने भी ध्यान खींचा जो उनकी मां ने पांच साल पहले अपने जेवर बेचकर उन्हें तोहफे में दी थी। मीराबाई की मां को उम्मीद थी कि इससे उनका भाग्य चमकेगा। रियो 2016 खेलों में ऐसा नहीं हुआ लेकिन मीराबाई ने आज सुबह तोक्यो खेलों में पदक जीत लिया और तब से उनकी मां

● मां ने दिया था उपहार बेटी की कामयाबी पर खुशी से भीगी आंखें

सेखोम ओंग्बी तोम्बी लीमा के खुशी के आंसू रुक ही नहीं रहे हैं। मीराबाई की तीन बहनें और दो भाई और हैं। लीमा ने कहा, मैं बालियां टीवी पर देखी थी, मैंने ये उसे 2016 में रियो ओलंपिक से पहले दी थी। मैंने मेरे पास पड़े सोने और अपनी बचत से इन्हें बनवाया था जिससे कि उसका भाग्य चमके और उसे सफलता मिले। (शेष पेज 8)

छह माह में सभी जिलों में होंगे मेडिकल कॉलेजः मुख्यमंत्री

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गोरखपुर में महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा के समक्ष आरती करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

पायनियर समाचार सेवा। देवरिया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगले छह माह में प्रदेश के सभी 75 जिलों में मेडिकल कॉलेज होंगे। 1947 से 2016 तक उत्तर प्रदेश में सिर्फ 12 राजकीय मेडिकल कॉलेज थे जबकि 2017 से 2021 के बीच महज साढ़े चार सालों में 32 नए राजकीय मेडिकल कॉलेज बनाए गए हैं। अब तक 59 जिलों को मेडिकल कॉलेज से आच्छादित कर दिया गया है। केंद्र सरकार के सहयोग और राज्य सरकार खुद के संसाधनों से प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की श्रृंखला खड़ी कर रही है।

महराजगंज, संतकबीरनगर, मऊ, बलिया जैसे जो 16 जिले शेष हैं वहां यूपी सरकार केंद्र सरकार के सहयोग से पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज खोलेगी। यह केंद्र व राज्य में समान विचारधारा की सरकार होने से संभव

● योगी ने देवरिया में महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन से पूर्व किया निरीक्षण

हो रहा है। राज्य में महर्षि देवराहा बाबा मेडिकल कॉलेज देवरिया समेत नौ नए राजकीय मेडिकल कॉलेज बनकर तैयार हैं। नेशनल मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के निरीक्षण के बाद अप्रूवल मिलते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों इनका लोकार्पण कराया जाएगा। योगी शनिवार को महर्ष देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण करने के बाद मीडिया कर्मियों से बात कर रहे थे। (शेष पेज 8)

चार साल में बने 2.78 लाख शस्त्र लाइसेंस सीबीआई के रडार पर

पायनियर समाचार सेवा। श्रीनगर/नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अनिवासियों को फर्जी दस्तावेज के आधार पर 2012 से 2016 के दौरान 2.78 लाख शस्त्र लाइसेंस जारी करने के आरोप में शनिवार को जम्मू कश्मीर में 40 जगहों और राष्ट्रीय राजधानी में छापे मारे। सीबीआई के प्रवक्ता ने अपने बयान में कहा कि शस्त्र लाइसेंस रैकेट से संबंधित एक मामले के तहत जम्मू, श्रीनगर, उधमपुर, रजौरी, अनंतनाग, बारामूला और दिल्ली में आईएएस अधिकारियों, करीब 20 'गन हाउस' सहित लोकसेवकों के आधिकारिक और आवासीय परिसरों में छापे मारे गए। इस छापेमारी में कम से कम दो आईएएस अधिकारियों शाहिद इकबाल चौधरी और नीरज कुमार के परिसरों पर छापेमारी हो रही है।

● जम्मू-कश्मीर, दिल्ली में कई स्थानों पर छापेमारी

चौधरी जम्मू-कश्मीर सरकार में आदिवासी मामलों के सचिव हैं और कुमार राष्ट्रीय राजधानी में केंद्र शासित प्रदेश के अतिरिक्त रेजिडेंट कमिश्नर हैं। अधिकारियों ने बताया कि कश्मीर प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी शब्बीर अहमद भट के आवास पर भी छापेमारी की गई जिन्होंने रजौरी के जिलाधिकारी के तौर पर सेवा दी थी। उन्होंने बताया कि इसके अलावा पुंछ, कुपवाड़ा, बांदीपोरा, बारामूला और रामबन में 2012-16 के दौरान अतिरिक्त जिलाधिकारी के तौर पर सेवा देने वाले छह अधिकारियों के परिसरों पर भी छापेमारी की गई। (शेष पेज 8)

ड्रोन गतिविधियों पर पाक के समक्ष भारत का कड़ा विरोध

पायनियर समाचार सेवा। जम्मू

भारत ने जम्मू क्षेत्र में बढ़ती ड्रोन गतिविधियों को लेकर शनिवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पाकिस्तान रेंजर्स के बीच सेक्टर कमांडर स्तर की बैठक के दौरान पाकिस्तानी अधिकारियों के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि बैठक पाकिस्तान रेंजर्स के आग्रह पर अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुचेतगढ़ क्षेत्र में हुई जिसमें मामलों के समाधान के लिए फील्ड कमांडरों के बीच आवश्यक संपर्क को पुनः क्रियाशील करने का निर्णय हुआ। उन्होंने कहा कि दोनों बलों के कमांडरों ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की तथा बीएसएफ प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन गतिविधियों, आतंकी गतिविधियों और सीमा पार से खोदी जाने वाली सुरंगों एवं सीमा प्रबंधन से संबंधित अन्य मुद्दों पर खास जोर दिया।

मुठभेड़ में तीन आतंकवादी ढेर सुरंग विस्फोट में जवान शहीद

पायनियर समाचार सेवा। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शनिवार को हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने तीन अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया। मुठभेड़ में सेना का एक जवान घायल हुआ है। वहीं जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के नजदीक बारूदी सुरंग विस्फोट में सेना का 27 वर्षीय जवान बलिदान हो गया। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर कश्मीर के बांदीपोरा के सुंबलर इलाके में शोखबाबा जंगल में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के बाद सुरक्षा बलों ने वहां घेराबंदी कर तलाश अभियान चलाया।

उन्होंने बताया कि तलाश अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की जिसका उन्होंने माकूल जवाब दिया। उन्होंने कहा कि इसके बाद अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान तीन आतंकवादी मारे गए। श्रीनगर में रक्षा जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) कर्नल एमरॉन मुसावी ने कहा कि मुठभेड़ में सेना का एक जवान घायल हुआ है। उन्होंने बताया कि घायल जवान को जंगल से निकाल लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान और वे किस आतंकवादी संगठन से जुड़े थे, इसका पता लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान अब भी जारी है और अन्य ब्योरों की प्रतीक्षा की जा रही है।

दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के नजदीक बारूदी सुरंग विस्फोट में सेना का 27 वर्षीय जवान शहीद हो गया। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि सिपाही कमल देव वैद्य शुक्रवार को कृष्णाघाटी सेक्टर में ड्यूटी पर थे। उन्होंने गलती से एक बारूदी सुरंग पर पैर रख दिया और उसमें विस्फोट हो गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। (शेष पेज 8)

अफगानिस्तान में हालात बेहद खतरनाकः भारत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अफगानिस्तान में हालात अभी भी खतरनाक बने हुए हैं और भारत ने अपने नागरिकों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। इस संबंध में काबुल स्थित भारतीय दूतावास ने शनिवार को दिशा-निर्देश जारी कर आगाह किया है। यह सलाह ऐसे समय जारी की गई है जब कुछ दिन पहले ही भारतीय वायु सेना के विमानों ने कंधार में भारतीय वाणिज्य दूतावास के 50 से अधिक राजनयिक कर्मचारियों को सुरक्षित निकाला था।

काबुल में दूतावास ने कहा कि अफगानिस्तान में चूंकि हालात सामान्य नहीं हैं, इसलिए यहां रहने, आने और काम करने वाले भारतीय हर समय अत्यधिक सतर्कता बरतें और गैर-जरूरी यात्रा से बचें।

● नई दिल्ली ने अपने नागरिकों के लिए जारी किया परामर्श, अतिरिक्त सुरक्षा बरतने की सलाह

● कुछ ही दिन पहले भारत ने कंधार से अपने 50 राजनयिकों को निकाला था

दूतावास ने यह भी चेतावनी दी है कि भारतीय नागरिक अपवाद नहीं हैं। उन्हें अपहरण के गंभीर खतरे का भी सामना करना पड़ता है।

विस्तृत परामर्श में भारतीय नागरिकों को कार्यस्थल, घर और अपने कार्यस्थल पर आने-जाने के दौरान अतिरिक्त सुरक्षा बरतने को कहा गया है। सभी प्रकार की गैर-जरूरी आवाजाही से भी बचा जाए। विशेष रूप से व्यस्ततम घंटों के दौरान आवाजाही से भी बचने की सलाह दी गई है। यही नहीं, दिशानिर्देशों में सड़कों पर आते-जाते सैन्य काफिले, सरकार और मंत्रालयों के आधिकारिक वाहनों, उच्च पदस्थ अधिकारियों और पुलिस आदि के तैनाती वाले स्थानों से दूरी बनाकर रखने को कहा गया है। भारतीयों को भीड़-भाड़ वाले बाजारों, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, रेस्तरां और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर जाने से परहेज करना चाहिए। सभी आवश्यक गतिविधियों को यथासंभव अलग रखने की कोशिश करें। (शेष पेज 8)

बाजार

सेंसेक्स	52,837	
निफ्टी	15,824	
सोना	46,452	/10g
चांदी	65,484	/kg

क्विक न्यूज

सीआईएससीई ने 10वीं, 12वीं के परिणाम घोषित किए

नई दिल्ली। सीआईएससीई ने शनिवार को 10वीं और 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए। कक्षा 10वीं में लड़के और लड़कियों, दोनों का उत्तीर्ण प्रतिशत 99.8 फीसदी रहा। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) के 12वीं कक्षा के नतीजों में लड़कियों ने लड़कों को 0.2 प्रतिशत के अंतर से पछाड़ दिया है। बोर्ड ने कहा कि पिछले साल की तरह इस बार भी असाधारण परिस्थितियों को देखते हुए मेधा सूची नहीं होगी। सीआईएससीई ने इस साल कोविड-19 की घातक दूसरी लहर को देखते हुए 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं रद्द कर दी थीं। परिणाम बोर्ड द्वारा तय की गई वैकल्पिक मूल्यांकन नीति पर तैयार किए गए हैं। इस बार उत्तर पुस्तिकाओं की फिर से जांच का विकल्प उपलब्ध नहीं होगा।

सीमा विवाद पर पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ शाह की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। शिलांग

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और पूर्वोत्तर के आठ राज्यों के मुख्यमंत्रियों के बीच अंतर राज्यीय सीमा विवादों और कोविड-19 मामलों में वृद्धि के विषय पर शनिवार को बैठक शुरू हुई। एक अधिकारी ने बताया कि पाइनवुड होटल एनेक्सी में शाम छह बजे से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और सिक्किम के मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और पुलिस प्रमुख बंद कमरे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक कर रहे हैं।

अधिकारी ने कहा कि शाह को पूर्वोत्तर राज्यों के बीच लंबे समय से चल रहे अंतर राज्ईय सीमा विवादों और कोविड की स्थिति की जानकारी दी गई। पूर्वोत्तर के कई राज्यों के बीच अंतर राज्ईय सीमा विवाद हैं। असम और मिजोरम के बीच सीमा

विवाद के चलते हाल में हिंसा हो चुकी है। पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि भी सामने आ रही है। बाद में शाह, नागरिक समाज के लोगों से मुलाकात करेंगे। आज शिलांग हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शाह का स्वागत किया। इसके बाद वह नार्थ ईस्ट स्पेस एप्लिकेशन सेंटर (एनईएसएसी) की एक बैठक में शामिल हुए। (शेष पेज 8)

महाराष्ट्र और केरल में थम नहीं रहे कोरोना के मामले

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

महाराष्ट्र और केरल में कोरोना के मामले और मौतें नहीं थम रही हैं। देश में शनिवार को कोविड-19 के 39,097 मामले सामने आने के बाद संक्रमण के कुल मामले 3,13,32,159 हो गए हैं जबकि 546 और मरीजों की मौत के साथ मृतक संख्या 4,20,016 हो गई। देश में पिछले 24 घंटों में जिन 546 मरीजों की मौत हुई है उनमें से सर्वाधिक 167 महाराष्ट्र से और 132 केरल से थे। देश में अब तक 4,20,016 मरीजों की इस बीमारी के चलते मौत हुई है जिनमें 1,31,205, कर्नाटक में 36,323, तमिलनाडु में 33,862, दिल्ली में 25,041, उत्तर प्रदेश में 22,748 और पश्चिम बंगाल में 18,056 मरीजों की मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक 70 प्रतिशत से ज्यादा मौत अन्य गंभीर बीमारियों के चलते हुई है।

महाराष्ट्र में वर्षा से तबाही, 89000 से अधिक लोग बेघर

टीएन रघुनाथ। मुंबई

बारिश ने महाराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी तबाही मचाई है। राज्य के बाढ़ प्रभावित इलाकों में शनिवार को कई एजेंसियां बचाव और राहत कार्यों में जुटी रहीं। वर्षा से तबाह तटीय कोंकण क्षेत्र और पश्चिमी महाराष्ट्र के कई हिस्सों में बेघर हुए 89,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया। बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 76 पर पहुंच गई जबकि 59 लोग लापता हैं। अपुष्ट खबरों में मृतकों का आंकड़ा 100 के पार बताया जा रहा है। मृतकों में सबसे अधिक 47 लोग रायगढ़ जिले के हैं। राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश में कमी के बावजूद, पश्चिमी महाराष्ट्र के सतारा, सांगली और कोल्हापुर के बड़े हिस्से में बाढ़ आई हुई है, जबकि रत्नागिरी जिले के चिपलून, खेड़ और तटीय कोंकण क्षेत्र के अन्य इलाकों में बारिश से तबाही हुई है। राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने

सांगली में बाढ़ से सड़कों पर नदी जैसी स्थिति के बीच बचाव कार्य में लगे स्वयंसेवक

रायगढ़ जिले के महाड तालुका के तलाई गांव का दौरा किया, जहां शुक्रवार को भीषण भूस्खलन में 50 से अधिक लोग मारे गए थे। उन्होंने प्रभावित लोगों को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने के अलावा तटीय कोंकण क्षेत्र और राज्य के अन्य हिस्सों में विस्थापित लोगों का पुनर्वास करेगी।

मौसम विभाग ने शनिवार को कहा कि अगले 24 घंटों में पश्चिमी तट पर बारिश की तीव्रता कम होने के आसार हैं जिससे वर्षा से प्रभावित महाराष्ट्र और गोवा को राहत मिल सकती है। वहीं, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने महाराष्ट्र के तटीय इलाकों में बचाव अभियान को तेज करने के लिए अपनी टीम की संख्या 26 से बढ़ाकर 34 कर दी है। ये इलाके भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित हैं। उधर, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से शनिवार को बात की और राज्य में बारिश एवं बाढ़ के कारण जान-माल के नुकसान पर चिंता जताई।

समय के भरोसे

हाथी की सवारी से उतरकर भगवा झंड़ा थामे विधायक से मंत्री बने माननीय को करीब पांच साल हो गए हैं लेकिन जो मजा उनको हाथी की सवारी में मिल रहा था वह भगवा झंडा थामने पर नहीं मिल रहा है। कहने को सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं और मजदूरों का कल्याण कराने की जिम्मेदारी उनके पास है लेकिन वह कल्याण सही मायने में किसी का करा नहीं पा रहे हैं। अब यहां बेचैनी होने लगी है लेकिन मामला कहीं मजबूती से बन नहीं पा रहा है इसलिए मंत्री की छटपटाहट सिर्फ वही जान सकते हैं और कोई नही जान सकता। उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों की राजनीतिक पारी को बेहतर करना चाहा लेकिन वह भी नहीं हो पाया अब माननीय ने सबकुछ समय, परिस्थिति और काल पर छोड़ दिया है कि चलो आने वाले कुछ माह में संभवत: समीकरण कुछ और बेहतर हों क्योंकि उनकी आवाज में जो हनक विधान सभा में थी वह अब धीमी पड़ गयी है।

दगे कारतूस पर दांव

पिछले तीन चुनावों से खास जाति का झंडा उठाने वाले नेताजी पर इस बार फिर कई साल से सत्ता से दूर खड़ी पार्टी ने दांव लगा दिया है। वैसे अभी तक तो यह नेताजी कम व पेशेवर जयादा माने जाने वाले महोदय दगे कारतूस ही साबित हुए हैं। पर कहावत वही है कि एक बार अंगूर हाथ लग गए तो बार बार उस दांव को आजमाना नहीं छोड़ सकते। वही यहां भी हो रहा है। नेताजी कम व प्रोफेशनल ज्यादा वाले महोदय ने इस बार भी भाईचारे का बीड़ा उठा लिया है। अब इस भाईचारे का परिणाम निकले चाहे न निकले पर पिछले कई बार से जब भी चुनावों का मौसम आता है यह बरसाती मेढ़क की तरह बाहर आ जाते हैं। हर बार भाई चारा और बड़े बड़े दावे मगर रिजल्ट फुस्स ही रहता है। अब तक तो प्रदर्शन में यह दगे कारतूस ही साबित हुए हैं। अब देखना यह है कि आने वाले चुनाव कुछ फोड़ पाते हैं या दगे कारतूस ही रहते हैं।

मैडम की परेशानी

शहर की प्रथम महिला ने नगर निगम की आय बढाने में सफल नहीं हुई है लेकिन कुछ कर्मचारी नेताओं ने मैडम की सारी योजनाएं फेल कर दीं। नेताओं ने नगर निगम सदन की सामान्य बैठक में कल्याण मण्डप सेक्टर एक और सामुदायिक केन्द्र सेक्टर चार विकास नगर के किराये की बढ़ोत्तरी की सम्भावना के बीच मांग रखी। नगर निगम कर्मचारी संघ ने प्रथम महिला से नगर निगम कार्मिकों के लिए किराया पूर्व की भॉंति यथावत रखने की मांग की है। कोरोना काल में कर्मचारी के कई भत्ते बंद होने कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। इसके अलावा निगम में अधिकाधिक संख्या में अल्प वेतनधारी कर्मचारी कार्यरत हैं। मैडम ने साहब से कहा कि इन कर्मचारियों के यहॉं होने वाले मार्गलिक कार्यक्रमों में निगम के इन कल्याण मण्डपों और सामुदायिक केन्द्रों से बड़ा सहारा है। ऐसे मे अगर विपरीत स्थिति के बीच नगर निगम कार्मिकों पर बढ़े किराये की वसूली होगी तो उनकी आर्थिक स्थिति और खराब होगी।

मलाई गयी निकल

खाकी वाले एक महकमे (पुलिस नहीं) में ट्रांसफर सीजन के दौरान तबादलों को लेकर विभाग के डीजी और शासन के अपर मुख्य सचिव के बीच चली रस्साकशी चर्चा का विषय बनी हुई है। अमूनन हर विभाग में ट्रांसफर सीजन का इंतजार रहता है। मनमाफिक तैनाती कराने को लेकर महकमों में खूब मलाई कटती है। खाकी वाले इस महकमे के डीजी के लिए तो समय और परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल थीं। तीन साल का समय पूरा कर चुके बीस प्रतिशत कमांडेंट का ट्रांसफर खुद की मर्जी से करने का शासन से उन्हें अधिकार जो मिला हुआ है। ट्रांसफर सीजन के दौरान सभी कमांडेंट की निगाहें कवाल टाउन पर रहती हैं। डीजी ट्रांसफर की लिस्ट ही तैयार करते रह गए और ट्रांसफर सीजन शुरू होने के तीसरे दिन ही शासन के विभागीय अपर मुख्य सचिव ने प्रमोशन के चलते कवाल टाउन में खाली पड़े सभी पदों पर कमांडडेंट की तैनाती कर दी। मतलब, मलाई शासन खा गया और दूध बचा रह गया। इससे खिसायाए मुखिया ने स्टीन ट्रांसफर से भी हाथ खींच लिया और बाकी के कमांडेंट कातर नजरों से ट्रांसफर सीजन को जाते देखते रह गए।

बच के रहना रे बाबा...

योगी सरकार के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एक महिला अधिकारी से बहुत डरे हुये हैं। जैसे-तैसे लखनऊ में फिर से आने में कामयाब रहे यह अधिकारी अपने करीबियों को महिला अधिकारी से सावधान रहे की हिदायत देने के साथ अपनी आप बीती बताने से नहीं चूकते। इनका मानना है कि महिला अधिकारी के कारण ही उन्हें अपने पद से न केवल हटना पड़ा बल्कि लखनऊ का वनवास भी देखना पडा। दरअसल यह अधिकारी योगी सरकार में आपदा पीडितों की मदद के लिये बने विभाग का कामकाज देख रहे थे। इन्होंने विभाग में अपने तरीके से व्यवस्था बनायी और महिला अधिकारी को पैदल कर दिया। उनके कार्यकाल में महिला अधिकारी को कामकाज से एकदम अलग-थलग करके कोपभवन में बिठा दिया गया था। बस इसी बात से महिला अधिकारी और उक्त आईएएस में ठन गई थी। महिला अधिकारी की सरकार के अफसरों में अच्छी पैठ है। सो महिला अधिकारी ने भी अपना दांवपेंच शुरू किया। जिसमें आईएएस को सरकार ने अपने पद से हटाकर मंडलायुक्त बना दिया। अब यह अधिकारी लौटे हैं। दोनों एनेक्सी में बैठते हैं और सिर्फ फ्लोर का फर्क है। महिला के हाथों मात खाये यह अधिकारी अब अपने साथ के अधिकारियों को महिला अधिकारी से बचकर रहने की सलाह देते नहीं थकते।

उत्तम का मध्यम परिणाम

सोचा था नाम उत्तम है तो काम भी उत्तम होगा। कुछ कर दिखाएंगे लेकिन पांच साल होने को हैं अभी तक कोई ऐसा काम नहीं किया जिससे इनकी उत्तमता दिखाई पड़े। जब पीछे मुड़कर देखा तो उत्तम के पूरे कार्यकाल में हर मोर्चे पर हार ही मिली है। अब एक बार फिर युद्ध का मैदान सामने है। उत्तम को अपनी उत्तमता दिखानी है। लाल टोपी वाले अध्यक्ष को अपने इस उत्तम पर पता नहीं क्यों पूरा विश्वास भी है जबकि अब तक हुई सभी परीक्षा में उत्तम महोदय फेल ही होते नजर आए हैं। अब देखना यह है कि 2022 के युद्ध में उत्तम अपने राजनीतिक कौशल की कितनी उत्तमता दिखा पाते हैं। फिलहाल उन्होंने चुनावी युद्ध से पहले बड़े पैमाने पर फेरबदल का क्रम शुरू कर दिया है। कुछ को हटा रहे तो कुछ को बना रहे। आलम यह है जिनको हटा रहे वह सभी उत्तम की खामियां बता रहे हैं और जिनको बना रहे वह उत्तम को अति उत्तम बता रहे। कुल मिलाकर समाजवादी फौज के आधे लोग नाराज तो आधे लोग खुश हैं। सही मायने में यह कहा जा सकता है कि जिस चाल से उत्तम चल रहे हैं वह उत्तम के लिए स्वयं तो उत्तम है। लेकिन संगठन के लिए नुकसानदेह।

पांच चीनी मिलों के विरुद्ध आरसी जारी

लखनऊ। आयुक्त गन्ना एवं चीनी संजय आर. भूसरेड्डी ने बताया कि प्रदेश के गन्ना किसानों का गन्ना मूल्य का भुगतान कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिसको ध्यान में रखते हुए मुख्यालय स्तर पर नोडल अधिकारियों द्वारा तथा परिक्षेत्र स्तर पर उप गन्ना आयुक्तों एवं जिला गन्ना अधिकारीयों द्वारा गन्ना मूल्य भुगतान की दैनिक समीक्षा की जा रही है। समीक्षा के उपरांत आयुक्त द्वारा भुगतान में फिसड्डी रहने पर यदु समूह की चीनी मिल बिसौली-बदायूं, मोदी समूह की चीनी मिल मलकपुर-बागपत, बजाज समूह की चीनी मिल इटईमैदा-बलरामपुर एवं सिम्भावली समूह की चीनी मिल चिलवरिया-बहराइच एवं चीनी मिल गड़ौरा-महराजगंज के विरूद्ध आरसी जारी कर दी गयी है।

कार्यालय परियोजना प्रबन्धक, निर्माण एवं परिकल्प सेवायें, (वि0यां0) नलकूप विंग, यूनिट-द्वितीय उ0प्र0 जल निगम 4/308, विनीत खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (उ0प्र0 सरकार का उपक्रम)

पत्रांक 1072/कार्य-9/(21)/104
दिनांक 22.07.2021

अल्पकालीन निविदा सूचना

उ0प्र0 जल निगम, की ओर से 2 सेट Horizontal Centrifugal Submersible Pumping Plant की आपूर्ति हेतु निविदाओं की बिक्री दिनांक 26.07.2021 से 31.07.2021 तक कार्यालय प्रोजेक्ट मैनेजर, निर्माण एवं परिकल्प सेवाए, वि/यॉ0, नलकूप विंग, यूनिट-द्वितीय उत्तर प्रदेश जल निगम 4/308, विनीत खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ एवं कार्यालय प्रोजेक्ट मैनेजर, निर्माण एवं परिकल्प सेवाएं, वि0/यॉ0 नलकूप विंग, उत्तर प्रदेश जल निगम 2/137, विवेक खण्ड गोमती नगर, लखनऊ से की जायेगी। निविदा प्रपत्र का मूल्य रू0 1000.00 + 18% जी.एस.टी. (1000.00+180.00=1180.00) है। निविदा के कार्यो का विस्तृत विवरण जल निगम की वेबसाइट **http://jn.upsdc.gov.in** से अथवा सम्बन्धित कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

निविदा सूचना- निविदा विक्रय की तिथि 26.07.2021 से 31.07.2021 अपरान्ह 12.00 बजे। निविदा डालने की तिथि : 31.07.2021 अपरान्ह 02.00 बजे। निविदा खोलने की तिथि - 31.07.2021 अपरान्ह 03.30 बजे।

यूपी के हर शहर में मिलेगी मुफ्त वाईफाई सुविधा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

75वां स्वतंत्रता दिवस यूपी के युवाओं के लिए एक बड़ी सौगात लेकर आएगा। यह सौगात होगी मुफ्त वाईफाई सुविधा की। इसके तहत राज्य के सभी 75 जिला मुख्यालयों, नगर पालिका परिषद तथा 17 नगर निगमों में 217 सार्वजनिक स्थानों पर लोग खासकर युवा मुफ्त वाईफाई सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नगर विकास विभाग के अधिकारी अब लोगों को मुफ्त वाईफाई सुविधा उपलब्ध कराने की मुहिम में जुटे हैं। जिसके तहत मंडलायुक्त, जिलाधिकारी और नगर आयुक्त को निर्देश दिया गया है कि प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर मुफ्त वाईफाई की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए हॉटस्पॉट चिन्हित किया जाना सुनिश्चित करें ताकि 15 अगस्त से राज्य में लोगों को हर शहर के बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन के समीप के स्थलों, तहसील, कचहरी, ब्लाक कार्यालय, रजिस्ट्रार कार्यालय तथा मुख्य बाजारों में लोगों को मुफ्त वाईफाई की सुविधा उपलब्ध हो सके। विदित हो है कि प्रदेश सरकार ने सूबे के लोगों को मुफ्त वाईफाई की सुविधा उपलब्ध कराने का वायदा किया था। पार्टी के संकल्प पत्र में भी इसका उल्लेख किया गया था। जिसका संज्ञान लेते हुए प्रदेश सरकार ने सत्ता में आते ही लखनऊ सहित राज्य के कई शहरों के प्रमुख स्थलों पर मुफ्त वाईफाई की सुविधा उपलब्ध कराई थी। इसके लिए लखनऊ के हजरतगंज क्षेत्र में लोगों को वाईफाई की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए हॉटस्पॉट बनाए गए थे। हॉटस्पॉट के 50 मीटर के रेंज में मौजूद लोग मुफ्त वाईफाई का इस्तेमाल कर पाते थे। इसी तर्ज पर अब मुख्यमंत्री ने इस योजना को हर जिला मुख्यालयों, नगर पालिका परिषद तथा 17 नगर निगमों में प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर शुरू करने का फैसला किया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसका लाभ मिल सके। उनकी इसी सोच के आधार पर अब सरकार 17 नगर निगम वाले शहरों सहित कुल 217 बड़े सावर्जनिक स्थानों पर मुफ्त वाईफाई की सुविधा उपलब्ध कराने जा रही है। इसे लेकर जो सूबे के नगर विकास विभाग ने जो योजना तैयार की है, उसके अनुसार बड़े शहरों (नगर निगमों))में दो स्थानों पर और छोटे शहरों में एक स्थान पर मुफ्त वाईफाई की सुविधा मिलेगी। जिसके तहत ही सरकार लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, वाराणसी, प्रयागराज, झांसी, बरेली, सहारनपुर, मुरादाबाद, गोरखपुर, अयोध्या, मेरठ, शाहजहांपुर, गाजियाबाद, मथुरा-वृंदावन और फ िरोजाबाद नगर निगम वाले शहरों के अलावा नगर पालिका परिषद वाले शहरों में यह सुविधा प्रदान करेगी। मुफ्त वाईफाई की सुविधा बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, तहसील, कचहरी, ब्लाक व रजिस्ट्रार कार्यालय के आसपास और शहर के प्रमुख बाजारों में दी जाएगी। इसके लिए स्थान चिन्हित किए जाने की कार्रवाई की जा रही है। मुफ्त वाईफाई की सुविधा उपलब्ध करने के लिए नगरीय निकाय के अधिकारी इंटरनेट कंपनियों से करार करेंगे। वाईफाई में इंटरनेट की स्पीड पर विशेष ध्यान रखा जाएगा। नगर आयुक्तों व अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिया है कि स्मार्ट सिटी परियोजना या फिर नगरीय निकाय अपने स्त्रोत से इसका खर्च उठाएंगे। निकायों से यह भी कहा गया है कि सुविधा देने की जानकारी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल-चतुर्थ, सिस गोमती-लेसा मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लि0 82-83 इन्द्रलोक हाईडिल कालोनी, कृष्णानगर, लखनऊ (ई-निविदा आमंत्रण सूचना)

विद्युत वितरण मण्डल-चतुर्थ, लेसा-सिस गोमती, लखनऊ के कार्य क्षेत्रान्तर्गत निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा में प्रथम भाग में लगाये जाने वाले सभी प्रपत्रों का विवरण एवं धरो. हर धनराशि, निविदा प्रपत्र मूल्य का विवरण तथा अन्य समस्त नियम व शर्तें निविदा प्रपत्र से अवलोकन करना सुनिश्चित करें जो कि उ0प्र० सरकार की ई-टेण्डर वेबसाइट https:// etender.up.nic.in पर 02.08.2021 को 12:00 बजे तक डाउनलोड किये जा सकते है, जिसका प्रथम भाग उसी दिन को 16:00 बजे अथवा बाद में खोला जायेगा। यदि निविदा खुलने की तिथि को सार्वजनिक अवकाश पड़ता है तो निविदायें अगले कार्यदिवस में नियत समय पर खोली जाएगी। निविदा में यदि कोई भी संशोधन अथवा निविदा खोलने की तिथि में विस्तार एवं निविदा द्वितीय भाग खोले जाने की सूचना उ0प्र० सरकार की ई-टेण्डर वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी। अधोहस्ताक्षरी को एक अथवा समस्त निविदा प्रपत्र को बिना कारण बताये निरस्त/ विभक्त करने का अधिकार सुरक्षित है। निविदा का विवरण निम्नवत् है :- **अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना सं0 36/2021-22** 1. वि0वि0ख0, सेस-प्रथम, सिस गोमती-लेसा, लखनऊ के तहत 33/11 के.वी. उपकेन्द्र अम्बेडकर विश्वविद्यालय एवं गहरू पर स्थापित पॉवर परिवर्तकों के अनुरक्षण/मरम्मत का कार्य। निविदा प्रपत्र मूल्य 1180.00 (जीएसटी सहित), धरोहर राशि रू0 2,000.00। **अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना सं0 37/2021-22** 1. वि0वि0ख0, सेस-प्रथम, सिस गोमती-लेसा, लखनऊ के तहत 33 के.वी. बनी लाईन एवं 33/11 के.वी. उपकेन्द्र गहरू से पोषित 11 के0वी0 फीडरों को छू रही पेड़ों की कटाई एवं छटाई का कार्य। निविदा प्रपत्र मूल्य 1180.00 (जीएसटी सहित), धरोहर राशि रू0 2,000.00। **अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना सं0 38/2021-22** 1. वि0वि0म0- चतुर्थ, सेस-गोमती-लेसा, लखनऊ के तहत अधी0 अभि0 हेतु एक अद्द डीजल चालित वाहन को एक वर्ष के लिए किराये पर रखने हेतु। निविदा प्रपत्र मूल्य 1180.00 (जीएसटी सहित), धरोहर राशि रू0 3,000.00। **अधीक्षण अभियन्ता (चतुर्थ)** पत्रांक संख्या : 363/वि0वि0मं0(च0) /कैम्प/निविदा दिनांक : 24.07.2021 "राष्ट्र हित में बिजली बचायें"

एक दिन में 10 लाख 6 हजार लोगों को टीकाकरण का नया रिकार्ड

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● **बलरामपुर, बस्ती, एटा, हाथरस, महोबा, श्रावस्ती जिले कोरोना से हुए पूरी तरह से मुक्त**

कोरोना का संक्रमण लगातार प्रदेश में घटता जा रहा है। प्रदेश की बेहतर होती स्थिति में सीएम योगी आदित्यनाथ के कोविड प्रबंधन की बड़ी भूमिका रही है। बीमारी को समाप्त करने के लिये उठाए गये कदमों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। जिसका नतीजा है कि बलरामपुर, बस्ती, एटा, हाथरस, महोबा, श्रावस्ती में एक भी कोरोना मरीज शेष नहीं रह गया है। ये जिले कोरोना से मुक्त हो चुके हैं।

प्रदेश ने एक दिन में कोविड से बचाव के लिये सबसे अधिक टीकाकरण का फिर नया रिकार्ड बनाया है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश में 10 लाख 6 हजार से अधिक लोगों ने टीका कवर प्राप्त किया है। इस दौरान कुल 1006068 लोगों को डोज दी गई हैं। वर्तमान में टीकाकरण की प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। अब तक 4 करोड़ 38 लाख 22 हजार 201 से अधिक लोगों को वैक्सीन डोज लगाई जा चुकी है। प्रदेश में तेजी से चल रहे टीकाकरण अभियान के कारण प्रदेश के 41 जिलों में इकाई अंकों में कोविड मरीज ही शेष बचे हैं। यूपी में अग्रेसिव टेस्टिंग, माइक्रो कंटेनमेंट जोन, गांवों में निगरानी समितियों के माइक्रो मैनेजमेंट और ट्रीटमेंट से कोरोना नियंत्रित हुआ है। प्रदेश की स्थिति लगातार बेहतर हो जा रही है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें टीकाकरण और कोविड जांच करने में जुटी हैं। जिसके चलते पिछले दिनों 255147 सैंपल की जांच हुई और मात्र 42 सैम्पल में कोविड संक्रमण की पुष्टि की गई है। जबकि पॉजिटिविटी दर 0.02 फीसदी रही। इसी अवधि में 99 मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए हैं। किसी भी जिले में दहाई अंक में कोरोना के नए केस नहीं मिले हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अग्रेसिव रणनीति से कोरोना काबू में आया है। यूपी मॉडल के ट्रेस, टेस्ट, ट्रीट के साथ आंशिक कोरोना कर्फ्यू और टीकाकरण का नतीजा है कि 25 करोड़ की आबादी वाले उत्तर प्रदेश में महज 932 एक्टिव केस ही सामने आए हैं।

गुरु पूर्णिमा पर बीजेपी ने साधु-संतों से लिया आशीर्वाद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के प्रदेश पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शनिवार को पूरे प्रदेश में मंदिर-मठों में जाकर साधु संतों से भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया और सम्मान किया।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने सुबह लखनऊ में बौद्ध मंदिर लाटूश रोड, लाजपत नगर स्थित गुरुद्वारा और बड़ी काली जी मंदिर चौक में पहुंचकर पूजा अर्चना की और साधु-संतों का आशीर्वाद लेकर उन्हें अंग वस्त्र व फूल-माला पहनाकर सम्मान व अभिनंदन किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दोपहर में हनुमान सेतु मंदिर पहुंचे, जहां पूजा अर्चना करने के बाद स्वतंत्र देव सिंह ने साधु, संतों, महात्माओं के चरण पखारे और उनका अभिनंदन, सम्मान कर आशीर्वाद लिया। स्वतंत्र देव सिंह ने साधु संतों का सम्मान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद कहा कि गुरुजन, साधु, संत व्यक्ति और समाज के पथ प्रदर्शक होते हैं। देश व राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। इसलिए आज गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पार्टी कार्यकर्ता पूरे प्रदेश प्रदेश में साधु संतों का अभिनंदन वंदन करते हुए आभार जताकर आशीर्वाद ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी-योगी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने समाज के सभी वर्गों के विकास और देश व प्रदेश के गौरव के उत्थान के लिए कार्य किया है। शिक्षा स्वास्थ्य सामाजिक सुरक्षा के साथ ही आस्था व अध्यात्म के केंद्रों राष्ट्रवाद के नायकों सामाजिक जागरण के प्रणेता रहे महापुरुषों के सम्मान के लिए अनेक कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि समाज के जागरण में धार्मिक आध्यात्मिक संस्थानों की अहम भूमिका रही है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदाएँ आमंत्रित करते हैं :

क्र. सं. : 1, ई-प्रापण निविदा संख्या : उप मु. इं.नि.-पुल-गो.-11-2021 (Single packet system) निविदा की अन्तिम तिथि 18.08.2021, कार्य का नाम : पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के बलिया स्थित कोच मेन्टिनेन्स फैरिलिटी के लिए सिक लाइन शेड (10x50 M) बनाने हेतु विभिन्न स्टील स्ट्रक्चर कम्पोनेन्ट के फेब्रिकेशन, ढुलाई व आपूर्ति, इरेक्शन व लॉचिंग का कार्य, **अनुमानित निविदा मूल्य** : रु. 2,16,53,640.00, **बयाना राशि** : रु. 0.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : रु. 0.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि** : 06 (छ:) माह। • बिड प्रारम्भ करने की तिथि-दिनांक 04.08.2021 • उपरोक्त ई-निविदा सबमिशन की अन्तिम तिथि- दिनांक 18.08.2021 15.00 बजे तक • उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि- दिनांक 18.08.2021 15.30 बजे • निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होंगे। • श्री राम अवध कार्यपालक इंजीनियर/निर्माण/पुल/गोरखपुर 09794844274

उप मुख्य इंजी./निर्माण/पुल
मुजाधि/डब्ल्यू-118 पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर

यात्री सुविधा सम्बन्धित शिकायत हेतु मो.-09794845955 पर SMS करें

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

प्रदेश पूरी तरह से जंगलराज में बदल गया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री जो कभी अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की बात करते थकते नहीं, अपराध जगत के लिए हीरो बन गए हैं। उनका सम्पूर्ण प्रशासन अपराधियों के आगे नतमस्तक है। उत्तर प्रदेश पूरी तरह जंगलराज में बदल गया है जहां अपराधी बेलगाम हैं और बहन बेटियां हैवानियत की शिकार हैं। कोई दिन ऐसा नहीं जाता जब लूटए अपहरणए हत्या और बलात्कार की घटना नहीं घटती हो। अखिलेश ने कहा कि आगरा में कालिंदी बिहार ज्योतिकुंज में एक होजरी व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अलीगढ़ के धर्मपुर गांव में बरामद में घुसकर युवक की हत्या कर दी गई। चंदौसी के विकास नगर में कन्फेक्शनरी दुकानदार की गोली मारकर हत्या की गई। बरेली में संजय नगर में दादी के साथ बाजार गए 4 साल के बच्चे का अपहरण कर लिया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में एक और हिरासत में मौत हो गई। बिजनौर में पुलिस हिरासत के दौरान एक और युवक की दु:खद मौत हुई। बिजनौर के रेहड़ थाना क्षेत्र के कल्लू बालागंज गांव के सोनू कुमार को चौकी से रायफल चोरी के शक में हिरासत में लिया गया था। अखिलेश ने कहा कि उन्नाव के बीघापुर क्षेत्र में एक युवती के साथ दुष्कर्म में विफल रहने पर गला दबाकर हत्या का प्रयास भी जब असफल रहा तो उसे छत से नीचे फेंक दिया गया।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैं भूतपूर्व हवलदार रामकुमार पुत्र श्री रमेश चन्द्र नि0 मिश्रखेड़ा पोस्ट करबिगंवा, कानपुर सर्विस नं0 14408774F सूचित करना चाहता हूँ कि मेरे पुत्र का नाम सर्विस रिकार्ड में त्रुटिवश आकाश अंकित हो गया था जबकि उसका सही नाम आकाश कुमार है वर्तमान से उसे इसी नाम से जाना जाये।

सूचना

सूच्य हो कि मेरे एनटीपीसी सेवा अभिलेखों में मेरी धर्मपत्नी का नाम राधा दर्ज है। जो अपूर्ण और असत्य है। जबकि अन्य अभिलेखों में मेरी धर्मपत्नी का नाम राधा सिंह दर्ज है, जो पूर्ण और सत्य है। अत: मेरी धर्मपत्नी को राधा सिंह नाम से जाना, पहचाना व समझा जाए। रघुनाथ सिंह पुत्र राम प्रताप सिंह निवासी-टाईप तृतीय-59 एनटीपीसी कालोनी, ऊंचाहार - रायबरेली।

NOTICE

NOTICE

I, Avi (existing name of spouse as per nok record /service document) spouse of army No 15578918F rank Hav name Krishna Kumar (name of the father) resident of Vill Kewadiya Post Patara Teh Ghatampur Dist Kanpur (Nagar) State UP pin no 209308 (address)have changed may name from Avi (esisting name of spouse as per changed of next of nok record /service document) to Agrim Singh(proposed/adopted new name)

यूपी चला मेडिकल हब बनने की डगर पर

● **बिहार सहित पड़ोसी राज्यों और नेपाल देश के रोगियों को भी मिलेगी इलाज में सहूलियत**

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी मेडिकल हब बनने के रास्ते पर चल पड़ा है। वह दिन दूर नहीं जब बिहार और नेपाल के रोगियों को भी इलाज में सहूलियत मिलेगी। इलाज के लिए एक जिले से दूसरे जिले भटकने से मुक्ति मिलेगी। ऐसा इसलिए हो पाया है कि 25 करोड़ की आबादी वाले प्रदेश में आजादी के बाद पहली बार चिकित्सा सुविधाओं में आमूलचूल परिवर्तन हो रहा है। सीएम योगी की 'वन डिस्ट्रिक, वन मेडिकल कॉलेज' नीति के तहत हर जिले में मेडिकल कॉलेज बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री के चिकित्सा सुविधाओं को बेहतर बनाने की मुहिम से प्रदेश ने ऊंची उड़ान भरी है। इससे राजधानी लखनऊ पर प्रदेश के अन्य जिलों से आने वाले रोगियों का भार कम होगा और जिले स्तर पर उपचार की सुविधाओं में बढ़ोतरी होने से लोगों को इलाज के लिए एक जिले से दूसरे जिले में जाने से भी राहत मिलेगी। कोरोना की पहलीए, दूसरी और संभावित तीसरी लहर को देखते हुए भी चिकित्सा सुविधाओं में युद्ध स्तर पर इजाफा किया जा रहा है।

आबादी के लिहाज से देश के सबसे बड़े प्रदेश में वर्ष 2017 के पहले मात्र 17 मेडिकल कॉलेज, संस्थान और विश्वविद्यालय थे, लेकिन पिछले साढ़े चार सालों में अब यह बढ़कर 33 हो गए हैं। नौ जिलों देवरिया, एटा, फतेहपुर, गाजीपुर, हरदोई, जौनपुर, मिर्जापुर, प्रतापगढ़, सिद्धार्थनगर में 2334 करोड़ की लागत से मेडिकल कॉलेज बनकर तैयार हो गए हैं और अब 30 जुलाई को इनका लोकार्पण होना है। प्रदेश में सिर्फमेडिकल क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप नहीं हो रहा बल्कि नए डॉक्टर भी तैयार हो रहे हैं। पिछले साढ़े चार सालों में आठ सौ सीटें एमबीबीएस की बढ़ी हैं और अक्टूबर से नौ सौ और बढ़ने वाली हैं। इसी तरह पीजी की सीटें 2016 में 741 थीं और अब बढ़कर 1027 हो गई हैं। इनमें भी अगले सत्र से बढ़ोतरी होनी तय है। इसके अलावा नए बने नौ मेडिकल कॉलेजों में करीब तीन हजार बेडों की भी बढ़ोतरी हुई है। नए बने नौ मेडिकल कॉलेजों में 70 प्रतिशत से अधिक फैकल्टी का चयन किया जा चुका है। 459 फैकल्टी के पदों के सापेक्ष 258 और सीनियर रेजिडेंट के 216 पदों के सापेक्ष 164 की भर्ती हो चुकी है। ज्वांइनिंग की प्रक्रिया चल रही है। इसी तरह 402 जूनियर रेजिडेंट रखे जा रहे हैं। हर मेडिकल कॉलेज में 460 पैरा मेडिकल स्टॉफ और 225 नर्सें रखी जा रही हैं। यानि कुल 6165 युवाओं को रोजगार मुहैया कराया जा रहा है। अमेठी, औरैया, बिजनौर, बुलंदशहर, चंदौली, गोंडा, कानपुर देहात, कौशाम्बी, कुशीनगर, लखीमपुर खीरी, ललितपुर, पीलीभीत, सोनभद्र और सुल्तानपुर जिले में 2022 तक मेडिकल कॉलेजों की सौगात मिलेगी। इनका निर्माण कार्य चल रहा है। इसके अलावा 16 शेष जिलों में पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज खोलने की तैयारी कर ली गई है और सीएम योगी ने नीति का प्रजेंटेशन भी देख लिया है। आशा है कि जल्द नीति जारी कर दी जाएगी।

मौजूदा समय में 30 निजी मेडिकल कॉलेज कार्यरत हैं। भविष्य में इनमें और बढ़ोतरी की संभावना है। इसके अलावा रायबरेली और गोरखपुर में एम्स का संचालन हो रहा है। गोरखपुर एम्स में फिलहाल, ओपीडी सेवाएं शुरू हैं। जल्द ही यहां अन्य सेवाओं की भी शुरुआत होने वाली है।

उ0प्र0 पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड निविदा

अधिकृत एवं अनुभवी ठेकेदारों/फर्मो से निम्न कार्य हेतु दिनांक 20.08.2021 को 14:00 बजे तक साधारण निविदा आमंत्रित की जाती है तथा उसी दिन 15:30 बजे के पश्चात् खोली जायेगी। निविदा शुल्क एवं धरोहर धनराशि को आरटीजीएस/ एनईएफटी अथवा सीधे **अधिशासी अभियन्ता, विद्युत पारेषण खण्ड, लखीमपुर के खाता संख्या**-50200029446442, **आई0एफ0एस0सी0 कोड**-HDFC0001914 **बैंक का नाम- एच0डी0एफ0सी0 बैंक लि0, लखीमपुर** में जमा करना अनिवार्य है। निविदा प्रपत्र अधिशासी अभियन्ता, विद्युत पारेषण खण्ड, लखीमपुर के कार्यालय से 20.08.2021 को 14:00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते हैं। खुलने की तिथि को अवकाश की दशा में निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। सम्पूर्ण निविदा या निविदा के किसी भाग को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा। **साधारण निविदा खुलने की तिथि 20.08.2021**

निविदा सूचना सं0-02/वि0पारे0ख0 (लखी0)/2021-22 अधिशासी अभियन्ता, विद्युत पारेषण खण्ड लखीमपुर के प्रयोगार्थ डीजल चलित वाहन (जीप/बोलेरो) जो तीन वर्ष से अधिक उपयोग में न हो/ड्राईवर सहित 09 माह हेतु आपूर्ति। धरोहर धनराशि रू0 2000.00/- मात्र, निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0) -590.00/- मात्र (प्रति निविदा)। **निविदा सूचना सं0-03/वि0पारे0ख0 (लखी0)/ 2021-22** उपखण्ड अधिकारी, विद्युत पारेषण उपखण्ड-प्रथम लखीमपुर के प्रयोगार्थ डीजल चलित वाहन (जीप/बोलेरो) जो तीन वर्ष से अधिक उपयोग में न हो/ड्राईवर सहित 09 माह हेतु आपूर्ति। धरो. हर धनराशि रू0 2000.00/- मात्र, निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0) -590.00/- मात्र (प्रति निविदा)। धरोहर राशि जो कि अधिशासी अभियन्ता, विद्युत पारेषण खण्ड के लखीमपुर के नाम डीडी/एफडीआर के रूप में मूल प्रति भाग 01 में व निविदा प्रपत्र भाग 2 में अधिशासी अभियन्ता विद्युत पारेषा खण्ड के लखीमपुर के कार्यालय में नियत तिथि को 14:00 बजे तक जमा किये जा सकते हैं। **(रामानन्द) अधिशासी अभियन्ता, विद्युत पारेषण खण्ड, उ0प्र0 पावर ट्रान्स0 कारपो0लि0 132 के0वी0 उपकेन्द्र (छाउछ) लखीमपुर-खीरी-उ0प्र0 262701** पत्रांक-682/वि0पारे0ख0(लखी0)/ दिनांक:- 24.07.2021 ''राष्ट्रहित में बिजली बचायें''।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। फोन: (0522) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

भदेवां में चला बुलडोजर, 100 करोड़ की जमीन से हटाया कब्जा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ऐशबाग में एलडीए द्वारा 100 करोड़ की जमीन से अवैध कब्जा हटाया गया। इससे पहले भदेवां में नजूल अधिकारी ने स्थलीय निरीक्षण कर अवैध कब्जे को चिन्हित किया। डेढ़ दर्जन लोग अवैध रूप से झुग्गी-झोपड़ी डालकर कबाड़ का व्यापार करते पाए गए। एलडीए और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई करते हुए नजूल की 12 बीघे जमीन खाली कराई।

शनिवार को ऐशबाग में लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अभिषेक प्रकाश द्वारा अवैध कब्जेदारों के खिलाफकी कार्रवाई की गई। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने ऐशबाग के भदेवां में स्थित नजूल की 12 बीघा जमीन पर जेसीबी चलवाकर अवैध कब्जा हटाया। खाली कराई गई इस जमीन की कीमत तकरीबन 100 करोड़ रुपये है।

एलडीए के सचिव पवन कुमार गंगवार ने बताया कि ऐशबाग के भदेवां में स्थित खसरा संख्या 209, 210, 211, 212, 213, 214, 218 व 219 जिसका क्षेत्रफल 3.050 हेक्टेयर है, पर विगत कई वर्षों से अवैध कब्जा था। इस पर नजूल अधिकारी आनंद कुमार सिंह को कार्रवाई के आदेश दिए गए थे। नजूल अधिकारी ने बताया कि इस जमीन का स्थलीय निरीक्षण करने पर पाया गया कि यहां करीब डेढ़ दर्जन लोग अवैध रूप से झुग्गी-झोपड़ी डालकर कबाड़ का काम कर रहे हैं। जांच में सामने आया कि रईस अहमद नाम के व्यक्ति ने इन कबाड़ व्यापारियों को यहां अवैध रूप से बसाया है। पूछताछ में यह भी पता चला कि रईस अहमद द्वारा इन कब्जेदारों से अवैध रूप से किराया भी वसूला जा रहा है। नजूल अधिकारी ने बताया कि लखनऊ विकास प्राधिकरण की इस नजूल भूमि पर अवैध तरीके से काबिज कबाड़ व्यापारियों को जमीन खाली करने की हिदायत देते हुए कई बार चेताया भी गयाए लेकिन इसके बाद भी इन लोगों द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाया गया। इस पर शनिवार को एलडीए और पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए उक्त जमीन से अवैध कब्जा हटवाया। उन्होंने बताया कि अब इस सम्बंध में एलडीए द्वारा रईस अहमद समेत अन्य कब्जेदारों के खिलाफ स्थानीय थाने में मुकदमा दर्ज करवाया जाएगा।

एलडीए में लागू होगा ई-ऑफिस सिस्टम

● भ्रष्टाचार पर लगेगी नकेल, फाइलों को लंबित रखने वाले अफसरों की तय होगी जवाबदेही

लखनऊ। जनहित में एलडीए द्वारा एक और बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत अब जल्द ही लखनऊ विकास प्राधिकरण में ई-ऑफिस प्रणाली लागू हो जाएगी। इससे भ्रष्टाचार पर नकेल लगने के साथ ही विभाग द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यों में पारदर्शिता आएगी। एलडीए वीसी ने इस व्यवस्था को लागू करने के संबंध में एक आदेश जारी किया। यही नहीं इसकी रूपरेखा तैयार करने के लिए राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी को पत्र भी लिखा है। शनिवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अभिषेक प्रकाश ने ई आफिस प्रणाली लागू करने का आदेश जारी किया है। वीसी द्वारा बताया गया कि प्राधिकरण द्वारा सार्वजनिक हित में महत्वपूर्ण कार्य निष्पादित किए जाते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए प्राधिकरण में ई-ऑफिस प्रणाली लागू किए जाने का निर्णय लिया गया है। उपाध्यक्ष ने इसकी विशेषता बताते हुए कहा कि ई-ऑफिस प्रणाली लागू होने से सारा काम पेपरलेस हो जाएगा और सभी महत्वपूर्ण दस्तावेज डिजिटल रिकॉर्ड में रहेंगे। इससे फाइलों के गायब होने या नष्ट होने की संभावना नहीं रहेगी। वहीं, इस प्रणाली के तहत यह भी पता चल सकेगा कि कौन सी फाइल-किस पटल पर-कितने दिन लंबित रही। इससे कार्यों को लंबित रखने वाले कर्मचारियों की जवाबदेही भी तय हो सकेगी और लोगों को अपना काम कराने के लिए विभाग के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। एलडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि लखनऊ विकास प्राधिकरण में ई-ऑफिस प्रणाली लागू किए जाने के लिए उन्होंने राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी को पत्र लिखा है। इसमें उनसे ई-ऑफिस की वेबसाइट से स बंधित जरूरी व्यवस्था कराने के लिए कहा गया है। उनके द्वारा प्राधिकरण के स्तर पर जो भी वांछित कार्यवाही बताई जाएगी, उसे तुरंत पूरा किया जाएगा।

आईएससी इंटर बोर्ड परिणाम

सीएमएस के 40 छात्रों ने 99.75 प्रतिशत अंक अर्जित कर रचा नया इतिहास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सिटी मान्टेसरी स्कूल के 40 मेधावी छात्रों ने आई.एस.सी. (कक्षा-12) के बोर्ड परिणाम में 99.75 प्रतिशत अंक अर्जित कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकार हरि ओम शर्मा ने बताया कि इस वर्ष के आई.एस.सी. (कक्षा-12) के बोर्ड परिणाम में सी.एम.एस. के 121 छात्रों ने 99 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किए हैं जबकि 831 छात्रों ने 95 प्रतिशत से अधिक एवं 1974 छात्रों अर्थात 72.12 प्रतिशत छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित कर लखनऊ का गौरव बढ़ाया है। आई.एस.सी. (कक्षा-12) के बोर्ड परिणाम में सी.एम.एस. से कुल 2737 छात्रों ने प्रतिभाग किया। इसी प्रकार, आई.सी.एस.ई. (कक्षा-10) के बोर्ड परिणाम में सी.एम.एस. के पांच छात्रों ने 99 प्रतिशत से लेकर 99.40 प्रतिशत तक अंक अर्जित कर अपने मेधात्व का परचम लहराया है। शर्मा ने बताया कि आई.एस.सी. (कक्षा-12) बोर्ड परिणाम में 99.75 प्रतिशत अंक अर्जित करने वाले 40 मेधावी छात्रों में अपुल रंजन, कुशाग्र शंकर सक्सेना, पार्थ द्विवेदी, रिशिका शुक्ला, शुभि कपूर, श्याम अग्रवाल, साद फुरकान, यासफीन सरहन, प्रभव खेड़ा, आदित्य चतुर्वेदी, अनिकेत कनौजिया, अनिन्दम चतुर्वेदी, भूमि मौर्या, दिव्यांशी वर्मा, कृष्णांशु पाण्डेय, मनीषा सिंह, प्रियंक यादव, संविका बंसल, सात्विक टेकरीवाल, सौभाग्य तिवारी, शगुन त्रिवेदी, वंशिका मित्तल, विशाल चौधरी, अनुकृति दत्ता, अस्मिता स्वप्निल, अथर्व शर्मा, प्रकृति टंडन, राधिका गुप्ता, रिशिका तिवारी, संकल्प द्विवेदी, संस्कृति गौतम, शिंजनी कक्कड़, स्तुति उपाध्याय, सुमेधा रस्तोगी, सैयद मोहम्मद मुस्तफा, यश राज गुप्ता, देवेश अग्रवाल, मोहम्मद ताहा खान, शिवम सक्सेना एवं सचिन श्रीवास्तव प्रमुख हैं। इसी प्रकार, आई.सी.एस.ई. (कक्षा-10) बोर्ड परिणाम में 99 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले छात्रों में प्रियंका अरोड़ा (99.40 प्रतिशत), आदित्य सिंह (99.20 प्रतिशत), शुभांषी श्रीवास्तव (99.20 प्रतिशत), अभिज्ञान गोपाल भरतरिया (99 प्रतिशत) एवं अनन्या अग्रवाल (99 प्रतिशत) प्रमुख हैं। आई.एस.सी. (कक्षा-10) के बोर्ड परिणाम में सी.एम.एस. से कुल 3416 छात्रों ने प्रतिभाग किया, जिसमें से 2465 छात्रों अर्थात 72.16 प्रतिशत छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किये हैं तथापि 1078 छात्रों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किये हैं। कुल मिलाकर, सी.एम.एस. से कुल 6153 छात्रों ने आई.एस.सी. एवं आई.सी.एस.ई. बोर्ड में प्रतिभाग किया, जिसमें से 4439 छात्रों ने 90 प्रतिशत से लेकर 99.75 प्रतिशत तक अंक अर्जित किये हैं। शेष छात्रों ने भी अत्यन्त उच्च अंक अर्जित कर सी.एम.एस. का नाम गौरव बढ़ाया है। इस प्रकार आई.एस.सी. एवं आई.सी.एस.ई. के बोर्ड परिणामों ने एक बार फिर दिखा दिया कि गुणात्मक शिक्षा के क्षेत्र में सीएमएस सर्वश्रेष्ठ है। इन बोर्ड परिणामों में मेधावी छात्रों ने अभूतपूर्व प्रदर्शन कर लखनऊ का नाम पूरे देश में गौरवान्वित किया है।

वेदांशी ने बढ़ाया परिवार का मान

लॉरेटो कांवेंट स्कूल की छात्रा वेदांशी त्रिपाठी ने आईएससी बोर्ड की इंटर परीक्षा में 97 फीसदी अंक हासिल करके अपने परिवार का मान बढ़ाया है। उसे राजनीतिक विज्ञान विषय में 98, मनोविज्ञान में 97, भूगोल में 97 और अंग्रेजी में 96 अंक मिले हैं। वेदांशी के पिता अभय नाथ त्रिपाठी पुलिस सेवा में हैं। सीनियर पीपीएस अधिकारी और एडीशनल एसपी अभय नाथ त्रिपाठी वर्तमान में उत्तर प्रदेश के डीजीपी मुकुल गोयल के पीआरओ के पद पर तैनात हैं। उन्होंने बेटी की इस सफलता पर बेहद खुशी जाहिर की है।

चार घरों के ताले टूटे, नगदी समेत लाखों की चोरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जानकीपुरम स्थित सहारा स्टेट में चोरियों का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। बेखौफ चोरों ने सहारा स्टेट के न्यू मल्हार में चार घरों के ताले तोड़ दिए। गनीमत यह रही कि चोर सिर्फ एक घर मे चोरी करने में सफल हो सके। चोरों ने घर में रखे दो लाख कैश व ज्वैलरी पर हाथ साफ कर दिया। मकान मालिक के वापस आने पर चोरी का पता चला। जिसके बाद जानकीपुरम पुलिस को सूचना दी गई। वहीं कालोनी में लगातार हो रही चोरियों के विरोध में सहारा स्टेट्स ओनर रेजिडेंट एसोसिएशन के बैनर तले कालोनी के लोगों ने मार्च निकाला और मेंटीनेंस आफि सर से अपनी शिकायत दर्ज कराई।जानकीपुरम के सहारा स्टेट कालोनी के न्यू मल्हार निवासी स्वप्निल सिंह ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ 22 जुलाई को हरैयाए बस्ती गए थे। इसी बीच घर की खिड़की की ग्रिल काटकर चोर घर मे घुस गए। चोरो ने घर में रखी दो लाख की नगदी व दो सोने की चेन, तीन अंगूठी, दो कान के टाप्स व अन्य सामान चोरी कर लिया। शुक्रवार देर शाम घर वापस आने और अंदर रखा सामान बिखरा देखकर गृह स्वामी को चोरी की जानकारी हुई। पीड़ित ने एसोसिएशन के सचिव आई मिश्रा समेत अन्य सदस्यों को चोरी की जानकारी दी।

सीसीटीवी में कैद हुई चोरों की करतूत

चोरी की जांच में लगी पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली है। न्यू मल्हार के एक घर के पास लगे सीसीटीवी के कैमरे में चोरो की करतूत कैद हो गई। कैमरे में तीन चोर नजर आ रहे हैंए जो घर के दरवाजे को तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। इनके चेहरे भी साफनजर आ रहे हैं। हालांकि बाद कैमरे की जानकारी होने सभी ने चेहरे ढककर कैमरे का मुंह भी दूसरी तरफ कर दिया। न्यू मल्हार में चोरी की घटना से यहां के निवासियों के मन में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आक्रोश है। नाराज लोगों ने शनिवार को एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ मिलकर कालोनी में पैदल मार्च निकाला और अपना विरोध दर्ज कराया। इसके बाद एसोसिएशन ने कालोनी की देखभाल के जिम्मा सम्भालने वाले मेंटीनेंस आफिसर से मुलाकात की। कालोनी के लोगों ने बढ़ती चोरी की घटना ओर नाराजगी जताई और सुरक्षा बढ़ाने का अनुरोध किया।

तीन अन्य घरों के भी तोड़े ताले

चोरी के सूचना पर एसोसिएशन के सचिव व अन्य लोग मौके पर पहुंचे। एसोसिएशन के सदस्यो ने जांच पड़ताल शुरू की तो तीन अन्य घरों के भी ताले टूटे हुए थे। लेकिन चोर दरवाजे पर इण्टर लॉकिंग के कारण घर के अंदर घुसने में सफल नहीं हो सके। यह सभी घर वाले भी परिवार के साथ शहर से बाहर गए हुए थे। एक घर में लाखों की चोरी व तीन अन्य में चोरी के प्रयास से कालोनी के लोग नाराज हो गए। जिसके बाद दर्जनों कालोनीवासी जानकीपुरम थाने पहुंचे। उन्होंने थाना प्रभारी इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह गौर को कालोनी में बढ़ती चोरियों के बारे में जानकारी दी। पीड़ित स्वप्निल सिंह ने घर मे हुई चोरी की तहरीर दी। जिसके बाद इंस्पेक्टर फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और चोरी से जुटे साक्ष्य जुटाए।

कारोबारी के फ्लैट में दबंगों का तांडव

लखनऊ। पीजीआई स्थित वृंदावन कॉलोनी सेक्टर-6 के सामिया अपार्टमेंट में रहने वाले रियल स्टेट कारोबारी रितेश चंद्र मिश्रा के फ्लैट में घुसकर बीती रात दर्जन भर से ज्यादा दबंगों ने जमकर तांडव किया। दबंगों ने रितेश चंद्र मिश्रा को जमकर पीटते हुए उनके बेटे ऋषि और पत्नी से अभद्रता की। इतना ही नहीं आरोप है कि ये लोग रितेश चंद्र की पत्नी पूनम मिश्रा के गले और कान में पड़ी चेन व बाली छीन कर भाग निकले। लूट और मारपीट की घटना रितेश चंद्र मिश्रा के घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। देर रात हुई घटना के बाद सक्रिय हुई पुलिस ने आठ नामजद व आधा दर्जन से ज्यादा अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। इंस्पेक्टर पीजीआई आनंद प्रकाश शुक्ला के अनुसार उन्हें छानबीन में पता चला कि रितेश चंद्र मिश्रा व बृजेश यादव आपस में जमीन के काम में पार्टनर हुआ करते हैं।

आपत्तिजनक वीडियो अपलोड करने का मुकदमा दर्ज

लखनऊ। कृष्णानगर कोतवाली में महिला ने पोर्न वेसबाइट पर उसकी आपत्तिजनक वीडियो अपलोड किए जाने का मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता के मुताबिक परिचितों से उसे इस बात की जानकारी मिली थी। छानबीन करने पर पता चला कि करीब 15 वेबसाइट पर यह वीडियो मौजूद है। महिला के मुताबिक कम्प्यूटर से एडिटिंग कर यह वीडियो तैयार कर वेबसाइट पर डाली गईं हैं। इंस्पेक्टर कृष्णानगर के मुताबिक साइबर सेल की मदद से वीडियो वेबसाइट पर अपलोड करने वाले व्यक्ति के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है।

तीसरी लहर की तैयारी पर डीएम सख्त

ऑक्सीजन प्लांट लगाने वाली संस्था को दिए कड़े निर्देश

● दूसरे जिलों और गैर राज्यों से आने वाले लोगों का आरटीपीसीआर टेस्ट व उनकी पूरी ट्रेवल्स हिस्ट्री का विवरण लेने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना की सम्भावित तीसरी लहर को देखते हुए जिलाधिकारी ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सख्त दिशा निर्देश जारी किए हैं। डीएम की अध्यक्षता में शनिवार को एक बैठक हुई। बैठक में सभी शासकीय और प्राइवेट हॉस्पिटल्स के पदाधिकारी व ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने वाली कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।डीएम ने सभी से कोराना से बचाव के लिए की गई तैयारियों की जानकारी हासिल की। बाहरी जिलों से आने वाले लोगों का आरटीपीसीआर टेस्ट और उनकी पूरी ट्रेवल्स हिस्ट्री का विवरण लेने के निर्देश दिए। वहीं, कोरोना संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के जिलाधिकारी ने कड़े दिशा निर्देश दिए। शनिवार को कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने ज़ूम ऐप से तीसरी लहर पर कोविड-19 संक्रमण पर प्रभावी रोक लगाने और अन्य व्यवस्थाओं की तैयारियों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि कोविड प्रबन्धन में लगे सभी अधिकारी तैयार रहे किसी भी हाल में कोविड संक्रमण को बढ़ने नही देना है। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि टेस्टिग व ट्रेसिंग पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही पॉजिटिव रोगी के कान्टैक्ट ट्रेसिंग करने की गति भी तेज की जाए और ट्रेस किये गए कान्टैक्ट की तत्काल टेस्टिंग करना सुनिश्चित कराया जाए। जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि जिले में बाहर से आये हुये लोगों की ट्रेसिंग टेस्टिग अनिवार्य किया जाए। साथ ही बताया कि शासनादेश के अनुसार जिस प्रदेश में विशेषकर माणीपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, महाराष्ट्रा, गोवा, ओड़ीसा व आंध्र प्रदेश में धनात्कम रेट ज्यादा है तो वहां से आने वाले लोगों का आरटीपीसीआर टेस्ट जरूर कराया जाए और उनकी सम्पूर्ण ट्रेवल्स हिस्ट्री का विवरण लेना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि सभी स्वास्थ्यकर्मी को वैक्सीन लगाने की प्रक्रिया को शत प्रतिशत पूर्ण किया जाए। ताकि सभी स्वास्थ्य कर्मियों को इस संक्रमण से बचाया जा सके।

इन्फैक्शन प्रिवेंशन के निर्देशो का हो कड़ाई से पालन

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि पिड्याट्रिक टेस्टिग पर भी विशेष ध्यान दिया जाए और इन्फैक्शन प्रिवेंशन के निर्देशो का कड़ाई से पालन कराया जाए। साथ ही निर्देश दिया कि तीसरी वेब की तैयारी मे पिड्याट्रिक वार्डो की समुचित व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा समस्त हॉस्पिटलों के पदाधिकारियों के साथ आक्सीजन सप्लाई एवं उपभोग की स्थिति की भी समीक्षा की गयी। जिसमें सभी को इससे सम्बधित तैयारी करने के निर्देश दिये गए। साथ ही सभी हॉस्पिटलों को कोविड की दूसरी लहर की भांति तीसरी लहर में भी उससे दोगुनी तैयारी करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त सभी चिकित्सालय को मानवसंसाधन की भर्ती व अन्य व्यवस्थाए भी करने के निर्देश दिए।

50 बेड से अधिक अस्पतालों को मिलेंगे आक्सीजन प्लान्ट

बैठक में जिलाधिकारी द्वारा 50 बेड से अधिक वाले अस्पतालों मे आक्सीजन प्लान्ट लगाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। साथ ही चिकित्सालय में वैक्सीनेशन से सम्बधित आने वाली परेशनिया का साझा किया गया कि जिससे सम्बधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये। साथ ही ओपेन शेसन आर्गनाईज करने का सुझाव भी सुझाव दिया गया।

हनुमान सेतु मंदिर में गुरु पूर्णिमा पर पूजा पाठ करते लोग

कारपेंटर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी के ठाकुरगंज इलाके में एक कारपेंटर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आत्महत्या के पीछे वजह नहीं पता चल सकी है।

आशियामऊ गुलशननगर ठाकुरगंज निवासी मोहम्मद मतीन ने सूचना दिया कि उनका पुत्र आलमीन अहमद (18) कारपेंटर का काम करता था। बीते शुक्रवार की रात खाना खाकर कमरे में चला गया। जब शनिवार की सुबह को देर तक बाहर नहीं निकला तो दरवाजा खटखटाया लेकिन तब भी कोई उत्तर नहीं मिला। उन्हें कुछ शक हुआ तो रोशनदान की तरफ से झांककर देखा तो वह पंखे से रस्सी के फंदे के सहारे लटका हुआ था। तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला।

एमडी मध्यांचल ने किया विराजखंड व मंत्री आवास उपकेन्द्र का रात्रि निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एमडी मध्यांचल एसपी गंगवार ने गोमती नगर क्षेत्र के विराज खण्ड एवं मंत्री आवास उपकेन्द्र का रात्रि निरीक्षण किया। उपकेन्द्र के सभी परिवर्तक पर लोड अन्डरलोड था, ट्रिपिंग भी सामान्य पायी गई।

मुख्य अभियन्ता लेसा सिस गोमती ने अधीक्षण अभियन्ता षष्टम के साथ 33, 11 केवी यूनिवर्सिटी उपकेन्द्र का रात्रि निरीक्षण किया। इसमें मुख्य अभियन्ता द्वारा सप्लाई की स्थिति एवं विद्युत उपभोक्ताओं के परिवादों की जांच की गई। अधिशासी अभियन्ता विवि सेस-2 द्वारा 33,11 केवी एफसीआई काकोरी रोड उपकेन्द्र का रात्रि निरीक्षण कर 400 केवीए परिवर्तक का लोड चेक किया गया। सभी पोषकों पर भार एवं ट्रिपिंग सामान्य पाया गया। अधीक्षण अभियन्ता इन्दिरानगर द्वारा 33, 11 केवी उपकेन्द्र अमराई गांव का निरीक्षण किया। यहां सभी 11 केवीए फीडर सामान्य पाये गये तथा उपकेन्द्र की विद्युत आपूर्ति भी सामान्य की। इसी क्रम में अधिशासी अभियन्ता मुन्शी पुलिया द्वारा तकरोही रोड विद्युत उपकेन्द्र का रात्रि निरीक्षण किया गया। उपकेन्द्र के सभी परिवर्तकों पर लोड सामान्य था। अधीक्षण अभियन्ता राजभवन ने 33, 11 केवी उपकेन्द्र विधानसभा मार्ग का रात्रिकालीन निरीक्षण किया। पैट्रोलिंग में 800 केवीए परिवर्तक बर्लिंगटन चौराहे के लोड के बैलेन्सिंग की कार्यवाही भी की गई। अधिशासी अभियन्ता विनविख राजाजीपुरम ने 33, 11 केवी उपकेन्द्र आरडीएसओ का रात्रि निरीक्षण किया।

चौक में मल्टीलेवल पार्किंग, सह आवासीय काम्पलेक्स का रास्ता साफ

● वीसी ने स्थलीय निरीक्षण कर पार्किंग के रास्तों, डिजाइन व निर्माण सहित दूसरे पहलुओं पर इंजीनियरों से की चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शहर को जाम से बचाने के लिए एलडीए ने चौक में मल्टीलेवल पार्किंग और सह आवासीय का प्लेक्स बनाने की तैयारी की है। पार्किंग की समस्या को दूर करने के लिए एलडीए वीसी ने स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण करने के बाद फायर स्टेशन के पीछे जमीन को चिन्हित किया गया है। निरीक्षण के दौरान वीसी द्वारा मल्टीलेवल पार्किंग के बेहतर उपयोग के लिए इसके रास्तों, डिजाइन और निर्माण सहित दूसरे पहलुओं पर इंजीनियरों से चर्चा की गई।

चौक में लोगों को ट्रैफिक जाम और पार्किंग की समस्या से जल्द ही निजात मिलने वाली है। इसकी वजह यह है कि लाजपत नगर कालोनी के निकट कोनेश्वर चौराहे के पास लखनऊ विकास प्राधिकरण की नजूल भूमि पर बनने वाली मल्टीलेवल पार्किंग एवं सह आवासीय काम्पलेक्स का रास्ता साफ हो गया है। शनिवार को प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अभिषेक प्रकाश व सचिव पवन कुमार गंगवार ने फायर स्टेशन के पीछे स्थित जमीन का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान मल्टीलेवल पार्किंग के बेहतर उपयोग के लिए इसके रास्तों, डिजाइन व निर्माण समेत अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। एलडीए उपाध्यक्ष अभिषेक प्रकाश ने बताया कि मल्टीलेवल पार्किंग के ऊपर आवासीय भवन बनाए जाएंगे, जिससे परियोजना की लागत निकल आएगी। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को जल्द ही योजना का खाका तैयार करके इसे अमल में लाए जाने के आदेश दिए। सचिव पवन कुमार गंगवार ने बताया कि कोनेश्वर चौराहे के पास प्राधिकरण की करीब 25 हजार वर्ग फुट नजूल भूमि है। एलडीए ने बोर्ड बैठक में इस जमीन पर मल्टीलेवल पार्किंग एवं सह आवासीय कॉ पलेक्स बनाए जाने का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा था। जिस पर अपर मु य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी द्वारा प्रस्ताव पर मुहर लगाते हुए स्वीकृति दे दी गई। इसके बाद से प्रस्ताव को अमल में लाने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अभिषेक प्रकाश ने इस जगह का निरीक्षण किया। इस दौरान एलडीए के नजूल अधिकारी आनंद कुमार सिंह समेत संबंधित विभाग के अन्य अफसर और कर्मचारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान पूरी जमीन का बारीकी से मुआयना किया गया। इसमें देखा गया कि पार्किंग में प्रवेश के लिए आने वाला रास्ता कितना चौड़ा होना चाहिए, जिससे वाहनों के आगमन और निकासी में किसी तरह की कोई समस्या न आए। इसके अलावा मल्टीलेवल पार्किंग एवं सह आवासीय कॉ पलेक्स के डिजाइन और वैकल्पिक रास्तों के बारे में भी चर्चा की गई, ताकि पार्किंग को ज्यादा से ज्यादा लोगों के लिए उपयोगी बनाया जा सके। एलडीए उपाध्यक्ष ने अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए कि वे परियोजना का पूरा खाका जल्द से जल्द तैयार करके आगे की कार्रवाई शुरू करें। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं एलडीए उपाध्यक्ष ने कहा कि पुराने लखनऊ में घनी आबादी है, जिसके चलते यहां ट्रैफिक जाम की समस्या रहती है। वहीं, सड़कों पर दो पहिया, चार पहिया वाहनों की पार्किंग से ट्रैफिक जाम की समस्या बढ़ जाती है। ऐसे में कोनेश्वर चौराहे के पास मल्टीलेवल पार्किंग बनने से क्षेत्रवासियों को जाम की समस्या से बड़ी निजात मिलेगी।

इन इलाकों के लोग खड़े कर सकेंगे वाहन

चौक स्टेडियम, घंटा घर, रूमी गेट, टीले वाली मस्जिद, बड़ा इमामबाड़ा, केजीएमयू, बुद्धा पार्क, हाथी पार्क और अटल बिहारी कन्वेंशन सेंटर समेत आसपास के अन्य स्थानों पर आने वाले लोग इस मल्टीलेवल पार्किंग में अपने वाहन खड़े कर सकेंगे।

मोहिनी बी. मनवाणी गर्ल्स डिग्री कालेज
(अल्पसंख्यक संस्थान)
आवास विकास नं.-3, पनकी कल्याणपुर रोड, कल्याणपुर, कानपुर - 208017

डी.एल.एड. (बी.टी.सी.) सत्र 2021-23 हेतु ऑन-लाइन आवेदन

अल्पसंख्यक संस्थान में प्रबन्धकीय कोटे के अन्तर्गत डी.एल.एड. (बी.टी.सी.) 2021 में प्रवेश हेतु ऑन-लाइन आवेदन आमंत्रित है, ऑन-लाइन आवेदन हेतु शैक्षिक अर्हता, आयु एवं अन्य मानक व शर्तें उत्तर प्रदेश शासन के नियमानुसार होगी। प्रवेश मेरिट के आधार पर किये जायेंगे तथा प्रवेश प्रक्रिया व चयन उ.प्र. शासन के मानकानुसार किये जायेंगे। ऑन-लाइन आवेदन महाविद्यालय की वेबसाइट **www.mbmgdc.in** पर दिनांक **25.07.2021** से **12.08.2021** तक कर सकते हैं। अल्पसंख्यक समुदाय के अभ्यर्थियों को वरीयता दी जायेगी।

प्रबंधक

सुनील द्विवेदी अध्यक्ष व ब्रजेश महासचिव निर्वाचित

सेंट्रल बार एसोसिएशन चुनाव परिणाम की आधिकारिक घोषणा

विधि संवाददाता। लखनऊ

सेंट्रल बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में अध्यक्ष पद पर सुनील कुमार द्विवेदी ने शानदार जीत हासिल की है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को 593 वोट के भारी अंतर से हराया है। सुनील को 1729 वोट प्राप्त हुए हैं। वहीं दूसरी तरफ महासचिव के पद पर ब्रजेश कुमार यादव ने भी भारी जीत हासिल की है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को 600 वोट से हराया है। ब्रजेश को 1722 वोट हासिल हुए हैं। वह दूसरी दफा इस पद पर विजयी हुए हैं।

मुख्य चुनाव अधिकारी उपेन्द्र कुमार सिंह के मुताबिक वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर राजीव मिश्रा उर्फ मंटू मिश्रा, उपाध्यक्ष मध्य के दो पदों पर क्रमशः सुभाष भारती व सचिन गुप्ता जबकि कनिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर ब्रह्मेंद्र प्रताप सिह मौर्या निर्वाचित

सुनील द्विवेदी

हुए हैं। कोषाध्यक्ष के पद पर विवेक कुमार मिश्रा ने जीत हासिल की है। जबकि संयुक्त मंत्री के तीन पद पर क्रमशः उत्तम त्रिपाठी, सैय्द वारीसुल बारी व सुरेंद्र कुमार मौर्या विजयी हुए हैं। वरिष्ठ कार्यकारिणी के छह पदों पर क्रमशः रीना वर्मा, कौशलेंद्र कुमार द्विवेदी, अनिता देवी साहू, शिव बहादुर मिश्रा, विनय कुमार व शशि कांत पांडेय जबकि कनिष्ठ कार्यकारिणी के भी इतने ही पदों पर क्रमशः राहुल पांडेय, राधा, ललित मोहन मिश्राए आलोक कुमार दीक्षितए सुजीत कुमार राजपुत व

ब्रजेश यादव

अभिषेक यादव विजयी हुए हैं।

बताते चलें कि बीते 24 मार्च को सम्पन्न हुए इस चुनाव में अध्यक्ष, महासचिव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष व कोषाध्यक्ष के पदों पर मतगणना पूरी हो गई थी लेकिन अन्य पदों के लिए वोटों की गिनती हंगामे के चलते पूरी नहीं हो सकी थी। लिहाजा चुनाव परिणाम की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई थी। इसके बाद यह मामला उप्र बार काउंसिल के साथ ही हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट तक भी गया। अंततः शनिवार को अन्य पदों के लिए मतगणना पूरी कर चुनाव

ब्रह्मेंद्र

परिणाम की घोषणा की गई। इस दौरान एल्डर कमेटी के चेयरमैन गोपाल नारायण मिश्रा व सदस्य प्रमिल खरे तथा पुलिस व प्रसाशन के तमाम अधिकारी भी भारी पुलिस बल के साथ मौजूद थे। इधर, अपनी जीत पर खुशी जाहिर करते हुए नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुनील कुमार द्विवेदी ने वकीलों का आभार व्यक्त किया है। दूसरी बार जीत हासिल करने पर महामंत्री ब्रजेश कुमार यादव ने खुशी जाहिर करते हुए वकीलों की इच्छाओं पर खरा उतरने का वादा किया है।

सांस्कृतिक व वैचारिक क्रांति का केंद्र बनेगा आस्था धामः महापौर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अशोक सिंघल की स्मृति में गौशाला व सांस्कृतिक वेधशाला का शुभारंभ

महापौर संयुक्ता भाटिया द्वारा गौशाला एवं सांस्कृतिक वेधशाला का शुभारंभ कराया गया। गौशाला एवं सांस्कृतिक वेधशाला विश्व हिंदू परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष की स्मृति में स्थापित की गयी हैं। महापौर ने सालिकराम सेवा एवं घाट ट्रस्ट व धन्वंतरि सेवा संस्थान के इस कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा की यह आस्था धाम फिर से सांस्कृतिक एवं वैचारिक क्रांति का केंद्र बनेगा।

शनिवार को पिपरा घाट स्थित सालिकराम सेवा एवं घाट ट्रस्ट वा धन्वन्तरि सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में अशोक सिंघल की स्मृति में गौशाला एवं सांस्कृतिक वेधशाला का शुभारंभ महापौर संयुक्ता भाटिया एवं गौसेवा आयोग के अध्यक्ष श्यामनंदन सिंह द्वारा किया गया। सालिकराम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक बंसल ने बताया कि इस ट्रस्ट का निर्माण सन 1892 में किया गया था जिसका उद्देश्य

सामाजिक और सांस्कृतिक संस्कार को बढ़ावा देना था। विगत कई वर्षों से यहां बने विद्यालय, घाट,मंदिर इत्यादि देखरेख के अभाव में जीर्णशीर्ण अवस्था में पड़े हुए थे, जिसका जीर्णोद्धार करने का बीड़ा धन्वन्तरि सेवा संस्थान ने उठाया है। महापौर ने कहा कि इस पुनीत कार्य शुभारंभ होने जा रहा है यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। यह बड़े हर्ष का विषय है कि यहां अशोक सिंघल की स्मृति में गौशाला और संस्कृत वेद्यशाला का शुभारंभ होने जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि यह ट्रस्ट 1892 से सांस्कृतिक आस्था का केंद्र रहा है लेकिन कुछ वर्षों से देखरेख के अभाव में यहां गतिविधियां रुक गयी थी। लेकिन धन्वन्तरि सेवा संस्थान ने फिर से इसके जीर्णोद्धार का बीड़ा उठाया इसके लिए धनवन्तरी सेवा संस्थान बधाई के पात्र है। यह आस्था धाम फिर से सांस्कृतिक एवं वैचारिक क्रांति का केंद्र बनेगा ऐसी मेरी शुभकामना है।अन्त में महापौर ने ट्रस्ट एवं संस्थान के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को इस पुनीत कार्य करने के लिए बधाई दी। गौ-सेवा आयोग के अध्यक्ष श्यामनंदन सिंह ने कहा की यह ट्रस्ट तो 1897 में बना था लेकिन यहाँ मौजूद मंदिर 1857 से मोजूद है। यहां स्थित मंदिर 1857 में शुरू हुई भारत की प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई की याद दिलाएगा। आने वाले समय मे यह ट्रस्ट अपने गौरव को फिर से प्राप्त करे ऐसी शुभकामना है।

राहुल का बयान हार की खीज का नतीजाः मेंहदी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पूर्व विधान परिषद सदस्य सिराज मेंहदी ने कहा है कि उत्तर प्रदेश की जनता ने राहुल गांधी को हराया क्या कि अब उनको मलिहाबाद, लखनऊ का आम पसन्द नहीं है जबकि मलिहाबाद का आम सम्पूर्ण दुनिया में जाना और पसन्द किया जाता है। मेंहदी ने कहा कि यह बयान उनकी अपनी हार की खीज बताता है। आज लगभग 33 वर्षों से कांग्रेस उत्तर प्रदेश की सत्ता से बाहर है, उसे कैसे कांग्रेस के हक में लाया जाए? इस की कोई चिन्ता नहीं है, आम की चिन्ता है राहुल गांधी को। मेंहदी ने कहा कि जब से प्रियंका गांधी वाड्रा उत्तर प्रदेश की इंचार्ज हैं, उन्होंने कांग्रेस पार्टी को और नुकसान पहुंचाया है। उनके इस बयान कि वरिष्ठ कांग्रेसजनों को अब पद नहीं मिलेगा ने 35 साल और 40 साल पार्टी में देने वाले कांग्रेसजनों का मनोबल तोड़ दिया। सब घर बैठ गए तो अब उन्हीं को बुलाकर शाल उढ़ा रही हैं। रायबरेली और अमेठी कांग्रेस का गढ़ माना जाता था जबकि वहां के चुनाव इंचार्ज इन्दिरा गांधी के खानदान के लोग ही हुआ करते थे। राहुल गांधी ने अपनी खानदानी सीट को मौजूदा चुनाव में शून्य कर दिया जबकि इनके दादा फिरोज गांधी भी यहां से सांसद हुआ करते थे।

सह संयोजक बनाए जाने पर सच्चिदानन्द राय का भव्य स्वागत

सरोजनीनगर। भाजपा सुशासन तथा केन्द्र राज्य शासकीय समन्वय विभाग का सह संयोजक बनाए जाने पर शुक्रवार को पाटी कार्यकर्ताओं ने सेवानिवृत्त डीआईजी सच्चिदानन्द राय का अशियाना में भव्य स्वागत किया। आशीष कनौजिया के नेतृत्व मे आयोजित इस स्वागत समारोह में मनोज पाण्डेय, समाजसेवी पंडित राकेश तिवारी, संजीव सिंह, भगत यादव, रंजीत यादव, मुस्ताक अली, युवराज सिंह व प्रतिभा सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ट्रांसमिशन लाइनों व यूटिलिटी शिफ्टिंग का कार्य शीघ्रता से निस्तारित किया जाए

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अवनीश कुमार अवस्थी ने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए। उन्होंने एक्सप्रेसवे पर बन रहे दीर्घ सेतु घाघरा नदी पुल के निर्माण की भी समीक्षा करते हुए कहा कि पुल के निर्माण गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए तेजी लाकर इसका निर्माण किया जाए।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे में मिट्टी का कार्य प्रगति पर है और इसमें और तीव्रता लाये जाने को लेकर इस बैठक में निर्देश दिए गए। इसके साथ ही यूटिलिटी शिफ्टिंग के कार्यों में तीव्रता लाते हुए इससे संबंधित विद्युत पारेषण लाइनों के शेष बचे हुए कार्यों को शीघ्रता से पूरा किया जाए। वर्तमान में गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे की कुल भौतिक प्रगति लगभग 27 प्रतिशत है। इसके साथ ही अवस्थी द्वारा एक्सप्रेसवे के लिए भूमि से संबंधित अधिकारियों को किसी भी प्रकार की समस्या का यथा शीघ्र निवारण करने को कहा गया। उन्होंने यह भी कहा कि एक्सप्रेसवे पर बनने वाले स्ट्रक्चर्स के काम में तेजी लाई जाए। एक्सप्रसवे पर अब तक क्लीयरिंग एवं ग्रबिंग का कार्य लगभग 98 प्रतिशत और मिट्टी का कार्य लगभग 50 प्रतिशत, सबग्रेड का कार्य 26, जीएसबी का कार्य 21, डब्लूएमएम का कार्य 17, डीबीएम का कार्य 13 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। परियोजना की कुल भौतिक प्रगति 27 प्रतिशत पूर्ण कर ली गयी है। इसके अतिरिक्त परियोजना के अन्तर्गत आने वाले घाघरा नदी पर बने रहे पुल और परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जाना लक्षित है। यह एक्सप्रेसवे 4 लेन चौड़ा तथा संरचनाएं 6 लेन चौड़ाई की बनायी जायेंगी। एक्सप्रेसवे के एक ओर 3.75 मीटर चौड़ाई की सर्विस रोड स्टैगर्ड रूप में बनाई जायेगी।

बांदा के पीड़ित परिवार से आज मिलेगा सपा का प्रतिनिधिमंडल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार जनपद बांदा में पुष्पा रानी (48वर्ष) पत्नी सूरज पाल नामदेव निवासी ग्राम बेदाघाट थाना तिन्दवारी की अज्ञात लोगों द्वारा दुष्कर्म और हत्या किये जाने की घटना की जांच के लिए पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल पीड़ित परिवार से मिलने 25 जुलाई को बांदा पहुंचेगा। सपा प्रवक्ता ने बताया कि समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमण्डल में विजय करन यादव जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी बांदा, दीपा सिंह गौर पूर्व प्रत्याशी तिन्दवारी विधान सभा बांदा, अमर सिंह यादव विधान सभा अध्यक्ष तिन्दवारी बांदा, सन्तराम यादव ब्लाक अध्यक्ष समाजवादी पार्टी तथा उर्मिला वर्मा जिलाध्यक्ष समाजवादी महिला सभा बांदा शामिल हैं।

स्वास्थ्य विभाग के तबादलों में लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

● चिकित्सा व स्वास्थ्य सेवा विभाग के निदेशक को निलंबित कर उच्च स्तरीय जांच की सीएम से मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष हरिकिशोर तिवारी ने स्वास्थ विभाग में स्थानान्तरण नीति के नियमों को दरकिनार कर स्वास्थ विभाग में लिपिक संवर्ग के 20 के सापेक्ष 60 प्रतिशत तबादलों को कुण्ठाग्रस्त मानसिकता का प्रतीक बताया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में स्वास्थ्य विभाग के प्रशासन और तत्कालीन सीडीओ इटावा राजागणपति आर. की कर्मचारी विरोधी मानसिकता के कारण ही इटावा में इनके विरूद्ध एक सप्ताह तक व्यापक प्रदर्शन हुआ और इस मामले में मण्डलायुक्त कानपुर राजशेखर के हस्तक्षेप के बाद मामला शान्त हुआ था। उन्होंने कहा कि तबादले में खुले भ्रष्टाचार और मनमानी प्रतीत हो रही है ऐसे में इस तबादला सूची को निरस्त किया जाए।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं निदेशक को निलंबित कर उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। उन्होंने बताया कि इस स बंध में उनकी मुख्य सचिव से वार्ता हुई है और उनके द्वारा कई तथ्यों से मु य सचिव को अवगत भी कराया गया है। हरिकिशोर तिवारी ने कहा कि जो तबादला सूची सामने आई है वह स्थानांतरण नीति को नियम विरुद्ध व कर्मचारियों का मानसिकए शारीरिक एवं आर्थिक शोषण का प्रतीक है। यूपी मेडिकल एंड पब्लिक हेल्थ मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन के बैनर तले मनमाने तबादलें के विरूद्व आन्दोलन जारी है। यह आन्दोलन हड़ताल का रूप भी ले सकता है। संगठन के लोगों का कहना है कि प्रदेश में लिपिक संवर्ग के 2817 लोग है इसमें से 1772 लोगों का स्थानांतरण और समायोजन कर दिया गया। जो तबादले के लिए निर्धारित की गई अधिकतम 20 प्रतिशत से बढ़कर 60.95 प्रतिशत है। यही नही हिटलरी रवैया अपनाते हुए प्रशासक द्वारा 250 महिला कर्मचारियों का स्थानांतरण 300 से लेकर 1000 किलोमीटर दूर कर दिया गया है। यह सीधे सीधे निदेशक द्वारा योगी सरकार की छवि को धूमिल करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि लिपिक संवर्ग के कार्य बहिष्कार के चलते जिला एवं महिला अस्पताल के अलावा सीएमओ कार्यालय का काम धाम प्रभावित हो रहा है। अब इसका असर जिलेवासियों पर भी पड़ने लगा है। सबसे ज्यादा दिक्कत मेडिकल और आयु प्रमाण पत्र बनवाने वालों को हो रही है। दूर दराज से आने वाले लोग आन्दोलन के चलते लौटने को मजबूर हैं।

सामूहिक वैवाहिक कार्यक्रम में आठ जोड़ों ने लिए फेरे

सरोजनीनगर। लखनऊ

बुद्धिस्ट सोसाइटी फार एजूकेशन एंड सोशल वेलफेयर द्वारा शनिवार को मवई-पड़ियाना ग्राम पंचायत स्थित बौद्ध विहार में सामूहिक वैवाहिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस वैवाहिक कार्यक्रम में आठ जोड़ों ने फेरे लेकर एक-दूसरे के साथ जीवन भर रहने का संकल्प लिया।

इस मौके पर कुशवाहा महासभा के अध्यक्ष रमाकान्त वर्मा, व्यवस्थापक मूलचन्द्र मौर्या, कोषाध्यक्ष आनन्द मौर्या व उपायध्यक्ष शिवमूर्ति मौर्या एवं राज करन मौर्या द्वारा नवविवाहिता जोड़ों को आशीर्वाद दिया गया। इस मौके पर विवाहित जोड़ो को गृहस्थी का सामान भी दिया गया। कार्यक्रम में राजाजीपुरम् समिति के अध्यक्ष पवन मौर्या, मकसूदन मौर्या, रामश्रेय मौर्या, डा. प्रेम कुशवाहा, साकेत मौर्या, शंकर मौर्या और हरिशचन्द्र मौर्या मौजूद रहे।

भवरेश्वर शिव मंदिर पर नहीं लगेगा मेला, जलाभिषेक पर भी रोक

शिवभक्तों ने की जलाभिषेक की इजाजत दिए जाने की मांग

संवाददाता। निगोहां

ऐतिहासिक भवरेश्वर शिवमंदिर पर सावन मास में प्रत्येक सोमवार को लगने वाला सावन मेला इस बार भी नहीं लगेगा। यही नहीं मन्दिर पहुंचने वाले शिव भक्तों को दर्शन करने की भी इजाजत नही दी गई है। उपजिलाधिकारी महराजगंज सविता यादव ने यह जानकारी दी।

उन्होंने ने बताया कि कोरोना महामारी को देखते हुए पिछली बार सावन मास में मेला स्थगित था सिर्फ कोविड नियमों के मुताबिक दर्शन करने की इजाजत थी। इस बार तीसरी लहर की आशंका जताई जा रही हैं इसके लिए इस बार सावन मास में लगने वाले विशेष मेले में किसी भी प्रकार की दुकानें नही होगी शिवभक्तों को दर्शन करने या जलाभिषेक करने की भी रोक रहेगी। इसके लिए लोगो से लगातार अपील की जा रही है की इसबार लोग अपने घरों में रहकर पूजा करें। निगोहां कुर्री सुदौली मार्ग पर स्थित तीन जनपदों की सीमा पर स्थित सई नदी के तट

पर बने ऐतिहासिक भवरेश्वर महादेव के नाम से मंदिर है जहां प्राचीन काल से प्रत्येक सोमवार को मेला लगता आ रहा है जहां फागुन के महीने में महाशिवरात्रि पर्व पर व सावन माह में प्रत्येक सोमवार को लाखों शिव भक्त भवरेश्वर शिव मंदिर पहुंच कर भगवान शिव का जलाभिषेक करने आते हैं साथ ही दूरदराज से इस मेले में सेकड़ो दुकानें आती है। फिलहाल कोरोना महामारी को देखते हुए इस बार मेला नही लगेगा। आने वाले शिवभक्त भी भगवान भोलेनाथ पर जलाभिषेक करने नही पायेंगे।

भवरेश्वर मेला समिति के लोगों ने भी मेला स्थगित व दर्शन के लिए बाकायदा इसकी घोषणा कर दी है। सभी शिवभक्तों को अपने घरों में रहकर पूजा जलाभिषेक करने ऐलान किया है। मेले में दूरदराज से आने वाले दुकानदारों व शिवभक्तों से अपील की है कि इस बार भवरेश्वर मन्दिर में जलाभिषेक करने न पहुंचे न ही कोई दुकानदार दुकाने लाये। वही भवरेश्वर महादेव मन्दिर में प्राचीन काल से चले आ रहे मेले को लेकर शिवभक्तों से लेकर दुकानदारों में काफी आक्रोश व्याप्त है। शिवभक्तों ने प्रदेश के मुखिया से कोविड नियमों के तहत भगवान शिव पर जलाभिषेक करने की मांग की है।

अवैध मिट्टी खनन पर अंकुश लगाने के सभी डीएम को सख्त निर्देश

● निर्धारित प्रक्रिया का अक्षरशः किया जाए पालनः डॉ.रोशन जैकब

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग डॉ. रोशन जैकब ने बताया कि 100 घन मीटर तक एवं उससे अधिक साधारण मिट्टी के खनन-परिवहन के लिए भिन्न-भिन्न प्रक्रिया पूर्व मे ही निर्धारित की गयी थी, परन्तु कतिपय जनपदों से शिकायतें प्राप्त हो रही है कि 100 घन मीटर तक के साधारण मिट्टी की प्रक्रिया का दुरुपयोग हो रहा है।

दुरुपयोग को रोकने तथा एकरूपता लाने के उद्देश्य से साधारण मिट्टी के परिवहन के लिए जारी दिशा निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। जारी दिशा निर्देशों में डॉ. रोशन जैकब ने कहा है कि खनन अनुज्ञा पत्र के लिए आवेदन निर्धारित प्रपत्र में विभागीय पोर्टल पर समस्त संलग्नकों यथा आवेदक का नाम व पता, मो. नंबर, ई-मेल आईडी, पहचान पत्र आवेदित भूमि की खतौनी, आवेदित क्षेत्र को प्रदर्शित करते हुए खसरा मानचित्र, आवेदन शुल्क, काश्तकार की सहमति पत्र व अन्य आवश्यक अभिलेख सहित आनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया जायेगा।

आवेदक द्वारा ऑनलाइन प्रस्तुत आवेदन पत्र के क्रम में जिलाधिकारी द्वारा आवेदित भूमि में स्वामित्व की स्थिति, सार्वजनिक सम्पत्ति की सुरक्षा आदि के दृष्टिगत आवेदन पत्र की जांच के उपरान्त आवेदन पत्र स्वीकृत-अस्वीकृत सम्बन्धित सूचना विभागीय पोर्टल पर प्रदर्शित की जायेगी। स्वीकृत आवेदन पत्र के क्रम में खनन अनुज्ञा पत्र ऑनलाईन निर्गत किया जायेगा।

रेलवे कालोनी में भीषण गंदगी से पचास हजार की आबादी परेशान

● रेल प्रबंधक को पार्षद ने सौंपा ज्ञापन, धरना प्रदर्शन की दी चेतावनी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आलमबाग में उत्तर रेलवे की कालोनियों, एलडीए कालोनी, बीजी सहित दूसरी कालोनियों में बद्तर सफाई व्यवस्था हैं, जिससे इलाके के लोगों में संक्रमित बीमारी की आशंका बनी रहती हैं। क्षेत्रीय जनता सहित क्षेत्रीय पार्षद ने उत्तर रेलवे के अधिकारियों को पत्र द्वारा कईबार सूचित कर सफाई कराने का आग्रह किया, लेकिन अधिकारियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। आलाम यह है कि इस इलाके की 50 हजार की आबादी प्रभावित हो रही है, सफाई न होने पर नाराज लोगों ने धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी है।

महामारी काल में जहां नगर निगम परिसीमा में संक्रामक रोगों और कोरोना की रोकथाम के लिए

सफाई अभियान चलाया जा रहा है, वहीं आलमबाग में उत्तर रेलवे की कालोनियों में सफाई के हाल बड़े बुरे हैं। एलडीए कालोनी, बीजी, मल्टी स्टोरी, शांतिपुरम कालोनी और 40 क्वार्टर कालोनियों की सफाई व्यवस्था बद्तर है। कालोनियों के बाहर भारी मात्रा में डंप कूड़ा लोगों की परेशानी का कारण बना हुआ है। कालोनियों के लोगों ने अपनी परेशानी रेलवे अफसरों से लेकर रेलवे प्रशासन तक पहुंचाई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। लोगों की मानें तो उत्तर रेलवे की कालोनियों की सफाई का जि मा रेलवे प्रशासन की है, जबकि वार्ड के दूसरे इलाकों की सफाई नगर निगम कराता है, लेकिन बीते एक वर्ष से कूड़ा कालोनियों में डंप हैं, और सफाई नदारद हैं। लोगों की परेशानी को देखते हुए क्षेत्रीय पार्षद एवं नगर निगम कार्यकारिणी के सदस्य गिरीश मिश्रा ने एआईआरएफ के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा, उपाध्यक्ष सीपी सिहं सहित आधा दर्जन लोगों पत्र दिया है। बावजूद इसके पत्र पर संज्ञान नहीं लिया गया है। बीते शुक्रवार को पार्षद ने रेलवे के इन अधिकारियों को एक बार फिर पत्र देकर लोगों की परेशानियों को दूर करने का आग्रह किया है।

सरकारी महकमा ही नगर निगम की नहीं सुनता

नगर निगम द्वारा शहर की कई सरकारी कालोनियों में सफाई, पेयजल और लाइटिंग की व्यवस्था कराता हैं, अक्सर खराब होने पर दुरुस्त भी कराता है लेकिन पीडब्लूडी, लेसा सहित सरकारी महकमा ही नगर निगम की नहीं सुनता। हाउस टैक्स के बदले सर्विस टैक्स उत्तर रेलवे के साथ दूसरी कालोनियों द्वारा नियमित नगर निगम नहीं दिया जाता है। कारोड़ो रुपए की देनदारी है, जिससे नगर निगम की आर्थिक हालत खराब हो रहे हैं।

समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता पड़े सुस्त

● प्रदेश अध्यक्ष ने पत्र जारी कर 31 अगस्त तक मतदाता सूची में बढ़वाए गए नामों का मांगा विवरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पार्टी हाईकमान के एक इशारे पर हल्ला बोल का नारा लगाते हुए सड़क पर उतरने वाले समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी अब सुस्त पड़ चुके हैं। आलम यह है कि पार्टी हाईकमान से आने वाले आदेशों को भी समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी अनसुना करने लगे है। शायद यही कारण है कि 4 माह पूर्व 8 मार्च को सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल द्वारा जिला व महानगर अध्यक्षों को पत्र लिखकर विधानसभा निर्वाचन 2022 की तैयारी के लिए प्रत्येक बूथ पर मतदाता सूची में नये नाम जोड़ने के संबंध में रिपोर्ट मांगी गई थी। लेकिन इस पर सपा पदाधिकारियों द्वारा कोई सुनवाई न

करने पर सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम ने नाराजगी व्यक्त करते हुए शनिवार को समाजवादी पार्टी के समस्त जिलाध्यक्ष, महानगर अध्यक्ष, जिला उपाध्यक्ष, जिला महासचिव, निवर्तमान जिलाध्यक्ष, महानगर अध्यक्ष, सांसद, पूर्व सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, विधान परिषद सदस्य, पूर्व विधान परिषद सदस्य, जिला पंचायत अध्यक्ष, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, ब्लाक प्रमुख, विधान सभाओं के पार्टी अध्यक्ष, ब्लाक अध्यक्ष, सम्बद्ध प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष, महानगर अध्यक्ष एवं प्रमुख नेताओं को एक बार फिर से पत्र जारी किया है। पत्र के माध्यम से सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने निर्देश दिया है कि विधानसभा निर्वाचन 2022 की तैयारी के लिए प्रत्येक बूथ पर मतदाता सूची में नये नाम जोड़ने के लिए दिनांक 8 मार्च 2021 को निर्देश दिये गये थे कि अब तक किस-किस विधानसभा क्षेत्र में कौन-कौन से बूथों पर आपके प्रयास से कितने नये नाम बढ़े हैं उनका विवरण उपलब्ध कराएं, किन्तु इस सम्बन्ध में अभी तक कोई सूचना आपके जनपद से प्राप्त नही हुई है। निर्वाचन आयोग माह सितम्बर 2021 से मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्यक्रम पुनः प्रारम्भ करने जा रहा है। मतदाता सूची नाम शामिल कराने के लिए फ ार्म नंबर-6 तथा नाम काटने के लिए फार्म नंबर-7 व संशोधन के लिए फ ार्म नंबर-8 भरकर बीएलओ के पास जमा होंगे। अतः निर्वाचन आयोग के पुनरीक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ होने से पहले आप लोग बीएलए के माध्यम से दिनांक 31 अगस्त 2021 तक फ ार्म अवश्य जमा करायें तथा अगस्त माह के अन्त तक का मतदाता सूची में नाम बढ़ाने का विवरण समाजवादी पार्टी मुख्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दें।

बेमिसाल है गोरक्षपीठ की गुरु-शिष्य परंपरा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

गोरखपुर स्थित नाथपंथ का मुख्यालय, गोरक्षपीठ की तीन पीढ़ियों की गुरु-शिष्य परंपरा बेमिसाल है। सिर्फ यह परंपरा ही नहीं इनका सामाजिक सरोकार भी। खासकर शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए गए काम। करीब नौ दशक पहले (1932) में स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद आज विशाल वट वृक्ष का रूप धारण कर चुका है। इसकी चार दर्जन से अधिक शिक्षण संस्था, पूर्वांचल में शिक्षक पुनर्जागरण का प्रतीक बन चुकी हैं। इनमें शिशु से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक लगभग हर विधा का शिक्षण कार्य होता है। महायोगी गुरु गोरक्षनाथ एकीकृत विश्वविद्यालय के शुरू होने के बाद तो गोरखपुर न केवल उत्तर भारत बल्कि नेपाल की तराई के शिक्षण क्षेत्र का हब बन जाएगा। मुख्यमंत्री बनने के बाद योगी आदित्यनाथ ने इसे सैनिक स्कूल, वेटेरनरी महाविद्यालय और आयुष विश्वविद्यालय के रूप में और विस्तार दिया। पिछले कई वर्षों से गुरु गोरक्षनाथ चिकित्सालय पूर्वांचल के लोगों के लिए आधुनिक और सस्ते चिकित्सा का सबसे बड़ा केंद्र है। नर्सिंग कॉलेज में प्रशिक्षित नर्सें देश दुनिया में अपनी सेवाएं दे रहीं हैं। मेडिकल कॉलेज की बेहतरी, इंसेफेलाइटिस के इलाज और एम्स के लिए बतौर सांसद योगी ने सड़क और संसद तक जो संघर्ष किया उससे पूरा देश वाकिफ है। मुख्यमंत्री बनने के बाद इस संबंध में जो काम हुए वह भी सबको पता है।दरअसल इन दोनों क्षेत्रों में पीठ के तीनों पीढ़ियों की रुचि थी। योगी के दादा गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ ने अपने 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षण संस्थान की स्थापना की थी। यही नहीं गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए महाराणा प्रताप महाविद्यालय का एक भवन भी दे दिया था। उनके समय में ही मंदिर परिसर में उनके नाम से एक आयुर्वेदिक केंद्र की भी स्थापना की थी।अपने गुरु द्वारा शुरू किए गये इन सारे प्रकल्पों को अपने समय में उनके शिष्य ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ ने हर संभव विस्तार दिया। अब अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ के सपनों में मौजूदा पीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रंग भर रहे हैं।

करंट की चपेट में आकर दो सगे भाइयों की जान गई

संवाददाता। मिल्कीपुर अयोध्या

खंडासा थाना क्षेत्र के पूरे गोसाईं मजरे कीन्हूपुर मे शनिवार सुबह विद्युत करंट की चपेट में आने से दो सगे भाइयों की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों सगे भाईयों को आनन.फानन में ग्रामीण जिला अस्पताल लेकर गए जहां डॉक्टरों ने दोनों भाइयों को मृत घोषित कर दिया । दोनों सगे भाइयों की आकस्मिक मौत से घर का चिराग बुझ गया। अपने माता पिता की आंखों के तारे अट्ठारह और 20 वर्षीय धीरज और सूरज की मौत की खबर सुनकर परिवार समेत पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया। चौकी इंचार्ज खंडासा ब्रह्मदत्त पांडे व ग्रामीणों ने बताया कि सूरत में रह रहे पिता के घर आने पर शव के पोस्टमार्टम कराए जाने पर निर्णय लिया जाएगा। सूचना के बाद पीड़ित पिता सूरत से घर के लिए रवाना हो गया हैं।खंडासा थाना क्षेत्र के कीन्हूपुर गांव के पूरे गोसाई का पुरवा निवासी उमाशंकर गोस्वामी के 2 पुत्र व एक पुत्री है उमाशंकर गुजरात में प्राइवेट नौकरी करते हैं घर पर दोनों बच्चे और पत्नी व पुत्री रह रहे थे। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि शनिवार 24 जुलाई को प्रातः 7रूबजे धीरज और सूरज धान की फसल की सिंचाई के लिए अपनी बगल कि ग्राम पंचायत बोडेपुर में स्थित ट्यूबेल पर गए थे जहां विद्युत करंट लगने से दोनों भाई झुलस गए जबकि कुछ ग्रामीणों का कहना है कि निर्माणाधीन मकान में बिजली का तार जोड़ते समय घटना घटित हुई है। ग्रामीण जब तक पूरे मामले को समझ पाते और इकट्ठा होते हैं तब तक उनमें से एक ने दम तोड़ दिया था लेकिन फिर भी ग्रामीण दोनों को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया । एक साथ दोनों भाइयों की मौत हो जाने से यह नहीं स्पष्ट हो सका कि वह विद्युत करंट की चपेट में कैसे आए। शव गांव में पहुंचते ही पूरे गांव में कोहराम मच गया और लोग चीखने चिल्लाने लगे मृतक धीरज जहां 20 वर्ष का था वही उसका छोटा भाई सूरज 18 वर्ष का बताया गया है।

कोरोना को लेकर योगी सरकार का कुशल प्रबंधन सराहनीय

●प्रभारी मंत्री ने दो ऑक्सीजन प्लांटों का किया शुभारंभ

अम्बेडकरनगर। जनपद में दो नव स्थापित राजकीय आक्सीजन प्लांट अम्बेडकर नगर जनपद की जनता के लिए वरदान है। कोरोना महामारी में जिस प्रकार आक्सीजन की महत्ता जानता के स्वास्थ्य के लिए साबित हुआ है उसकी उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार के मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ जी के नेतृत्व में जनता की स्वास्थ्य के लिए सरकार द्वारा किए गए सराहनीय प्रयास से राजकीय मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर और एम सी एच विंग टांडा में नव स्थापित आक्सीजन प्लांट स्थापित हो सका है। उक्त विचार भारतीय जनता पार्टी नीत प्रदेश सरकार के विधि एवम न्याय/जनपद के प्रभारी मंत्री बृजेश पाठक ने आक्सीजन प्लांट के उद्घाटन समारोह में शामिल लोगों को संबोधित करते हुए व्यक्त किया।उन्होने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में जिस प्रकार से कोरोना महामारी की विभीषिका से जनता को सुरक्षित रखते हुए निपटा गया वह अपने आप में एक मिशाल है।बृजेश पाठक ने कहा कि विशाल जनसंख्या वाले प्रदेश में कोरोना महामारी से मामूली जनहानि हुई है।जिसका पूरा श्रेय भाजपा सरकार के कुशल प्रबंधन को जाता है। उक्त अवसर पर उपस्थित भाजपा जिलाध्यक्ष डाक्टर मिथिलेश त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा सरकार की जनता के स्वाथ्य और सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के कारण ही वैश्विक स्तर पर जन हानि का केंद्र बिंदु बन चुके कोरोना महामारी से जितना काम जनहानि उत्तर प्रदेश में हुआ वह और प्रांतों के प्रबंधन के लिए एक सबक है। ऐसे कुशल प्रबंधन की कल्पना भी नहीं किया जा सकता है।

समय आने पर बढ़ेगी अयोध्या की सुरक्षाः डीजीपी

●पदभार संभालने के बाद पहली बार रामनगरी के दौरे पर पहुंचे मुकुल गोयल, जन्मभूमि परिसर का किया निरीक्षण

पायोनियर समाचार सेवा। अयोध्या

श्री राम नगरी दौरे पर पहुंचे डीजीपी मुकुल गोयल अयोध्या में दर्शन पूजन के बाद श्री राम जन्मभूमि परिसर में सुरक्षा को लेकर किया निरीक्षण और पुलिस लाइन सभागार में सभी उच्चाधिकारीगणों के साथ मीटिंग कर फीडबैक लेकर दिए आवश्यक। उन्होंने अयोध्या परिक्षेत्र के सभी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकए पुलिस अधीक्षक के साथ अपराध एवं कानून व्यवस्था के संबंध में समीक्षा बैठक की। बैठक में अपराध नियंत्रण पर उन्होंने संतुष्टि जताई वहीं अयोध्या जनपद में बीते दो साल से लंबित पड़ी विवेचनाओं को देखकर हुए नाराज । उन्होंने जनपद के अधिकारियों को इन विवेचनाओं को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

डीजीपी का पद संभालने के बाद अयोध्या का पहला दौरा। राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा का लिया जायजा। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम। सुरक्षा को लेकर हो रहा अध्ययन। बेहतर की गुंजाइश हमेशा। सुरक्षा के लिए कमेटी बनी हुई है। समय.समय पर बैठक होती है। बैठक में जो भी निर्णय लिए गए हैं उनको फॉलो करा कर और सुरक्षा मजबूत करने की आवश्यकता।अयोध्या के बढ़ते स्वरूप की सुरक्षा के लिए उन्होंने कहा कि समय आने पर यहां पुलिस बल व थानों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके अलावा एयरपोर्ट बनने पर भी यहां की सुरक्षा का अध्ययन कर समुचित प्रबंध किया जाएगा। सरयू नदी में एसडीआरएफ की एक टीम तैनात करने का ऐलान किया। इसके लिए उन्होंने मंडलायुक्त एमपी अग्रवाल से टीम के ठहरने के लिए स्थान उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इसके अलावा उन्होंने अयोध्या में तैनात जल पुलिस के स्टाफ की संख्या बढ़ाने व उन्हें आवश्यक संसाधन भी उपलब्ध कराने की बात कही।उन्होंने सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की व उनके सुझाव लिए। इसमें सांसद लल्लू सिंहए विधायकों में इंद्र प्रताप तिवारी खब्बूए रामचंद्र यादवए गोरखनाथ बाबा शामिल रहे। डीजीपी ने मंडलायुक्त एमपी अग्रवालए जिलाधिकारी अनुज झा से भी मुलाकात की व अयोध्या की सुरक्षा को लेकर विचार विमर्श किया।कांवड़ यात्रा को लेकर उन्होंने कहा कि कोविड को ध्यान में रखते हुए इस बार भी कांवड़ यात्रा स्थगित की गई है। इसको लेकर पब्लिक को भी जागरूक होना पड़ेगा। शेष हम सभी आवश्यक इंतजाम कर रहे हैं।

एक ही पंडाल में विवाह और निकाह

बन गए हमसफर दो रास्ते एक सफर

संवाददाता। मछरेहटा सीतापुर

● मछरेहटा ब्लॉक में दिखी हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल

हिंदू और मुस्लिम एकता की मिसाल शनिवार को मछरेहटा ब्लॉक परिसर में दिखी। यहां पर एक पंडाल के नीचे मिश्रिख और मछरेहटा ब्लॉक के 90 विवाह और निकाह कराए गए। पुरोहितों के वैदिक मंत्रों के संग हिंदू समाज के युगलों ने सात फेरे लिए तो मौलवियों ने मुस्लिम समुदाय के जोड़ों का निकाह कबूल करवाया। मौका था मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का था। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि, मिश्रिख विधायक रामकृश्ण भार्गव, मछरेहटा ब्लॉक प्रमुख मिथिलेश कुमारी, मिश्रिख ब्लॉक प्रमुख रामकिंकर पांडेय ने सभी को उपहार स्वरूप गृहस्थी सामान का देकर उन्हें आशीर्वाद भी दिया। आपको बता दें कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में मिश्रिख और मछरेहटा ब्लॉक में 90 जोड़ों के रजिस्ट्रेशन हुए थे। शनिवार को विकासखंड मछरेहटा के परिसर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का आयोजन था। इसे लेकर सुबह से ही युगल अपने-अपने परिवारों के साथ ब्लॉक परिसर में पहुंचने लगे थे। बतौर मुख्य अतिथि, क्षेत्रीय विधायक रामकृष्ण भार्गव व विशिश्ट अतिथि, ब्लॉक प्रमुख मछरेहटा मिथिलेश कुमारी व मिश्रिख ब्लॉक प्रमुख रामकिंकर पांडेय व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की मौजूदगी में समारोह में मिश्रिख के 50 और मछरेहटा के 40 जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ सात फेरे लिया और एक संग रहने की कसमें भी खाई। इनके अलावा उसी पंडाल में 11 मुस्लिम जोड़ों का मौलाना मोहम्मद रब इमाम ने निकाह भी कराया। इस अवसर पर बीडीओ आरके उपाध्याय, एडीओ पंचायत विनोद कुमार चौधरी, एडीओ समाज कल्याण अमिताभ कुमार वर्मा, राम गोपाल अवस्थी, गप्पू सिंह, बबलू सिंह, जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष अजय भार्गव, पूर्व ब्लाक प्रमुख मछरेहटा विजय भार्गव, गया प्रसाद तिवारी, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रेम शंकर पांडेय आदि उपस्थित थे।

अस्पतालों पर छापे, खलबली

ढखेरवा-खीरी। डा. पवन कुमार ने चार्ज मिलते ही कई जगहों पर छापेमारी की। बिना डिग्री व रजिस्ट्रेशन के अस्पताल चला रहे डाक्टरों में कोहराम मचा हुआ है। तहसील धौरहरा के अंतर्गत सीएचसी रमियाबेहड़ अधीक्षक डा. पवन कुमार ने चार्ज मिलते ही क्षेत्र में चल रहे अवैध अस्पतालों पर अपनी टीम के साथ कर्तव्यनिष्ठ होकर सघन चेकिंग अभियान चलाया। इससे क्षेत्र में चल रहे अवैध अस्पतालों के डाक्टरों में हड़कंप व कोहराम मचा हुआ है। इस सघन चेकिंग के दौरान ग्राम चहलुवा में जमालु उर्फ चांद मियां का क्लीनिक फर्जी पाया गया। ग्राम अभयपुर व नैनापुर में हास्पिटल फर्जी पाए गए। ढखेरवा में हास्पिटल फर्जी पाया गया। सीएससी अधीक्षक डा. पवन कुमार ने बताया कि कोई डिग्री नहीं है। कोई रजिस्ट्रेशन भी नहीं है। फर्जी हॉस्पिटल चला रहे हैं। मासूम मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

आज से शुरू होगा सावन, श्रद्धालुओं में उत्साह

मऊ। आषाढ़ मास में सावन आता है। सावन का महीना इस साल 25 जुलाई दिन रविवार से शुरू हो रहा है, सावन महीने को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। पावन सावन मास के स्वागत को लेकर शनिवार को पूरे दिन श्रद्धालुओं द्वारा शिवालयों व शिव मंदिरों की साफसफाई किया गया। उधर रविवार से शुरु हो रहे सावन माह को लेकर जिला प्रशासन द्वारा भी सुरक्षा.व्यवस्था को लेकर काफी पुख्ता इंतजाम किया गया है। साथ ही साथ पूजन.अर्चन के दौरान कोविड नियमों के पालन पर भी सख्त नजर रखा जाएगा।ताने.बाने के मऊ नगर क्षेत्र में रविवार को शुरु हो रहे सावन माह को लेकर श्रद्धालु काफी उत्साहित दिखाई दे रहे हैं। हालांकि इस बार कोरोना काल को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा सख्त हिदायत दिया गया है कि जलाभिषेक समेत पूजन.अर्चन पूरी तरह से कोविड.19 के नियमों का पालन करते हुए किया जाएगा। कोविड नियमों का उल्लंघन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सावन माह को देखते हुए शनिवार को पूरे दिन श्रद्धालुओं द्वारा शिव मंदिरों एवं शिवालयों की साफसफाई किया जा रहा था। श्रावण मास पूरी तरह से देवी.देवताओं के लिए समर्पित माह होता है। इस माह सभी देवी देवी.देवताओं का विशेष पूजन.अर्चन होता है। इस दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय होता है। देवी.देवताओं के जयघोष से वातावरण गुंजायमान होता है। उधर घोसी क्षेत्र अंतर्गत मादी.सिपाह स्थित प्राचीन मां कोयल मर्याद भवानी मंदिर परिसर स्थित शिवमंदिर, रामपुर खजुरही स्थित शिवमंदिर के साथ ही अमिला, चिरैयाडांड़, सोनाडीह, सबरहद विरैचा, कटिहारी, टकटेऊवा रामपुर, पीवाताल, टेघना आदि शिवालयों पर पूरे दिन साफसफाई का दौर चलता रहा। उधर कोपागंज में भी सावन माह को लेकर श्रद्धालु काफी उत्साहित नजर आए। स्थानीय गौरीशंकर मंदिर में पूजन.अर्चन करने वाले श्रद्धालुओं को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा को लेकर काफी मुकम्मल इंतजाम किया गया है। वहीं मंदिर और गर्भगृह की साफसफाई युद्ध स्तर पर चल रही है। चारों तरफमंदिर प्रांगण के साथ.साथ हनुमान मंदिर और गणेश मंदिर की साफसफाई का कार्य भी जोरों पर चल रहा है। मंदिरों को विद्युत झालरों से सजाया जा रहा है।

पूर्णिमा पर शिष्यों ने की गुरुजनों की पूजा-अर्चना

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

धर्म संस्कृति और आध्यात्म की राजधानी गुरु वचनों और आशीषों से सदा ही समृद्ध रही है। राग विराग और अनुराग की नगरी काशी में गुरु पूर्णिमा का पर्व मठों और आश्रमों पर धूम धाम से मनाया जा रहा है। पड़ाव स्थित सर्वेश्वरी आश्रमए रवींद्र पुरी स्थित कीनाराम आश्रमए गड़वाघाट आश्रम और अघोरपीठ सेनपुरा चेतगंज तक में आयोजनों का सिलसिला सूर्योदय के साथ शुरू हुआ तो गुरु चरणों की रज लेने के लिए श्रद्धालुओं का तांता कोरोना संक्रमण काल के दौर में भी काशी में उमड़ पड़ा।काशी में पड़ाव स्थित अघोरेश्वर आश्रम में अनिल बाबा का गुरु पूर्णिमा पर दर्शन पूजन करने भक्त पहुंचे और गुरु चरणों की वंदना कर प्रसाद ग्रहण किया। वहीं दूसरी ओ कीनाराम आश्रम में भी सुबह से दर्शन पूजन और प्रसाद ग्रहण करने के लिए आस्थावानों की भीड़ लगी रही। वहीं गड़वाघाट आश्रम में भी आस्थावानों ने हाजिरी लगाई और गोशाला में जाकर गायों को गुड़ और चारा खिलाकर पुण्य की कामना की। वहीं अन्य प्रमुख आश्रमों में भी सुबह से पूजन अनुष्ठान और प्रसाद वितरण का क्रम शुरू हुआ तो दोपहर तक दर्शन पूजन का अनवरत क्रम चलता रहा। हालांकिए आश्रमों में सुबह से ही लोग आने लगे मगर कोरोना संक्रमण की वजह से लोगों की भीड़ काफी कम रही।

गुरूपूर्णिमा के अवसर पर गुरूओं के शहर काशी में गुरू वंदना की होड़ लगी है। धर्म जाति विचार के भेद से ऊपर गुरू की पूजा सभी वर्ग और धर्मों के लोग करते आ रहे हैं। अपने हुनर के जानकार उसी हुनर को जब दूसरे को सिखाते हैं तो गुरू कृपा ही होती है। पातालपुरी सनातन धर्म रक्षा परिषद की ओर से पातालपुरी मठए नरहरिपुरा में गुरूपूर्णिमा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पातालपुरी मठ के पीठाधीश्वर महंत बालक दास जी महाराज का दर्शन कर आशीर्वाद लेने के लिये गांवदूगिरांव से लोग पातालपुरी मठ पहुंचे। मुस्लिम महिला फाउण्डेशन की नेशनल सदर नाजनीन अंसारी जिन्हें हनुमान चालीसा फेम नाजनीन अंसारी भी कहा जाता है वह भी मुस्लिम महिलाओं के साथ मठ में पहुंचीं और वहां उन्होंने बालक दास

गंगा स्नान कर मांगी सुख और समृद्धि

फर्रुखाबाद। गुरु पूर्णिमा को लेकर शहर के पांचाल गंगा घाट का नजारा शनिवार को बदला-बदला रहा। अल सुबह से ही गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ गंगा तट पर उमड़ पड़ी। काफी संख्या में श्रद्धालु दूरदराज से देर रात को ही घाट पहुंच गए थे। सुबह गंगा स्नानार्थियों की भीड़ से गंगा तट पटा पड़ा रहा। हजारों लोगों ने आस्था की डुबकी लगायी। साथ ही विधि-विधान पूर्वक पूजा अर्चना भी की। वहीं श्रद्धालुओं को खराब यातायात व्यवस्था केचलते जाम का सामना भी करना पड़ा। इस दौरान कोरोना प्रोटोकाल का कही भी पालन होता नजर नही आया। श्रद्धालुओं की भीड़ में कोराना का भय नहीं देखा गया। गुरू पूर्णिमा के मौके पर हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। भोर पहर से शुरू हुआ स्नान देर शाम तक चलता रहा। दूर-दराज से चलकर आने वाले श्रद्धालुओं का दिनभर तांता लगा रहा। इस दौरान हर हर गंगे के जयघोष से गंगा के सारे घाट गूंजते रहे। स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं ने बड़े ही विधि विधान से मां गंगा का पूजन अर्चन किया। इस दौरान धूप, दीप, अक्षत, रोली, चंदन, पुष्प, दूध, दही, शहद, घृत व नैवे। समर्पित कर लोगों ने मां गंगा से सुख और समृद्धि की कामना की। विधि विधान से श्रद्धालुओं को पूजन अर्चन कराने वाले आचार्यो ने बताया कि गुरू पूर्णिमा स्नान का विशेष महत्व होता है।

‘पहले दिन से किया चुनौतियों का सामना’

● एदियुरप्पा ने गिनाईं अपनी उपलब्धियां
● कोरोना महामारी को लेकर जताई चिंता

भाषा। बेंगलुरू

बी एस एदियुरप्पा ने शनिवार को कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री का कार्यभार संभालने के बाद पहले दिन से ही उन्हें कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन वह इस बात को लेकर संतुष्ट हैं कि उन्होंने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए ईमानदार प्रयास किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने शिवमोगा जिले और अपने शिकारीपुरा निर्वाचन क्षेत्र का चौतरफा विकास सुनिश्चित कर लोगों से किया गया वादा निभाया है, जिस पर उन्हें गर्व महसूस होता है।

एदियुरप्पा ने अपने कार्यालय से ऑनलाइन तरीके से शिवमोगा जिले में 1,074 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन करने और 560 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा, मैं इस बात को लेकर संतुष्ट हूं कि पिछले दो वर्षों में हमने शिवमोगा जिले के विकास के लिए अधिकतम प्रयास किए हैं। जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया जा रहा है, वे इसका प्रमाण हैं। मुझे गर्व है कि शिवमोगा जिले और अपने शिकारीपुरा निर्वाचन क्षेत्र के चौतरफा विकास को सुनिश्चित कर मैंने लोगों से किया गया वादा निभाया है। शिकारीपुरा ने ही मुझे राजनीति में प्रवेश दिलाया। एदियुरप्पा ने कहा, जिस दिन से मैंने मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला है, उस दिन से लेकर अब तक मुझे प्राकृतिक आपदाओं जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिनका सामना राज्य ने पहले कभी नहीं किया था। अब यह कोविड-19 महामारी आ गई है, जिसने लोगों की जिंदगी ही बर्बाद कर दी। एक बार फिर बाढ़ जैसी स्थिति बन रही है। शिवामोगा समेत अन्य आठ जिलों के उपायुक्तों को राहत एवं बचाव कार्य चलाने के निर्देश देने के बाद उन्होंने कहा, मैं इस बात को लेकर संतुष्ट हूं कि तमाम चुनौतियों के बावजूद मैंने लोगों के जीवन और उनकी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए ईमानदारी से प्रयास किए हैं। लोगों के समर्थन के लिए मैं उनका शुक्रिया अदा करता हूं। सोमवार को पद पर उनका आखिरी दिन होने का संकेत देते हुए एदियुरप्पा ने हाल में कहा था कि वह 25 जुलाई को भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से मिलने वाले निर्देश के आधार पर वह 26 जुलाई से अपना काम शुरू करेंगे। सोमवार 26 जुलाई को एदियुरप्पा सरकार के दो साल पूरे हो रहे हैं। गौरतलब है कि शिकारीपुरा में पुरसभा अध्यक्ष के रूप में अपना राजनीतिक जीवन शुरू करने वाले एदियुरप्पा पहली बार 1983 में शिकारीपुरा सीट से विधानसभा के लिए चुने गए थे और वहां से आठ बार जीते हैं।

हाथियों के गलियारों की बहाली को अध्ययन जारी

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने मद्रास उच्च न्यायालय को सूचित किया कि वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड की मदद से एक व्यापक अध्ययन किया जा रहा है जिसमें यह सुनिश्चित किया जाएगा कि नीलगिरी क्षेत्र में हाथियों के वास और आने-जाने के रास्तों (गलियारों) पर यदि कोई अतिक्रमण है तो उसे हटाया जाए और उसे वन तथा वन्यजीवों के लिए समर्पित रखा जाए। पशुओं के लिए काम करने वाले कार्यकर्ता मुरलीधरन एवं अन्य की जनहित याचिका पर सुनवाई के समय शुक्रवार को मुख्य न्यायाधीश संजीव बनर्जी और न्यायमूर्ति सेंथिलकुमार राममूर्ति को सूचित किया गया कि अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ भी इस पहल का हिस्सा हैं। पीठ ने मामले पर सुनवाई दो सितंबर तक के लिए टाल दी और राज्य सरकार को निर्देश दिया कि क्षेत्र का किस तरह इस्तेमाल हो रहा था और उसकी वर्तमान स्थिति क्या है यह जानकारी देते हुए चार सप्ताह के भीतर वह एक हलफनामा दायर करे।

सुप्रीम कोर्ट समय पूर्व रिहाई की नीति को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई को सहमत

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय उस याचिका पर सुनवाई करने को सहमत हो गया है, जिसमें कानूनी मुद्दा उठाया गया है कि समय पूर्व रिहाई के लिए दोषसिद्धि के वक्त लागू नीति अमल में लाई जाएगी या ऐसी राहत देने का विचार करते वक्त लागू नीति।

शीर्ष अदालत ने इस याचिका पर मध्य प्रदेश सरकार और अन्य से चार हफ्ते में जवाब देने को कहा है। मामले में याचिकाकर्ता उम्र कैद की सजा काट रहा कैदी है और उसने अदालत से अनुरोध किया है कि राज्य को उसे रिहा करने का निर्देश दिया जाए, क्योंकि उसने छूट की अवधि सहित 20 साल कैद की सजा पूरी कर ली है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि वह मामले में सजा सुनाए जाने के वक्त लागू समयपूर्ण रिहा करने की नीति की अर्हता रखता है। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय की पीठ के समक्ष यह याचिका शुक्रवार को सुनवाई के लिए आई, जिसमें राज्य सरकार और अन्य को नोटिस जारी किया गया। पीठ ने कहा चार हफ्ते में नोटिस का जवाब दें। अधिवक्ता ऋषि मल्होत्रा के जरिए दायर याचिका में याचिकाकर्ता ने कहा कि उसे एवं अन्य को वर्ष 1996 के मामले में निचली अदालत ने दोषी ठहराया और सितंबर 2005 में उम्र कैद की सजा सुनाई। याचिका में कहा गया, हालांकि, 10 जनवरी 2012 को पहली बार उस नीति में बदलाव किया गया, जिसमें कहा गया कि उम्र कैद की सजा पाए व्यक्ति को कुल 26 साल की सजा के साथ 20 साल की वास्तविक सजा भुगतनी होगी जबकि दिसंबर 1978 की नीति में उल्लेख था कि 18 दिसंबर 1978 के बाद उम्र कैद की सजा पाया व्यक्ति अगर कुल 20 साल और 14 साल की वास्तविक सजा को पूरा कर लेता है, वह तो समय पूर्व रिहाई की अर्हता रखता है। याचिकाकर्ता के मुताबिक अधिकारियों ने पिछले साल दिसंबर में उसकी समय पूर्व रिहा करने की अर्जी पर दिसंबर 1978 की नीति के तहत विचार करने के बजाय जनवरी 2012 की नीति के आधार पर उसे अस्वीकार कर दिया। याचिका में कहा गया, याचिकाकर्ता की समय पूर्व रिहाई की अर्जी पर चार दिसंबर, 1978 के संदर्भ में विचार किया जाना चाहिए और अदालत से अनुरोध है कि वह उसे तत्काल रिहा करने के लिए उचित निर्देश दे।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने आषाढ़ पूर्णिमा के अवसर पर भगवान बुद्ध के दर्शन कर पुष्पांजलि दी

पश्चिम बंगाल के कॉलेज स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नई व्यवस्था तैयार करने में जुटे

● बिना किसी परीक्षा के प्रवेश लेने की तैयारी

भाषा। कोलकाता

कोलकाता स्थिति महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों और सरकारी यादवपुर विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि इस साल पश्चिम बंगाल में उच्चतर माध्यमिक परीक्षा अधिक वैज्ञानिक और तार्किक रहे। उच्च शिक्षण संस्थानों के अधिकारियों ने बताया कि वे आईएससी और सीबीएसई के नतीजे आने के बाद स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में बिना किसी परीक्षा प्रवेश के लिए नई व्यवस्था तैयार करेंगे। लेडी ब्रेबोर्न कॉलेज की प्रधानाचार्य सिउली सरकार ने पीटीआई-भाषा से कहा, इस साल उच्चतर माध्यमिक कक्षा के परिणाम अधिक संतुलित और उचित तरीके से वैज्ञानिक मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत आने की उम्मीद है और यहां तक कि अगर कोई उम्मीदवार महसूस करता है कि वह ऑफलाइन परीक्षा में बेहतर किया होता, तो ऐसों की संख्या अधिक नहीं होगी।

सरकार ने कहा कि कॉलेज ऐसी व्यवस्था पर विचार कर रहा है जिसमें वर्ष 2019 में 10वीं की बोर्ड परीक्षा के अंक को प्रवेश के दौरान न्यूनतम अर्हता अंक के साथ संबंधित कला और विज्ञान संकाय के विषयों में महत्व दिया जाए। स्कॉटिश चर्च कॉलेज के प्रवक्ता ने बताया कि उनके संस्थान ने मोटे तौर पर फैसला किया है कि प्रवेश के दौरान उच्चतर माध्यमिक (12वीं कक्षा) के साथ-साथ 10वीं बोर्ड परीक्षा के अंकों के लिए भारांक दिया जाए। हालांकि, अन्य बोर्ड के नतीजों की समीक्षा के आधार पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। यादवपुर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि संस्थान ने राज्य उच्च शिक्षा विभाग को विज्ञान संकाय के विषयों में प्रवेश के लिए 80:20 का फार्मूला दिया है।

उन्होंने बताया, फार्मूला के तहत 80 प्रतिशत अंक विद्यार्थी को 10वीं और 12वीं कक्षा में किए गए प्रदर्शन के आधार पर देने और शेष 20 प्रतिशत अंक विद्यार्थी के साथ ऑनलाइन चर्चा, संवाद के आधार पर देने का प्रस्ताव है। हालांकि, कोई ऑफलाइन परीक्षा नहीं हो सकती है, ऐसे में हमने उच्च शिक्षा विभाग से इस फार्मूले में उम्मीदवार से ऑनलाइन चर्चा की व्यवहारिकता पर राय मांगी है, जैसा कि हमारे शिक्षकों और प्रबंधन ने विचार किया है। अधिकारी के मुताबिक अगले सप्ताह शनिवार तक इस मामले पर फैसला ले लिया जाएगा।

इस बार आयोजित नहीं होगा बाली तर्पणम

● केरल में कोविड महामारी के इस दौर में टीडीबी ने नहीं दी आयोजन करने की अनुमति

भाषा। तिरुवनंतपुर

केरल में मंदिरों का संचालन करने वाले सर्वोच्च निकाय त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) ने कोरोना वायरस संक्रमण के मद्देनजर वार्षिक अनुष्ठान बाली तर्पणम के आयोजन को इस बार रद्द करने का फैसला किया है। बाली तर्पणम एक धार्मिक अनुष्ठान है, जिसमें हिंदू समुदाय के हजारों लोग मंदिरों के परिसर में एकत्र होकर अपने-अपने पूर्वजों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं। टीडीबी के सूत्रों के मुताबिक हाल में हुई बोर्ड की एक उच्चस्तरीय बैठक में इस धार्मिक अनुष्ठान के आयोजन को अनुमति नहीं देने का फैसला किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रत्एक वर्ष हजारों की संख्या में लोग केरल के छोटे और बड़े मंदिरों के घाटों पर एकत्र होकर यह अनुष्ठान करते हैं। टीडीबी द्वारा सबरीमला के विश्व प्रसिद्ध भगवान अयप्पा मंदिर समेत केरल के 1200 से अधिक मंदिरों का संचालन किया जाता है। लिंग और उम्र की तमाम बाधाओं को दरकिनार कर हिंदू समुदाय के लोग आमतौर पर प्रत्एक वर्ष कर्किडका वावु के अवसर पर केरल में नदियों और समुद्र तटों पर यह पारंपरिक अनुष्ठान करते हैं। इस साल आठ अगस्त को यह अनुष्ठान किया जाना था। हिंदू मान्यता के अनुसार, यदि कर्किडका वावु के दिन ही बाली तर्पणम का आयोजन किया जाए तो मृत व्यक्ति की आत्मा को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

सिक्कम में कोरोना के 225 नए मामले

गंगटोक। सिक्किम में 225 और लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई, जिसके बाद राज्य में शनिवार को कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 24,823 हो गई। वहीं, संक्रमण से एक मरीज की मौत हुई जिससे यहां मृतक संख्या बढ़कर 330 हो गई है। एक स्वास्थ्य बुलेटिन में यह जानकारी दी गई। पश्चिम सिक्किम जिले में सबसे अधिक 81 नए मामले सामने आए, इसके बाद पूर्वी सिक्किम में 72, दक्षिण सिक्किम में 71, और उत्तरी सिक्किम में एक मामले आए। सिक्किम में अब 2,849 उपचाराधीन मरीज हैं, जबकि 21,380 लोग इस बीमारी से उबर चुके हैं और 264 मरीज अब तक दूसरे राज्यों में चले गए हैं। राज्य में कोरोना वायरस रोगियों के ठीक होने की दर 87 प्रतिशत है। बुलेटिन में कहा गया है कि हिमालई राज्य में अब तक कोविड-19 के लिए 1.87 लाख से अधिक नमूनों की जांच हुई है, जिसमें पिछले 24 घंटों में हुईं।

पीएम-किसान योजना का इस्तेमाल असम में वोटरों को प्रभावित करने के लिए हुआ: एजेपी

भाषा। गुवाहाटी

एजेपी ने शनिवार को आरोप लगाया कि असम में पूर्ववर्ती भाजपा सरकार ने केंद्र के पीएम-किसान योजना के तहत लाभ किसानों के एक ऐसे धड़े को दिया जो इसके लिए पात्र नहीं थे और भाजपा ने इस वर्ष की शुरुआत में यह फायदा कई अन्य राज्यों में भी दिया जहां विधानसभा चुनाव हुए।

असम जातीय परिषद (एजेपी) ने यह भी दावा किया कि किसान कल्याण योजना के तहत सबसे अधिक संख्या में अपात्र लाभार्थियों की संख्या का पता पूर्वोत्तर राज्यों में चला है जहां भाजपा नीत सरकार सत्ता में थी और पिछले विधानसभा चुनाव में फिर से सत्ता में आई है।

एजेपी के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई ने आरोप लगाए कि केंद्रीय योजना के तहत तमिलनाडु 7,22,271 अपात्र किसानों की संख्या के साथ दूसरे स्थान पर रहा जहां उसका अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन था।

गोगोई ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, पीएम-किसान योजना के तहत लाभ राजनीतिक फायदे के लिए दिया गया। यह इस तथ्य से पता चलता है कि असम और तमिलनाडु में अपात्र किसानों को इस कार्यक्रम के तहत लाभ पहुंचाया गया। भाजपा यहां सत्ता में रही है और दक्षिणी राज्य में उसका सत्तारूढ़ अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन था।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा 20 जुलाई को लोकसभा में दी गई सूचना के मुताबिक असम में 8,35,268 ऐसे किसानों को पीएम-किसान का लाभ दिया गया जो इसके लिए पात्र नहीं थे। एजेपी अध्यक्ष ने कहा कि देश में कल्याणकारी योजना के तहत 42 लाख अपात्र किसानों को इसका फायदा दिया गया। गोगोई ने कहा, बहरहाल, असम एवं तमिलनाडु के साथ पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनाव हुए लेकिन वहां केवल 19 अपात्र किसानों को लाभ पहुंचाया गया। भाजपा बंगाल में सत्ता में नहीं थी। पीएम-किसान योजना के तहत पात्र किसान परिवारों को प्रति वर्ष छह हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती है जो दो हजार रुपए की तीन बराबर किस्तों में दी जाती है। यह राशि लाभार्थियों के सीधे खाते में भेजी जाती है। गोगोई ने कहा, अगर हम मानें कि एक परिवार में चार व्यक्ति हैं तो असम में 33.41 लाख मतदाताओं को प्रभावित किया गया। यह घोटाला यह भी सवाल उठाता है कि अन्य सरकारी योजनाओं में कितने वास्तविक लाभार्थियों को शामिल किया गया है।

पटना में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना के तहत 350 से अधिक एम्बुलेंस लाभार्थियों को दीं

गुवाहाटी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजभवन के सामने पेगासस मामले को लेकर प्रदर्शन किया

स्कूल खोलने की तारीख का फैसला करेंगे सीएम: डोटासरा

● स्कूल खोलने की घोषणा के बाद दी सफाई

भाषा। जयपुर

कोरोना वायरस के घटते मामलों के बीच राज्य में स्कूल खोले जाने की घोषणा पर उठे विवाद के बाद स्कूली शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा ने शनिवार को कहा कि इस बारे में अंतिम फैसला मुख्यमंत्री अशोक गहलोत करेंगे। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा व पढ़ाई दोनों सरकार की प्राथमिकता है। डोटासरा ने शनिवार को ट्वीट किया, स्कूल खोलने को लेकर विस्तृत प्रक्रिया एसओपी बनाने के लिए गठित मंत्रिमंडल की समिति की बैठक में सभी पहलुओं पर चर्चा के बाद मुख्यमंत्री गहलोत स्कूल खोले जाने की तारीख और स्वरूप पर निर्णय करेंगे। इसके साथ ही डोटासरा ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और पढ़ाई दोनों हमारी सरकार की प्राथमिकता में है। उल्लेखनीय है कि राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक बृहस्पतिवार को हुई जिसमें कोरोना की दूसरी लहर के बाद राज्य में विद्यालयों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों को शिक्षण कार्य के लिए खोलने पर सैद्धांतिक सहमति जताई गई। बैठक के बाद डोटासरा ने ट्वीट किया था कि सभी स्कूल दो अगस्त से खुलेंगे। हालांकि इस पर मुख्य विपक्षी भाजपा ने कहा कि बिना कोई प्रक्रिया तय किए स्कूल खोलना उचित नहीं है। इस पर पैदा हुए विवाद के बाद मुख्य विपक्षी भाजपा भी आक्रामक हो गई। इसके बाद शुक्रवार को मुख्यमंत्री गहलोत ने शिक्षण संस्थाओं को खोलने की तिथि और एसओपी के संबंध में निर्णय लेने के लिए पांच मंत्रियों की समिति गठित की। इस समिति में चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा, कृषि मंत्री लालचंद कटारिया, शिक्षा राज्यमंत्री गोविंद सिंह डोटासरा, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री भंवर सिंह भाटी तथा तकनीकी शिक्षा राज्यमंत्री डॉ सुभाष गर्ग शामिल हैं।

आतंकी साजिश के आरोपी की जमानत याचिका खारिज

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर अनीस अंसारी की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी है जिसे शहर में अमेरिकी प्रतिष्ठानों को उड़ाने की साजिश रचने के आरोप में 2014 में गिरफ्तार किया गया था। अंसारी ने कोविड महामारी के कारण अस्थाई जमानत का अनुरोध किया था लेकिन शुक्रवार को उसकी याचिका को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एस एच ग्वालानी ने शुक्रवार को खारिज कर दिया। एटीएस ने अदालत को बताया कि अंसारी ने एक निजी कम्पनी में काम करते हुए एक फर्जी फेसबुक खाता खोला और कम्पनी के कम्प्यूटर का इस्तेमाल कर आपत्तिजनक सामग्री प्रकाशित की। एजेंसी ने अदालत में कहा कि अंसारी ने आतंकी संगठन आईएसआईएस की गतिविधियों का भी समर्थन किया। अदालत ने कहा कि आरोपपत्र में आरोपी और उमर इल्हाजी नामक व्यक्ति की बातचीत का खुलासा करने वाला ब्यौरा है।

एमपी सरकार ने स्कूल फिर से खोलने के लिए एसओपी जारी की

भाषा। भोपाल

मध्य प्रदेश सरकार ने प्रदेश में 26 जुलाई से स्कूलों की 11वीं और 12वीं कक्षा को 50 प्रतिशत उपस्थिति के साथ फिर से खोलने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की हैं। प्रदेश सरकार के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार को इस संबंध में एसओपी जारी की गई हैं। इसके साथ ही कक्षा 9 एवं 10वीं के विद्यार्थियों के लिए स्कूलों में कक्षाएं पांच अगस्त से शुरु होंगी। उन्होंने कहा कि 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए सप्ताह में दो बार स्कूलों में कक्षाएं होंगी तथा इसके साथ ही ऑनलाइन कक्षाएं भी जारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि 11वीं के विद्यार्थी मंगलवार और शुक्रवार को स्कूल जाएंगे तथा 12 वीं कक्षा के विद्यार्थी सोमवार और बृहस्पतिवार को स्कूलों में बुलाए जाएंगे। अधिकारी ने बताया कि 9वीं कक्षा के विद्यार्थी शनिवार को तथा 10वीं कक्षा के विद्यार्थी बुधवार को स्कूल जाएंगे। दिशा निर्देशों के अनुसार, कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए एहतियात के तौर पर सुबह की सभा और तैराकी आदि की अनुमति नहीं दी गई है। इसके अलावा प्रदेश सरकार ने स्कूल प्रबंधन से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की कोविड-19 की जांच जैसे उपाय करने के लिए भी कहा है। महामारी के चलते मध्य प्रदेश में लंबे समय बाद स्कूलों को फिर से खोला जा रहा है। प्रदेश में संक्रमण के मामलों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। शुक्रवार को प्रदेश में संक्रमण के मात्र 11 नए मामले सामने आए तथा प्रदेश में शुक्रवार को किसी भी व्यक्ति की इस बीमारी से मौत की सूचना नहीं है। इस बीच, प्रदेश के मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस ने जिलाधिकारियों और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को स्कूल व कॉलेज के शिक्षकों और गैर शिक्षक कर्मचारियों को टीका लगाने के निर्देश दिए हैं।

पंजाब के बाद राजस्थान में हलचल तेज

मंत्रिमंडल विस्तार व राजनीतिक नियुक्तियों की अटकलें, वेणुगोपाल जयपुर पहुंचे

भाषा। नई दिल्ली-जयपुर

कांग्रेस की पंजाब इकाई का विवाद सुलझने के बाद अब राजस्थान कांग्रेस में हलचल तेज हो रही है और पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल शनिवार को जयपुर पहुंचें। राज्य में अशोक गहलोत मंत्रिमंडल में विस्तार व फेरबदल होना है तथा हजारों की संख्या में राजनीतिक नियुक्तियां की जानी हैं। सूत्रों ने यह भी बताया कि पार्टी के राजस्थान प्रभारी अजय माकन भी जयपुर पहुंच सकते हैं। पार्टी से जुड़े सूत्रों ने पीटीआई-भाषा को बताया कि मंत्रिमंडल में फेरबदल व विस्तार की अटकलों के बीच कांग्रेस के दोनों वरिष्ठ नेता राजस्थान पहुंच रहे हैं। माना जा रहा है कि सब कुछ ठीक ठाक रहा तो अशोक गहलोत मंत्रिमंडल में फेरबदल और विस्तार इसी महीने हो सकता है। पहले यह कहा जा रहा था कि सारी कवायद को अंतिम रूप देने के लिए मुख्यमंत्री गहलोत दिल्ली आएंगे। लेकिन जयपुर में मुख्यमंत्री कार्यालय सूत्रों ने शनिवार को कहा, फिलहाल गहलोत का दिल्ली जाने का कोई कार्यक्रम नहीं है। कम से एक दो दिन वह कहीं नहीं जा रहे। उन्होंने वेणुगोपाल की गहलोत से संभावित मुलाकात के बारे में कहा कि कांग्रेस के संगठन महासचिव का आधिकारिक कार्यक्रम हमें अभी नहीं मिला है। माना जा रहा है अजय माकन व वेणुगोपाल की गहलोत से मुलाकात के बाद राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार की राह साफ हो सकती है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि पंजाब के मसले के समाधान के बाद अब सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और राहुल गांधी का पूरा फोकस राजस्थान को लेकर है और पार्टी आलाकमान की ओर से माकन से कहा गया है कि कि राजस्थान के सियासी मसले का समाधान जुलाई में ही हो जाना चाहिए। मौजूदा हिसाब से राजस्थान की गहलोत सरकार में नौ और मंत्री बनाए जा सकते हैं। पिछले साल तत्कालीन उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट व 18 अन्य विधायकों ने गहलोत के नेतृत्व के खिलाफ बागी रुख अपनाया था। तब पायलट, विश्वेंद्र सिंह व रमेश मीणा को मंत्री पद से हटा दिया गया था। जयपुर में राजनीतिक विश्लेषकों ने कहा कि अब मंत्रिमंडल विस्तार में पार्टी को पायलट ग्रुप के साथ साथ बसपा से कांग्रेस में आए छह विधायकों व पार्टी का समर्थन कर रहे निर्दलियों को भी ध्यान रखना होगा। ऐसा माना जा रहा है मंत्री पद से वंचित रहने वालों को संसदीय सचिव, विभिन्न निगम बोर्डों का अध्यक्ष बनाया जा सकता है। वहीं राज्य में कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के पद भी लंबे समय से रिक्त हैं। राजस्थान में जिला स्तर पर विभिन्न निगमों व बोर्ड में लगभग 30 हजार राजनीतिक नियुक्तियां होनी हैं जो किसी न किसी कारणों से लगातार टल रही हैं। जिला स्तर पर राजनीतिक नियुक्तियों के लिए इस साल 9-10 फरवरी तक नाम मांगे गए थे। तब कांग्रेस महासचिव व प्रदेश प्रभारी अजय माकन ने कहा था, हम लोगों की कोशिश रहेगी कि जिला स्तर पर जो बोर्ड व निगम हैं जहां लगभग 25 से 30 हजार राजनीतिक नियुक्तियां होनी हैं, इसकी कार्वाई हम फरवरी के पहले पखवाड़े में पूरा कर लें। लेकिन उसके बाद विधानसभा का बजट सत्र व विधानसभा की तीन सीटों पर उपचुनाव के चलते मामला टल गया। फिर लॉकडाउन के कारण राजनीतिक गतिविधियां ठप रहीं। वहीं, इन्हीं दिनों में राज्य के स्वायत्त शासन विभाग ने राजनीतिक नियुक्तियों के तहत 155 नगर निकायों में 850 से अधिक पार्षद मनोनीत किए हैं। हालांकि यह महज शुरूआत मानी जा रही है और बहुत से महत्वपूर्ण बोर्ड निगमों पर नियुक्तियां होनी हैं। राजस्थान की मौजूदा अशोक गहलोत सरकार दिसंबर 2018 में सत्ता में आई थी और अपना लगभग आधा कार्यकाल पूरा कर चुकी है।

हिरासत में हुई मौत के विरोध में प्रदर्शन कर रही भीड़ को नियंत्रित करने के प्रयास में कांस्टेबल की मौत

जहानाबाद (बिहार)। न्यायिक हिरासत में एक व्यक्ति की मौत के विरोध में यहां उग्र भीड़ ने प्रदर्शन करते हुए भारी पथराव किया और हवा में गोलियां चलाईं जिसे रोकने के प्रयास में एक महिला कांस्टेबल पर एक वाहन चढ़ गया। इस घटना में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। सब डिविजनल पुलिस अधिकारी अशोक कुमार पांडेय ने बताया कि जिले के पारसबिगहा पुलिस थानांतर्गत हुई घटना के कारण व्यस्त जहानाबाद-अरवल राजमार्ग कई घंटों तक बंद रहा। उन्होंने कहा, शराब बेचने में शामिल गोविन्द मांझी नामक व्यक्ति को कुछ समय पहले गिरफ्तार किया गया था जिसकी मौत हो गई थी। इसको लेकर भीड़ आक्रोश में थी। उसे (मांझी) औरंगाबाद जिले में न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था और जेल में रखा गया था। बिहार में छह साल से शराब की बिक्री और सेवन पर कानूनी रूप से पूर्ण प्रतिबंध है। पांडेय ने कहा, मांझी की शुक्रवार को जेल में मौत हो गई। जैसे ही यह खबर यहां पहुंची, उसके गांव के निवासी, मारपीट के कारण हुई मौत का आरोप लगाते हुए राजमार्ग पर बैठ गए। पुलिस दल ने जब उन्हें हटाने की कोशिश की तब वे हिंसा पर उतर आए।

मुंबई फायर ब्रिगेड द्वारा अग्निरक्षक नामक एक अद्वितीय व्यावहारिक अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण पहल के तहत फायर ब्रिगेड अधिकारी लोगों को प्रशिक्षित करते हुए

भारतीय वैज्ञानिकों ने अपनी मरम्मत खुद करने वाला पदार्थ विकसित किया

भाषा। नई दिल्ली

वैज्ञानिकों ने पीजोइलेक्ट्रिक आणविक क्रिस्टल विकसित किया है, जो किसी बाहरी सहायता के बगैर अपनी यांत्रिक टूट-फूट की खुद से मरम्मत कर सकता है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग(डीएसटी) ने यह जानकारी दी। पीजोलेक्ट्रिक क्रिस्टल ऐसे पदार्थ हैं, जो किसी यांत्रिक प्रभाव में आने पर विद्युत उत्पन्न करते हैं। ऐसे उपकरण जिनका प्रतिदिन उपयोग किया जाता है, वे अक्सर यांत्रिक रूप से गड़बड़ हो जाते हैं। इससे उपकरण का सेवा काल घट जाता है और उसके रखरखाव का खर्च बढ़ जाता है। अंतरिक्षयान जैसे मामलों में, टूट-फूट को ठीक करने के लिए मानवीय हस्तक्षेप संभव नहीं होता है। डीएसटी ने एक बयान में कहा, इस तरह की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, कोलकाता ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर के सहयोग से पीजोइलेक्ट्रिक आणविक क्रिस्टल विकसित किया है।

क्विक न्यूज

मप्र के पन्ना जिले में बिजली गिरने से पांच लोगों की मौत, 18 घायल

पन्ना (मप्र)। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में बिजली गिरने की अलग-अलग घटनाओं में पांच लोगों की मौत हो गई और 18 अन्य घायल हो गए। जिले के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार को पन्ना जिले के उरेहा, पिपरिया दौन, चौमुखा और सिमरा खुर्द गांवों में बिजली गिरने की घटनाएं हुईं। सिमरा खुर्द, पिपरिया दौन और चौमुखा गांवों में एक-एक व्यक्ति की मौत होने की खबर है जबकि उरेहा गांव में बिजली गिरने से दो महिलाओं की मौत हो गई। उप मंडल अधिकारी (एसडीओ) रचना शर्मा ने बताया कि सिमरा खुर्द गांव में मवेशियों को चराने जंगल गए 70 वर्षीय वृद्ध बिजली की चपेट में आ गए जबकि पिपरिया दौन में एक अन्य व्यक्ति तथा चौमुखा गांव में 65 वर्षीय व्यक्ति की बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। तीनों गांवों में इन्हीं घटनाओं में सात लोग घायल हो गए। इसके अलावा उरेहा गांव के एक खेत में काम करने के दौरान 20 साल की दो महिलाएं बिजली की चपेट में आ गईं,जिससे उनकी मौत हो गई। जिलाधिकारी संजय कुमार मिश्रा ने बताया कि घटना में घायल हुए 11 लोगों का उपचार पन्ना के जिला अस्पताल में चल रहा है।

मप्र के 24 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को मध्यप्रदेश के 24 जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। प्रदेश के बड़े हिस्से में बारिश जारी है। विभाग ने इसकी जांनकारी दी। भारत मौसम विभाग के भोपाल केंद्र के वरिष्ठ मौसम विज्ञानी पी के साहा ने कहा कि यह अलर्ट रविवार सुबह तक के लिए है। साहा ने कहा कि जबलपुर, रीवा, सतना, अनूपपुर, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, नरसिंहपुर, मंडला, सागर, टीकमगढ़, विदिशा, सीहोर, राजगढ़, बैतूल, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, धार, देवास, आगर-मालवा, अशोक नगर और शिवपुरी जिलों के अलग-अलग स्थानों पर भारी से भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भोपाल, इन्दौर और चंबल सहित राज्य के दस संभागों में से अधिकांश में बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। उन्होंने बताया कि आगर-मालवा जिले के सुसनेर में शनिवार सुबह 08.30 बजे तक गत 24 घंटे में पश्चिमी मध्यप्रदेश में सबसे अधिक 211 मिमी बारिश हुई, जबकि इस अवधि में पूर्वी मध्यप्रदेश के उमरिया शहर में सबसे अधिक 170.5 मिमी बारिश हुई।

मद्रास हाईकोर्ट का सिविल न्यायाधीशों के वरिष्ठता निर्धारण के संबंध में निर्देश

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय का कहना है कि संशोधित वरिष्ठता सूची तमिलनाडु पीएससी या रोस्टर पदों द्वारा दिखाए गए क्रम के बावजूद मान्य रहेगी जोकि सिविल न्यायाधीश (कनिष्ठ डिवीजन) के पद पर भर्ती उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त अंकों के अनुसार तैयार की गई है। मुख्य न्यायाधीश संजीब बनर्जी और न्यायमूर्ति सेंथिलकुमार राममूर्ति की पीठ ने कहा कि यदि दो या अधिक उम्मीदवार समान अंक प्राप्त करते हैं तो इस सूरत में सबसे अधिक उम्र वाले उम्मीदवार को वरिष्ठता सूची में उच्चतम पद दिया जाएगा। अपने हालिया आदेश में पीठ ने यह साफ किया कि जहां तक 2020 भर्ती प्रक्रिया का सवाल है तो क्योंकि अभी तक नियुक्तियां नहीं की गईं है, ऐसे में इस आदेश और भर्ती परीक्षा में नियुक्त व्यक्तियों द्वारा प्राप्त अंकों के अवरोही क्रम के आधार पर वरिष्ठता सूची तैयार की जाए। साथ ही पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि वर्ष 2009 से पूर्व में हुई न्यायाधीशों की भर्ती के वरिष्ठता निर्धारण से संबंधित नियमों पर इसका कोई असर नहीं होगा। पीठ एन वासुदेवन और दो अन्य की रिट याचिकाओं का निपटारा कर रही थी जिन्होंने रजिस्ट्रार जनरल के 10 मार्च 2009 के उस आदेश को रद्द करने का अनुरोध किया था जिसमें याचिकाकर्ताओं की वरिष्ठता का गलत निर्धारण किया था।

असम के बाघजन में ओआईएल के विरोध में प्रदर्शन

गुवाहाटी। असम के तिनसुकिया जिले के बाघजन तेल कुएं में पिछले साल लगी आग के स्थल से शनिवार को सामग्री हटाने गए आयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) के कर्मचारियों को कथित तौर पर रोकने वाले प्रदर्शनकारियों को तितर बितर करने के लिए सुरक्षाबल कर्मियों ने बल प्रयोग किया जिसमें पुलिस कर्मियों समेत कई लोग घायल हो गए। ओआईएल अपने बाघजन स्थित तेल के कुएं से सामग्री हटाने का प्रयास कर रहा है लेकिन कुछ स्थानीय लोगों का एक वर्ग कथित तौर पर इसका विरोध कर रहा है। लोगों का कहना है कि मुआवजे की पूरी रकम मिलने के बाद ही वे स्थल से सामग्री हटाने की अनुमति देंगे।

गुजरात : सड़क दुर्घटना में दंपति और उनके दो साल के बेटे की मौत

अमरेली। गुजरात के अमरेली जिले में शनिवार को एक सड़क दुर्घटना में दंपति और उनके दो साल के बेटे की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना राजुला कस्बे के बाहरी इलाके में उस समय हुई जब पति-पत्नी अपने दो साल के बेटे के साथ छोटरा गांव जा रहे थे। राजुला पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया, जागुभाई वाघेला (28), जयश्री (26) और अल्पेश की मौके पर ही उस समय मौत हो गई जब सामने से आ रहे ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया जिसे पकड़ने की कोशिश की जा रही है।

केन्द्र ने आईसीएफ का निजीकरण नहीं करने का आश्वासन दिया : वाइको

चेन्नई। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को मारुमालार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) के प्रमुख वाइको को आश्वासन दिया कि सरकार द्वारा संचालित इंटीग्रल कोच फैक्टरी (आईसीएफ) का निजीकरण नहीं किया जाएगा। एमडीएमके ने एक विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। विज्ञप्ति के मुताबिक वाइको ने दिल्ली में वैष्णव से मुलाकात कर उन्हें आईसीएफ के संभावित निजीकरण को लेकर कर्मचारियों की चिंताओं के बारे में अवगत कराया और केन्द्रीय रेल मंत्री से उत्पादन इकाई का निजीकरण नहीं करने का आग्रह किया। वाइको ने कहा कि आईसीएफ का निजीकरण होने से हजारों लोगों की नौकरी जा सकती है।

पटियाला के धरेरी जट्टन टोल प्लाजा पर बीकेयू की महिला विंग की सदस्यों ने तीज उत्सव मनाया

महाराष्ट्र सरकार का टीके की दोनों खुराक लेने वाले लोगों को छूट देने का विचार : पवार

भाषा। पुणे

महाराष्ट्र सरकार पूरी तरह टीका लगवा चुके लोगों को कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगाई पाबंदियों से छूट देने पर विचार कर रही है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शनिवार को पत्रकारों से कहा कि सरकार दुकानों और रेस्त्रां को शाम चार बजे तक बंद करने का समय बढ़ाने पर भी विचार कर रही है। उन्होंने बताया कि सप्ताहांत पर छूट देने का फैसला अगले हफ्ते लिया जा सकता है। उन्होंने कहा, राज्य उन लोगों को छूट देने पर विचार कर रहा है जिन्होंने कोविड-19 रोधी टीके की दोनों खुराक ले ली है। इससे नागरिक टीका लगवाने के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि दुकानों और रेस्त्रां को बंद करने का समय शाम चार बजे से बढ़ाकर सात बजे किए जाने की मांग की जा रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, हम दुकानों तथा रेस्त्रां का समय बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं लेकिन अंतिम फैसला मुख्यमंत्री लेंगे। हम सोमवार को विशेषज्ञों से मुलाकात कर रहे हैं जिसके बाद सप्ताहांत पर छूट देने पर फैसला लिया जाएगा। पवार ने कहा कि सरकार का उद्देश्य पिछले महीने के मुकाबले और अधिक लोगों को टीका लगाना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कोरोना वायरस महामारी की संभावित तीसरी लहर से निपटने के लिए चिकित्सा बुनियादी ढांचा बनाने जैसे कई कदम उठा रही है। पवार ने कहा, तीसरी लहर की संभावना के बारे में कई खबरें हैं। पहली और दूसरी लहर मे अस्पतालों में मरीजों के अधिक संख्या में भर्ती होने, ऑक्सीजन वाले बिस्तर, वेंटीलेटर और मेडिकल ऑक्सीजन की मांग की रिपोर्टों के आधार पर हम पुणे जिले में महामारी की संभावित तीसरी लहर से निपटने की तैयारी कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, महाराष्ट्र में शुक्रवार को कोविड-19 के 6,753 नए मामले आए और 167 लोगों ने जान गंवाई। इसी के साथ राज्य में संक्रमण के मामले बढ़कर 62,51,810 हो गए हैं और मृतकों की संख्या।,31,205 पर पहुंच गई है।

एदियुरप्पा की जगह लेने के संबंध में भाजपा नेतृत्व से कोई बात नहीं हुई : जोशी

भाषा। हुब्बाली

केंद्रीय कोयला, खनन और संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेतृत्व ने उनसे कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा का स्थान लेने के बारे में कोई बात नहीं की है। उन्होंने कहा कि केवल मीडिया ही इस बारे में बात कर रहा है। जैसा कि एदियुरप्पा ने घोषणा की थी कि वह 25 जुलाई को पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के निर्देशों का पालन करेंगे। जोशी ने हालांकि कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि केन्द्रीय नेतृत्व ने एदियुरप्पा से इस्तीफा देने के लिए कहा है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक एदियुरप्पा का मुख्यमंत्री का पद छोड़ना तय माना जा रहा है। जोशी ने कहा, किसी ने मुझसे इस बारे में (एदियुरप्पा की जगह लेने के बारे में) बात नहीं की है। केवल मीडिया ही इस बारे में बात कर रहा है। चूंकि मुझसे इस बारे में किसी ने कोई बात नहीं की है, इसलिए इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने की कोई जरूरत नहीं है। यह पूछे जाने पर कि यदि उन्हें कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो क्या होगा, केंद्रीय मंत्री ने चुटकी लेते हुए कहा, मैं कभी भी यदि और लेकिन शब्दों वाले काल्पनिक सवालों का जवाब नहीं देता। मैं ऐसे सवालों का जवाब नहीं देना चाहता। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा के नेतृत्व में भाजपा नेतृत्व के अलावा सर्वोच्च नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ही इस बारे में फैसला करेंगे।

बेंगलुरु में रेलवे स्टेशन पर एक स्वास्थ्य कर्मी कोविड-19 परीक्षण के लिए यात्रियों के नमूने एकत्र करते हुए

भारत-बांग्लादेश सीमा के नजदीक गांव की महिलाओं को मिली स्व-सहायता समूह बनाने की प्रेरणा

सिलचर। असम के कछार जिले में बांग्लादेश की सीमा से सटे एक सुदूर गांव की महिलाओं को अपना पहला स्व-सहायता समूह (एसएचजी) बनाने की उस समय प्रेरणा मिली जब उनके जिले की उपायुक्त ने गांव का दौरा किया। इस समूह के जरिए अब यह महिलाएं सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से भी जुड़ सकती हैं। एक आधिकारिक वक्तव्य में शनिवार को यह जानकारी दी गई। कछार उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने 11 जून को कोविड-19 जांच और टीकाकरण संबंधी जागरूकता अभियान के लिए कटिगोरा विकास खंड के हरिनगर गांव पंचायत के अंतर्गत आने वाले बांग्लादेश की सीमा से सटे अल्पसंख्यक बहुल तुकरग्राम राजस्व गांव (पुरान बस्ती) का दौरा किया था। गांव के दौरे के समय जल्ली ने देखा कि क्षेत्र की महिलाएं विकास कार्य करने की इच्छा रखती हैं।

तीसरी लहर से निपटने की तैयारी कर रहा है केरल

भाषा। तिरुवनंतपुरम

केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने शनिवार को कहा कि उनका विभाग कोविड की तीसरी लहर से निपटने की तैयारी, पांच साल में जीवन शैली से संबंधित बीमारियों को कम करना और चिकित्सा संस्थानों में सुधार करने जैसी पहल पर काम करने के साथ-साथ स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को मजबूत पर भी ध्यान दे रहा है। विभिन्न स्वास्थ्य परियोजनाओं का उद्घाटन करने के लिए आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जॉर्ज ने कहा कि कोविड को लेकर सतर्कता नहीं छोड़नी चाहिए और इस संबंध में अस्पतालों को लैस किया जा रहा है और वायरस की किसी भी तीसरी लहर से निपटने के लिए कड़े उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पांच साल में राज्य में जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों को कम करने के प्रयास किए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि मेडिकल कॉलेजों को सर्वश्रेष्ठ संस्थान बनाया जाएगा और जिला और जनरल तालुक अस्पतालों को मजबूत किया जाएगा।

केरल में 18,531 नए मामले, 98 की मौत

तिरुवनंतपुरम। केरल में शनिवार को कोविड-19 के 18,531 नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 32,54,064 हो गई। वहीं, जांच संक्रमण दर (टीपीआर) 12 फीसदी के नीचे रही। केरल में कई सप्ताह तक संक्रमण दर 11 फीसदी से नीचे रहने के बाद 19 जुलाई को इसके पार हो गई और लगातार बढ़ने के साथ यह 23 जुलाई को 13.63 फीसदी तक पहुंच गई थी। राज्य में 98 और मरीजों की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 15,969 हो गई। राज्य सरकार की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, 15,507 लोगों के संक्रमण मुक्त होने के बाद कुल स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 30,99,469 हो गई। राज्य में फिलहाल।,38,124 मरीजों का उपचार चल रहा है। इस अवधि में सबसे ज्यादा 2,816 मामले मलप्पुरम जिले से सामने आए हैं। नए संक्रमितों में से 74 स्वास्थ्यकर्मी हैं।

आंध्र प्रदेश में 2,174 नए मामले, 18 की मौत

अमरावती। आंध्र प्रदेश में शनिवार सुबह नौ बजे समाप्त हुए पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 2,174 नए मामले सामने आए हैं और 18 लोगों की मौत हो गई। इस अवधि में 2,737 मरीज संक्रमण मुक्त हुए। स्वास्थ्य विभाग के एक बुलेटिन के अनुसार अब तक संक्रमण के कुल 19,52,513 मामले सामने आए हैं। बुलेटिन के अनुसार अब तक 19,16,914 मरीज संक्रमण मुक्त हुए हैं और 13,241 मरीजों की मौत हो चुकी है। यहां अब 22,358 मरीजों का उपचार चल रहा है। पूर्वी गोदावरी जिले से सबसे ज्यादा 418 मामले सामने आए हैं।

कर्नाटक में धार्मिक गतिविधियों की इजाजत

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने शनिवार को कोविड-19 प्रतिबंधों में और ढील देते हुए 25 जुलाई से मनोरंजन पार्क तथा ऐसे अन्य स्थलों को फिर खोलने और धार्मिक स्थलों पर धार्मिक गतिविधियों को बहाल करने की अनुमति दी है। राजस्व विभाग (आपदा प्रबंधन) के प्रधान सचिव एन मंजुनाथ प्रसाद की ओर से जारी एक आदेश में कहा गया, मनोरंजन पार्क और इस ऐसे अन्य स्थलों को कोविड नियमों का कड़ाई से पालन करने के साथ फिर से खोलने की अनुमति दी गई है।

'जिम्मेदारी से कर अदा करने वाले को सम्मान मिलना चाहिए'

भाषा। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि ईमानदार करदाताओं को जिम्मेदारी से अपने कर का भुगतान करने के लिए सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने विभिन्न सुधारों के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए आयकर विभाग की सराहना की। वित्त मंत्री ने 161वें आयकर दिवस पर आयकर विभाग को दिए अपने संदेश में विभिन्न प्रक्रियाओं के सरलीकरण के लिए काम करने को लेकर विभाग की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रक्रियाओं के सरलीकरण से विभाग का कामकाज अड़चन मुक्त, पक्षपात रहित और पारदर्शी हुआ है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, वित्त मंत्री ने कहा कि ईमानदार करदाताओं का राष्ट्र की प्रगति में उनके योगदान के लिए सम्मान किया जाना चाहिए। सीतारमण ने महामारी के कारण पैदा हुई मुश्किलों के बावजूद अनुपालन की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए भी करदाताओं की सराहना की। वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि विभाग की ज्यादातर प्रक्रियाएं और अनुपालन की जरूरतें अब ऑनलाइन माध्यम पर स्थानांतरित हो गई हैं तथा करदाताओं के लिए कर कार्यालय आने की जरूरत लगभग समाप्त हो गई है या काफी सीमित रह गई है। राजस्व सचिव तरुण बजाज ने भी खुद को अर्थव्यवस्था में आए बदलावों के अनुरूप ढालने के लिए आयकर विभाग की सराहना की। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन जे बी महापात्रा ने राजस्व कमाने वाली इकाई तथा करदाता सेवाप्रदाता की दोहरी भूमिका निभाने के लिए कर अधिकारियों की सराहना की।

देश में ऊंचे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का सिलसिला जारी रहेगा: गोयल

भाषा। नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को विश्वास जताते हुए कहा कि भारत चालू वित्त वर्ष में भी उच्च प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को आकर्षित करना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के प्रभाव और वैश्विक स्तर पर निवेश प्रवाह कम रहने के बावजूद वर्ष 2020 में भारत को अब तक का सबसे ज्यादा एफडीआई मिला। वित्त वर्ष 2020-21 में देश में एफडीआई का प्रवाह 19 प्रतिशत बढ़कर 59.63 अरब डॉलर हो गया। साथ ही इक्विटी, पुन: निवेश वाली आय और पूंजी को मिलाकर कुल एफडीआई बीते वित्त वर्ष के दौरान 10 प्रतिशत बढ़कर 81.72 अरब डॉलर हो गया। 2019-20 में यह आंकड़ा 74.39 अरब डॉलर रहा था।

गोयल ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई)-होरासिस इंडिया द्वारा आयोजित एक वेबिनार में कहा, हमें पूरा विश्वास है कि इस वर्ष भी हम अपने विदेशी निवेश में लगातार सात वर्षों की ऐतिहासिक ऊंचाईयों के इस क्रम को जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि इसी तरह भारत का निर्यात भी अच्छी वृद्धि दर्ज कर रहा है और चालू वित्त वर्ष के अंत तक यह 400 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। उन्होंने बताया कि एक से 21 जुलाई के दौरान निर्यात 22 अरब डॉलर रहा है, जो इस माह के अंत तक 32-33 अरब डॉलर को पार कर जाएगा।

इक्विटी, ऋण के जरिए 30,000 करोड़ रुपए जुटाएगा इंडसइंड बैंक

नई दिल्ली। इंडसइंड बैंक ने शनिवार को कहा कि वह अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए इक्विटी और कर्ज के जरिए 30,000 करोड़ रुपए तक जुटाने की योजना बना रहा है। बैंक ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में कहा कि उसके बोर्ड ने ऋण प्रतिभूतियों या इक्विटी इक्विटी माध्यमों या परिवर्तनीय ऋण प्रतिभूतियों से पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) या अमेरिकन डिपॉजिटरी रिसीट्स (एडीआर) या ग्लोबल डिपॉजिटरी रिसीट्स (जीडीआर) के जरिए वित्त जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह कोष निजी नियोजन के आधार पर जुटाया जाएगा। बैंक का शेयरधारकों की मंजूरी और नियामकीय मंजूरी के बाद 30,000 करोड़ रुपए या इसके बराबर राशि विदेशी मुद्राओं में जुटाने का प्रस्ताव है। हालांकि बैंक ने कर्ज और इक्विटी पूंजी जुटाने के लिए कोई समयसीमा तय नहीं की है। प्रस्ताव पर 26 अगस्त को बैंक की वार्षिक आम सभा में विचार किया जाएगा।

क्विक न्यूज

टीवीएस मोटर ने कोच्चि में अपना इलेक्ट्रिक स्कूटर उतारा

कोच्ची। दोपहिया वाहन विनिर्माता टीवीएस मोटर ने शनिवार को कोच्चि में अपना बिजलीचालित टीवीएस आईक्यूब स्कूटर बाजार में उतार दिया। केरल के परिवहन मंत्री एंटनी राजू और टीवीएस मोटर कंपनी के संयुक्त प्रबंध निदेशक सुदर्शन वेणु ने संयुक्त रूप से इस स्कूटर को पेश किया। कंपनी ने एक बयान में कहा, टीवीएस आईक्यूब एक बिजली से चलने वाला और पर्यावरण अनुकूल स्कूटर है जो उन्नत इलेक्ट्रकि ड्राइवट्रेन और अगली पीढ़ी के टीवीएस स्मार्टएक्सोनेक्ट प्लेटफॉर्म द्वारा संचालित है। वेणु ने कहा कि टीवीएस मोटर एक डिजिटल पीढ़ी की कंपनी के रूप में बदल रही है और विश्वस्तरीय पर्यावरण अनुकूल ओर कनेक्टेड उत्पाद पेश कर रही है। वही कंपनी ने बताया कि आईक्यूब स्कूटर 4.4 किलोवॉट की मोटर से लैस है। साथ ही स्कूटर की अधिकतम गति 78 किलोमीटर प्रति घंटा है और पूरी तरह चार्ज होने के बाद यह 75 किलोमीटर तक चल सकता है।

भारतीय फार्मा उद्योग 2030 तक 130 अरब डॉलर का होगा : रेड्डी

हैदराबाद। डॉ रेड्डी लैबोरेटरीज के चेयरमैन के. सतीश रेड्डी ने शनिवार को कहा कि भारतीय फार्मा उद्योग तीन गुना होकर वर्ष 2030 तक 130 अरब डॉलर का हो जाएगा। उन्होंने अनुमान लगाते हुए कहा, वर्तमान में हम देखे तो भारतीय दवा उद्योग 42 अरब डॉलर का है। इसमें आधी घरेलू बिक्री और आधा हिस्सा निर्यात का है। हमें उम्मीद है कि मौजूदा दशक में उद्योग तीन गुना होकर वर्ष 2030 तक 120 से 130 अरब डॉलर का हो जाएगा। एनआईपीईआर-हैदराबाद के गवर्नर बोर्ड के चेयरमैन रेड्डी ने संस्थान के 9वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की आत्मनिर्भर भारत नीति, उद्योग को प्रोत्साहन और नवाचार पर जोर देने समेत कई सारे सुधार उद्योग के लिए शुभ संकेत है। रेड्डी ने कहा कि भारतीय दवा उद्योग ने कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम किया।

रुनाया ने ओडिशा में एकीकृत एल्युमिनियम ड्रॉस प्रस्संकरण इकाई स्थापित की

झारसुगुडा। देश के सबसे तेजी से बढ़ते विनिर्माण स्टार्ट-अप में से एक, रुनाया ने ओडिशा के झारसुगुड़ा में एक एल्युमीनियम धातुमल (ड्रॉस) प्रसंस्करण और शोधन इकाई की स्थापना की है। कंपनी के एक अधिकारी ने दावा किया कि झारसुगुडा की इकाई भारत की पहली एकीकृत एल्युमीनियम धातुमल प्रसंस्करण इकाई है। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने शुक्रवार को, 64.43 करोड़ रुपए के निवेश से स्थापित इस इकाई का उद्घाटन किया। यह स्टील स्लैग कंडीशनरों के निर्माण के लिए अपशिष्ट और प्रसंस्करण अवशिष्ट से एल्युमीनियम निकालने के लिए एक पूर्ण हरित और स्थिर समाधान प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने परियोजना का उद्घाटन करने के बाद कहा, ओडिशा तेजी से पूर्वी भारत के विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है और इसने राज्य में उद्योगों के विकास को सक्षम बनाया है।

असम के छोटे चाय उत्पादकों की अपनी फसल के लिए एमएसपी की मांग

गुवाहाटी। असम के छोटे चाय उत्पादकों ने राज्य सरकार से उनकी उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तय करने की मांग की है। एक बयान में कहा गया है कि छोटे उत्पादकों को अपने उत्पादन पर काफी कम कीमत मिलती है और यह मुद्दा काफी समय से लंबित है। छोटे चाय उत्पादक अपनी फसल बॉट लीफ फैक्टरीज (बीएलएफ) को बेचते हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री चंद्र मोहन पटवारी के साथ बृहस्पतिवार को बैठक में छोटे चाय उत्पादकों के संघों के प्रतिनिधियों ने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने राज्य सरकार से उनकी चाय पत्तियों के लिए उचित मूल्य या न्यूनतम दर तय करने का आग्रह किया है। मंत्री ने चाय उत्पादकों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्या का जल्द हल किया जाएगा।

पेटीएम के सीईओ ने कहा, 5-10 साल में 5,000 अरब डॉलर की होगी भारतीय अर्थव्यवस्था

मुंबई। पेटीएम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा ने शनिवार को कहा कि देश विकास के रोमांचक चरण में है और भारतीय अर्थव्यवस्था अगले पांच से दस साल में 5,000 अरब डॉलर की हो जाएगी। उन्होंने कहा, अगर देश की अर्थव्यवस्था अभी 2,500 अरब डॉलर की है, तो अगले पांच से दस साल में हम और 2,500 अरब डॉलर की वृद्धि देखेंगे। हमें 2,500 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में 70 वर्ष लगे। लेकिन अब केवल दस वर्ष में इतिहास फिर से दोहराया जाएगा और अर्थव्यवस्था दोगुना हो जाएगी। आईएमसी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित दो दिन के वर्चुअल युवा सम्मेलन में शर्मा ने कहा, हमारे लिए भारत में होना भाग्यशाली होने के साथ-साथ अद्भुत और प्रेरक क्षण भी है।

प्रीमियम इलेक्ट्रिक बाइक की पूरी श्रृंखला विकसित कर रही है आयशर मोटर्स

नई दिल्ली। विभिन्न बाजारों में ग्राहकों की अलग-अलग जरूरतों को पूरा करने के लिए आयशर मोटर्स बिजलीचालित मोटरसाइकिल (ई-बाइक) की एक पूरी श्रृंखला विकसित कर रही है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। रॉयल एनफील्ड भी आयशर मोटर का हिस्सा है जो क्लासिक, बुलेट, हिमालयन, इंटरसेप्टर आईएनटी 650, कॉन्टिनेंटल जीटी 650 और मीटियोर 350 मोटरसाइकिलों की बिक्री करती हैं। आयशर मोटर्स के प्रबंध निदेशक सिद्धार्थ लाल ने कंपनी की 2020-21 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा, ईवी श्रेणी सकारात्मक नीतिगत सुधार के साथ गति पकड़ रही है। भविष्य को देखते हुए हम ईवी उत्पादों को विकसित करने के लिए रणनीतिक रूप से काम कर रहे हैं। हम हालांकि इंटरनल कम्बशन इंजन की पेशकश पर काम जारी रखेंगे। उन्होंने शेयरधारकों से कहा कि कंपनी के पास एक मजबूत ब्रांड और एक व्यापक आपूर्ति तंत्र के साथ उत्पाद विकास और निर्माण की क्षमताएं है। उन्होंने कहा कि कंपनी वैश्विक बाजारों के लिए प्रीमियम इलेक्ट्रिक वाहनों और सेवाओं की एक पूरी श्रृंखला विकसित करने को लेकर उपभोक्ताओं की गहरी समझ की मदद ले रही है।

दूरसंचार कंपनियों पर बकाया एजीआर भविष्य में किसी मुकदमे का विषय नहीं हो सकता : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि वोडाफोन आइडिया और भारती एयरटेल सहित दूरसंचार कंपनियों पर बकाया समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) भविष्य में किसी भी मुकदमे का विषय नही हो सकता है। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली पीठ ने एजीआर की गणना में कथित त्रुटियों को दूर करने की मांग से जुड़ी दूरसंचार कंपनियों की याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि एजीआर से संबंधित विवाद काफी लंबे समय से अदालतों में लंबित रहा है और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं पर बकाया राशि को लेकर आगे किसी भी मुकदमे में विचार नही किया जाएगा। फैसले में कहा गया कि दूरसंचार सेवा प्रदाताओं पर बकाया एजीआर राशि में बदलाव करने से जुड़ी किसी भी याचिका को मंजूरी देने से जुड़े उच्चतम न्यायालय के एक सितंबर, 2020 के पिछले फैसले पर पुनर्विचार को लेकर संदेह की कोई गुंजाइश नही है।

ओडिशा का सीफूड निर्यात 3,000 करोड़ रुपए के पार

भाषा। भुवनेश्वर

ओडिशा सरकार ने खारे पानी की जलीय कृषि की उपलब्ध क्षमता का दोहन करने के लिए एक गतिशील और सुविधाजनक नीति तैयार करने का फैसला किया है। इस क्षेत्र ने पिछले 10 वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। शुक्रवार को मुख्य सचिव एस सी महापात्र की अध्यक्षता में डिजिटल तरीके से हुई बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। मत्स्य पालन और पशु संसाधन विकास सचिव आर रघु प्रसाद ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में इस क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। खारे पानी की मछली का उत्पादन वर्ष 2011-12 के 11,460 टन से बढ़कर वर्ष 2020-21 में 97,125 टन हो गया है, जो रिकॉर्ड वृद्धि दर्शाता है। इसी अवधि के दौरान खारे पानी की जलीय कृषि का क्षेत्र भी 5,860 हेक्टेयर से बढ़कर 17,780 हेक्टेयर हो गया। कोविड-19 के कारण आर्थिक मंदी के बावजूद ओडिशा से समुद्री खाद्य निर्यात मूल्य भी वर्ष 2011-12 के 801 करोड़ रुपए से बढ़कर वर्ष 2020-21 में 3,107 करोड़ रुपए हो गया। वर्ष 2011-12 में निर्यात की मात्रा लगभग 21,311 टन थी जो वर्ष 2020-21 में बढ़कर 60,718 टन हो गई। प्रसाद ने कहा, ओडिशा समुद्री भोजन ने विशेष रूप से जापान, चीन, अमेरिका, यूरोपीय संघ, दक्षिण-पूर्व एशिया और मध्य-पूर्व के देशों में वैश्विक बाजार पर कब्जा जमाया है। राज्य में सरकारी और निजी भूमि दोनों में ही खारे जलीय कृषि की अधिक संभावना है। क्षेत्र की क्षमता को ध्यान में रखते हुए, मुख्य सचिव ने राजस्व और आपदा प्रबंधन, मत्स्य पालन और पशु संसाधन विकास, वन और पर्यावरण विभाग और ओडिशा औद्योगिक बुनियादी ढांचा विकास निगम के विभागों को राज्य में खारे पानी की जलीय कृषि की उपलब्ध क्षमता के दोहन के लिए एक गतिशील और सुविधाजनक नीति तैयार करने का निर्देश दिया।

भारत में आयात शुल्क सबसे ऊंचा, ईवी पर अस्थाई राहत दे सरकार: मस्क

नई दिल्ली। अमेरिका की इलेक्ट्रकि वाहन (ईवी) कंपनी टेस्ला भारत में विनिर्माण संयंत्र लगा सकती है। टेस्ला के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने कहा है कि यदि कंपनी भारत में आयातित वाहनों के साथ सफल रहती है, तो बाद में विनिर्माण संयंत्र लगाने पर विचार कर सकती है। मस्क ने कहा कि फिलहाल भारत में आयात शुल्क दुनिया में सबसे ऊंचा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इलेक्ट्रकि वाहनों पर कम से कम अस्थाई रूप से शुल्क राहत मिलेगी। मस्क ने ट्विटर पर अपने फालोअर्स के साथ चर्चा में यह बात कही। मस्क से पूछा गया था कि क्या भारत में टेस्ला की कारें उतारी जाएंगी, इस पर उन्होंने कहा, हम ऐसा करना चाहते हैं, लेकिन दुनिया के बड़े देशों में भारत में आयात शुल्क सबसे ऊंचा है। फिलहाल भारत 40,000 डॉलर से अधिक की कीमत की पूरी तरह आयातित कार पर सीआईएफ (लागत, बीमा और भाड़े) के साथ 100 प्रतिशत का आयात शुल्क लगाता है।

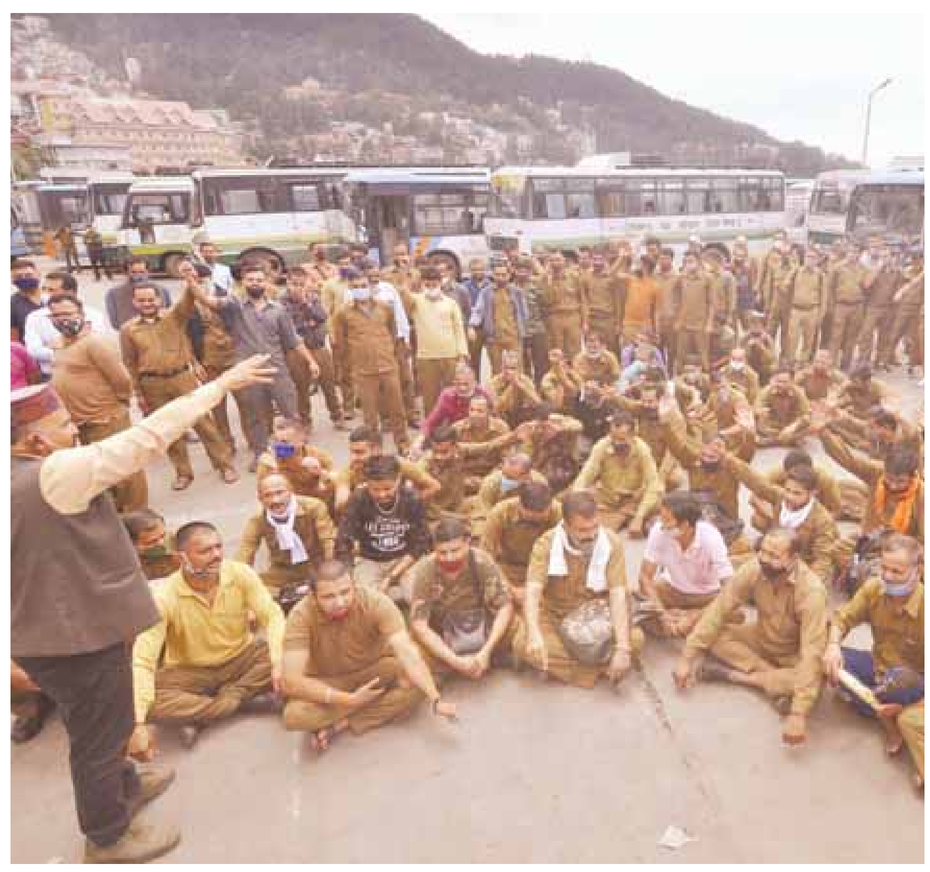

शिमला में बस स्टैंड पर अपनी मांगों को लेकर हिमाचल सड़क परिवहन निगम के बस कंडक्टरों ने राज्यव्यापी हड़ताल के दौरान की नारेबाजी

वर्ष 2047 तक अमेरिका, चीन के समकक्ष होगा भारत: अंबानी

भाषा। नई दिल्ली

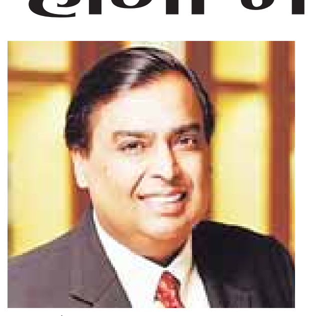

देश के सबसे अमीर व्यक्ति उद्योगपति मुकेश अंबानी का मानना है कि भारत में तीन दशक के आर्थिक सुधारों का नागरिकों को मिला लाभ असमान रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के सबसे निचले स्तर पर संपत्ति के सृजन के लिए विकास का भारतीय मॉडल जरूरी है। हालांकि, इसके साथ अंबानी ने भरोसा जताया कि 2047 तक देश अमेरिका और चीन के बराबर पहुंच सकता है। देश में आर्थिक उदारीकरण के 30 साल के पूरे होने के मौके पर रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन ने एक लेख में कहा है कि साहसी आर्थिक सुधारों की वजह से 1991 में जो हमारा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 266 अरब डॉलर था, आज यह दस गुना बढ़ चुका है। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से सबसे बड़ी भारतीय कंपनी के प्रमुख अंबानी ने शायद ही कभी इस तरह के लेख लिखे हैं।

अंबानी ने द टाइम्स ऑफ इंडिया में प्रकाशित अपने लेख में कहा है, भारत 1991 में कमी वाली अर्थव्यवस्था था, जो 2021 में आधिक्य वाली अर्थव्यवस्था में तब्दील हो गया। अब भारत को खुद को 2051 तक टिकाऊ स्तर पर आधिक्य और सभी के लिए समान समृद्धि वाली अर्थव्यवस्था में बदलना है। अंबानी ने लिखा है कि भारत ने 1991 में अर्थव्यवस्था की दिशा और निर्धारण दोनों को बदलने की दूरदृष्टि और साहस दिखाया। उन्होंने कहा, सरकार ने निजी क्षेत्र को भी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में प्रभावशाली ऊंचाई पर रखा। इससे पिछले चार दशकों में यह स्थान सिर्फ सार्वजनिक क्षेत्र को हासिल था। इससे लाइसेंस-कोटा राज समाप्त हुआ, व्यापार और औद्योगिक नीतियां उदार हुईं तथा तथा पूंजी बाजार और वित्तीय क्षेत्र मुक्त हो सका। अंबानी ने कहा कि इन सुधारों से भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सका। इस दौरान आबादी हालांकि 88 करोड़ से 138 करोड़ हो गई, लेकिन गरीबी की दर आधी रह गई। अंबानी ने कहा, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा हमारी सोच से कहीं अधिक सुधरा है। अब हमारे एक्सप्रेसवे, हवाईअड्डे और बंदरगाह विश्वस्तरीय हैं। कुछ ऐसा ही हमारे उद्योगों और सेवाओं के साथ है। उन्होंने लिखा है, अब यह अकल्पनीय लगेगा कि लोगों को टेलीफोन या गैस कनेक्शनों के लिए इंतजार करना पड़ता था। या फिर कंपनियों को कंप्यूटर खरीदने के लिए सरकार की मंजूरी लेनी होती थी। उन्होंने कहा कि 2047 में हम अपनी आजादी के सौ साल का जश्न मनाएंगे। इससे बड़ा सपना और क्या होगा कि उस समय तक हम भारत को दुनिया के तीन सबसे अमीर देशों में से एक बनाने में सक्षम होंगे। हम अमेरिका और चीन के समकक्ष होंगे। अंबानी ने कहा कि आगे का रास्ता आसान नहीं है लेकिन हमें महामारी जैसी अचानक आने वाली अस्थाई समस्याओं से घबराना नहीं है। न ही गैर-महत्वपूर्ण मुद्दों की वजह से अपना ध्यान भटकाना है। हमारे पास अवसर है और साथ ही यह हमारी जिम्मेदारी भी है कि हम अपने बच्चों और युवाओं के लिए अगले 30 साल आजाद भारत के इतिहास के सर्वश्रेष्ठ वर्षों में बदलें। अंबानी ने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए आत्मनिर्भर और शेष दुनिया के साथ सहयोग करने वाला भारत जरूरी है।

जरूरी चिकित्सा उपकरणों पर व्यापार मार्जिन सीमित किए जाने के बाद करीब 620 उत्पादों के दाम घटे

भाषा। नई दिल्ली

सरकार द्वारा कोविड-19 के इलाज एवं रोकथाम में व्यापक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले पल्स ऑक्सीमीटर और डिजिटल थर्मामीटर जैसे पांच जरूरी चिकित्सा उपकरणों पर व्यापार लाभ या मार्जिन को 70 प्रतिशत पर सीमित करने के साथ अब तक करीब 620 ब्रांडों की कीमतों में कमी आई है। रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि यह सीमा 20 जुलाई से लगाई गई है। गत 13 जुलाई को राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने औषधि मूल्य नियंत्रण आदेश (डीपीसीओ), 2013 के पैरा 19 के तहत मिले असाधारण अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए पांच चिकित्सा उपकरणों - ऑक्सीमीटर, ग्लूकोमीटर, बीपी मॉनिटर, नेबुलाइजर और डिजिटल थर्मामीटर के व्यापार मार्जिन पर सीमा लगा दी थी।

प्राइस टू डिस्ट्रिब्यूटर (पीटीडी) या वितरक को मिलने वाली कीमत के स्तर पर लाभ को 70 प्रतिशत तक सीमित किया गया था। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "इसके अनुसार, 23 जुलाई, 2021 तक इन चिकित्सा उपकरणों के कुल 684 उत्पादोंब्रांडों की रिपोर्ट की गई है और 620 उत्पादोंब्रांडों (91 प्रतिशत) ने अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) में कमी की जानकारी दी है। पल्स ऑक्सीमीटर के एक आयातित ब्रांड द्वारा अधिकतम कमी की जानकारी दी गई है। इसमें प्रति इकाई 2,95,375 रुपए की कमी देखी गई है। मंत्रालय ने कहा कि सभी श्रेणियों में आयातित और घरेलू ब्रांडों ने एमआरपी कम करने की जानकारी दी है। आयातकों ने कीमतों में सबसे ज्यादा कमी पल्स ऑक्सीमीटर, ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग मशीन और नेबुलाइजर पर की है।

पेज 1 का शेष

टोक्यो ओलंपिक में चमकी...

स्नैच को चानू की कमजोरी माना जा रहा था, लेकिन उन्होंने पहले ही स्नैच प्रयास में 84 किग्रा वजन उठाया। मणिपुर की इस भारोत्तोलक ने समय लेकर वजन उठाया। उन्होंने अगले प्रयास में 87 किग्रा वजन उठाया और फिर इसे बढ़ाकर 89 किग्रा कर दिया जो उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 88 किग्रा से एक किग्रा ज्यादा था जो उन्होंने पिछले साल राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में बनाया था। हालांकि वह स्नैच में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को बेहतर नहीं कर सकीं और स्नैच में उन्होंने 87 किग्रा का वजन उठाया और वह जिहुई से ही इसमें पीछे रहीं जिन्होंने 94 किग्रा से नया ओलंपिक रिकार्ड बनाया। चीन की भारोत्तोलक का इसमें विश्व रिकार्ड (96 किग्रा) भी है। क्लीन एवं जर्क में चानू के नाम विश्व रिकार्ड है, उन्होंने पहले दो प्रयासों में 110 किग्रा और 115 किग्रा का वजन उठाया। हालांकि वह अपने अंतिम प्रयास में 117 किग्रा का वजन उठाने में असफल रहीं लेकिन यह उन्हें पदक दिलाने और भारत का खाता खोलने के लिए काफी था। पदक जीतकर वह रो पड़ीं और खुशी में उन्होंने अपने कोच विजय शर्मा को गले लगाया। बाद में उन्होंने ऐतिहासिक पोडियम स्थान हासिल करने का जश्न पंजाबी भांगड़ा करके मनाया। इस उपलब्धि की उनकी खुशी मास्क से भी छुप नहीं रही थी जो पदक समारोह के दौरान और बढ़ गई। खेलों के लिए बनाए गए कोविड-19 प्रोटोकॉल में पदक विजेताओं को सामाजिक दूरी बनाए रखनी थी और वे ग्रुप फोटोग्राफ के लिए एक साथ नहीं हो सके। लेकिन तीनों पदकधारियों ने एक दूसरे को बधाई दी और फोटो भी खिंचवाई लेकिन एक अधिकारी ने उन्हें अलग होने के लिए कह दिया। इस भारतीय ने अंतरराष्ट्रीय एरीना में हर जगह खुद को साबित किया, बस इसमें ओलंपिक पदक की कमी थी जो अब पूरी हो गई। वह विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण, राष्ट्रमंडल खेलों में (2014 में रजत और 2018 में स्वर्ण) दो पदक और एशियाई चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीत चुकी हैं।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने...

मीराबाई चानू ने महिलाओं की 49 किग्रा भारात्तोलन स्पर्धा में रजत पदक जीता। भारत को तुम पर गर्व है मीरा। गृहमंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया , क्या गर्व का पल है।हर भारतीय मीराबाई चानू की ऐतिहासिक उपलब्धि से हर्षित है। पूर्व खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने लिखा, भारत ने मीराबाई चानू के 49 किग्रा महिला भारोत्तोलन वर्ग में रजत पदक से तोक्यो ओलंपिक 2020 में पहला पदक जीता और भारत को गौरवान्वित किया। बधाई हो मीराबाई चानू। चीयर4इंडिया। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट किया, आज फिर भारत की मातृशक्ति ने वैश्विक पटल पर मां भारती को गौरव विभूषित किया है। आज तोक्यो में मीराबाई चानू जी ने अद्भुत कौशल का परिचय देते हुए रजत पदक जीत कर देश को गौरान्वित किया है। हार्दिक बधाई। जय हिंद!

गुडलक के लिए खास...

उन्होंने कहा, इन्हें देखकर मेरे आंसू निकल गए और जब उसने पदक जीता तब भी। उसके पिता (सेखोम कृति मेइतेई) की आंखों में भी आंसू थे। खुशी के आंसू। उसने अपनी कड़ी मेहनत से सफलता हासिल की। मीराबाई को तोक्यो में इतिहास रचते हुए देखने के लिए उनके घर में कई रिश्तेदार और मित्र भी मौजूद भी मौजूद थे। मीराबाई ने महिला 49 किग्रा वर्ग में रजत पदक के साथ ओलंपिक में भारोत्तोलन पदक के भारत के 21 साल के इंतजार को खत्म किया और तोक्यो खेलों में भारत के पदक का खाता भी खोला। मीराबाई ने तोक्यो के भारोत्तोलन एरेना में अपनी स्पर्धा शुरू होने से पहले वीडियो कॉल पर बात की और अपने माता-पिता का आशीर्वाद लिया। मीराबाई की रिश्ते की बहन अरोशिनी ने कहा, वह (मीराबाई) बहुत कम घर आती है (ट्रेनिंग के कारण) और इसलिए एक दूसरे से बात करने के लिए हमने वट्सऐप पर ग्रुप बना रखा है। आज सुबह उसने हम सभी से वीडियो कॉल पर बात की और अपने माता-पिता से उसने आशीर्वाद लिया।

छह माह में सभी...

मुख्यमंत्री ने कहा कि पांच-सात साल पहले यह कल्पना भी नहीं की जा सकती थी कि देवरिया में भी मेडिकल कॉलेज होगा। हम आभारी हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जिन्होंने प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना प्रारंभ किया और देवरिया में भी हमें मेडिकल कॉलेज खोलने का मिला। उन्होंने कहा कि देवरिया के मेडिकल कॉलेज की लागत 208 करोड रुपए है इसमें से 155 करोड़ रुपए खर्च कर लिए गए हैं। 15 दिसंबर तक सभी निर्माण कार्य पूरे हो जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना के संकटकाल में देश की आबादी के लिहाज से सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में इस वैश्विक महामारी को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया गया। इसमें मेडिकल कॉलेजों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विगत 4 सालों में हमने इंसेफेलाइटिस पर भी प्रभावी नियंत्रण किया है। कभी देवरिया भी सर्वाधिक इंसेफेलाइटिस प्रभावित जिलों में से था। अब इससे होने वाली मौतें 95 प्रतिशत तक कम हो गई हैं।

जम्मू कश्मीर और दिल्ली...

एजेंसी ने कथित अनियमितताओं को लेकर 16 अक्टूबर 2018 को दो अलग-अलग प्राथमिकियां दर्ज की थीं। सीबीआई ने कुपवाड़ा, उधमपुर, किश्तवाड़, शोपियां, राजौरी, डोडो, पुलवामा और कुछ अन्य जगहों के तत्कालीन जिलाधिकारियों और मजिस्ट्रेटों के परिसरों पर दिसंबर 2019 में श्रीनगर, जम्मू, गुरुग्राम और नोएडा समेत एक दर्जन जगहों पर छापेमारी की थी। अभियान 2019 में दर्ज एक मामले के संबंध में चलाया जा रहा है। आरोप है कि 2012 और 2016 के बीच जम्मू कश्मीर के विभिन्न जिलों के उपायुक्तों ने धन के लालच में फर्जी और अवैध रूप से थोक में शस्त्र लाइसेंस जारी किया था।

मुठभेड़ में तीन आतंकी...

अधिकारी ने बताया कि जवान को नजदीक के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। प्रवक्ता ने बताया कि सिपाही वैद्य हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले के घुमारवीं गांव के रहने वाले थे। उनके परिवार में मां वनिता देवी हैं। सिपाही कमल देव वैद्य की मौत की सूचना मिलते ही घुमारवीं गांव में शोक की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में लोग शहीद जवान के घर के बाहर एकत्र हो गए और पाकिस्तान विरोधी नारे लगाए।

अफगानिस्तान में हालात...

दूतावास ने यह भी सलाह दी है कि मुख्य शहरों के बाहर यात्रा करने से सख्ती से परहेज करें और अफगानिस्तान पहुंचने वाले सभी भारतीय नागरिक सबसे पहले दूतावास में अपना पंजीकरण कराएं। अफगानिस्तान में भारतीय कंपनियों को एक बार फिर यह कहा गया है कि वे परियोजना स्थलों पर तैनात अपने भारतीय कर्मचारियों के संबंध में विशेष सुरक्षा इंतजाम करें। घटनाओं को कवर करने वाले मीडियाकर्मी व्यक्तिगत रूप से भारतीय दूतावास को अपने बारे में जानकारी दें और जिस स्थान की यात्रा कर रहे हैं, उसके बारे में बताएं।

सीमा विवाद पर पूर्वोत्तर...

अधिकारी ने बताया कि इस कार्यक्रम के बाद शाह ने माविओंग में अंतर राज्र्ईय बस अड्डे और न्यू शिलांग टाउनशिप में क्रायोजेनिक प्लांट का उद्घाटन किया। शाह का रविवार को सोहरा (पूर्ववर्ती चेरापूंजी) जाने का भी कार्यक्रम है जहां वह वृक्षारोपण परियोजना और जलापूर्ति परियोजना का उद्घाटन करेंगे। वह सोहरा में रामकृष्ण मिशन भी जा सकते हैं।

आईटीसी का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 30.24 प्रतिशत बढ़कर 3,343.44 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली। आईटीसी लिमिटेड को 30 जून, 2021 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 3,343.44 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही से 30.24 प्रतिशत अधिक है। इससे पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान कंपनी ने 2,567.07 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में आईटीसी लि. ने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही के दौरान कंपनी की परिचालन आय 35.91 प्रतिशत बढ़कर 14,240.76 करोड़ रुपए हो गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 10,478.46 करोड़ रुपए थी। समीक्षाधीन तिमाही में आईटीसी का कुल खर्च 10,220.49 करोड़ रुपए था, जो कि वित्त वर्ष 2020-21 की इसी अवधि से 28.27 प्रतिशत अधिक है। पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में यह 7,967.71 करोड़ रुपए था।

अफगान सीमा पर पाक ने तैनात की सेना

काबुल से बढ़ते तनाव के बीच उठाया कदम

भाषा। इस्लामाबाद

अफगानिस्तान से अमेरिकी और नाटो सैनिकों की वापसी और काबुल से लगातार बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से लगती अपनी सीमा की अग्रिम चौकियों पर सेना के जवानों की तैनाती की है। यह दावा शनिवार को मीडिया में आई खबरों में किया गया। डॉन अखबार ने आतंरिक मामलों के मंत्री शेख रशीद अहमद के हवाले से बताया कि अग्रिम ठिकानों पर फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (एफसी), लेविस फोर्स (अर्धसैनिक बल) और अन्य मिलिशिया के स्थान पर पाकिस्तानी सेना के सैनिकों को तैनात किया गया है। इस बीच, अमेरिका और नाटो सैनिकों अफगानिस्तान से वापसी की प्रक्रिया पूर्ण होने को ओर है। अहमद ने कहा कि आतंरिक मंत्रालय के तहत कार्यरत एफसी बलूचिस्तान और अन्य मिलिशिया को सीमा पर गश्त के कार्य से वापस बुला लिया गया है। उन्होंने बताया, अर्धसैनिक बलों को

वापस बुलाने के बाद अब नियमित सेना के सैनिक सीमा पर तैनात है। अहमद के मुताबिक यह फैसला सीमा पर तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न होने के मद्देनजर लिया गया है। सैन्य प्रवक्ता मेजर जनरल बाबर इफ्तिकार ने हाल में टीवी चैनल से बातचीत में कहा था कि सीमा पर सैनिकों की तैनाती से अफगानिस्तान की जमीन और हवा में चल रही लड़ाई को पाकिस्तान की ओर आने से रोकने में मदद मिलेगी। इस बीच, पाकिस्तानी सेना में मौजूद सूत्रों ने अखबार को बताया कि मौजूदा परिस्थितियों में सबसे बड़ी चुनौती शरणार्थियों या उनकी शक्ल में किसी घुसपैठिए को रोकना ही नहीं है बल्कि अफगान सेना के सैनिकों और तालिबान के लड़ाकों को भी पाकिस्तान की सीमा में दाखिल होने से रोकना है। अधिकारी ने कहा, हमने देखा कि जुलाई में तालिबान से लड़ाई करने से बचने के लिए एक हजार से अधिक अफगान सैनिक तजाकिस्तान भाग गए। हालांकि, उत्तरी अफगानिस्तान में तालिबान की उपस्थिति उतनी नहीं है जितनी पाकिस्तान से लगती दक्षिणी इलाकों में, ऐसे में अगर अफगान सैनिक भागकर हमारी सीमा में आते हैं तो, तालिबान भी उनका पीछा करते हुए आएगा और इस तरह यह लड़ाई पाकिस्तानी इलाके में भी फैल जाएगी। गौरतलब है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच 2,640 किलोमीटर लंबी सीमा है जिनमें से 90 प्रतिशत पर पाकिस्तान ने सुरक्षा दीवार बनाई है।

अमेरिकी अस्पताल ने कोविड-19 संबंधी चिकित्सा उपकरण भारत को दिए

वाशिंगटन। अमेरिका के मेरीलैंड के एक अस्पताल ने भारत को कोविड-19 राहत के तौर पर निजी सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट और दो कन्टिन्यूअस पॉजिटिव एयरवे प्रेशर थेरेपी (सीपीएपी) मशीनें दान की हैं। एक भारतीय-अमेरिकी गैर-लाभकारी संस्था ने यह जानकारी दी। सेवा इंटरनेशनल को मेरीलैंड में हाल में एक कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा उपकरणों की ए खेप मिली। शुक्रवार को मीडिया में जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि इस खेप में एन-95 के समान मास्क, फेस शील्ड, दस्ताने, चश्मे और पूरी लंबाई वाले पीपीई किट शामिल हैं। बयान के अनुसार कार्यक्रम के ठीक बाद दान की गई सामग्री को मैरीलैंड के हयात्सविले से सेवा इंटरनेशनल के अटलांटा, जॉर्जिया स्थित गोदामों में सात ट्रकों में भेजा गया था। कार्यक्रम में मौजूद सेवा इंटरनेशनल के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर श्री श्रीनाथ ने कहा, यह अमेरिका में किसी अस्पताल से सेवा को चिकित्सा साजोसामान का मिला सबसे बड़ा अनुदान है।

साल्ट लेक सिटी में पायनियर दिवस के मौके पर एक कार्यक्रम के दौरान हाथगाड़ी को खींचते लोग

अमेरिका ने पेगासस मुद्दे पर कहा

नागरिक संगठन, आलोचकों, पत्रकारों के खिलाफ जासूसी चिंताजनक

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका ने कहा है कि वह नागरिक संगठनों, सत्ता के आलोचकों और पत्रकारों के खिलाफ न्याएतर तरीकों से जासूसी प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल के विरुद्ध है। हालांकि, अमेरिका ने यह स्पष्ट किया कि उसे भारत में चल रहे पेगासस विवाद के संबंध में कोई खास गहरी जानकारी नहीं है।भारत समेत कई देशों में नेताओं, पत्रकारों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों की कथित जासूसी के लिए पेगासस सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल से निजता से संबंधित मुद्दे को लेकर चिंता बढ़ी है। एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया संगठन के अनुसार इजराइली कंपनी एनएसओ ग्रुप टेक्नोलॉजीज द्वारा विभिन्न सरकारों को बेचे गए फोन स्पाइवेयर का निशाना बने लोगों में नेता, अधिकार कार्यकर्ता और पत्रकार शामिल हैं।दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामले के कार्यकारी सहायक मंत्री डीन थॉम्पसन ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों के सवाल के जवाब में कहा, नागरिक संगठन, या सत्ता के आलोचकों अथवा पत्रकारों या ऐसे किसी भी व्यक्ति के खिलाफ न्याएतर तरीकों से ऐसी तकनीक के उपयोग की पूरी अवधारणा हमेशा चिंता का विषय रही है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया संगठन ने रविवार को बताया कि पेगासस स्पाइवेयर के जरिए हैकिंग के लिए भारत में कारोबारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के अलावा 40 से अधिक पत्रकारों, तीन विपक्षी नेताओं और एक मौजूदा न्यायाधीश सहित 300 से अधिक सत्यापित मोबाइल फोन नंबरों को निशाना बनाया गया है।

पेगासस जैसी प्रौद्योगिकी के कारण लाखों लोग सुरक्षित हैं, चैन की नींद सो पाते हैं : एनएसओ

भाषा। यरुशलम

निगरानी सॉफ्टवेयर पेगासस को लेकर विवादों के बीच इजराइल की साइबर सुरक्षा कंपनी एनएसओ ग्रुप ने अपना बचाव करते हुए दावा किया है कि खुफिया और कानून लागू करने वाली एजेंसियों को प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराने के कारण दुनिया में लाखों लोग रात में चैन की नींद सो पाते हैं और सुरक्षित हैं।

कंपनी ने यह भी कहा कि वह तकनीक का संचालन नहीं करती है और न ही उसके पास अपने ग्राहकों द्वारा एकत्र किए गए डेटा तक पहुंच है। भारत समेत कई देशों में पत्रकारों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, नेताओं और अन्य लोगों की जासूसी करने के लिए पेगासस सॉफ्टवेयर के कथित इस्तेमाल ने गोपनीयता से संबंधित मुद्दों पर चिंता पैदा कर दी है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया संघ के मुताबिक इजराइली कंपनी द्वारा विभिन्न सरकारों को बेचे गए स्पाईवेयर के जरिए नेताओं, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और पत्रकारों समेत अन्य लोगों को निशाना बनाया गया।एनएसओ के एक प्रवक्ता ने दावा किया, पेगासस और ऐसी अन्य तकनीक के कारण ही दुनिया में लाखों लोग रात को चैन की नींद सो पाते हैं और सड़कों पर सुरक्षित निकल पाते हैं। इस तरह की प्रौद्योगिकी से खुफिया और कानून लागू करने वाली एजेंसियां इनक्रिप्टेड ऐप के तहत छिपाई गई सूचनाओं का पता लगाकर अपराध, आतंकवादी घटनाओं को रोक पाती हैं। कंपनी ने कहा, दुनिया में कई अन्य साइबर खुफिया कंपनियों के साथ एनएसओ सरकारों को साइबर सुरक्षा उपकरण मुहैया कराती है क्योंकि कानून लागू करने वाली एजेंसियों के पास पुख्ता प्रणाली नहीं होती और मैसेजिंग तथा सोशल मीडिया पर संदिग्ध विषयवस्तु की निगरानी के लिए नियामकीय समाधान नहीं हैं। दुनियाभर में जारी इस जासूसी सॉफ्टवेयर पर विवाद पर प्रवक्ता ने कहा, एनएसओ तकनीक का संचालन नहीं करती है और न ही हमारे पास एकत्र किए गए डेटा को देखने की सुविधा है। उन्होंने कहा, हम एक सुरक्षित दुनिया बनाने में मदद करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। सॉफ्टवेयर के दुरुपयोग को लेकर पहली बार भारत में यह मुद्दा सामने आने पर एनएसओ ने अक्टूबर 2019 में पीटीआई-भाषा को एक लिखित जवाब में कहा था कि अनुबंध के तहत गंभीर अपराध और आतंकवाद को रोकने के सिवा किसी अन्य मामले में हमारे उत्पाद के इस्तेमाल पर निषेध है।

शी चिनफिंग ने ल्हासा में शीर्ष सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की

बीजिंग (भाषा)। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने ल्हासा में शीर्ष सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की और तिब्बत में दीर्घकालिक स्थिरता एवं समृद्धि के महत्व को रेखांकित किया। भारत के अरुणाचल प्रदेश से लगते न्यिंगची सहित सामरिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र के चिनफिंग के अघोषित दौरे की खबर उजागर करने के एक दिन बाद सरकारी मीडिया ने ल्हासा में उनके शीर्ष सैन्य अधिकारियों से मिलने की खबर दी। ग्लोबल टाइम्स ने अपनी खबर में कहा कि चिनफिंग चीनी सेना की तिब्बत कमान के शीर्ष अधिकारियों से मिले और सैनिकों के प्रशिक्षण कार्य तथा युद्ध तैयारी को पूरी तरह मजबूत करने का आह्वान किया। राष्ट्रपति के रूप में चिनफिंग का यह पहला तिब्बत दौरा था जो बुधवार से शुक्रवार तक चला। लेकिन चीन की आधिकारिक मीडिया ने शुक्रवार को इसके संपन्न होने तक इससे संबंधित खबर को गोपनीय रखा।

जर्मनी के ब्लेसम में आई भीषण बाढ़ के बाद रास्ते से मलबे को साफ करते सेना के जवान

कनाडा मदद करने वाले अफगानों के पुनर्वास में तेजी लाएगा

एपी। ओटावा

कनाडा सरकार ने शुक्रवार को कहा कि वह उन अफगानों के पुनर्वास में तेजी लाएगा जिन्होंने पिछले 20 वर्षों में कनाडा के साथ काम किया। हालांकि, कनाडा ने इस बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी कि कौन इसका पात्र होगा या इस वक्त तालिबान से खतरे का सामना कर रहे लोग कब आना शुरू होंगे।

सरकार कनाडा के शीर्ष नेताओं के दबाव का सामना कर रही है, जो इस बात से चिंतित हैं कि जिन अफगानों ने उनका और उनके परिवारों का समर्थन किया, उन्हें तालिबान के हाथों गिरफ्तारी और यहां तक कि मौत का सामना करना पड़ेगा। आव्रजन मंत्री मार्को मेंडिसिनो ने कहा, अफगानों की रक्षा और सुरक्षा के साथ कनाडाई टीमों की सुरक्षा जिन्हें पहले से ही सुरक्षा दी जा रही है, सुनिश्चित करने के अभियान को कैसे अंजाम दिया जाए और इसे कब शुरू किया जाएगा, इस बारे में सटीक विवरण रखना होगा। अफगानिस्तान से अमेरिकी सुरक्षा बलों की वापसी के बाद तालिबान ने देश के कई हिस्सों पर नियंत्रण कर लिया है। इन इलाकों में दक्षिणी कंधार प्रांत भी शामिल है जहां कनाडा की सेना देश में 13 साल तक सबसे लंबे अभियान पर रही। 2014 में सेना की वापसी से पहले अफगानिस्तान में कनाडा के 158 सैनिकों और सात आम नागरिकों की मौत हुई। इनमें से अधिकतर की मौत तालिबान द्वारा बंधक बनाए जाने के दौरान हुई। मेंडिसिनो ने कहा कि सरकार के पास पहले से ही टीम है जो उन लोगों की पहचान करने के लिए काम कर रही हैं जो कनाडा के साथ काम करते हुए खतरे का सामना कर रहे हैं और आव्रजन अधिकारी पात्र लोगों को शरण देने के लिए आवेदनों में तेजी लाएंगे। उन्होंने कहा, हमारा ध्यान उन लोगों पर है जिनका कनाडा सरकार के साथ महत्वपूर्ण और स्थाई संबंध रहा है। मेंडिसिनो ने कनाडा में रह रहे अफगानिस्तान के उन नागरिकों को उनके कार्यालय से सीधे संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित किया जिन्हें यह लगता है कि अफगानिस्तान में उनका परिवार खतरे में है, वे भी कनाडा आने के पात्र हैं। कनाडा ने पहले सैन्य अभियान की समाप्ति से पहले 2008 और 2012 में शुरू किए गए दो अलग-अलग कार्यक्रमों में लगभग 800 अफगान नागरिकों और उनके परिवारों का पुनर्वास किया था। मेंडिसिनो ने कहा कि हजारों लोग इसके पात्र हो सकते हैं।

ब्रिटेन-भारत के बीच वार्ता में अच्छी प्रगति हो रही है : श्रृंगला

भाषा। लंदन

विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने शनिवार को कहा कि मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर वार्ता में तेजी लाने की दिशा में एक रूपरेखा पर ब्रिटेन-भारत वार्ता बखूबी आगे बढ़ रही है और आने वाले महीनों में अच्छी प्रगति दिखेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ब्रिटिश समकक्ष बोरिस जॉनसन के बीच मई में रोडमैप 2030 पर बनी सहमति का जायजा लेने यहां आए विदेश सचिव ने लंदन की अपनी दो दिनों की यात्रा के समापन पर कहा कि उन्होंने सभी क्षेत्रों से जुड़े विषयों पर ब्रिटिश वार्ताकारों के साथ विस्तृत बातचीत की। जॉनसन द्वारा भारत की यात्रा सितंबर के आसपास करने पर विचार किया जा रहा है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कॉप 26 जलवायु सम्मेलन के लिए नवंबर में ब्रिटेन की यात्रा करने की उम्मीद है। ऐसे में विदेश सचिव की यात्रा के बारे में बताया जा रहा है कि यह संक्षिप्त नोटिस पर आयोजित की गई ताकि उन उच्च स्तरीय शिखर बैठकों से पहले गहन वार्ता को बनाए रखा जा सके। श्रृंगला ने कहा, रोडमैप के कई पहलू हैं जिनमें व्यापार एवं निवेश पहलू भी शामिल हैं, जहां बढ़ाई गई व्यापार साझेदारी ने वार्ता में तेजी लाने का मार्ग प्रशस्त किया है और यह एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौता की ओर ले जाएगा। अंतरिम समझौते की संभावना भी इसमें शामिल की गई है। उन्होंने कहा, दोनों पक्ष इस बात से सहमत हुए कि वार्ता बखूबी आगे बढ़ रही है। हम इस बारे में कुछ अच्छी प्रगति देखेंगे। करीबी ब्रिटेन-भारत संबंधों के लिए रोडमैप 2030 के रास्ते में किसी अड़चन के बारे में पूछे जाने पर विदेश सचिव ने कहा, यहां हमने सभी मुद्दों की समीक्षा की और हमने ऐसा कुछ नहीं पाया, जो हासिल नहीं किया जा सकता हो। इनमें से ज्यादातर चीजें वह हैं जिन्हें हम गति बनाए रखने के लिए जारी रख सकते हैं। उन्होंने कहा, दोनों देशों की राजधानियों में उच्च स्तर पर ध्यान केंद्रित करने को सुनिश्चित करने के लिए हमारे लिए संबंध महत्वपूर्ण है। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त गायत्री ईस्सर कुमार ने कहा कि लंदन में भारतीय दूतावास किसी भी अड़चन के प्रति बहुत, बहुत सतर्क है और

सभी स्तरों पर वार्ता में प्रगति के लिए रोजाना बातचीत की जा रही है। विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने यात्रा के दौरान अपने ब्रिटिश समकक्ष लॉर्ड तारिक अहमद से मुलाकात की और विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर भारत-ब्रिटेन की भागीदारी समेत कई वैश्विक मुद्दों पर व्यापक समीक्षा की। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर 10 वर्षीय योजना के क्रियान्वयन के लिए रोडमैप 2030 पर भी चर्चा की, जिसे द्विपक्षीय भागीदारी के तहत मई में शुरू किया गया था। श्रृंगला अपने दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को लंदन पहुंचे। उन्होंने शुक्रवार को अपने समकक्ष अहमद, विदेश कार्यालय में दक्षिण एशिया के मंत्री और विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) के स्थाई उपमंत्री फिलिप बार्टन के साथ बैठक की। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग ने ट्वीट किया, विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला की एफसीडीओ में राज्य मंत्री लॉर्ड तारिक अहमद और स्थाई उपमंत्री फिलिप आर बार्टन के साथ सौहार्दपूर्ण बैठक हुई। इस दौरान भारत-ब्रिटेन एजेंडा की व्यापक समीक्षा के साथ विभिन्न वैश्विक मंचों में सहयोग तथा वैश्विक मुद्दों एवं रोडमैप 2030 के कार्यान्वयन पर चर्चा हुई। द्विपक्षीय संबंधों को एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने और अगले दशक में व्यापार और अर्थव्यवस्था, रक्षा और सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन के प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को लेकर मार्गदर्शन के उद्देश्य से रोडमैप 2030 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ब्रिटिश समकक्ष बोरिस जॉनसन के बीच डिजिटल शिखर सम्मेलन में स्वीकृत किया गया था। अहमद ने ट्वीट किया, आज फिर हर्षवर्धन श्रृंगला से मिलकर खुशी हुई। हम पिछली बार दिल्ली में मिले थे। इस बार लंदन में मेजबानी का मौका मिलने से खुशी हुई। हमने संबंधों को निरंतर बढ़ाने तथा ब्रिटेन और भारत कैसे मिलकर वैश्विक मुद्दों पर नेतृत्व प्रदान कर सकते हैं और भलाई के लिए कैसे एक ताकत बन सकते हैं, इन मुद्दों पर चर्चा की। पूर्व में भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त के रूप में सेवा दे चुके बार्टन ने ट्वीट किया, भारताब्रिटेन 2030 रोडमैप के क्रियान्वयन पर बातचीत के लिए आज मैंने हर्षवर्धन श्रृंगला का लंदन में स्वागत किया। हम अपनी साझा महत्वाकांक्षाओं की दिशा में काम कर रहे हैं, जिससे यह साझेदारी मजबूत होती जा रही है।

पाक के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और आईएसआई प्रमुख अगले हफ्ते अमेरिका जा सकते हैं

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मुईद यूसुफ और आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फैज़ हमीद अगले हफ्ते अमेरिकी यात्रा पर जा सकते हैं जहां वे अफगानिस्तान की स्थिति पर अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ बातचीत कर सकते हैं। यह अमेरिका की उस कूटनीतिक कोशिश का हिस्सा है जिसका मकसद युद्धग्रस्त राष्ट्र में सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण सुनिश्चित कराना है। डॉन अखबार ने वाशिंगटन से राजनयिक सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि इसी प्रयास के तहत अमेरिकी विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन भारत और अफगानिस्तान की यात्रा पर आ रहे हैं। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य अफगान संकट के लिए क्षेत्रीय प्रतिक्रिया तैयार करना है। खबर के मुताबिक, यूसुफ और इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल हमीद की यात्रा इन राजनयिक प्रयासों का हिस्सा है।

क्विक न्यूज

बांग्लादेश के लोक गायक फकीर आलमगीर का निधन

ढाका। बांग्लादेश के मशहूर लोक गायक फकीर आलमगीर का कोविड-19 से उत्पन्न जटिलताओं की वजह से निधन हो गया। वह 71 साल के थे। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार गायक ने शुक्रवार रात यूनाइटेड अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके बेटे माशुक आलमगीर रजीब ने बताया कि अस्पताल में इलाज के दौरान उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। कई दिनों से बुखार और खांसी की शिकायत के बाद वह कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। सांस लेने में तकलीफ के बाद उन्हें एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन बाद में यूनाइटेड अस्पताल के आईसीयू में भेजा गया। आलमगीर का जन्म 21 फरवरी, 1950 को फरीदपुर में हुआ था। उन्होंने संगीत के क्षेत्र में अपने करियर की शुरुआत 1966 में की थी। गायक क्रांति शिल्पी गोष्ठी , और गण शिल्पी गोष्ठी जैसे सांस्कृतिक संगठन के प्रमुख सदस्य थे और बांग्लादेश के अलग देश के रूप में उदय के लिए 1969 के आंदोलन में अहम भूमिका निभाई थी। बांग्लादेश के 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान स्वाधीन बांग्ला बेतार केंद्र से जुड़ गए और स्वतंत्रता सेनानियो में ऊर्जा का संचार करने के लिए गाना शुरू किया। उनके प्रसिद्ध गानो में ओ सखीना गेसोस किना , शांताहार , नेल्सन मंडेला, नाम तार छिलो जॉन हेनरी , बांग्लार कॉमरेड बंधु शामिल है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने गायक के निधन पर शोक प्रकट करते हुए कहा कि वह देश में लोकप्रिय लोक गीतो के लिए हमेशा याद किए जाएंगे।

वियतनाम में कोविड-19 के मामले बढ़ने के बाद राजधानी हनोई में 15 दिन का लॉकडाउन

हनोई (वियतनाम)। वियतनाम ने दक्षिणी मेकोंग डेल्टा क्षेत्र से कोरोना वायरस के मामलों का प्रसार होने के मद्देनजर राजधानी हनोई में शनिवार से 15 दिन के लॉकडाउन की घोषणा की। शुक्रवार रात को जारी लॉकडाउन का आदेश सार्वजनिक स्थानो पर दो लोगो से ज्यादा के जुटने पर प्रतिबंध लगाता है। केवल सरकारी कार्यालयो, अस्पतालो और जरूरी कारोबारो को खोलने की अनुमति दी गई है। इससे पहले, इस हफ्ते की शुरुआत में शहर ने मामले बढ़ने के बाद सरकार ने सभी बाहरी गतिविधियो पर रोक लगा दी गई थी और गैर-जरूरी कारोबारो को बंद करने का आदेश दिया था। शुक्रवार को हनोई शहर में अब तक सबसे ज्यादा 70 मामलो की पुष्टि हुई जो पिछले 24 घंटो में देश में सामने आए रिकॉर्ड 7,295 मामलो का एक हिस्सा था। इनमें से 5,000 मामले वियतनाम के सबसे बड़े महानगर, दक्षिणी हो ची मिन्ह शहर में थे जिसने एक अगस्त तक लॉकडाउन बढ़ा दिया है। नेशनल असेंबली की एक बैठक हनोई में मंगलवार को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगी जिसमें 499 प्रतिनिधि शामिल होंगे लेकिन पहले 17 दिनो तक चलने वाली यह बैठक अब 12 दिनो तक ही चलेगी।

सोमालिया में अल-शबाब के खिलाफ एक हफ्ते में दूसरी बार अमेरिका ने किया हवाई हमला

वाशिंगटन। अमेरिकी बलो ने सोमालिया में अल-शबाब चरमपंथी समूह के खिलाफ इस हफ्ते शुक्रवार को दूसरी बार हवाई हमला किया। इससे पहले मंगलवार को किया गया हमला, राष्ट्रपति जो बाइडन के जनवरी में पद संभालने के बाद से पहला ऐसा हमला था। पेंटागन ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि यह हमला सोमाली साझेदार बलों के समर्थन में किया गया और इसलिए सैन्य बल के प्रयोग के लिए मौजूदा कांग्रेस के प्राधिकरण के तहत अनुमति दी गई थी। पेंटागन की प्रवक्ता सिंडी किंग ने कहा कि हवाई हमले सोमाली सरकार के साथ समन्वय कर किए गए थे और यह मध्य सोमालिया के गालमुदुग इलाके में केयसाद क्षेत्र के आस-पास किया गया था। उन्होंने कहा कि अभियान की सुरक्षा के लिहाज से और ब्योरे जारी नहीं किए जा सकते। अमेरिका ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल के अंतिम दिनों में सोमालिया से अपने ज्यादातर सैनिकों को हटा लिया था और उन्हें आस-पास के देशों में भेज दिया था जहां वे दूर से सोमाली बलो को सलाह दे सकते है और अल-कायदा आतंकवादी नेटवर्क से संबद्ध संगठन अल-शबाब के खिलाफ बल की मदद कर सकते हैं।

सूखे को लेकर प्रदर्शनकारियों के आक्रोश को समझते हैं : खामनेई

दुबई। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई ने कहा है कि वह देश के दक्षिण पश्चिम हिस्से में सूखे को लेकर प्रदर्शनकारियों के आक्रोश को समझते है। वहां चल रहे प्रदर्शनो में चार लोगो की मौत हो चुकी है। खुजेस्तान क्षेत्र में एक हफ्ते पहले शुरू हुए प्रदर्शनो के बाद से खामनेई द्वारा प्रदर्शनो पर यह पहली प्रत्यक्ष टिप्पणी है। एक

अर्द्धसरकारी समाचार एजेंसी फार्स ने बताया कि अलीगोदार्ज शहर के समीप हिंसा में गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और पुलिस ने इसके लिए क्रांतिकारी विरोधी तत्वो को जिम्मेदार ठहराया है। खामनेई ने कहा, लोगो ने अपना असंतोष दिखाया है लेकिन हम कोई शिकायत नही कर सकते क्योंकि खुजेस्तान की गर्म जलवायु में पानी का मुद्दा कोई मामूली मसला नही है। उन्होंने ईरान के शत्रुओं पर स्थिति का गलत फायदा उठाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने 1980 में इराक के खिलाफ विध्वंसकारी युद्ध में इस क्षेत्र के लोगो की उनकी निष्ठा और प्रयासो के लिए तारीफ की। उन्होने कहा, लोगो को अब और परेशानियो का सामना नही करना चाहिए। गौरतलब है कि खुजेस्तान के कई शहरो में प्रदर्शन हो रहे हैं। सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले दागे और पानी की बौछारें की तथा उनकी प्रदर्शनकारियो से झड़प भी हुई। प्रदर्शनों के दौरान ईरान में मोबाइल इंटरनेट सेवा बाधित हुई। अमेरिका में विदेश विभाग की प्रवक्ता जलीना पोर्टर्स ने पत्रकारों को बताया कि प्रशासन ईरान में प्रदर्शनों के साथ ही सरकार द्वारा क्षेत्र में इंटरनेट बंद करने की खबरों पर करीबी नजर रख रहा है।

फिलीपीन में भारी बारिश से बाढ़ की स्थिति, हजारों लोगों को निकाला गया

मनीला। फिलीपीन की राजधानी और बाहरी इलाको में कई दिनो से हो रही मॉनसूनी बारिश के चलते उफनाई नदियों और बाढ़ की स्थिति के कारण हजारों लोग बेघर हो गए हैं और एक ग्रामीण की मौत हो चुकी है। अधिकारियो ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आश्रय स्थलो में विस्थापितों को सामाजिक दूरी का पालन करते हुए रखने के लिए और अधिक शिविर खोले गए जिससे कोविड-19 संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। एक बड़ी नदी में पानी का स्तर बढ़ने के कारण राजधानी क्षेत्र के मरिकिना शहर में लगभग 15 हजार निवासियों को रातभर में निकाला गया। मरिकिना ने मेयर मार्सलीनो टेडरो ने एबीएस सीबीएन न्यूज को बताया कि कोरोना वायरस के डेल्टा प्रकार के खतरे को देखते हुए यदि बाढ़ की स्थिति का स्थाई समाधान नही निकाला गया तो हालात से निपटना कठिन हो जाएगा।

एकीकृत स्वास्थ्य इंटरफेस पर परामर्श पत्र को लेकर टिप्पणियां आमंत्रित

नई दिल्ली। आने वाले दिनों में राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन (एनडीएचएम) की शुरुआत के मद्देनजर एकीकृत स्वास्थ्य इंटरफेस (यूएचआई) की प्रस्तावित डिजाइन, कार्यक्षेत्र एवं भूमिका का विवरण प्रदान करने के लिए एकपरामर्श-पत्र जारी किया गया है और जनता से इसपर टिप्पणी मांगी गई है। देश में एनडीएचएम की डिजाइन एवं शुरुआत के लिए जिम्मेदार राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) ने शनिवार को एक बयान में कहा कि जनता से टिप्पणियां इसलिए मांगी गईं ताकियह सुनिश्चित हो सके कि यूएचआई सहयोगात्मकएवं परामर्शी प्रणाली से डिजाइन एवं विकसित किया जाए। एनएचए ने कहा कियूएचआई के माध्यम से, एनडीएचएम का लक्ष्य भारत में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को प्रदान करने के तरीकेको बदलना है।

DOC टॉक

डॉ. गुनीता सिंह

बीडीएस, एमडी, डेंटल लेजर, निदेशक, डेंटम और एसोसिएट कंसल्टेंट, सर गंगा राम अस्पताल

बच्चों के दांत निकलना एक चुनौती

बच्चे का जन्म और पालन-पोषण बहुत सारी चुनौतियों के साथ आता है और हर दिन अपने आप में एक अनुभव होता है, ऐसे ही अनुभवों में से एक है शुरुआती। यह वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा बच्चे के दांत मसूढ़ों से निकलते हैं।

दांत आमतौर पर छह से 24 महीने की उम्र के बीच होते हैं और आम तौर पर चिड़चिड़ापन निविदा और सूजन वाले मसूड़ों से जुड़ा होता है, शिशु असुविधा को कम करने के प्रयास में वस्तु या उंगलियों को मुंह में रखना चाहता है। जब बच्चे के दांत निकलते हैं तो बुखार, खांसी, दस्त और सर्दी के लक्षण नहीं पाए जाते हैं।

दांत निकलने के लक्षणों की शुरुआत आम तौर पर एक दांत के फटने से पहले चार से 10 महीने की उम्र के बीच दिखाई दे सकती है, पहला दांत आमतौर पर लगभग छह महीने की उम्र में फूटता है। कुछ दंत चिकित्सकों ने शुरुआती औसत या देर से आने वाले दांतों के पारिवारिक पैटर्न पर ध्यान दिया है।

दांत आमतौर पर मसूड़े और जबड़े की परेशानी से जुड़े होते हैं क्योंकि शिशु का दांत मसूड़े के ऊतकों की सतह से फूटने की तैयारी करता है। यह क्षेत्र थोड़ा लाल या सूजा हुआ दिखाई दे सकता है कभी-कभी फटने वाले दांत के ऊपर खून के समान तरल पदार्थ से भरा क्षेत्र दिखाई दे सकता है। कुछ दांत फूटने पर दूसरों की तुलना में अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। कुछ दांत कृन्तकों की तरह फूटते समय कम परेशानी पैदा करते हैं और कुछ जैसे ज्ञान दांत बहुत दर्दनाक हो सकते हैं।

दांत निकलने से निम्नलिखित लक्षण हो सकते हैं :

- बढ़ी हुई लार।
- मसूढ़ों की परेशानी के कारण बेचैनी या नींद कम होना।
- मसूड़े के क्षेत्र में दर्द के कारण भोजन से इनकार।
- आहट जो आती है और चली जाती है।
- हाथ मुंह पर लाना।
- त्वचा में जलन के कारण मुंह के चारों ओर हल्के दाने, अत्यधिक लार आने के कारण।
- दाढ़ के फटने के दौरान निर्दिष्ट दर्द के परिणामस्वरूप चेक या कान क्षेत्र को रगड़ना।

अपने बच्चे को चबाने के लिए सुखदायक अंगूठियां दें। यह मसूड़ों के दर्द को कम करने में उनकी मदद करने के लिए एक बहुत अच्छा विकल्प है। उन खिलौनों को इस्तेमाल करने से पहले कुछ देर के लिए फ्रिज में रख दें, कूलिंग इफेक्ट कमाल कर सकता है।

खैर, जो कुछ भी कहा और किया जाता है, वह आपके बच्चे के लिए सबसे खूबसूरत मील के पत्थर में से एक है। एक बार जब आप उन छोटे-छोटे मोतियों को देख लेते हैं जिन्हें आप हमेशा के लिए अपनी यादों में कैद करना चाहते हैं, लेकिन आपके बच्चे को होने वाली परेशानी से कैसे निपटा जाए, यह एक माता-पिता की एक बड़ी चिंता है।

इस समय अपने बच्चे को अपना अधिकतम दें। बच्चे को आपकी सबसे ज्यादा जरूरत है मां के स्पर्श और निकटता से ज्यादा कुछ भी बच्चे को शांत नहीं कर सकता है।

बच्चे के मसूड़ों को दिन में दो या तीन बार अपनी उंगली से रगड़ें, ऐसा करने के लिए आप जैतून का तेल/विटामिन ई तेल जैसे प्राकृतिक तेलों का उपयोग कर सकते हैं। सुनिश्चित करें कि आपके हाथ बिल्कुल साफ हैं।

सुखदायक खिलौनों का भी उपयोग कर सकते हैं। अपने बच्चे को चबाने के लिए सुखदायक अंगूठियां दें, यह मसूड़ों के दर्द को कम करने में उनकी मदद करने के लिए एक बहुत अच्छा विकल्प है। उन खिलौनों को इस्तेमाल करने से पहले कुछ देर के लिए फ्रिज में रख दें, कूलिंग इफेक्ट कमाल कर सकता है। दोबारा, सुनिश्चित करें कि वे पूरी तरह से निष्फल हैं।

जमे हुए सेब/नाशपाती/गाजर या कोई भी कुरकुरे फल और सब्जियां जो आपके बच्चे को पसंद हैं, मसूड़ों के दर्द को स्वस्थ रूप से शांत करने का सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है और यह शुरुआती होने से निपटने का प्राकृतिक तरीका है। अपने बच्चे को पैरों की अच्छी मालिश दें। फुट रिफ्लेक्सोलॉजी शरीर को शांत करती है और पूरे शरीर, दांतों और मसूड़े को भी शांत प्रभाव देती है। अंत में, बच्चे को अतिरिक्त सहायता देने के लिए दांतों की बूंदों या जैल के लिए दंत चिकित्सक से संपर्क करें।

समरकूलर

शकरकंद

शकरकंद एक स्टार्चयुक्त जड़ वाली सब्जी है जो मीठी और स्टार्चयुक्त दोनों होती है। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर, विटामिन और मिनरल्स होते हैं। वे एंटीऑक्सिडेंट में भी उच्च होते हैं, जो आंतों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं।

शकरकंद में मैग्नीशियम की मात्रा भी अधिक होती है, जो तनाव और चिंता को दूर करने में मदद कर सकता है। वे अपने विरोधी भड़काऊ प्रभावों के लिए भी जाने जाते हैं, जो शरीर को सूजन को कम करने में सहायता करते हैं।

चूंकि शकरकंद में मैग्नीशियम और पोटेशियम की मात्रा अधिक होती है, इसलिए वे रक्तचाप को प्रबंधित करने में मदद कर सकते हैं। वे विटामिन ए में भी उच्च होते हैं, जो हमारी दृष्टि के लिए फायदेमंद होते हैं। शकरकंद को याददाश्त बढ़ाने वाला भोजन भी माना जाता है।

रोबोट से घुटनों का इलाज

घुटने की सर्जरी करने के तरीके में रोबोटिक्स का प्रवेश घुटने बदलने के मामले में क्रांति ला रहा है। डॉ. शुभांग अग्रवाल का कहना है कि इन उन्नत रोबोटों ने ऑपरेटिंग रूम के फर्श में अपनी जगह बना ली है, जिससे सर्जनों को सटीक परिणाम प्राप्त करने में मदद मिलती है।

सिरी, एलेक्सा से लेकर सेल्फ ड्राइविंग कार और ऑटो पायलट प्लेन से लेकर सैटेलाइट मैपिंग तक, दुनिया ने तकनीक की ताकत देखी है। चिकित्सा क्षेत्र अछूता नहीं है; जो हमने कहानियों और फिल्मों में कल्पना के रूप में देखा था, वह अब एक वास्तविकता है; आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट लोगों को अपना काम बेहतर और आसान तरीके से करने में मदद कर रहे हैं। आर्थोपेडिक सर्जरी के क्षेत्र में, रोबोटिक्स-असिस्टेड नी रिप्लेसमेंट नी रिप्लेसमेंट के तरीके में क्रांति ला रहा है। इन उन्नत रोबोटों ने ऑपरेशन रूम के फर्श में अपनी जगह बना ली है, जिससे सर्जनों को सर्जरी के दौरान सटीकता और सटीकता प्राप्त करने में मदद मिलती है। आज रोबोटिक्स अस्पतालों में सर्वोत्तम उपचार प्रदान करने का एक नया उपकरण बन गया है।

रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट क्या है?

कल्पना कीजिए कि एक पायलट घने कोहरे में एक विमान उड़ा रहा है। अगर कुछ साल पहले की बात होती तो वह प्लेन को सुरक्षित लैंड करने के लिए अपनी इंद्रियों और कल्पनाओं का ही इस्तेमाल करते। लेकिन प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, उसी पायलट के पास अब उच्च गुणवत्ता वाला उपग्रह मार्गदर्शन है; ऑटोपायलट मोड सेंसर और एल्गोरिथम को विमान को सुचारू रूप से उतरने की अनुमति देता है।

इसी तरह, जब एक आर्थोपेडिक सर्जन ने एक पारंपरिक सर्जरी की थी, तब से चीजें बदल गई हैं, जहां उन्होंने विकृति का आकलन करने और हड्डियों को काटने के लिए अपनी द्विआयामी दृष्टि के साथ नेत्रगोलक पर भरोसा किया। अब, वह उच्च अंत रोबोटिक्स का उपयोग कर सकता है, स्वयं सीखने वाली कृत्रिम बुद्धि के साथ संयुक्त का एक लाइव चतु:आयामी नक्शा बनाने के लिए और कृत्रिम प्रत्यारोपण के आदर्श स्थान को देखता है और फिर रोबोटिक उपकरण केवल उतनी ही छोटी हड्डी को बंद कर देता है, जिसकी आवश्यकता होती है प्राकृतिक हड्डी और स्नायुबंधन को बचाने के लिए, प्रत्यारोपण का सही फिट पाने के लिए।

तकनीक पिछली इम्प्लांट पोजिशनिंग तकनीकों से आगे बढ़ी है जिसमें जिगलेस रोबोटिक योजना और निष्पादन के लिए सर्जिकल कटिंग गाइड के लिए एक लगाव बिंदु प्रदान करने के लिए फीमर (जांघ की हड्डी) की केंद्रीय नहर में ड्रिल की गई लंबी छड़ का उपयोग किया जाता है।

सबसे उन्नत नवाचार नेवियो सर्जिकल सिस्टम है, एक रोबोटिक प्लेटफॉर्म जिसे किसी सीटी स्कैन या एमआरआई की आवश्यकता नहीं है और अंग और विकृति की वास्तविक समय की छवि बनाता है और सर्जन घुटने के चारों ओर कल्पना करने और योजना बनाने में सक्षम है कि कैसे यह हड्डी को छूने से पहले ही सर्जरी के बाद होने वाला है। यह रोबोटिक प्रणाली स्पष्ट रूप से घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्षेत्र में उत्कृष्टता को प्रदर्शित करती है।

नेवियो प्रणाली का उपयोग करते हुए, एक सर्जन प्रत्येक व्यक्ति के घुटने की अनूठी शारीरिक रचना को समझने में सक्षम होता है, कूल्हे और टखने के प्राकृतिक संरेखण में घुटने को प्राप्त करता है और सही आकार यह सुनिश्चित करता है कि कृत्रिम प्रत्यारोपण में घुटने की ट्रैकिंग पूरी रेंज में संतुलित है। आंदोलन का। सर्जन अब इम्प्लांट को सब-मिलीमेट्रिक प्रिसिजन के साथ लगा सकता है जो आपके भगवान द्वारा दिए गए प्राकृतिक घुटनों की तरह काम करता है और महसूस करता है। इस तरह की रोबोट-समर्थित घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी में नगण्य रक्त हानि, बहुत कम दर्द, थोड़ा ऊतक आक्रमण और लंबे समय तक चलने वाले परिणामों के साथ प्रत्यारोपण की सटीक स्थिति शामिल है।

इस तरह की प्रक्रिया के बाद, एक मरीज सर्जरी के तीन घंटे बाद ही चलना शुरू कर सकता है और तीन दिनों के भीतर घर वापस जा सकता है और बेहतर एनेस्थीसिया और पुनर्वसन के तौर-तरीकों के साथ, हम एक दिन की छुट्टी का लक्ष्य बना रहे हैं! इसलिए रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी से मरीज के अस्पताल में रहने की अवधि कम हो जाती है। यह कोविड के इन समयों में सभी अर्थों को प्रभावी बनाता है इसलिए जोखिम को न्यूनतम स्तर तक कम करता है।

रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट के क्या फायदे हैं?

रोबोटिक प्रणालियों के विकास का प्राथमिक कारण रोगियों के लिए परिणामों में सुधार करने का प्रयास था। हालांकि, अनुसंधान के साथ हमारे पास कूल्हे और घुटने के प्रतिस्थापन कृत्रिम अंग में बेहतर धातु और चीनी मिट्टी की चीज़ें हैं, लेकिन इन प्रत्यारोपणों को सही तरीके से लगाने से सभी फर्क पड़ता है। यह देखा गया है कि शल्य चिकित्सा के पारंपरिक तरीकों का उपयोग करने के साथ, कुछ ऐसे रोगी हैं जो परिणाम से असंतुष्ट हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता-सक्षम रोबोटिक तकनीक के उपयोग के साथ और लक्ष्य और आशा है कि इन प्रक्रियाओं को प्रत्यारोपण स्थिति में सटीकता मिलेगी, और प्राकृतिक नरम ऊतक संतुलन के साथ, ट्रैकिंग में सुधार होगा और इसके परिणामस्वरूप सर्जरी से संतुष्टि के स्तर में और सुधार होगा।

नेवियो सिस्टम दो महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करता है : पहला, यह सर्जन को रोगी के लिए विशिष्ट व्यक्तिगत योजना बनाने में मदद करता है और सीटी स्कैन के पहले के तरीकों के विपरीत, वह किसी भी संभावित हानिकारक विकिरण के संपर्क में नहीं आता है। दूसरा लाभ रोबोटिक सहायता है जो उन्नत तकनीक को जोड़ती है ताकि कृत्रिम घुटने का सही सटीक स्थान दिया जा सके और बेहतर दीर्घकालिक परिणामों का लक्ष्य रखा जा सके, जो लंबे समय तक 30-40 वर्षों तक बहुत सस्ती कीमत पर हो।

पिछले कुछ वर्षों में, अध्ययनों ने रोबोट-असिस्टेड नी रिप्लेसमेंट सिस्टम की सटीक सटीकता पर ध्यान केंद्रित किया है। घुटने की सर्जरी के जर्नल में प्रकाशित आर्थोपेडिक सर्जन जेफ्री वेस्ट्रिच और उनके सहयोगियों द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि रोबोटिक प्रणाली अधिक सटीकता और सटीकता की अनुमति देती है और आर्थोपेडिक सर्जनों के प्रशिक्षण में फायदेमंद है। यूनाइटेड किंगडम में शोधकर्ताओं के एक अन्य अध्ययन में, 2018 में बोन एंड जॉइंट जर्नल में प्रकाशित हुआ, यह पाया गया कि रोबोट-असिस्टेड टोटल नी रिप्लेसमेंट को कम अस्पताल में रहने, सर्जरी के बाद दर्द में कमी और जल्दी कार्यात्मक वसूली में सुधार के साथ जोड़ा गया था।

सटीकता के साथ-साथ, रोबोट-समर्थित प्रक्रियाएं सर्जिकल साइट पर आसपास के कोमल ऊतकों को अधिक सुरक्षा प्रदान करती हैं और अधिक स्वस्थ हड्डी को संरक्षित करने की सुविधा प्रदान करती हैं। सर्जरी के दौरान, आपके पुराने जोड़ों को बदलने वाले इम्प्लांट या घटक आमतौर पर धातु, सिरेमिक या प्लास्टिक से बने होते हैं। रोबोटिक सहायता आपके सर्जन को आपके इम्प्लांट को अधिक कुशलता से लगाने की अनुमति देती है। और रोबोटिक सर्जरी पारंपरिक सर्जरी की तुलना में बहुत छोटे और कम आक्रामक निशान छोड़ती है।

रोबोटिक्स के आने से डॉक्टरों के सर्जरी करने के तरीके में सुधार हुआ है, जिसमें जॉइंट रिप्लेसमेंट भी शामिल है। जैसे-जैसे तकनीक बढ़ती है, अधिक से अधिक लोग इस तरह की सटीकता की मांग करते हैं कि रोबोटिक्स उनके कूल्हे और घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी के लिए प्रदान कर सके। एआई के नेतृत्व वाले ये रोबोट सर्जन को अपने निर्णय और ज्ञान को रोबोट के नियंत्रण और सटीकता के साथ संयोजित करने की अनुमति देते हैं, जिससे भविष्य में सर्जरी करने का तरीका बदल जाता है।

-लेखक एनएचएस हॉस्पिटल, जालंधर के सीनियर ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जन हैं।

कदम उठाने का समय

डॉ. पूनम खेत्रपाल सिंह का कहना है कि कोविड -19 प्रतिक्रिया के बीच, एनसीडी को रोकने, पता लगाने, नियंत्रण और उपचार के अवसरों का पूरी तरह से उपयोग किया जाना चाहिए।

गैर-संचारी रोग (एनसीडी) हर साल वैश्विक स्तर पर 41 मिलियन लोगों की जान लेते हैं, जिनमें से एक तिहाई से अधिक समय से पहले ही मर जाते हैं। चार प्रमुख एनसीडी – हृदय रोग, कैंसर, पुरानी सांस की बीमारियां और मधुमेह – सभी समय से पहले होने वाली मौतों में 80 प्रतिशत से अधिक के लिए जिम्मेदार हैं, जिनमें से 85 प्रतिशत निम्न और मध्यम आय वाले देशों में होती हैं, जिनमें डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व भी शामिल है। एशिया क्षेत्र। प्रमुख एनसीडी जोखिम कारक जैसे तंबाकू का उपयोग, शारीरिक निष्क्रियता, शराब का हानिकारक उपयोग और अस्वास्थ्यकर आहार भी अवसाद और चिंता जैसे मानसिक स्वास्थ्य विकारों में योगदान करते हैं और उन्हें बढ़ाते हैं। चल रही कोविड-19 प्रतिक्रिया के बीच, इस क्षेत्र के सभी देशों के लिए समय आ गया है कि वे एनसीडी को रोकने, पता लगाने और नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई में तेजी लाएं, और हर किसी को इसकी जरूरत है।

एनसीडी के साथ रहने वाले लोगों को गंभीर कोविड -19 से संबंधित बीमारी और मृत्यु का खतरा अधिक होता है। वे कई समूहों में से हैं जो विशेष रूप से महामारी से प्रभावित हुए हैं, जिसे सार्स सीओवी2 संक्रमण की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ परस्पर क्रिया द्वारा चिह्नित किया गया है, जो स्वयं सामाजिक और आर्थिक नुकसान से मध्यस्थता कर रहे हैं। संक्रमण की चल रही लहरों के बीच, डब्लूएचओ इस क्षेत्र के देशों को आक्रामक तरीके से प्रतिक्रिया देने के लिए समर्थन देना जारी रखेगा, साथ ही स्वास्थ्य इक्विटी को बढ़ाएगा और एनसीडी सहित आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं को बनाए रखेगा। टेलीमेडिसिन, विस्तारित नुस्खे, और दवाओं की डोर-स्टेप डिलीवरी जैसे उच्च-प्रभाव वाले नवाचारों का लाभ उठाना जारी रखना चाहिए, और सभी जोखिम वाले समूहों को सक्रिय रूप से राष्ट्रीय तैनाती और टीकाकरण योजनाओं के अनुरूप टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

एनसीडी के खिलाफ क्षेत्र की प्रगति रुकी नहीं, उलटी तो नहीं। 2014 से, इस क्षेत्र ने प्रमुख प्राथमिकता के रूप में एनसीडी को रोकने और नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई तेज कर दी है। सभी देश राष्ट्रीय बहुक्षेत्रीय एनसीडी कार्य योजनाओं को लागू करना जारी रखते हैं। कोविड -19 प्रतिक्रिया के बीच भी, वे वैश्विक 2025 और 2030 एनसीडी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अधिकांश देशों ने राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य नीतियां विकसित की हैं, जिन्हें आने वाले महीनों और वर्षों में मजबूत करना जारी रखना चाहिए। क्षेत्र के लिए अपने कई लाभों की रक्षा और बचाव करने के लिए, और अधिक उत्प्रेरित करने के लिए, कई प्राथमिकताओं पर लक्षित ध्यान देने की आवश्यकता है।

सबसे पहले, नई पहल का पूरा लाभ उठाएं। उदाहरण के लिए, अप्रैल में, डब्लूएचओ ने अपना ग्लोबल डायबिटीज कॉम्पैक्ट लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी लोग बिना किसी वित्तीय कठिनाई के गुणवत्ता वाले मधुमेह निदान उपकरण, दवाएं और अन्य चिकित्सा उत्पादों तक पहुंच सकें। इस क्षेत्र ने हाल के वर्षों में गुणवत्ता-सुनिश्चित इंसुलिन तक पहुंच बढ़ाने पर महत्वपूर्ण प्रगति की है, हालांकि बाधाएं बनी रहती हैं, खासकर सबसे कमजोर लोगों के लिए। आने वाले महीनों में, कॉम्पैक्ट प्रौद्योगिकी और मूल्य निर्धारण में नए नवाचारों को चलाने के लिए तैयार है, जिसका क्षेत्र के सभी देशों को उपयोग करना चाहिए और अधिकतम प्रभाव पर लागू करना चाहिए।

दूसरा, सर्वश्रेष्ठ खरीद हस्तक्षेपों को लागू करना जिन्हें हम काम जानते हैं। साक्ष्य बताते हैं कि अस्वास्थ्यकर उत्पादों पर कराधान बढ़ाकर, नीति निर्माता खपत को कम कर सकते हैं, समग्र स्वास्थ्य को बढ़ा सकते हैं और व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वास्थ्य लागत को कम कर सकते हैं। इस प्रक्रिया में, वे राजकोषीय राजस्व में वृद्धि करेंगे, जिसे यदि स्वास्थ्य के लिए आवंटित किया जाता है, तो कोविड -19 से एक स्वास्थ्य और आर्थिक सुधार प्राप्त करने में मदद मिलेगी जो अधिक न्यायसंगत, लचीला और टिकाऊ है। अस्वास्थ्यकर उत्पादों के विपणन पर प्रतिबंध भी आवश्यक है, लेकिन इसमें सरोगेट विज्ञापन शामिल होना चाहिए, जिसका उद्देश्य युवाओं में ब्रांड की वफादारी पैदा करना है।

तीसरा, स्वास्थ्य प्रणालियों के भीतर एनसीडी को संबोधित करने के लिए कार्रवाई को मजबूत करना, विशेष रूप से फ्रंटलाइन पर। क्षेत्र का 2016 कोलंबो घोषणापत्र सभी लोगों के लिए प्राथमिक स्तर पर गुणवत्ता, एकीकृत एनसीडी सेवाओं तक पहुंच की आवश्यकता पर जोर देता है, जिसमें स्वस्थ जीवन शैली परामर्श, शीघ्र निदान के लिए लक्षित जांच, और प्रभावी एनसीडी प्रबंधन के लिए गुणवत्तापूर्ण दवाएं और चिकित्सा उपकरण शामिल हैं। इस क्षेत्र के सभी देशों ने इनमें से प्रत्येक क्षेत्र में और अधिक में जबरदस्त प्रगति की है, जो प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए डब्ल्यूएचओ का नया परिचालन ढांचा पूरे कोविड -19 प्रतिक्रिया, वसूली और उससे आगे में तेजी लाने में मदद कर सकता है।

जन केंद्रित नीति समय की मांग है। सामुदायिक पहुंच और जुड़ाव को तेज करके, नीति निर्माता यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जीवन के सभी क्षेत्रों के लोग एनसीडी के लक्षणों और लक्षणों को समझें, और परीक्षण और इलाज कैसे करें। महत्वपूर्ण रूप से, वे आम तौर पर स्वास्थ्य और एनसीडी साक्षरता को भी बढ़ा सकते हैं, लोगों को निवारक कार्रवाई करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं, जैसे नियमित और पर्याप्त शारीरिक गतिविधि, स्वस्थ भोजन और तंबाकू और अन्य अस्वास्थ्यकर उत्पादों से परहेज।

संपूर्ण-सरकार, संपूर्ण-समाज की खरीद-फरोख्त हासिल करना आवश्यक है। नीति निर्माताओं को सभी क्षेत्रों में प्रमुख अभिनेताओं के साथ जुड़ाव तेज करना चाहिए, और एनसीडी के साथ रहने वाले लोगों की अंतर्दृष्टि और दृष्टिकोण की तलाश करनी चाहिए, जो मौजूदा अंतराल की सबसे अच्छी पहचान कर सकते हैं।

लेखिका डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया की क्षेत्रीय निदेशक हैं।

सबसे महत्वपूर्ण है टीकाकरण

गर्भावस्था के दौरान कोरोनारोधी टीकाकरण और बरती जाने वाली सावधानियों पर प्रकाश डाल रही हैं नई दिल्ली स्थित लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज की प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की अध्यक्ष **डॉ. मंजू पुरी।**

■ क्या टीकों से महिलाओं में बांझपन हो सकता है?

गलत सूचना वायरस से भी खतरनाक है। कोविड-19 के टीके समय परीक्षण तकनीकों का उपयोग करके विकसित किए गए हैं। टीके शरीर को एक विशिष्ट रोगज़नक़ के खिलाफ प्रतिरक्षा विकसित करने में मदद करते हैं, यह शरीर के किसी अन्य ऊतक को प्रभावित नहीं करता है। वास्तव में, हम महिलाओं को और उनके अजन्मे बच्चे को विभिन्न बीमारियों से बचाने के लिए गर्भावस्था के दौरान भी हेपेटाइटिस बी, इन्फ्लुएंजा, पर्टुसिस जैसे कुछ टीके देते हैं। ये टीके किसी भी तरह से प्रजनन अंगों को प्रभावित नहीं करते हैं।

■ क्या एक भ्रूण मां से कोविड-19 का संक्रमण प्राप्त कर सकता है?

इस चिंता का समर्थन करने के लिए कोई सबूत नहीं है। हमने कुछ अध्ययन किए हैं और पाया है कि प्लेसेंटा, एक अंग जो गर्भाशय में बनता है जिसमें एक भ्रूण बढ़ता है, एक सुरक्षात्मक बाधा के रूप में कार्य करता है। ऐसे कुछ मामले हैं जहां नवजात संक्रमित पाए गए लेकिन हमें यकीन नहीं है कि उन बच्चों को मां के गर्भ में संक्रमण हुआ या जन्म के तुरंत बाद। हालांकि, गर्भवती महिलाओं को संक्रमण को रोकने के लिए सभी सावधानियां बरतनी चाहिए क्योंकि कोविड-19 उन्हें और उनके बच्चे को कई अन्य तरीकों से प्रभावित कर सकता है।

■ अगर गर्भवती महिला में कोविड-19 के लक्षण दिखें तो उसे क्या करना चाहिए?

सबसे पहले, यदि उनमें कोविड-19 के कोई लक्षण हैं, तो उन्हें जल्द से जल्द अपना परीक्षण करवाना चाहिए, क्योंकि जितनी जल्दी हम निदान करेंगे, उतना ही बेहतर हम बीमारी का प्रबंधन कर सकते हैं। गर्भावस्था के दौरान कोविड प्रबंधन डॉक्टर की सख्त निगरानी में ही किया जाना चाहिए।

इसके अलावा, जिन महिलाओं को मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, मोटापा आदि जैसी बीमारियां हैं, उन्हें अधिक सावधान रहने की जरूरत है, क्योंकि उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता हो सकती है। इसलिए, अपने चिकित्सक से परामर्श करें और पुनर्प्राप्ति अवधि के दौरान अपने चिकित्सक के संपर्क में रहें।

हम यह सुनिश्चित करने के लिए कि मां और भ्रूण ठीक हैं, कोविड-19 रिकवरी के बाद समग्र स्वास्थ्य जांच की जोरदार सिफारिश करते हैं।

■ एक कोविड-19 पॉजिटिव मां अपने नवजात शिशु की सुरक्षा कैसे कर सकती है? क्या वह स्तनपान करा सकती है?

एक मां को बच्चे को स्तनपान कराना जारी रखना चाहिए, लेकिन उसे सलाह दी जाती है कि जब वह स्तनपान नहीं कर रही हो तो बच्चे को उससे छह फीट की दूरी पर रखें। मां और बच्चे को हवादार कमरे में रहना चाहिए। नवजात शिशु को स्तनपान कराने से पहले, उसे अपने हाथ धोने चाहिए, मास्क या फेस शील्ड जैसे सुरक्षात्मक गियर पहनने चाहिए। उसे अपने आस-पास के वातावरण को भी बार-बार सेनेटाइज करना चाहिए। अगर बच्चे की देखभाल करने वाला कोई और न हो तो मां को हर समय मास्क पहनना चाहिए और जितना हो सके बच्चे से शारीरिक दूरी बनाए रखनी चाहिए। सरकार ने मंजूरी दी है कि गर्भावस्था के दौरान भी महिलाओं को कोविड-19 के टीके लगाए जा सकते हैं। विस्तार से बताएं। दूसरी लहर के दौरान, कई महिलाओं ने गर्भावस्था के दौरान कोविड-19 का अनुबंध किया। कोविड, यदि गंभीर है, तो गर्भावस्था के दौरान गंभीर जटिलताएं पैदा कर सकता है, विशेष रूप से अंतिम तिमाही के दौरान क्योंकि गर्भाशय बड़ा हो जाता है और डायाफ्राम पर दबाव डालता है, जिससे महिला की ऑक्सीजन संतृप्ति में गिरावट का सामना करने की क्षमता से समझौता होता है। इससे मां और बच्चे दोनों की जान को खतरा हो सकता है। टीके गर्भवती महिलाओं में गंभीर बीमारी को रोकने में मदद करेंगे।

महामारी के साए में शिक्षा

महामारी के दौरान शिक्षा कई बदलावों से गुजरी है। हालांकि, उनकी स्थायीता पर सवाल अनुत्तरित है। विशेषज्ञों का मानना है कि बेहतर परिणाम के लिए सिस्टम में बदलाव की जरूरत है। प्रस्तुत है मुसबा हाशमी की रिपोर्ट।

पिछले साल मार्च में कुछ महीनों में खुलने की उम्मीद में स्कूलों के गेट बंद कर दिए गए थे, लेकिन वह महीना कभी नहीं आया। महामारी में 18 महीने से अधिक समय हो गया है, और यह स्पष्ट नहीं है कि भौतिक कक्षाएं कब फिर से शुरू होंगी - हालांकि, यह इतिहास का हिस्सा नहीं बनेगी।

ऑनलाइन क्लास से लेकर नो बोर्ड्स तक, इस दौरान शिक्षा क्षेत्र में कई अभूतपूर्व बदलाव देखने को मिले। क्या ये बेहतर के लिए थे एक सवाल अभी भी अनुत्तरित है।

50:50 परिदृश्य

हालांकि, बोर्ड या स्कूल मूल्यांकन निर्णयों में लगातार आना-जाना शिक्षा क्षेत्र में कई दोष रेखाओं को उजागर करता है। शोर-शराबे के बीच छात्र-छात्राएं अपने भविष्य को लेकर असमंजस में हैं। "महामारी ने वास्तव में, शिक्षा क्षेत्र में दोष रेखाओं और मूलभूत दोषों को उजागर किया है जो पहले भी मौजूद थे। हमें इस अवसर का उपयोग न केवल महामारी के माध्यम से करने के लिए करना चाहिए, बल्कि अच्छी शिक्षा के ध्वनि वैज्ञानिक सिद्धांतों के आधार पर प्रणाली को खरोंच से सुधारने के लिए करना चाहिए", कहना है, डॉ जमशेद भरूचा, संस्थापक कुलपति, साईं विश्वविद्यालय का। वह कहते हैं कि सीबीएसई बोर्डों पर 50-50 का फॉर्मूला संकट की परिस्थितियों में एक समझने योग्य निर्णय है, लेकिन इसे भविष्य के लिए प्रणालीगत सुधार को बढ़ावा देना चाहिए।

हालांकि, भरूचा कहते हैं, "मुझे यह जानने में दिलचस्पी होगी कि 10वीं और 11वीं को समान महत्व क्यों दिया जाता है, क्योंकि छात्रों को 11वीं को कम महत्वपूर्ण के रूप में देखने की शर्त है।

छात्रों को 11वीं की परीक्षा को गंभीरता से नहीं लेने के लिए दंडित नहीं किया जाना चाहिए, जो कि सिस्टम द्वारा उन्हें एक सनकी संदेश दिया गया है।"

जेके लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय के पदनामित कुलपति प्रोफेसर धीरज सांघी का मानना है कि छात्रों में चिंता और तनाव को कम करने के लिए एक अल्पकालिक उपाय के रूप में, यह एक स्वागत योग्य कदम है। लेकिन यह गुणवत्ता के मुद्दे को बिल्कुल भी संबोधित नहीं करता है।

दूसरी ओर, डॉ संजय गोविंद पाटिल, एसोसिएट डीन और निदेशक - आरआईसीएस स्कूल ऑफ बिल्ट एनवायरनमेंट, एमिटी यूनिवर्सिटी, मुंबई का कहना है कि पाठ्यक्रम को तोड़ने में मदद करने के लिए यह एक बहुत ही सराहनीय कदम है। "मैं इस कदम की पूरी तरह से पुष्टि करता हूं क्योंकि यह पूरे मूल्यांकन को छोटे भागों में तोड़ देगा; इसलिए, सीखना बहुत बेहतर होगा। पिछले भाग की परीक्षा में छात्रों की कमियों को अगली परीक्षा में एक मजबूत प्रतिक्रिया तंत्र के माध्यम से दूर किया जा सकता है, इस प्रकार एक बेहतर सीखने का परिणाम प्राप्त होता है", पाटिल का मानना है।

व्यवस्था को पुनः ऊर्जावान बनाएं

भरूचा कहते हैं, उच्च-दांव परीक्षा, सीखने पर शोध में कोई अनुभवजन्य समर्थन नहीं है। सीखने की प्रवृत्ति क्षणिक होती है, सार्थक संदर्भ से रहित होती है, और उन समस्याओं के लिए अच्छी तरह से स्थानांतरित नहीं होती है जिन्हें छात्रों को पेशेवरों के रूप में हल करना होगा। अनुसंधान से पता चलता है कि, यदि बार-बार प्रशासित किया जाता है - प्रत्येक परीक्षा के बाद प्रतिक्रिया और अलग-अलग तरीकों से एक ही सामग्री के बार-बार परीक्षण के साथ - परीक्षा केवल मूल्यांकन के लिए नहीं, बल्कि सीखने के लिए शक्तिशाली उपकरण हो सकती है।

"उच्च-दांव परीक्षाओं पर भरोसा करना जारी रखते हुए सिस्टम ने छात्रों को विफल कर दिया है। हाई स्कूल में आपने जो सीखा है उसका माप एक हाई स्कूल परीक्षा में एक अंक क्यों होना चाहिए? इसे यह क्यों निर्धारित करना चाहिए कि आप भविष्य में क्या कर सकते हैं और क्या नहीं? मस्तिष्क कैसे सीखता है, इस पर शोध पूरी तरह से सीखने और मूल्यांकन की इस प्रणाली के विपरीत हैं", भरूचा कहते हैं।

वह कहते हैं कि इस बैच के लिए सीबीएसई बोर्ड के फैसले समझ में आते हैं, लेकिन वे बैंड-एड्स हैं; उन छात्रों को फिर से सक्रिय करने, सलाह देने और सशक्त बनाने के लिए सार्थक कदम उठाए जाने चाहिए जिनकी शिक्षा बाधित हो गई और जीवन भ्रम में पड़ गया। इनमें से अधिकांश छात्र, शायद, समायोजित हो जाएंगे और ठीक हो जाएंगे। लेकिन, कुछ संकीर्ण क्रीडेंशियल और करियर चैनलिंग की इस कठोर प्रणाली की दरार के बीच पड़ सकते हैं।

पोषित करने का समय

भरूचा कहते हैं, "बोर्ड को एक समिति की स्थापना करनी चाहिए जिसमें हितधारकों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल हो - छात्रों सहित - प्रतिकूल रूप से प्रभावित छात्रों की चिंताओं को सुनने और इन छात्रों को जीवन में वापस ट्रैक पर लाने के तरीकों का प्रस्ताव करने के लिए। एक राष्ट्र की जिम्मेदारी है कि वह यह सुनिश्चित करे कि हर एक बच्चे के पास एक उत्पादक मार्ग हो।"

बोर्ड को हाई स्कूल स्तर पर एनईपी की सिफारिशों को लागू करने के लिए एक विविध ब्लू-रिबन समिति भी स्थापित करनी चाहिए। लक्ष्य छात्रों की अनूठी प्रतिभाओं और कमियों को सक्षम करना और उन्हें अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए मौलिक संज्ञानात्मक उपकरण देना होना चाहिए। समाज को तब लाभ होता है जब सभी प्रतिभाओं को उजागर किया जाता है - अपनी सभी समस्याग्रस्त लेकिन शानदार विविधता में।

"छात्रों को धाराओं के बीच अपरिवर्तनीय विकल्प बनाने के लिए मजबूर करने का कोई अनुभवजन्य आधार नहीं है। एक छात्र को गणित और साहित्य, कंप्यूटर और संगीत, जीव विज्ञान और अर्थशास्त्र से प्यार हो सकता है। यह विचारों का अप्रत्याशित संयोजन है जो भविष्य के नवाचारों को गति देगा - और निरंतर नवाचार ही अर्थव्यवस्थाओं को संचालित करता है। हम, शिक्षकों के रूप में, गहराई से गलत हैं यदि हम मानते हैं कि हम जानते हैं कि ज्ञान की कौन सी शाखाएं हमारे बच्चों के सर्वोत्तम हित में हैं।" भरूचा कहते हैं।

सांघी का कहना है कि शिक्षा में गुणवत्ता की समस्या महामारी से बहुत पहले से ही जानी जाती थी। "मुझे लगता है कि स्कूली शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्ता की समस्याएं महामारी से बहुत पहले से जानी जाती थीं। एनुअल स्टेट ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (एएसईआर) हमें बता रही है कि हमारे छात्र हमारे मानकों के साथ भी कितना खराब प्रदर्शन कर रहे हैं। जहां तक अंतरराष्ट्रीय मानकों का सवाल है, हमने प्रोग्राम फॉर इंटरनेशनल स्टूडेंट्स असेसमेंट (पीआईएसए) में भी हिस्सा नहीं लिया है।"

> "जब हम अंत में खुलते हैं, तो हमें अगले कुछ वर्षों के पाठ्यक्रम को फिर से डिजाइन करने की आवश्यकता हो सकती है। शायद कुछ फ्रेशर कोर्स। प्रत्येक स्कूल बोर्ड को महामारी के बाद के परिदृश्य की सावधानीपूर्वक योजना बनानी होगी। ऐसा नहीं होना चाहिए कि वे अब दोनों को कवर करना चाहते हैं - महामारी और अगली कक्षाओं के सामान्य पाठ्यक्रम के दौरान क्या बचा था। यह छात्रों पर बहुत अधिक बोझ होगा"
>
> — प्रो. धीरज सांघी, वीसी डेसिगनेट जेके लक्ष्मीपत यूनीवर्सिटी

प्रौद्योगिकी मिथक का भंडाफोड़

फिर भी, महामारी ने एक मिथक को उजागर कर दिया है कि तकनीक हमारी सभी समस्याओं का समाधान करेगी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रौद्योगिकी मदद कर सकती है, लेकिन हमने महामारी के दौरान देखा है कि प्रौद्योगिकी तक पहुंच सीमित है। इंटरनेट का उपयोग करने वाले या उच्चतम प्रति व्यक्ति डेटा खपत वाले मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं की सबसे बड़ी संख्या होने पर हमें गर्व हो सकता है, लेकिन यह सब विषम है, और गरीबों की अभी भी ऑनलाइन शिक्षा तक बहुत कम पहुंच है। अगर हम अपनी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी पर निर्भर रहना चाहते हैं, तो हमें इस बारे में गंभीरता से सोचना होगा कि हमारे समाज के वंचित वर्गों को उपकरणों और डेटा दोनों तक कैसे पहुंच प्राप्त हो सकती है, और शायद ऐसी जगह जहां वे शांति से अध्ययन कर सकें, सांघी का कहना है।

ऑनलाइन पढ़ाने के लिए मजबूर होना सीखने के निष्क्रिय रूपों की ज्ञात कमजोरी को उजागर करता है जिसमें शिक्षक बोलते हैं और छात्र सुनते हैं। छात्रों का ध्यान ऑनलाइन रखने के लिए शिक्षकों को ऑनलाइन सत्र को और अधिक इंटरैक्टिव बनाना पड़ा है।

"लेकिन सक्रिय और संवादात्मक शिक्षण भौतिक कक्षा में भी आदर्श होना चाहिए। भौतिक कक्षा में, एक छात्र शारीरिक रूप से उपस्थित हो सकता है लेकिन मानसिक रूप से अनुपस्थित हो सकता है। केवल छात्रों को कक्षा में सक्रिय रूप से व्यस्त रखने (बोलने, समस्याओं को हल करने, सहयोग करने, निर्माण करने) से ही सार्थक और स्थायी सीखने को अनुकूलित किया जा सकता है। तो, आइए मौलिक सुधार के एजेंडे के साथ महामारी से बाहर निकलें जो एक अस्थायी संकट से अधिक है", भरूचा कहते हैं।

महामारी के बाद की योजना

चूंकि हम उस तरह की महामारी के बीच हैं जो 100 वर्षों से दुनिया में नहीं हुई है, सांघी कहते हैं, एक आपातकालीन प्रतिक्रिया होने जा रही है, और निर्णय बदल जाएंगे क्योंकि वायरस का प्रक्षेपवक्र बदल जाता है।

वो आगे बताते हैं, "तो, भ्रम होगा, और इससे छात्रों में चिंता और तनाव पैदा होगा। हमें दो पहलुओं पर काम करने की जरूरत है। एक, क्या करें जबकि महामारी अभी भी एक खतरा है, और शिक्षा में व्यवधान देखना जारी रहेगा। और दूसरा, क्या करें जब महामारी का खतरा पर्याप्त रूप से फीका हो गया है, और हम कुछ सामान्य स्थिति में वापस आ गए हैं।"

वर्तमान परिदृश्य में, विशेषज्ञों का मानना है कि हमें शिक्षा के कुछ अंशों को जारी रखना चाहिए, कम से कम जो इसके अधिक महत्वपूर्ण पहलू माने जाते हैं, इसलिए हमने पाठ्यक्रम, आसान परीक्षा, ऑनलाइन शिक्षा में शिक्षक प्रशिक्षण, गरीबों के लिए प्रौद्योगिकी तक पहुंच को कम कर दिया है। और इसी तरह।

"जब हम अंत में खुलते हैं, तो हमें अगले कुछ वर्षों के पाठ्यक्रम को फिर से डिजाइन करने की आवश्यकता हो सकती है। शायद कुछ फ्रेशर कोर्स। प्रत्येक स्कूल बोर्ड को महामारी के बाद के परिदृश्य की सावधानीपूर्वक योजना बनानी होगी। ऐसा नहीं होना चाहिए कि वे अब दोनों को कवर करना चाहते हैं - महामारी और अगली कक्षाओं के सामान्य पाठ्यक्रम के दौरान क्या बचा था। यह छात्रों पर बहुत अधिक बोझ होगा", सांघी का कहना है।

मूल्यांकन में लाएं ईमानदारी

विशेषज्ञों का कहना है कि स्कूली शिक्षा के हर पहलू में कई मुद्दे हैं। और हमें संपूर्ण शिक्षा प्रक्रिया पर समग्र रूप से पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। हालांकि, कुछ साधारण चीजें अल्पावधि में शिक्षा की गुणवत्ता में काफी सुधार कर सकती हैं।

"एक विचार यह सुनिश्चित करना है कि बोर्ड की मार्कशीट पर छपे अंक छात्रों की शैक्षिक उपलब्धियों को दर्शाते हैं। और, मैं इस वर्ष की प्रक्रिया की बात नहीं कर रहा हूं, जहां आपको अपने प्रदर्शन के आधार पर कुछ पूरी तरह से अलग अंक दिए जाते हैं। पूर्व-कोविड समय में भी, सीबीएसई छात्रों द्वारा प्राप्त वास्तविक अंकों में बहुत सारे अंक जोड़ देगा। यह उन व्यावहारिक अंकों के बगल में है जहां पूरे देश को सही अंक मिलते हैं। और वह आसान पेपर और एक अत्यंत उदार ग्रेडिंग के शीर्ष पर है। यह ध्यान दिया जा सकता है कि सीबीएसई की भारत में सर्वश्रेष्ठ स्कूल बोर्डों में से एक होने की प्रतिष्ठा है। अगर हम बोर्डों द्वारा मूल्यांकन में ईमानदारी ला सकते हैं, तो सिस्टम के भीतर बेहतर प्रदर्शन करने का बहुत दबाव होगा", सांघी कहते हैं।

वह कहते हैं कि बोर्ड ईमानदार नहीं हो सकते क्योंकि स्कूल बोर्डों के बीच दूसरों की तुलना में अधिक बेईमान होने की प्रतिस्पर्धा है - नीचे तक की दौड़। वे इसे इस आधार पर सही ठहराते हैं कि अगर एक बोर्ड ईमानदार होने की कोशिश करता है, तो उसके छात्रों को उन विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा जो केवल बारहवीं कक्षा के अंक देखते हैं। इसके अलावा, अगर एक राज्य बोर्ड ईमानदार होने की कोशिश करता है, तो उस राज्य में उत्तीर्ण प्रतिशत कम हो जाएगा, जिससे राजनीतिक मुद्दे पैदा होंगे। और स्पष्ट रूप से, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए कोई राजनीतिक क्षेत्र नहीं है। गुणवत्ता के लिए भुगतान की जाने वाली केवल एक होंठ सेवा है।

अधिक बोर्डों की आवश्यकता

सांघी कहते हैं कि इन बदलावों की शुरुआत बड़ी संख्या में स्कूल बोर्ड होने से होनी चाहिए। "शायद हर जिले में एक होना चाहिए। कुछ स्कूल बोर्ड हो सकते हैं जो राज्यव्यापी हैं और कुछ राष्ट्रीय हैं। 100 छोटे स्कूल बोर्ड होने से, कुछ बोर्डों के लिए गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयोग करना संभव होगा जो सफल हो सकते हैं, और अन्य इससे सीख सकते हैं। इसके अलावा, व्यक्तिगत बोर्डों पर राजनीतिक दबाव कम होगा यदि वे सभी कम संख्या में छात्रों को प्रभावित करते हैं", सांघी का कहना है।

दूसरा, विभिन्न विषयों में कुछ मानकीकृत परीक्षण हो सकते हैं जो छात्रों के लिए वैकल्पिक होंगे। छात्र उन परीक्षाओं को तभी देंगे जब वे जिस विश्वविद्यालय की तलाश कर रहे हैं, वह इन परीक्षा अंकों को प्रवेश तय करने में एक इनपुट के रूप में मानता है। "विश्वविद्यालयों को प्रवेश रणनीतियां विकसित करनी चाहिए जो कई मानकों पर विचार करती हैं (और लोकप्रिय धारणा के विपरीत, एक पूरी तरह से उद्देश्य प्रणाली होना संभव है जो कई मानकों पर विचार करता है)। यदि प्रवेश मानकीकृत परीक्षणों और छात्रों की अन्य उपलब्धियों पर आधारित हैं, तो हम छह महीने पहले प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं। छात्रों को बोर्ड परीक्षा से पहले प्रवेश की पेशकश की जा सकती है, और फिर वे उन परीक्षाओं को तनाव मुक्त तरीके से देंगे", सांघी कहते हैं।

भरूचा का मानना है, "भविष्य में, मूल्यांकन के निरंतर तरीकों को अपनाया जाना चाहिए (द्वि-साप्ताहिक या मासिक)। अनुसंधान से पता चलता है कि बार-बार मूल्यांकन अंत में एकल मूल्यांकन की तुलना में अधिक स्थायी सीखने का उत्पादन करता है; यह आखिरी महामारी नहीं होगी, और न ही होगी यह आखिरी संकट है जो हमारे जीवन को बाधित करता है। सीखना और मूल्यांकन दोनों निरंतर होना चाहिए। किसी भी समय क्रॉस-सेक्शन में, छात्र, स्कूल और बोर्ड को पता होना चाहिए कि छात्र कहां खड़ा है।"

हाकी में पुरुषों का जीत से आगाज, महिलाओं ने किया निराश

● पी आर श्रीजेश का उम्दा प्रदर्शन

न्यूजीलैंड को हराया व महिला टीम नीदरलैंड से हारी

भाषा। तोक्यो

निर्णायक क्षणों में दीवार की तरह अडिग गोलकीपर पी आर श्रीजेश के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शनिवार को न्यूजीलैंड को 3 -2 से हराकर अपने ओलंपिक अभियान का आगाज जीत के साथ किया।

वहीं भारतीय महिला हॉकी टीम ने भी शनिवार को तोक्यो ओलंपिक में यहां पूल के शुरूआती मैच में दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंड के खिलाफ पहले दो क्वार्टर में दमदार खेल दिखाया लेकिन अंत में।-5 से हार गई। फेलिसे एलबर्स ने छठे ही मिनट में नीदरलैंड को बढ़त दिला दी थी लेकिन भारतीय कप्तान रानी रामपाल ने 10वें मिनट में टीम को।-। से बराबरी पर ला दिया। भारतीय खिलाड़ियों ने पहले दो क्वार्टर में बेहतरीन रक्षात्मक खेल दिखाया जिससे हाफ टाइम तक स्कोर बराबर रहा। लेकिन ब्रेक से उनकी लय टूट गई और नीदरलैंड ने आक्रामक खेल दिखाते हुए तीन गोल कर डाले। इससे भारतीय टीम की उलटफेर करने की उम्मीद टूट गई। मारगोट वान जेफेन ने 33वें मिनट में नीदरलैंड को बढ़त दिला दी। इसके बाद तीन बार की ओलंपिक चैम्पियन और मौजूदा रजत पदक विजेता टीम ने लगातार दो गोल कर दिए जिसमें एलबर्स ने 43वें मिनट में और फ्रेडरिक माटला ने 45वें मिनट में गोल दागे। इतना ही काफी नहीं था कि नीदरलैंड ने काईया जैकलीन वान मासाकर के 52वें मिनट में छठे पेनल्टी कार्नर से पांचवां गोल कर दिया। भारतीय टीम अब पूल ए के अगले मैच में 26 जुलाई को जर्मनी से भिड़ेगी। न्यूजीलैंड के लिए पहला गोल छठे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ केन रसेल ने दागा। रूपिंदर पाल सिंह ने दसवें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल करके भारत को बराबरी दिलाई। हरमनप्रीत सिंह ने 26वें और 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किए जबकि न्यूजीलैंड के लिए 43वें मिनट में स्टीफन जेनिस ने दूसरा गोल दागा। लगभग बराबरी के इस मुकाबले में आक्रामकता और गेंद पर नियंत्रण के मामले में बार बार पलड़ा बदलता रहा। मैच में बेशुमार रेफरल लिए गए जिससे दक्षिण अफ्रीकी वीडियो अंपायर पीटर राइट को काफी मशक्कत करनी पड़ी। भारत के अनुभवी गोलकीपर श्रीजेश ने आठ में से छह शॉट बचाए और छह पेनल्टी कॉर्नर में सिर्फ एक बार नाकाम रहे। न्यूजीलैंड को मैच खत्म होने से 24 सेकंड पहले भी एक पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन उस पर गोल नहीं हो सका। भारत को अब रविवार को आस्ट्रेलिया से खेलना है जिसने पूल ए के एक अन्य मैच में जापान को 5-3 से हराया। भारतीय कोच ग्राहम रीड ने जीत के बाद कहा , ओलंपिक में पहले ही मैच में पूरे तीन अंक लेना अहम है। हमें हालांकि प्रदर्शन में सुधार करना होगा। वीडियो देखने के बाद पता चलेगा कि कहां कमियां रह गई। उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलिया का सामना करने के लिए उनकी टीम पूरी तरह से तैयार है।उन्होंने कहा , हमने बेंगलुरू में इस पर मेहनत की है। यह कठिन मैच होगा लेकिन हम इस चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। आठ बार के ओलंपिक चैम्पियन भारत ने आखिरी बार खेलों के महासमर में पदक मॉस्को में 1980 में जीता था। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंची मनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली मौजूदा टीम को तोक्यो में पदक के दावेदारों में गिना जा रहा है। पहले क्वार्टर में हालांकि 1976 मांट्रियल ओलंपिक की रजत पदक विजेता न्यूजीलैंड का पलड़ा भारी रहा जिसने छठे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर बढत लेकर भारतीय खेमे में हलचल मचा दी। भारत को मिले पेनल्टी कॉर्नर पर रूपिंदर पाल का शॉट क्रॉसबार के ऊपर से निकल गया। जवाबी हमलों में भारत को दसवें मिनट में पहले पेनल्टी कॉर्नर और फिर पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे रूपिंदर ने गोल में बदलकर भारत को बराबरी दिलाई। दूसरे क्वार्टर की शुरूआत में ही भारतीय कप्तान मनप्रीत सिंह गोल करने से चूके जिनके शॉट को न्यूजीलैंड के गोलकीपर लियोन हैवर्ड ने बचा लिया। भारत ने 26वें मिनट में वीडियो रेफरल पर पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। भारतीय टीम ने इस पर वैरिएशन लिया और हरमनप्रीत ने ड्रैग फ्लिक पर गोल दागा जो उनका 75वां अंतरराष्ट्रीय गोल था। दूसरे क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों के बीच बेहतर तालमेल देखने को मिला और उन्होंने तेज रफ्तार हॉकी भी खेली। तीसरे क्वार्टर की शुरूआत भी रेफरल से हुई जब दिलप्रीत सिंह ने मनप्रीत को सर्कल के पास गेंद सौंपी लेकिन वह न्यूजीलैंड के डिफेंडर के पैर से टकराई। वीडियो अंपायर राइट ने भारत को पेनल्टी कॉर्नर दिया और हरमनप्रीत ने 33वें मिनट में मिले इस मौके को भुनाते हुए भारत को 3-1 से बढ़त दिला दी। न्यूजीलैंड ने इसके बाद लगातार जवाबी हमले बोले लेकिन श्रीजेश, अनुभवी डिफेंडर बीरेंद्र लाकड़ा और अमित रोहिदास ने उन्हें कामयाब नहीं होने दिया। इस क्वार्टर के आखिरी मिनटों में हालांकि भारतीय रक्षा पंक्ति ने ढिलाई बरती और उसका खामियाजा भुगतना पड़ा। निक विल्सन से मिले शानदार पास पर अनुभवी स्ट्राइकर जेनिस ने खूबसूरत फील्ड गोल दागकर मैच को जीवंत कर दिया।

आखिरी क्वार्टर में न्यूजीलैंड का प्रदर्शन बेहतर रहा। हूटर से चार मिनट बाकी रहते ललित उपाध्याय का शॉट विरोधी गोलकीपर हैवर्ड ने बचाया। न्यूजीलैंड को 57वें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले जिनके खिलाफ भारत का रेफरल वीडियो अंपायर ने ठुकरा दिया। न्यूजीलैंड टीम हालांकि इस पर गोल करने में नाकाम रही। मैच खत्म होने में 24 सेकंड बाकी रहते न्यूजीलैंड को पेनल्टी कॉर्नर मिला और रसेल जैसे दिग्गज के उनकी टीम में रहते भारतीय प्रशंसकों की सांसें थम गई। श्रीजेश ने हालांकि मुस्तैदी से बचाव करके संकट को टाला और भारत की जीत सुनिश्चित की।

नागल एकल मैच जीतने वाले तीसरे भारतीय बने

तोक्यो। सुमित नागल ओलंपिक में 25 साल में पुरूष एकल स्पर्धा में जीत दर्ज करने वाले तीसरे भारतीय टेनिस खिलाड़ी बन गए जिन्होंने तोक्यो खेलों में डेनिस इस्तोमिन को तीन सेटों में हराया।

नागल ने दो घंटे 34 मिनट तक चले मैच में इस्तोमिन को 6-4, 6-7, 6-4 से मात दी। अब उनका सामना दूसरे दौर में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव से होगा। जीशान अली ने सियोल ओलंपिक 1988 की टेनिस पुरूष एकल स्पर्धा में पराग्वे के विक्टो काबालेरो को हराया था। उसके बाद लिएंडर पेस ने ब्राजील के फर्नाडो मेलिजेनी को हराकर अटलांटा ओलंपिक 1996 में कांस्य पदक जीता था। पेस के बाद से कोई भारतीय खिलाड़ी ओलंपिक में एकल मैच नहीं जीत सका है। सोमदेव देववर्मन और विष्णु वर्धन लंदन ओलंपिक 2012 में पहले दौर में ही हार गए थे। नागल ने मैच के बाद कहा, दूसरा सेट 5-3 से गंवाने के बाद इस तरह के गर्म मौसम में वापसी करना आसान नहीं था। मैं देश की तरफ से खेल रहा था और इससे मुझे प्रेरणा मिली। मैं नहीं जानता कि यदि मैं चैलेंजर में खेल रहा होता तो मैं क्या करता। मैं कोर्ट से खुश होकर लौटा। यहां वास्तव में काफी गर्मी और उमस है। ऐसे मौसम में खेलना बहुत मुश्किल है विशेषकर दोपहर 12 बजे के आसपास स्थिति बुरी होती है। इसलिए मैं सर्विस पर ध्यान देने की कोशिश कर रहा था। यह चुनौतीपूर्ण है और मैं क्ले कोर्ट से हार्ड कोर्ट पर सामंजस्य बिठाने की कोशिश कर रहा हूं। अब उनके सामने आस्ट्रेलियाई ओपन के उप विजेता मेदवेदेव की कड़ी चुनौती होगी। जिन्होंने कजाखस्तान के बुबलिक को 6-4, 7-6 (8) से हराया।

विकास का मुक्का निकला बेदम,ओलंपिक से बाहर

● पहले दौर में जापान के ओकाजावा से हारे

तोक्यो। भारतीय मुक्केबाज विकास कृष्ण (69 किग्रा) शनिवार को यहां ओलंपिक खेलों में अपने पहले मुकाबले में स्थानीय दावेदार सेवोनरेट्स क्विन्सी मेनसाह ओकाजावा के खिलाफ कंधे में चोट के साथ खेले और उन्हें 0-5 की एकतरफा हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले के दौरान 29 साल के विकास की बाईं आंख के नीचे कट भी लग गया। भारत के हाई परफोर्मेंस निदेशक सेंटियागो नीवा ने इटली में टीम के ओलंपिक से पहले ट्रेनिंग सत्र के संदर्भ में कहा, इटली में टीम के अंतिम ट्रेनिंग सत्र (तोक्यो के लिए टीम के रवाना होने से पहले) के दौरान उसके कंधे में चोट लग गई थी। उसका उपचार किया गया और हमने उम्मीद की थी कि वह ठीक हो जाएगा, उसने बिना किसी समस्या के शुरुआत की।लेकिन जब उसने ओकाजावा के शरीर पर मुक्का जड़ने का प्रयास किया तो उसके कंधे में फिर चोट लग गई और वह अपने बाएं हाथ का सही इस्तेमाल नहीं कर पाया। उसने आज एक हाथ के साथ मुकाबला लड़ा। विकास शनिवार को चुनौती पेश करने वाले एकमात्र भारतीय मुक्केबाज थे। उन्होंने ओकाजावा को पिछले साल एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर के दौरान हराया था। शनिवार को जापान के ओकाजावा ने शुरुआत से अंत तक मुकाबले में दबदबा बनाए रखा और उन्हें दो बार के ओलंपियन भारतीय मुक्केबाज के खिलाफ किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। विकास के करीबी मित्र और नियमित तौर पर उनके साथ अभ्यास मुकाबले करने वाले नीरज गोयत ने कहा, पूरे मुकाबले के दौरान विकास को काफी दर्द हो रहा था। घाना मूल के 25 वर्षीय मुक्केबाज ओकाजावा 2019 एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता हैं और उन्होंने उसी साल विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। ओकाजावा राउंड आफ 16 में तीसरे वरीय क्यूबा के रोनियल इग्लेसियास से भिड़ेंगे। इग्लेसियास 2012 ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन भी हैं। रविवार को छह बार की विश्व चैंपियन एमसी मेरीकोम (51 किग्रा) और राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता मनीष कौशिक पहले दौर के अपने मुकाबले खेलेंगे। नीवा ने कहा, भारतीयों के लिए ड्रॉ मुश्किल है लेकिन हम ओलंपिक में हैं और यहां कुछ भी आसान नहीं होता। सभी चाहते हैं कि शुरुआत थोड़ी आसान हो लेकिन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाने का यह कोई कारण नहीं है।

आज भारत का कार्यक्रम

भारतीय (खिलाड़ियों और टीम) कार्यक्रम (भारतीय समयानुसार), कलात्मक जिमनास्टिक्स : सुबह साढ़े छह बजे : महिला क्वालीफिकेशन - सब डिविजन : प्रणति नायक ,बैडमिंटन:सुबह 7:10 बजे - महिला एकल ग्रुप मैच मे पीवी सिंधु बनाम केसेनिया पोलिकारपोवा (इस्राइल),मुक्केबाजीः दोपहर 01:30 बजे : 51 किग्रा के शुरूआती राउंड 32 मुकाबले मे एम सी मैरीकॉम बनाम हर्नांडिज गार्सिया (डोमिनिका गणराज्य),दोपहर 03:06 बजे : 63 किग्रा के शुरूआती राउंड 32 मुकाबले मे मनीष कौशिक बनाम ल्यूक मैकोरमैक (ब्रिटेन),हॉकी:दोपहर 03:00 बजे - पुरुषों के पूल ए मैच मे भारत बनाम आस्ट्रेलिया, सेलिंग:सुबह 08:35 बजे:- महिला वन पर्सन डिंघी - लेजर रेडियल (पहली रेस, दूसरी रेस) नेत्रा कुमानन ,सुबह 11:05 बजे : पुरुषों की वन पर्सन डिंघी - लेजर (पहली रेस, दूसरी रेस) भारत के विष्णु सरवनन,नौकायन : सुबह 6 बजकर 40 मिनट : लाइटवेट पुरुष डबल स्कल्स रेपेशाज (भारत) , निशानेबाजी:सुबह 05:30 बजे : महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल क्वालीफिकेशन मे यशस्विनी सिंह देसवाल और मनु भाकर, सुबह 07:45 बजे : महिला 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल , सुबह 06:30 बजेः स्कीट पुरुष क्वालीफिकेशन - पहला दिन (मैराज अहमद खान और अंगद वीर सिंह बाजवा) ,सुबह 09:30 बजेः पुरुषो के 10 मीटर एयर राइफल क्वालिफिकेशन मे दीपक कुमार और दिव्यांश सिंह पंवार। दोपहर 12:00 बजे : पुरुष 10 मीटर एयर राइफल फाइनल टेबल टेनिसः सुबह 10:30 बजे : पुरुष एकल दूसरा दौर : जी साथियान बनाम लाम सियु हांग (हांगकांग), दोपहर 12:00 बजेः महिला एकल दूसरा दौर : मनिका बत्रा बनाम मारग्रेटा पेसोत्सका (यूक्रेन),टेनिसः सुबह 7:30 बजे से शुरू महिला युगल के पहले दौर के मैच में सानिया मिर्जा और अंकिता रैना बनाम लिडमयला और नादिया किचनोक (यूक्रेन)तैराकी : दोपहर तीन बजकर 32 मिनट : महिलाओं की 100 मीटर बैकस्ट्रोक : पहली हीट - माना पटेल ,दोपहर चार बजकर 26 मिनट : पुरुषों की 100 मीटर बैकस्ट्रोक : तीसरी हीट - श्रीहरि नटराज

तीरंदाजी मिश्रित युगल क्वार्टर फाइनल में कोरिया से हारा भारत

तोक्यो। रैंकिंग के आधार पर यह उचित फैसला था लेकिन तीरंदाजी मिश्रित युगल में दीपिका कुमारी के साथ अतनु दास की जगह प्रवीण जाधव की जोड़ी बनाना रणनीतिक रूप से गलती नजर आती है और अंतिम लम्हों पर बनाई गई यह जोड़ी शनिवार को यहां तोक्यो खेलों में पदक की दौड़ से बाहर हो गई। दीपका और जाधव की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया के खिलाफ 2-6 की हार के दौरान बिलकुल भी लय में नहीं दिखी और शीर्ष वीरीय टीम के उम्मीद के मुताबिक नहीं खेलने के बावजूद हार गई। कोरियाई टीम में 17 साल के किम जे दियोक और 20 साल की आन सान थी जो दोनों ओलंपिक में पदार्पण कर रहे थे। कोरियाई जोड़ी ने दो सेट संभावित 40 में से 35 अंक बनाने के बावजूद जीत लिए जो दर्शाता है कि दोनों ही जोड़ियां उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाईं। पुरूषों के रैंकिंग दौर में शुक्रवार को खराब स्कोर के बाद भारत ने दीपिका के साथ उनके पति अतनु दास की बजाय जाधव को मिश्रित युगल में उतारने का फैसला किया। एक महीने से भी कम समय पहले दास और दीपिका ने पेरिस विश्व कप में मिश्रित युगल में स्वर्ण जीता था। मिश्रित टीमों का गठन स्कोर के आधार पर होता है और शुक्रवार को जाधव ने रैंकिंग दौर में 31वें स्थान के साथ दीपिका के पसंदीदा जोड़ीदार दास से बेहतर प्रदर्शन किया। दास 35वें स्थान पर रहे थे। देश के पास हालांकि एक घंटे के भीतर अपना सर्वश्रेष्ठ संयोजन चुनने के लिए खिलाड़ियों को बदलने का विकल्प होता है लेकिन भारतीय थिंक टैंक ने दीपिका और जाधव के साथ ही उतरने का फैसला किया।

मिश्रित युगल में हारी भारतीय जोड़ी, मनिका और सुतिर्था ने जीत से की शुरू आत

तोक्यो। भारत की मिश्रित टेबल टेनिस स्पर्धा में पदक जीतने की उम्मीदों पर शनिवार को पानी फिर गया लेकिन मनिका बत्रा और सुतिर्था मुखर्जी ने यहां तोक्यो ओलंपिक की महिला एकल स्पर्धा में जीत से अभियान शुरू किया।

अचंत शरत कमल और मनिका बत्रा के मिश्रित युगल वर्ग के अंतिम 16 में हारने से भारत का टेबल टेनिस अभियान निराशाजनक तरीके से शुरू हुआ था। भारतीय जोड़ी को तीसरी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपै के लिन युन जू और चेंग आई चिंग से 0-4 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि दुनिया की 62वें नंबर की खिलाड़ी मनिका ने ब्रिटेन की 94वीं रैंकिंग की खिलाड़ी टिन टिन हो को एकल स्पर्धा के शुरूआती मुकाबले में 4-0 से हरा दिया जबकि 98वीं रैंकिंग की सुतिर्था ने भी ओलंपिक पदार्पण में प्रभावित किया, उन्होंने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्वीडन की 78वीं रैंकिंग की लिंडा बर्गस्ट्रोम को 4-3 (5-11, 11-9, 11-13, 9-11, 11-3, 11-9, 11-5) से मात दी। सुतिर्था का सामना अब दूसरे दौर में पुर्तगाल की फु यु से होगा जबकि मनिका यूक्रेन की 32वीं रैंकिंग की मार्गिटा पेसोत्स्का से भिड़ेंगी। इससे पहले लिन युन जू और चेंग आई चिंग ने भारतीय जोड़ी को 11-8, 11-6, 11- 5, 11-4 से हराया। पहले दो गेम में 5-1 और 5-3 से बढ़त बनाने के बाद भारतीय जोड़ी लय कायम नहीं रख सकी।

लक्ष्य से चूके भारतीय निशानेबाज

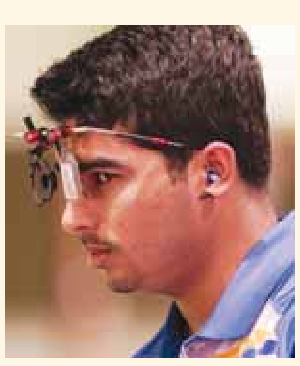

● सौरभ सातवें स्थान पर रहे

तोक्यो। भारतीय निशानेबाज तोक्यो ओलंपिक में अपनी स्पर्धाओं के पहले दिन शनिवार को यहां लक्ष्य पर सटीक निशाना साधने से चूक गए और सबसे अधिक निराश सौरभ चौधरी ने किया जो क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहने के बाद पदक जीतने में नाकाम रहे। चौधरी क्वालीफिकेशन की फॉर्म में फाइनल में दोहराने में नाकाम रहे और पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में सातवें स्थान पर रहे। कमरे में चौधरी के साथ रह रहे उनके मित्र अभिषेक वर्मा तो आठ खिलाड़ियों के फाइनल में भी जगह नहीं बना पाए और उस स्पर्धा में 575 अंक के साथ 17वें स्थान पर रहे जिसमें भारत के पदक जीतने की सबसे अधिक संभावनाएं जताई गई थी। ओलंपिक से पहले दोनों विश्व कप जीतकर शानदार फॉर्म में चल रहे ईरान के जावेद फोरोगी ने 24 शॉट के फाइनल में 244.8 अंक के ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। सर्बिया के दामिर मिकेच ने 237.9 अंक के साथ रजत पदक जीतते हुए अपने चौथे ओलंपिक में पदक का सपना साकार किया। बीजिंग खेलों के चैंपियन चीन के वेइ पेंग ने 217.6 अंक के साथ कांस्य पदक हासिल किया। महिला 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में ओलंपिक में पदार्पण कर रही इलावेनिल वालारिवन और अपूर्वी चंदेला फाइनल्स में भी जगह नहीं बना सकी। ए दोनों अकासा रेंज पर क्रमशः 16वें और 36वें स्थान पर रहीं। चीन की कियान वैंग ने आठ खिलाड़ियों के फाइनल में ओलंपिक रिकॉर्ड 251.8 अंक के साथ मौजूदा खेलों का पहला स्वर्ण पदक अपने नाम किया। रूस ओलंपिक समिति की अनास्तासिया गालाशिना ने 251.1 अंक के साथ रजत जबकि स्विट्जरलैंड की नीना क्रिस्टीन ने 230.6 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। क्वालीफिकेशन में शानदार प्रदर्शन के साथ फाइनल में जगह बनाने के बाद सभी की नजरें चौधरी पर टिकी थी कि वह महिलाओं के निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोड़कर पदक जीतेंगे लेकिन नतीजा वह नहीं रहा जिसकी देश की निशानेबाजी टीम ने उम्मीद की थी।भारतीय दिग्गज 137.4 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहा। चौधरी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले पांच शॉट के बाद वह 47.7 अंक के साथ आठवें स्थान पर चल रहे थे।

चिराग-सात्विक ने दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी को हराया

प्रणीत पहला मैच हारे

तोक्यो। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रुप ए मे दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी चीनी ताइपै के यांग ली और ची लिन वैंग को हराकर ओलंपिक बैडमिंटन प्रतियोगिता मे शानदार शुरूआत की लेकिन शनिवार को यहां पुरुष एकल में बी साई प्रणीत को हार झेलनी पड़ी। दुनिया की दसवे नंबर की जोड़ी चिराग और सात्विक ने तीसरी वरीयता प्राप्त ली और वैंग को 21-16, 16-21, 27- 25 से हराया। इस साल ली और वैंग ने योनेक्स थाईलैंड ओपन, टोयोटा थाईलैंड ओपन और विश्व टूर फाइनल्स जीते थे। पुरुष एकल वर्ग मे हालांकि भारत के 13वे नंबर के खिलाड़ी प्रणीत ओलंपिक मे पदार्पण करते हुए अपने पहले ही मैच में इस्राइल के निचली रैंकिंग वाले मीशा जिल्बरमैन से सीधे गेम मे हार गए। प्रणीत को ग्रुप डी मुकाबले मे दुनिया के 47वे नंबर के खिलाड़ी के खिलाफ 41 मिनट मे 17-21 15-21 से हार झेलनी पड़ी। पिछले कुछ महीनो से डेनमार्क के कोच मथियास बो के मार्गदर्शन मे ट्रेनिंग कर रहे सात्विक और चिराग ने बेहतर रणनीतिक खेल दिखाया और अहम लम्हो मे धैर्य बरकरार रखते हुए एक घंटे और नौ मिनट चले मुकाबले मे जीत दर्ज की। भारतीय जोड़ी को पांच मैच प्वाइंट मिले लेकिन विश्व चैपियनशिप 2018 की कांस्य पदक विजेता चीनी ताइपे की जोड़ी ने इन सभी को बचाते हुए खुद मैच प्वाइंट हासिल किया। चिराग और सात्विक ने हालांकि धैर्य बरकरार रखते हुए मैच प्वाइंट बचाया और फिर गेम और मैच जीत लिया। सात्विक और चिराग अगले मुकाबले मे रविवार को मार्क्स फर्नाल्डी गिडियोन और केविन संजय सुकामुल्जो की इंडोनेशिया की दुनिया की नंबर एक जोड़ी से भिड़ेंगे।

टी-20 में भी भारत का पलड़ा भारी

●वरुण चक्रवर्ती का पदार्पण करना तय

भाषा। कोलंबो

इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन करने वाले कई खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ रविवार से यहां शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला में भी जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी जिसके पहले मैच में रहस्यमई स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को पदार्पण का मौका मिल सकता है। शिखर धवन की अगुवाई वाली टीम ने वनडे श्रृंखला 2-। से जीती लेकिन वह आखिरी मैच में हार गई थी। इसके बावजूद भारतीय टीम का पलड़ा भारी नजर आता है। कोच राहुल द्रविड़ इस श्रृंखला में चक्रवर्ती को आजमाना चाहेंगे जो ऑफ ब्रेक, कैरम बॉल और दाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए लेग ब्रेक भी कर लेते हैं। वह आईपीएल में अपनी इस काबिलियत का अच्छा नमूना पेश कर चुके हैं। वह खराब फिटनेस और चोटिल होने के कारण आस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं जा पाए थे और इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में भी नहीं खेले थे लेकिन भारतीय टीम यूएई में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले एक स्पिनर की तलाश में हैं और ऐसे में इस 29 वर्षीय गेंदबाज को यहां आजमाया जा सकता है। इसके अलावा देवदत्त पडिक्कल और रुतुराज गायकवाड़ में से भी किसी को पदार्पण का मौका मिल सकता है। दोनों ने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया था। पृथ्वी सॉव और सूर्यकुमार यादव दोनों इंग्लैंड रवाना होने के लिए तैयार हैं और ऐसे में टीम प्रबंधन पडिक्क्ल और गायकवाड़ दोनों को मौका दे सकता है। इशान किशन और संजू सैमसन दोनों को अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। मनीष पांडे को मध्यक्रम से बाहर किया जा सकता है जबकि पंड्या बंधुओं हार्दिक और क्रुणाल का चयन तय है।

सूर्यकुमार और साव इंग्लैंड जाएंगे

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव को पहली बार टेस्ट टीम के लिए बुलावा मिला और वह सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव के साथ बतौर स्थानापन्न खिलाड़ी इंग्लैड के लिए रवाना होंगे। टीम प्रबंधन ने तीन खिलाड़ियों के चोट के कारण बाहर होने के बाद स्थानापन्न खिलाड़ियों की मांग की थी। शुभमन गिल, वाशिंगटन सुंदर और आवेश खान को चोट के कारण मौजूदा दौरे से बाहर होना पड़ा। टेस्ट श्रृंखला चार अगस्त से शुरू होगी। शुभमन को न्यूजीलैड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के दौरान घुटने के नीचे पैर के आगले हिस्से में चोट लग गई थी।

रियो ओलंपिक में ही फैसला कर दिया था कि तोक्यो में खुद को साबित करना है : मीराबाई

भाषा। तोक्यो

ओलंपिक में रजत पदक जीतकर भारतीय भारोत्तोलन में नया इतिहास रचने वाली मीराबाई चानू ने शनिवार को कहा कि वह अब अभ्यास की परवाह किए बिना अपने परिजनों के साथ छुट्टियां बिता सकती हैं क्योंकि पिछले पांच वर्षों में वह केवल पांच दिन के लिए मणिपुर स्थित अपने घर जा पाई। चानू ने कहा, पिछले पांच वर्षों में मैं केवल पांच दिन के लिए घर जा पाई थी। अब मैं इस पदक के साथ घर जाऊंगी। उनका परिवार नोंगपोक काकचिंग गांव में रहता है जो इंफाल से लगभग 20 किमी दूर है। इस भारोत्तोलक ने कहा, अब मैं घर जाऊंगी और मां के हाथ का बना खाना खाऊंगी। चानू ने खुलासा किया कि रियो ओलंपिक खेलों में असफल रहने के बाद उन्होंने अपनी ट्रेनिंग और तकनीक पूरी तरह से बदल दी थी ताकि वह तोक्यो में अच्छा प्रदर्शन कर सके। चानू ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) द्वारा आयोजित वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, ओलंपिक पदक जीतने का मेरा सपना आज पूरा हो गया। मैंने रियो में काफी कोशिश की थी लेकिन तब मेरा दिन नहीं था। मैंने उस दिन तय किया था कि मुझे तोक्यो में खुद को साबित करना होगा। मीराबाई को पांच साल पहले रियो में भी पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन वह महिलाओं के 48 किग्रा भार वर्ग में वैध वजन उठाने में असफल रही थी। उन्होंने कहा, मुझे उस दिन काफी सबक मिले थे। मेरी ट्रेनिंग और तकनीक बदल गई थी।

2 | न्यूज-व्यूज
बीजेपी ने साधु-संतों से लिया आशीर्वाद

10 | स्वास्थ्य
रोबोट से घुटनों का इलाज

11 | विशेष
महामारी के साए में शिक्षा

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 272
लखनऊ, रविवार, 25 जुलाई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
डाक संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

तीरंदाजी मिश्रित युगल क्वार्टर फाइनल में कोरिया से हारा भारत

स्पोर्ट्स-12

www.dailypioneer.com

टोक्यो ओलंपिक में चमकीं चानू, भारत की चांदी

भाषा। तोक्यो

ओलंपिक की भारोत्तोलन स्पर्धा में पदक के लिए भारत का 21 वर्ष का इंतजार खत्म करने वाली मीराबाई चानू ने 49 किलो वर्ग में रजत पदक जीता तो उनकी विजई मुस्कान ने उन सभी आंसुओं की भरपाई कर दी जो पांच साल पहले रियो में नाकामी के बाद उनकी आंखों से बहे थे। पांच साल पहले खेलों के महासमर में निराशाजनक पदार्पण के बाद इसी मंच से वह रोती हुई गई थीं। उनकी इस ऐतिहासिक जीत से भारत पदक तालिका में अभी दूसरे स्थान पर पहुंच गया, देश ने यह उपलब्धि पहले कभी हासिल नहीं की थी।राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देश भर ने भारोत्तोलक मीराबाई चानू को तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने के लिए बधाई दी। मणिपुर की 26 साल की भारोत्तोलक ने कुल 202 किग्रा से कर्णम मल्लेश्वरी के 2000 सिडनी ओलंपिक में कांस्य पदक से बेहतर प्रदर्शन किया। इससे उन्होंने 2016 में रियो ओलंपिक के खराब प्रदर्शन को भी पीछे छोड़ दिया जिसमें वह एक भी वैध वजन नहीं उठा सकीं थीं। करियर की इस शानदार जीत के बाद चानू ने पत्रकारों से कहा, मैं बहुत खुश हूं, मैं पिछले पांच वर्षों से इसका सपना देख रही थी। इस समय मुझे खुद पर गर्व महसूस हो रहा है। मैंने स्वर्ण पदक की कोशिश की लेकिन रजत पदक भी मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। वह पिछले कुछ महीनों से अमेरिका में ट्रेनिंग कर रही थी। 2016 का अनुभव काफी खराब रहा था और उन्होंने इसके बारे में बात करते हुए कहा था कि बड़े मंच पर अपने पदार्पण के दौरान वह कितनी घबराई हुई थी। यह पूछने पर कि मणिपुरी होने के नाते इसके क्या मायने है तो उन्होंने कहा, मैं इन खेलों में भारत के लिए पहला पदक जीतकर बहुत खुश हूं। मैं सिर्फ मणिपुर की नहीं हूं, मैं पूरे देश की हूं।

● खेल महाकुंभ के पहले दिन मीराबाई ने देश का खोला खाता, भारोत्तोलन में 21 साल का सूखा किया खत्म

> मीराबाई चानू के शानदार प्रदर्शन से भारत उत्साहित है और खेलों की इस बड़ी स्पर्धा का इससे अच्छा आगाज नहीं हो सकता था।
>
> **-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

> आज फिर भारत की मातृशक्ति ने वैश्विक पटल पर मां भारती को गौरव विभूषित किया है। आज तोक्यो में मीराबाई चानू जी ने अद्भुत कौशल का परिचय देते हुए रजत पदक जीत कर देश को गौरान्वित किया है। हार्दिक बधाई। जय हिंद!
>
> **-योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री**

शनिवार को चानू पूरे आत्मविश्वास से भरी थी और पूरे प्रदर्शन के दौरान उनके चेहरे पर मुस्कान रही। और उनके कान में ओलंपिक रिंग के आकार के बूंदे चमक रहे थे जो उनकी मां ने उन्हें भेंट दिए थे। चीन की होऊजिहुई ने 210 किग्रा के प्रयास से स्वर्ण पदक जीता जबकि इंडोनेशिया की ऐसाह विंडी कांटिका ने 194 किग्रा के प्रयास से कांस्य पदक अपने नाम किया। स्नैच को चानू की कमजोरी माना जा रहा था, लेकिन उन्होंने पहले ही स्नैच प्रयास में 84 किग्रा वजन उठाया। मणिपुर की इस भारोत्तोलक ने समय लेकर वजन उठाया। उन्होंने अगले प्रयास में 87 किग्रा वजन उठाया और फिर इसे बढ़ाकर 89 किग्रा कर दिया जो उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 88 किग्रा से एक किग्रा ज्यादा था जो उन्होंने पिछले साल राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में बनाया था। हालांकि वह स्नैच में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को बेहतर नहीं कर सकीं और स्नैच में उन्होंने 87 किग्रा का वजन उठाया और वह जिहुई से ही इसमें पीछे रहीं जिन्होंने 94 किग्रा से नया ओलंपिक रिकार्ड बनाया।

कोविड-19 संकट में भगवान बुद्ध के उपदेश और प्रासंगिक : मोदी

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भगवान बुद्ध के उपदेश आज ऐसे वक्त में और भी प्रासंगिक हो गए हैं जब संपूर्ण मानवता कोविड-19 संकट का सामना कर रही है। प्रधानमंत्री ने साथ ही जोर दिया कि भारत ने बौद्ध धर्म के संस्थापक के बताए मार्ग पर चल कर यह दिखा दिया है कि कठिन चुनौतियों का सामना कैसे किया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने आषाढ़ पूर्णिमा और धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस पर अपने संदेश में कहा कि पूरी दुनिया ने त्रासदी के वक्त भगवान बुद्ध की शिक्षा की ताकत को महसूस किया है। आज के ही दिन भगवान बुद्ध ने बुद्धत्व की प्राप्ति के बाद अपना पहला ज्ञान संसार को दिया था। प्रधानमंत्री ने कहा, बुद्ध के सम्यक विचार को लेकर आज दुनिया के देश भी एक दूसरे का हाथ थाम रहे हैं,एक दूसरे की ताकत बन रहे हैं। इस दिशा में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध महासंघ का केयर विथ प्रेयर कदम भी बहुत प्रशंसनीय है। मोदी ने धम्म पद पर बोलते हुए कहा कि बैर से बैर शांत नहीं होता, बल्कि प्रेम और बड़े दिल से शांत होता है। उन्होंने कहा, त्रासदी के वक्त में दुनिया ने प्रेम की, सौहार्द की इस शक्ति को महसूस किया है।

छह माह में सभी जिलों में होंगे मेडिकल कॉलेज: मुख्यमंत्री

● मुख्यमंत्री ने देवरिया में महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन से पूर्व किया निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। देवरिया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगले छह माह में प्रदेश के सभी 75 जिलों में मेडिकल कॉलेज होंगे। 1947 से 2016 तक उत्तर प्रदेश में सिर्फ 12 राजकीय मेडिकल कॉलेज थे जबकि 2017 से 2021 के बीच महज साढ़े चार सालों में 32 नए राजकीय मेडिकल कॉलेज बनाए गए हैं। अब तक 59 जिलों को मेडिकल कॉलेज से आच्छादित कर दिया गया है। केंद्र सरकार के सहयोग और राज्य सरकार खुद के संसाधनों से प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की श्रृंखला खड़ी कर रही है।

महराजगंज, संतकबीरनगर, मऊ, बलिया जैसे जो 16 जिले शेष हैं वहां यूपी सरकार केंद्र सरकार के सहयोग से पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज खोलेगी। यह केंद्र व राज्य में समान विचारधारा की सरकार होने से संभव हो रहा है। राज्य में महर्षि देवराहा बाबा मेडिकल कॉलेज देवरिया समेत नौ नए राजकीय मेडिकल कॉलेज बनकर तैयार हैं। नेशनल मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के निरीक्षण के बाद अप्रूवल मिलते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों इनका लोकार्पण कराया जाएगा। योगी शनिवार को महर्ष देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण करने के बाद मीडिया कर्मियों से बात कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पांच-सात साल पहले यह कल्पना भी नहीं की जा सकती थी कि देवरिया में भी मेडिकल कॉलेज होगा। हम आभारी हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जिन्होंने प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना प्रारंभ किया और देवरिया में भी हमें मेडिकल कॉलेज खोलने का मिला। उन्होंने कहा कि देवरिया के मेडिकल कॉलेज की लागत 208 करोड रुपए है इसमें से 155 करोड़ रुपए खर्च कर लिए गए हैं।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गोरखपुर में महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा के समक्ष आरती करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

प्रदेश के हर शहर में मिलेगी मुफ्त वाईफाई सुविधा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

75वां स्वतंत्रता दिवस यूपी के युवाओं के लिए एक बड़ी सौगात लेकर आएगा। यह सौगात होगी मुफ्त वाईफाई सुविधा की। इसके तहत राज्य के सभी 75 जिला मुख्यालयों, नगर पालिका परिषद तथा 17 नगर निगमों में 217 सार्वजनिक स्थानों पर लोग खासकर युवा मुफ्त वाईफाई सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नगर विकास विभाग के अधिकारी अब लोगों को मुफ्त वाईफाई सुविधा उपलब्ध कराने की मुहिम में जुटे हैं। जिसके तहत मंडलायुक्त, जिलाधिकारी और नगर आयुक्त को निर्देश दिया गया है कि प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर मुफ्त वाईफाई की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए हॉटस्पॉट चिन्हित किया जाना सुनिश्चित करें ताकि 15 अगस्त से राज्य में लोगों को हर शहर के बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन के समीप के स्थलों, तहसील, कचहरी, ब्लाक कार्यालय, रजिस्ट्रार कार्यालय तथा मुख्य बाजारों में लोगों को मुफ्त वाईफाई की सुविधा उपलब्ध हो सके। (विस्तृत पेज 2)

चार साल में बने 2.78 लाख शस्त्र लाइसेंस सीबीआई रडार पर

भाषा। श्रीनगर, नई दिल्ली

● जम्मू-कश्मीर, दिल्ली में कई स्थानों पर छापेमारी

सीबीआई ने अनिवासियों को फर्जी दस्तावेज के आधार पर 2012 से 2016 के दौरान 2.78 लाख शस्त्र लाइसेंस जारी करने के आरोप में शनिवार को जम्मू कश्मीर में 40 जगहों और राष्ट्रीय राजधानी में छापे मारे। सीबीआई के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि शस्त्र लाइसेंस रैकेट से संबंधित एक मामले में चल रही जांच के तहत जम्मू, श्रीनगर, उधमपुर, रजौरी, अनंतनाग, बारामूला और दिल्ली में आईएएस अधिकारियों, करीब 20 गन हाउस सहित लोकसेवकों के आधिकारिक और आवासीय परिसरों में छापे मारे गए। कम से कम दो आईएएस अधिकारियों शाहिद इकबाल चौधरी और नीरज कुमार के परिसरों पर छापेमारी हुई है। चौधरी जम्मू-कश्मीर सरकार में आदिवासी मामलों के सचिव हैं और कुमार राष्ट्रीय राजधानी में केंद्र शासित प्रदेश के अतिरिक्त रेजिडेंट कमिश्नर हैं। चौधरी ने ट्वीट किया, मीडिया में आई खबरों के संदर्भ में मैं पुष्टि करता हूं कि सीबीआई ने मेरे आवास पर छापेमारी की और शस्त्र लाइसेंस जांच में कुछ भी अनियमित नहीं पाया। मीडिया के मित्र इस बात को नोट कर सकते हैं कि जांच में सभी जिलों में चार वर्षों को कवर किया गया। अपने कार्यकाल के लिए मैं पूरी तरह से सीबीआई के प्रति जवाबदेह हूं। चौधरी ने कहा, 2012 से 2016 के दौरान उधमपुर में जारी 36 हजार शस्त्र लाइसेंस में से केवल 1500 (चार प्रतिशत से भी कम) मेरे कार्यकाल में जारी किए गए। उन्होंने कहा कि सभी जिलाधिकारियों द्वारा जारी लाइसेंस में यह सबसे कम है। उन्होंने कहा कि उन्होंने एजेंसी के सवालों के जवाब दिए और भविष्य में भी जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि 2012- 16 के दौरान जम्मू-कश्मीर में जारी 4.49 लाख शस्त्र लाइसेंस में से केवल 56 हजार तीन जिलों रियासी, कठुआ और उधमपुर में जारी किए गए जहां उन्होंने जिलाधिकारी के तौर पर सेवा दी। अधिकारियों ने बताया कि कश्मीर प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी शब्बीर अहमद भट के आवास पर भी छापेमारी की गई जिन्होंने रजौरी के जिलाधिकारी के तौर पर सेवा दी थी। उन्होंने बताया कि इसके अलावा पुंछ, कुपवाड़ा, बांदीपोरा, बारामूला और रामबन में 2012-16 के दौरान अतिरिक्त जिलाधिकारी के तौर पर सेवा देने वाले छह अधिकारियों के परिसरों पर भी छापेमारी की गई। एजेंसी ने कथिति अनियमितताओं को लेकर 16 अक्टूबर 2018 को दो अलग-अलग प्राथमिकियां दर्ज की थीं। सीबीआई ने कुपवाड़ा, उधमपुर, किश्तवाड़, शोपियां, राजौरी, डोडो, पुलवामा और कुछ अन्य जगहों के तत्कालीन जिलाधिकारियों और मजिस्ट्रेटों के परिसरों पर दिसंबर 2019 में श्रीनगर, जम्मू, गुरुग्राम और नोएडा समेत एक दर्जन जगहों पर छापेमारी की थी। अभियान 2019 में दर्ज एक मामले के संबंध में चलाया जा रहा है। आरोप है कि 2012 और 2016 के बीच जम्मू कश्मीर के विभिन्न जिलों के उपायुक्तों ने धन के लालच में फर्जी और अवैध रूप से थोक में शस्त्र लाइसेंस जारी किया था।

मुठभेड़ में तीन आतंकी ढेर

पायनियर समाचार सेवा। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शनिवार को हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने तीन अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया। मुठभेड़ में सेना का एक जवान घायल हुआ है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर कश्मीर के बांदीपोरा के सुंबलर इलाके में शोखबाबा जंगल में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के बाद सुरक्षा बलों ने वहां घेराबंदी कर तलाश अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि तलाश अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की जिसका उन्होंने माकूल जवाब दिया। उन्होंने कहा कि इसके बाद अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान तीन आतंकवादी मारे गए। श्रीनगर में रक्षा जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) कर्नल एमरॉन मुसावी ने कहा कि मुठभेड़ में सेना का एक जवान घायल हुआ है। उन्होंने बताया कि घायल जवान को जंगल से निकाल लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान और वे किस आतंकवादी संगठन से जुड़े थे, इसका पता लगाया जा रहा है।

ड्रोन गतिविधियों पर पाक के समक्ष भारत का कड़ा विरोध

भाषा। जम्मू

भारत ने जम्मू क्षेत्र में बढ़ती ड्रोन गतिविधियों को लेकर शनिवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पाकिस्तान रेंजर्स के बीच सेक्टर कमांडर स्तर की बैठक के दौरान पाकिस्तानी अधिकारियों के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि बैठक पाकिस्तान रेंजर्स के आग्रह पर अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुचेतगढ़ क्षेत्र में हुई जिसमें मामलों के समाधान के लिए फील्ड कमांडरों के बीच आवश्यक संपर्क को पुन: क्रियाशील करने का निर्णय हुआ। उन्होंने कहा कि दोनों बलों के कमांडरों ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की तथा बीएसएफ प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन गतिविधियों, आतंकी गतिविधियों और सीमा पार से खोदी जाने वाली सुरंगों एवं सीमा प्रबंधन से संबंधित अन्य मुद्दों पर खास जोर दिया। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ प्रतिनिधियों ने जम्मू क्षेत्र में पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा की जा रहीं ड्रोन गतिविधियों पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही दोनों पक्षों ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर शांति एवं सौहार्द बनाए रखने के प्रति अपनी कटिबद्धता व्यक्त की। प्रवक्ता ने कहा, सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) द्वारा (फरवरी में) संघर्षविराम समझौते की घोषणा किए जाने के बाद दोनों सीमा प्रहरी बलों के बीच सेक्टर कमांडर स्तर की यह पहली बैठक थी।

बाजार

सेंसेक्स	52,837	
निफ्टी	15,824	
सोना	46,452	/10g
चांदी	65,484	/kg

क्विक न्यूज

सीआईएससीई ने 10वीं, 12वीं के परिणाम घोषित किए

नई दिल्ली। सीआईएससीई ने शनिवार को 10वीं और 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए। कक्षा 10वीं में लड़के और लड़कियों, दोनों का उत्तीर्ण प्रतिशत 99.8 फीसदी रहा। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) के 12वीं कक्षा के नतीजों में लड़कियों ने लड़कों को 0.2 प्रतिशत के अंतर से पछाड़ दिया है। बोर्ड ने कहा कि पिछले साल की तरह इस बार भी असाधारण परिस्थितियों को देखते हुए मेधा सूची नही होगी। सीआईएससीई ने इस साल कोविड-19 की घातक दूसरी लहर को देखते हुए 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं रद्द कर दी थी। परिणाम बोर्ड द्वारा तय की गई वैकल्पिक मूल्यांकन नीति पर तैयार किए गए है। इस बार उत्तर पुस्तिकाओं की फिर से जांच का विकल्प उपलब्ध नही होगा।

सीमा विवाद पर पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ शाह की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। शिलांग

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और पूर्वोत्तर के आठ राज्यों के मुख्यमंत्रियों के बीच अंतर राज्यीय सीमा विवादों और कोविड-19 मामलों में वृद्धि के विषय पर शनिवार को बैठक शुरू हुई। एक अधिकारी ने बताया कि पाइनवुड होटल एनेक्सी में शाम छह बजे से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और सिक्किम के मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और पुलिस प्रमुख बंद कमरे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक कर रहे हैं।

अधिकारी ने कहा कि शाह को पूर्वोत्तर राज्यों के बीच लंबे समय से चल रहे अंतर राज्ईय सीमा विवादों और कोविड की स्थिति की जानकारी दी गई। पूर्वोत्तर के कई राज्यों के बीच अंतर राज्ईय सीमा विवाद हैं। असम और मिजोरम के बीच सीमा विवाद के चलते हाल में हिंसा हो चुकी है। पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि भी सामने आ रही है। बाद में शाह, नागरिक समाज के लोगों से मुलाकात करेंगे। आज शिलांग हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शाह का स्वागत किया। इसके बाद वह नार्थ ईस्ट स्पेस एप्लिकेशन सेंटर (एनईएसएसी) की एक बैठक में शामिल हुए।

महाराष्ट्र में एनडीआरएफ की 34 टीमें बचाव कार्य में जुटीं

बाढ़ से हाल बेहाल

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने महाराष्ट्र के तटीय इलाकों में बचाव अभियान को तेज करने के लिए अपनी टीम की संख्या 26 से बढ़ाकर 34 कर दी। ए इलाके भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित हैं। एजेंसी के प्रवक्ता ने बताया कि राज्य प्रशासन के साथ विचार-विमर्श करने के बाद इन दलों को मुंबई, रत्नागिरि, ठाणे, पालघर, रायगढ़, सतारा, सांगली, सिंधुदुर्ग, कोल्हापुर, पुणे और नागपुर में बचाव एवं राहत कार्य के लिए तैनात किया जा रहा है। प्रवक्ता ने बताया, स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एनडीआरएफ की आठ टीमें कोलकाता और वडोदरा से विमान के जरिए महाराष्ट्र पहुंचाई गई और प्रभावित इलाकों में इन्हें तैनात किया गया है। उन्होंने बताया, इसके साथ ही राज्य में एनडीआरएफ की तैनात कुल टीमों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। प्रवक्ता के मुताबिक राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमों ने अबतक फंसे हुए।,800 लोगों को बचाया है जबकि 87 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। उन्होंने बताया, इन टीमों ने भूस्खलन वाले विभिन्न स्थानों से अबतक 52 शवों को निकाला है जबकि लापता लोगों की गहनता से तलाश जारी है। प्रवक्ता ने बताया कि बल महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र के जिलों की भारत मौसम विज्ञान विभाग के मौसम संबंधी पूर्वानुमान और केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट का पालन कर रहा है। राज्य के इन इलाकों में पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है। एनडीआरएफ की एक टीम में सामान्य तौर पर 47 कर्मी होते हैं और इनके पास जीवन रक्षक, हवा भरी नौका और पेड़ तथा पोल काटने वाले उपकरण होते हैं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों पर बाढ़ और भूस्खलन से अबतक कम से कम 76 लोगों की मौत हुई है, 38 घायल हुए हैं और 59 अब भी लापता हैं। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक रायगढ़ जिला सबसे अधिक प्रभावित है जहां पर अबतक 47 लोगों की जान गई है जिनमें तलाई गांव में बृहस्पतिवार को भूस्खलन की चपेट में आने से 37 लोगों की मौतें शामिल हैं।

सांगली में बाढ़ से सड़कों पर नदी जैसी स्थिति के बीच बचाव कार्य में लगे स्वयंसेवक

गुजरात में एलपीजी सिलेंडर में विस्फोट, नौ की मौत

अहमदाबाद (भाषा)। गुजरात में अहमदाबाद शहर के बाहरी इलाके में एक कमरे में रखे एलपीजी सिलेंडर से गैस रिसाव के बाद लगी आग से विस्फोट हो गया और इसमें नौ लोगों की झुलसकर मौत हो गई। मृतकों में चार बच्चे शामिल हैं। एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को बताया कि यह घटना 20 जुलाई रात की है। मृतकों में मजदूर और उनके परिवार के सदस्य हैं। आठ लोगों की मौत पिछले कुछ दिनों में इलाज के दौरान हुई जबकि एक व्यक्ति की मौत शनिवार को हुई। ए सभी मध्य प्रदेश के रहने वाले थे। असलाली पुलिस थाने के इंस्पेक्टर पी आर जडेजा ने कहा, एलपीजी सिलेंडर से गैस के रिसाव के कारण विस्फोट हुआ और आग लगी जिसमें बच्चे और महिलाओं समेत 10 लोग बुरी तरह झुलस गए। घटना में अभी तक नौ लोगों की मौत हो चुकी है। इनका सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा था।

समय के भरोसे

हाथी की सवारी से उतरकर भगवा झंडा थामे विधायक से मंत्री बने माननीय को करीब पांच साल हो गए हैं लेकिन जो मजा उनको हाथी की सवारी में मिल रहा था वह भगवा झंडा थामने पर नहीं मिल रहा है। कहने को सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं और मजदूरों का कल्याण कराने की जिम्मेदारी उनके पास है लेकिन वह कल्याण सही मायने में किसी का करा नहीं पा रहे हैं। अब यहां बेचैनी होने लगी है लेकिन मामला कहीं मजबूती से बन नहीं पा रहा है इसलिए मंत्री की छटपटाहट सिर्फ वही जान सकते हैं और कोई नही जान सकता। उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों की राजनीतिक पारी को बेहतर करना चाहा लेकिन वह भी नहीं हो पाया अब माननीय ने सबकुछ समय, परिस्थिति और काल पर छोड़ दिया है कि चलो आने वाले कुछ माह में संभवत: समीकरण कुछ और बेहतर हों क्योंकि उनकी आवाज में जो हनक विधान सभा में थी वह अब धीमी पड़ गयी है।

दगे कारतूस पर दांव

पिछले तीन चुनावों से खास जाति का झंडा उठाने वाले नेताजी पर इस बार फिर कई साल से सत्ता से दूर खड़ी पार्टी ने दांव लगा दिया है। वैसे अभी तक तो यह नेताजी कम व पेशेवर जयादा माने जाने वाले महोदय दगे कारतूस ही साबित हुए हैं। पर कहावत वही है कि एक बार अंगूर हाथ लग गए तो बार बार उस दांव को आजमाना नहीं छोड़ सकते। वही यहां भी हो रहा है। नेताजी कम व प्रोफेशनल ज्यादा वाले महोदय ने इस बार भी भाईचारे का बीड़ा उठा लिया है। अब इस भाईचारे का परिणाम निकले चाहे न निकले पर पिछले कई बार से जब भी चुनावों का मौसम आता है यह बरसाती मेढ़क की तरह बाहर आ जाते हैं। हर बार भाई चारा और बड़े बड़े दावे मगर रिजल्ट फुस्स ही रहता है। अब तक तो प्रदर्शन में यह दगे कारतूस ही साबित हुए हैं। अब देखना यह है कि आने वाले चुनाव कुछ फोड़ पाते हैं या दगे कारतूस ही रहते हैं।

मैडम की परेशानी

शहर की प्रथम महिला ने नगर निगम की आय बढाने में सफल नहीं हुई है लेकिन कुछ कर्मचारी नेताओं ने मैडम की सारी योजनाएं फेल कर दीं। नेताओं ने नगर निगम सदन की सामान्य बैठक में कल्याण मण्डप सेक्टर एक और सामुदायिक केन्द्र सेक्टर चार विकास नगर के किराये की बढ़ोत्तरी की सम्भावना के बीच मांग रखी। नगर निगम कर्मचारी संघ ने प्रथम महिला से नगर निगम कार्मिकों के लिए किराया पूर्व की भाँति यथावत रखने की मांग की है। कोरोना काल में कर्मचारी के कई भत्ते बंद होने कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। इसके अलावा निगम में अधिकाधिक संख्या में अल्प वेतनधारी कर्मचारी कार्यरत हैं। मैडम ने साहब से कहा कि इन कर्मचारियों के यहॉ होने वाले मार्गंलिक कार्यक्रमों में निगम के इन कल्याण मण्डपों और सामुदायिक केन्द्रों से बड़ा सहारा है। ऐसे मे अगर विपरीत स्थिति के बीच नगर निगम कार्मिकों पर बढ़े किराये की वसूली होगी तो उनकी आर्थिक स्थिति और खराब होगी।

मलाई गयी निकल

खाकी वाले एक महकमे (पुलिस नहीं) में ट्रांसफर सीजन के दौरान तबादलों को लेकर विभाग के डीजी और शासन के अपर मुख्य सचिव के बीच चली रस्साकशी चर्चा का विषय बनी हुई है। अमूनन हर विभाग में ट्रांसफर सीजन का इंतजार रहता है। मनमाफिक तैनाती कराने को लेकर महकमों में खूब मलाई कटती है। खाकी वाले इस महकमे के डीजी के लिए तो समय और परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल थीं। तीन साल का समय पूरा कर चुके बीस प्रतिशत कमांडेंट का ट्रांसफर खुद की मर्जी से करने का शासन से उन्हें अधिकार जो मिला हुआ है। ट्रांसफर सीजन के दौरान सभी कमांडेंट की निगाहें कवाल टाउन पर रहती हैं। डीजी ट्रांसफर की लिस्ट ही तैयार करते रह गए और ट्रांसफर सीजन शुरू होने के तीसरे दिन ही शासन के विभागीय अपर मुख्य सचिव ने प्रमोशन के चलते कवाल टाउन में खाली पड़े सभी पदों पर कमांडेंट की तैनाती कर दी। मतलब, मलाई शासन खा गया और दूध बचा रह गया। इससे खिसायाए मुखिया ने स्टीन ट्रांसफर से भी हाथ खींच लिया और बाकी के कमांडेंट कातर नजरों से ट्रांसफर सीजन को जाते देखते रह गए।

बच के रहना रे बाबा...

योगी सरकार के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एक महिला अधिकारी से बहुत डरे हुये हैं। जैसे-तैसे लखनऊ में फिर से आने में कामयाब रहे यह अधिकारी अपने करीबियों को महिला अधिकारी से सावधान रहे की हिदायत देने के साथ अपनी आप बीती बताने से नहीं चूकते। इनका मानना है कि महिला अधिकारी के कारण ही उन्हें अपने पद से न केवल हटना पड़ा बल्कि लखनऊ का वनवास भी देखना पडा। दरअसल यह अधिकारी योगी सरकार में आपदा पीडितों की मदद के लिये बने विभाग का कामकाज देख रहे थे। इन्होंने विभाग में अपने तरीके से व्यवस्था बनायी और महिला अधिकारी को पैदल कर दिया। उनके कार्यकाल में महिला अधिकारी को कामकाज से एकदम अलग-थलग करके कोपभवन में बिठा दिया गया था। बस इसी बात से महिला अधिकारी और उक्त आईएएस में ठन गई थी। महिला अधिकारी की सरकार के अफसरों में अच्छी पैठ है। सो महिला अधिकारी ने भी अपना दांवपेंच शुरू किया। जिसमें आईएएस को सरकार ने अपने पद से हटाकर मंडलायुक्त बना दिया। अब यह अधिकारी लौटे हैं। दोनों एनेक्सी में बैठते हैं और सिर्फ फ्लोर का फर्क है। महिला के हाथों मात खाये यह अधिकारी अब अपने साथ के अधिकारियों को महिला अधिकारी से बचकर रहने की सलाह देते नहीं थकते।

उत्तम का मध्यम परिणाम

सोचा था नाम उत्तम है तो काम भी उत्तम होगा। कुछ कर दिखाएंगे लेकिन पांच साल होने को हैं अभी तक कोई ऐसा काम नहीं किया जिससे इनकी उत्तमता दिखाई पड़े। जब पीछे मुड़कर देखा तो उत्तम के पूरे कार्यकाल में हर मोर्चे पर हार ही मिली है। अब एक बार फिर युद्ध का मैदान सामने है। उत्तम को अपनी उत्तमता दिखानी है। लाल टोपी वाले अध्यक्ष को अपने इस उत्तम पर पता नहीं क्यों पूरा विश्वास भी है जबकि अब तक हुई सभी परीक्षा में उत्तम महोदय फेल ही होते नजर आए हैं। अब देखना यह है कि 2022 के युद्ध में उत्तम अपने राजनीतिक कौशल की कितनी उत्तमता दिखा पाते हैं। फिलहाल उन्होंने चुनावी युद्ध से पहले बड़े पैमाने पर फेरबदल का क्रम शुरू कर दिया है। कुछ को हटा रहे तो कुछ को बना रहे। आलम यह है जिनको हटा रहे वह सभी उत्तम की खामियां बता रहे हैं और जिनको बना रहे वह उत्तम को अति उत्तम बता रहे। कुल मिलाकर समाजवादी फौज के आधे लोग नाराज तो आधे लोग खुश हैं। सही मायने में यह कहा जा सकता है कि जिस चाल से उत्तम चल रहे हैं वह उत्तम के लिए स्वयं तो उत्तम है। लेकिन संगठन के लिए नुकसानदेह।

भुगतान में फिसड्डी पांच चीनी मिलों के विरुद्ध आरसी जारी

लखनऊ। आयुक्त गन्ना एवं चीनी संजय आर. भूसरेड्डी ने बताया कि प्रदेश के गन्ना किसानों का गन्ना मूल्य का भुगतान कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिसको ध्यान में रखते हुए मुख्यालय स्तर पर नोडल अधिकारियों द्वारा तथा परिक्षेत्र स्तर पर उप गन्ना आयुक्तों एवं जिला गन्ना अधिकारीयों द्वारा गन्ना मूल्य भुगतान की दैनिक समीक्षा की जा रही है। मुख्यालय पर गन्ना मूल्य भुगतान की समीक्षा के उपरांत आयुक्त द्वारा भुगतान में फिसड्डी रहने पर यदु समूह की चीनी मिल बिसौली-बदायूं, मोदी समूह की चीनी मिल मलकपुर-बागपत, बजाज समूह की चीनी मिल इटईमैदा-बलरामपुर एवं सिम्भावली समूह की चीनी मिल चिलवरिया-बहराइच एवं चीनी मिल गड़ौरा-महराजगंज के विरूद्ध आरसी जारी कर दी गयी है।

कार्यालय परियोजना प्रबन्धक, निर्माण एवं परिकल्प सेवायें, (वि0यां0) नलकूप विंग, यूनिट-द्वितीय उ0प्र0 जल निगम 4/308, विनीत खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (उ0प्र0 सरकार का उपक्रम)

पत्रांक 1072/कार्य-9/(21)/104
दिनांक 22.07.2021

अल्पकालीन निविदा सूचना

उ0प्र0 जल निगम, की ओर से 2 सेट Horizontal Centrifugal Submersible Pumping Plant की आपूर्ति हेतु निविदाओं की बिक्री दिनांक 26.07.2021 से 31.07.2021 तक कार्यालय प्रोजेक्ट मैनेजर, निर्माण एवं परिकल्प सेवाए, वि/यॉ0, नलकूप विंग, यूनिट-द्वितीय उत्तर प्रदेश जल निगम 4/308, विनीत खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ एवं कार्यालय प्रोजेक्ट मैनेजर, निर्माण एवं परिकल्प सेवाएं, वि0/यॉ0 नलकूप विंग, उत्तर प्रदेश जल निगम 2/137, विवेक खण्ड गोमती नगर, लखनऊ से की जायेगी। निविदा प्रपत्र का मूल्य रू0 1000.00 + 18% जी.एस.टी. (1000.00+180.00=1180.00) है। निविदा के कार्यो का विस्तृत विवरण जल निगम की वेबसाइट ***http://jn.upsdc.gov.in*** से अथवा सम्बन्धित कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

निविदा सूचना– निविदा विक्रय की तिथि 26.07.2021 से 31.07.2021 अपरान्ह 12.00 बजे। निविदा डालने की तिथि : 31.07.2021 अपरान्ह 02.00 बजे। निविदा खोलने की तिथि – 31.07.2021 अपरान्ह 03.30 बजे।

यूपी के हर शहर में मिलेगी मुफ्त वाईफाई सुविधा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

75वां स्वतंत्रता दिवस यूपी के युवाओं के लिए एक बड़ी सौगात लेकर आएगा। यह सौगात होगी मुफ्त वाईफाई सुविधा की। इसके तहत राज्य के सभी 75 जिला मुख्यालयों, नगर पालिका परिषद तथा 17 नगर निगमों में 217 सार्वजनिक स्थानों पर लोग खासकर युवा मुफ्त वाईफाई सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नगर विकास विभाग के अधिकारी अब लोगों को मुफ्त वाईफाई सुविधा उपलब्ध कराने की मुहिम में जुटे हैं। जिसके तहत मंडलायुक्त, जिलाधिकारी और नगर आयुक्त को निर्देश दिया गया है कि प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर मुफ्त वाईफाई की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए हॉटस्पॉट चिन्हित किया जाना सुनिश्चित करें ताकि 15 अगस्त से राज्य में लोगों को हर शहर के बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन के समीप के स्थलों, तहसील, कचहरी, ब्लाक कार्यालय, रजिस्ट्रार कार्यालय तथा मुख्य बाजारों में लोगों को मुफ्त वाईफाई की सुविधा उपलब्ध हो सके। विदित हो है कि प्रदेश सरकार ने सूबे के लोगों को मुफ्त वाईफाई की सुविधा उपलब्ध कराने का वायदा किया था। पार्टी के संकल्प पत्र में भी इसका उल्लेख किया गया था। जिसका संज्ञान लेते हुए प्रदेश सरकार ने सत्ता में आते ही लखनऊ सहित राज्य के कई शहरों के प्रमुख स्थलों पर मुफ्त वाईफाई की सुविधा उपलब्ध कराई थी। इसके लिए लखनऊ के हजरतगंज क्षेत्र में लोगों को वाईफाई की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए हॉटस्पॉट बनाए गए थे। हॉटस्पॉट के 50 मीटर के रेंज में मौजूद लोग मुफ्त वाईफाई का इस्तेमाल कर पाते थे।

इसी तर्ज पर अब मुख्यमंत्री ने इस योजना को हर जिला मुख्यालयों, नगर पालिका परिषद तथा 17 नगर निगमों में प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर शुरू करने का फैसला किया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसका लाभ मिल सके। उनकी इसी सोच के आधार पर अब सरकार 17 नगर निगम वाले शहरों सहित कुल 217 बड़े सार्वजनिक स्थानों पर मुफ्त वाईफाई की सुविधा उपलब्ध कराने जा रही है। इसे लेकर जो सूबे के नगर विकास विभाग ने जो योजना तैयार की हैए उसके अनुसार बड़े शहरों (नगर निगमों))में दो स्थानों पर और छोटे शहरों में एक स्थान पर मुफ्त वाईफाई की सुविधा मिलेगी। जिसके तहत ही सरकार लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, वाराणसी, प्रयागराज, झांसी, बरेली, सहारनपुर, मुरादाबाद, गोरखपुर, अयोध्या, मेरठ, शाहजहांपुर, गाजियाबाद, मथुरा-वृंदावन और फीरोजाबाद नगर निगम वाले शहरों के अलावा नगर पालिका परिषद वाले शहरों में यह सुविधा प्रदान करेगी। मुफ्त वाईफाई की सुविधा बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, तहसील, कचहरी, ब्लाक व रजिस्ट्रार कार्यालय के आसपास और शहर के प्रमुख बाजारों में दी जाएगी। इसके लिए स्थान चिन्हित किए जाने की कार्रवाई की जा रही है। मुफ्त वाईफाई की सुविधा उपलब्ध करने के लिए नगरीय निकाय के अधिकारी इंटरनेट कंपनियों से करार करेंगे। वाईफाई में इंटरनेट की स्पीड पर विशेष ध्यान रखा जाएगा। नगर आयुक्तों व अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिया है कि स्मार्ट सिटी परियोजना या फिर नगरीय निकाय अपने स्रोत से इसका खर्च उठाएंगे। निकायों से यह भी कहा गया है कि सुविधा देने की जानकारी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं। मुफ्त वाईफाई सुविधा देने के लिए जिन इंटरनेट कंपनियों से करार किया जाएगा।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल-चतुर्थ, सिस गोमती-लेसा मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लि0 82-83 इन्द्रलोक हाईडिल कालोनी, कृष्णानगर, लखनऊ (ई-निविदा आमंत्रण सूचना)

विद्युत वितरण मण्डल-चतुर्थ, लेसा-सिस गोमती, लखनऊ के कार्य क्षेत्रान्तर्गत निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा में प्रथम भाग में लगाये जाने वाले सभी प्रपत्रों का विवरण एवं धरो. हर धनराशि, निविदा प्रपत्र मूल्य का विवरण तथा अन्य समस्त नियम व शर्तें निविदा प्रपत्र से अवलोकन करना सुनिश्चित करें जो कि उ0प्र० सरकार की ई-टेण्डर वेबसाइट https:// etender.up.nic.in पर 02.08.2021 को 12:00 बजे तक डाउनलोड किये जा सकते है, जिसका प्रथम भाग उसी दिन को 16:00 बजे अथवा बाद में खोला जायेगा। यदि निविदा खुलने की तिथि को सार्वजनिक अवकाश पड़ता है तो निविदायें अगले कार्यदिवस में नियत समय पर खोली जाएगी। निविदा में यदि कोई भी संशोधन अथवा निविदा खोलने की तिथि में विस्तार एवं निविदा द्वितीय भाग खोले जाने की सूचना उ0प्र० सरकार की ई-टेण्डर वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी। अधोहस्ताक्षरी को एक अथवा समस्त निविदा प्रपत्र को बिना कारण बताये निरस्त/ विभक्त करने का अधिकार सुरक्षित है। निविदा का विवरण निम्नवत् है :– **अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना सं0 36/2021-22** 1. वि0वि0ख0, सेस-प्रथम, सिस गोमती-लेसा, लखनऊ के तहत 33/11 के.वी. उपकेन्द्र अम्बेडकर विश्वविद्यालय एवं गहरू पर स्थापित पॉवर परिवर्तकों के अनुरक्षण/मरम्मत का कार्य। निविदा प्रपत्र मूल्य 1180.00 (जीएसटी सहित), धरोहर राशि रू0 2,000.00। **अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना सं0 37/2021-22** 1. वि0वि0ख0, सेस-प्रथम, सिस गोमती-लेसा, लखनऊ के तहत 33 के.वी. बनी लाईन एवं 33/11 के.वी. उपकेन्द्र गहरू से पोषित 11 के0वी0 फीडरों को छू रही पेड़ों की कटाई एवं छटाई का कार्य। निविदा प्रपत्र मूल्य 1180.00 (जीएसटी सहित), धरोहर राशि रू0 2,000.00। **अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना सं0 38/2021-22** 1. वि0वि0मं0- चतुर्थ, सेस-गोमती-लेसा, लखनऊ के तहत अधी0 अभि0 हेतु एक अद्द डीजल चालित वाहन को एक वर्ष के लिए किराये पर रखने हेतु। निविदा प्रपत्र मूल्य 1180.00 (जीएसटी सहित), धरोहर राशि रू0 3,000.00। **अधीक्षण अभियन्ता (चतुर्थ)** पत्रांक संख्या : 363/वि0वि0मं0(च0)/कैम्प/निविदा दिनांक : 24.07.2021 "राष्ट्र हित में बिजली बचायें"

एक दिन में 10 लाख 6 हजार लोगों को टीकाकरण का नया रिकार्ड

- बलरामपुर, बस्ती, एटा, हाथरस, महोबा, श्रावस्ती जिले कोरोना से हुए पूरी तरह से मुक्त

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना का संक्रमण लगातार प्रदेश में घटता जा रहा है। प्रदेश की बेहतर होती स्थिति में सीएम योगी आदित्यनाथ के कोविड प्रबंधन की बड़ी भूमिका रही है। बीमारी को समाप्त करने के लिये उठाए गये कदमों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। जिसका नतीजा है कि बलरामपुर, बस्ती, एटा, हाथरस, महोबा, श्रावस्ती में एक भी कोरोना मरीज शेष नहीं रह गया है। ये जिले कोरोना से मुक्त हो चुके हैं।

प्रदेश ने एक दिन में कोविड से बचाव के लिये सबसे अधिक टीकाकरण का फिर नया रिकार्ड बनाया है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश में 10 लाख 6 हजार से अधिक लोगों ने टीका कवर प्राप्त किया है। इस दौरान कुल 1006068 लोगों को डोज दी गई हैं। वर्तमान में टीकाकरण की प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। अब तक 4 करोड़ 38 लाख 22 हजार 201 से अधिक लोगों को वैक्सीन डोज लगाई जा चुकी है। प्रदेश में तेजी से चल रहे टीकाकरण अभियान के कारण प्रदेश के 41 जिलों में इकाई अंकों में कोविड मरीज ही शेष बचे हैं। यूपी में अग्रेसिव टेस्टिंग, माइक्रो कंटेनमेंट जोन, गांवों में निगरानी समितियों के माइक्रो मैनेजमेंट और ट्रीटमेंट से कोरोना नियंत्रित हुआ है। प्रदेश की स्थिति लगातार बेहतर हो जा रही है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें टीकाकरण और कोविड जांच करने में जुटी हैं। जिसके चलते पिछले दिनों 255147 सैंपल की जांच हुई और मात्र 42 सैम्पल में कोविड संक्रमण की पुष्टि की गई है। जबकि पॉजिटिविटी दर 0.02 फीसदी रही। इसी अवधि में 99 मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए हैं। किसी भी जिले में दहाई अंक में कोरोना के नए केस नहीं मिले हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अग्रेसिव रणनीति से कोरोना काबू में आया है। यूपी मॉडल के ट्रेस, टेस्ट, ट्रीट के साथ आंशिक कोरोना कर्फ्यू और टीकाकरण का नतीजा है कि 25 करोड़ की आबादी वाले उत्तर प्रदेश में महज 932 एक्टिव केस ही सामने आए हैं। प्रदेश में कोरोना की रिकवरी दर 98.6 प्रतिशत हो गई है। अब तक 16 लाख 84 हजार 471 प्रदेशवासी कोरोना संक्रमण से मुक्त होकर स्वस्थ हो चुके हैं।

गुरु पूर्णिमा पर बीजेपी ने साधु-संतों से लिया आशीर्वाद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के प्रदेश पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शनिवार को पूरे प्रदेश में मंदिर-मठों में जाकर साधु संतों से भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया और सम्मान किया।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने सुबह लखनऊ में बौद्ध मंदिर लाटूश रोड, लाजपत नगर स्थित गुरुद्वारा और बड़ी काली जी मंदिर चौक में पहुंचकर पूजा अर्चना की और साधु-संतों का आशीर्वाद लेकर उन्हें अंग वस्त्र व फूल-माला पहनाकर सम्मान व अभिनंदन किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दोपहर में हनुमान सेतु मंदिर पहुंचे, जहां पूजा अर्चना करने के बाद स्वतंत्र देव सिंह ने साधु, संतों, महात्माओं के चरण पखारे और उनका अभिनंदन, सम्मान कर आशीर्वाद लिया। स्वतंत्र देव सिंह ने साधु संतों का सम्मान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद कहा कि गुरुजन, साधु, संत व्यक्ति और समाज के पथ प्रदर्शक होते हैं। देश व राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। इसलिए आज गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पार्टी कार्यकर्ता पूरे प्रदेश प्रदेश में साधु संतों का अभिनंदन वंदन करते हुए आभार जताकर आशीर्वाद ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी-योगी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने समाज के सभी वर्गों के विकास और देश व प्रदेश के गौरव के उत्थान के लिए कार्य किया है। शिक्षा स्वास्थ्य सामाजिक सुरक्षा के साथ ही आस्था व अध्यात्म के केंद्रों राष्ट्रवाद के नायकों सामाजिक जागरण के प्रणेता रहे महापुरुषों के सम्मान के लिए अनेक कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि समाज के जागरण में धार्मिक आध्यात्मिक संस्थानों की अहम भूमिका रही है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदाएँ आमंत्रित करते हैं :

क्र. सं. : 1, ई-प्रापण निविदा संख्या : उप मु. इं.नि.-पुल-गो.-11-2021 (Single packet system) निविदा की अन्तिम तिथि 18.08.2021, कार्य का नाम : पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के बलिया स्थित कोच मेन्टिनेन्स फैरिलिटी के लिए सिक लाइन शेड (10x50 M) बनाने हेतु विभिन्न स्टील स्ट्रक्चर कम्पोनेन्ट के फेब्रिकेशन, ढुलाई व आपूर्ति, इरेक्शन व लॉचिंग का कार्य, **अनुमानित निविदा मूल्य** : रु. 2,16,53,640.00, **बयाना राशि** : रु. 0.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : रु. 0.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि** : 06 (छः) माह। • बिड प्रारम्भ करने की तिथि-दिनांक 04.08.2021 • उपरोक्त ई-निविदा सबमिशन की अन्तिम तिथि- दिनांक 18.08.2021 15.00 बजे तक • उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि- दिनांक 18.08.2021 15.30 बजे • निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्ते वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होंगे। • श्री राम अवध कार्यपालक इंजीनियर/निर्माण/पुल/गोरखपुर 09794844274

उप मुख्य इंजी./निर्माण/पुल
मुजाधि/डब्ल्यू-118 पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर

यात्री सुविधा सम्बन्धित शिकायत हेतु मो.-09794845955 पर SMS करें

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैं भूतपूर्व हवलदार रामकुमार पुत्र श्री रमेश चन्द्र नि0 मिश्रखेड़ा पोस्ट करबिगंवा, कानपुर सर्विस नं0 14408774F सूचित करना चाहता हूँ कि मेरे पुत्र का नाम सर्विस रिकार्ड में त्रुटिवश आकाश अंकित हो गया था जबकि उसका सही नाम आकाश कुमार है वर्तमान से उसे इसी नाम से जाना जाये।

सूचना

सूच्य हो कि मेरे एनटीपीसी सेवा अभिलेखों में मेरी धर्मपत्नी का नाम राधा दर्ज है। जो अपूर्ण और असत्य है। जबकि अन्य अभिलेखों में मेरी धर्मपत्नी का नाम राधा सिंह दर्ज है, जो पूर्ण और सत्य है। अतः मेरी धर्मपत्नी को राधा सिंह नाम से जाना, पहचाना व समझा जाए। रघुनाथ सिंह पुत्र राम प्रताप सिंह निवासी-टाईप तृतीय-59 एनटीपीसी कालोनी, ऊंचाहार – रायबरेली।

NOTICE

NOTICE

I, Avi (existing name of spouse as per nok record /service document) spouse of army No 15578918F rank Hav name Krishna Kumar (name of the father) resident of Vill Kewadiya Post Patara Teh Ghatampur Dist Kanpur (Nagar) State UP pin no 209308 (address)have changed may name from Avi (esisting name of spouse as per changed of next of nok record /service document) to Agrim Singh(proposed/adopted new name)

प्रदेश पूरी तरह से जंगलराज में बदल गया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री जो कभी अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की बात करते थकते नहीं, अपराध जगत के लिए हीरो बन गए हैं। उनका सम्पूर्ण प्रशासन अपराधियों के आगे नतमस्तक है। उत्तर प्रदेश पूरी तरह जंगलराज में बदल गया है जहां अपराधी बेलगाम हैं और बहन बेटियां हैवानियत की शिकार हैं। कोई दिन ऐसा नहीं जाता जब लूटए अपहरणए हत्या और बलात्कार की घटना नहीं घटती हो। अखिलेश ने कहा कि आगरा में कालिंदी बिहार ज्योतिकुंज में एक होजरी व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अलीगढ़ के धर्मपुर गांव में बरामद में घुसकर युवक की हत्या कर दी गई। चंदौसी के विकास नगर में कन्फेक्शनरी दुकानदार की गोली मारकर हत्या की गई। बरेली में संजय नगर में दादी के साथ बाजार गए 4 साल के बच्चे का अपहरण कर लिया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में एक और हिरासत में मौत हो गई। बिजनौर में पुलिस हिरासत के दौरान एक और युवक की दु:खद मौत हुई। बिजनौर के रेहड़ थाना क्षेत्र के कल्लू बालागंज गांव के सोनू कुमार को चौकी से रायफल चोरी के शक में हिरासत में लिया गया था। अखिलेश ने कहा कि उन्नाव के बीघापुर क्षेत्र में एक युवती के साथ दुष्कर्म में विफल रहने पर गला दबाकर हत्या का प्रयास भी जब असफल रहा तो उसे छत से नीचे फेंक दिया गया।

उ0प्र0 पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड <u>निविदा</u>

अधिकृत एवं अनुभवी ठेकेदारों/फर्मो से निम्न कार्य हेतु दिनांक 20.08.2021 को 14:00 बजे तक साधारण निविदा आमंत्रित की जाती है तथा उसी दिन 15:30 बजे के पश्चात् खोली जायेगी। निविदा शुल्क एवं धरोहर धनराशि को आरटीजीएस/ एनईएफटी अथवा सीधे **अधिशासी अभियन्ता, विद्युत पारेषण खण्ड, लखीमपुर के खाता संख्या**- 50200029446442, **आई0एफ0एस0सी0 कोड**-HDFC0001914 **बैंक का नाम- एच0डी0एफ0सी0 बैंक लि0, लखीमपुर** में जमा करना अनिवार्य है। निविदा प्रपत्र अधिशासी अभियन्ता, विद्युत पारेषण खण्ड, लखीमपुर के कार्यालय से 20.08.2021 को 14:00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते हैं। खुलने की तिथि को अवकाश की दशा में निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। सम्पूर्ण निविदा या निविदा के किसी भाग को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा। **साधारण निविदा खुलने की तिथि 20.08.2021**

<u>निविदा सूचना सं0-02/वि0पारे0ख0 (लखी0)/2021-22</u> अधिशासी अभियन्ता, विद्युत पारेषण खण्ड लखीमपुर के प्रयोगार्थ डीजल चलित वाहन (जीप/बोलेरो) जो तीन वर्ष से अधिक उपयोग में न हो/ड्राईवर सहित 09 माह हेतु आपूर्ति। धरोहर धनराशि रू0 2000.00/– मात्र, निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0) –590.00/– मात्र (प्रति निविदा)।

<u>निविदा सूचना सं0-03/वि0पारे0ख0 (लखी0)/ 2021-22</u> उपखण्ड अधिकारी, विद्युत पारेषण उपखण्ड-प्रथम लखीमपुर के प्रयोगार्थ डीजल चलित वाहन (जीप/बोलेरो) जो तीन वर्ष से अधिक उपयोग में न हो/ड्राईवर सहित 09 माह हेतु आपूर्ति। धरो. हर धनराशि रू0 2000.00/– मात्र, निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0) –590.00/– मात्र (प्रति निविदा)। धरोहर राशि जो कि अधिशासी अभियन्ता, विद्युत पारेषण खण्ड के लखीमपुर के नाम डीडी/एफडीआर के रूप में मूल प्रति भाग 01 में व निविदा प्रपत्र भाग 2 में अधिशासी अभियन्ता विद्युत पारेषा खण्ड के लखीमपुर के कार्यालय में नियत तिथि को 14:00 बजे तक जमा किये जा सकते हैं। **(रामानन्द) अधिशासी अभियन्ता, विद्युत पारेषण खण्ड, उ0प्र0 पावर ट्रान्स0 कारपो0लि0 132 के0वी0 उपकेन्द्र (छाउछ) लखीमपुर-खीरी-उ0प्र0 262701** पत्रांक-682/<u>वि0पारे0ख0(लखी0)/</u> दिनांक:- 24.07.2021 "राष्ट्रहित में बिजली बचायें"।

यूपी चला मेडिकल हब बनने की डगर पर

- बिहार सहित पड़ोसी राज्यों और नेपाल देश के रोगियों को भी मिलेगी इलाज में सहूलियत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी मेडिकल हब बनने के रास्ते पर चल पड़ा है। वह दिन दूर नहीं जब बिहार और नेपाल के रोगियों को भी इलाज में सहूलियत मिलेगी। इलाज के लिए एक जिले से दूसरे जिले भटकने से मुक्ति मिलेगी। ऐसा इसलिए हो पाया है कि 25 करोड़ की आबादी वाले प्रदेश में आजादी के बाद पहली बार चिकित्सा सुविधाओं में आमूलचूल परिवर्तन हो रहा है। सीएम योगी की 'वन डिस्ट्रिक, वन मेडिकल कॉलेज' नीति के तहत हर जिले में मेडिकल कॉलेज बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री के चिकित्सा सुविधाओं को बेहतर बनाने की मुहिम से प्रदेश ने ऊंची उड़ान भरी है। इससे राजधानी लखनऊ पर प्रदेश के अन्य जिलों से आने वाले रोगियों का भार कम होगा और जिले स्तर पर उपचार की सुविधाओं में बढ़ोतरी होने से लोगों को इलाज के लिए एक जिले से दूसरे जिले में जाने से भी राहत मिलेगी। कोरोना की पहलीए, दूसरी और संभावित तीसरी लहर को देखते हुए भी चिकित्सा सुविधाओं में युद्ध स्तर पर इजाफा किया जा रहा है।

आबादी के लिहाज से देश के सबसे बड़े प्रदेश में वर्ष 2017 के पहले मात्र 17 मेडिकल कॉलेज, संस्थान और विश्वविद्यालय थे, लेकिन पिछले साढ़े चार सालों में अब यह बढ़कर 33 हो गए हैं। नौ जिलों देवरिया, एटा, फतेहपुर, गाजीपुर, हरदोई, जौनपुर, मिर्जापुर, प्रतापगढ़, सिद्धार्थनगर में 2334 करोड़ की लागत से मेडिकल कॉलेज बनकर तैयार हो गए हैं और अब 30 जुलाई को इनका लोकार्पण होना है। प्रदेश में सिर्फमेडिकल क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप नहीं हो रहा बल्कि नए डॉक्टर भी तैयार हो रहे हैं। पिछले साढ़े चार सालों में आठ सौ सीटें एमबीबीएस की बढ़ी हैं और अक्टूबर से नौ सौ और बढ़ने वाली हैं। इसी तरह पीजी की सीटें 2016 में 741 थीं और अब बढ़कर 1027 हो गई हैं। इनमें भी अगले सत्र से बढ़ोतरी होनी तय है। इसके अलावा नए बने नौ मेडिकल कॉलेजों में करीब तीन हजार बेडों की भी बढ़ोतरी हुई है। नए बने नौ मेडिकल कॉलेजों में 70 प्रतिशत से अधिक फैकल्टी का चयन किया जा चुका है। 459 फैकल्टी के पदों के सापेक्ष 258 और सीनियर रेजिडेंट के 216 पदों के सापेक्ष 164 की भर्ती हो चुकी है। ज्वांइनिंग की प्रक्रिया चल रही है। इसी तरह 402 जूनियर रेजिडेंट रखे जा रहे हैं। हर मेडिकल कॉलेज में 460 पैरा मेडिकल स्टॉफ और 225 नर्सें रखी जा रही हैं। यानि कुल 6165 युवाओं को रोजगार मुहैया कराया जा रहा है। अमेठी, औरैया, बिजनौर, बुलंदशहर, चंदौली, गोंडा, कानपुर देहात, कौशाम्बी, कुशीनगर, लखीमपुर खीरी, ललितपुर, पीलीभीत, सोनभद्र और सुल्तानपुर जिले में 2022 तक मेडिकल कॉलेजों की सौगात मिलेगी। इनका निर्माण कार्य चल रहा है। इसके अलावा 16 शेष जिलों में पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज खोलने की तैयारी कर ली गई है और सीएम योगी ने नीति का प्रजेंटेशन भी देख लिया है। आशा है कि जल्द नीति जारी कर दी जाएगी।

मौजूदा समय में 30 निजी मेडिकल कॉलेज कार्यरत हैं। भविष्य में इनमें और बढ़ोतरी की संभावना है। इसके अलावा रायबरेली और गोरखपुर में एम्स का संचालन हो रहा है। गोरखपुर एम्स में फिलहाल, ओपीडी सेवाएं शुरू हैं। जल्द ही यहां अन्य सेवाओं की भी शुरुआत होने वाली है। गोरखपुर में एम्स का लोकार्पण और आयुष विश्वविद्यालय का शिलान्यास भी जल्द होने वाला है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर लखनऊ में बनने वाले अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए सुल्तानपुर रोड पर स्थित चक गंजरिया सिटी परियोजना में राज्य सरकार द्वारा 50 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। इसका भवन करीब 200 करोड़ रुपए की लागत से तैयार होगा। पहले चरण में प्रशासनिक भवनए ऑडिटोरियम, संग्रहालय, अतिथि गृह, आवास व अन्य निर्माण किए जाएंगे।

पूर्णिमा पर शिष्यों ने की गुरुजनों की पूजा-अर्चना

● सर्वेश्वरी आश्रम, कीनाराम आश्रम, अस्सी नरेन्द्रानंद सरस्वती, श्री विद्या मठ में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के चरणों में शीष झुका लिया आशीर्वाद

● पातालपुरी मठ में मुस्लिम महिलाओं ने अपने गुरू बालकदास का दर्शन कर उनकी आरती उतारी

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

धर्म संस्कृति और आध्यात्म की राजधानी गुरु वचनों और आशीषों से सदा ही समृद्ध रही है। राग विराग और अनुराग की नगरी काशी में गुरु पूर्णिमा का पर्व मठों और आश्रमों पर धूम धाम से मनाया जा रहा है। पड़ाव स्थित सर्वेश्वरी आश्रमए रवींद्र पुरी स्थित कीनाराम आश्रमए गड़वाघाट आश्रम और अघोरपीठ सेनपुरा चेतगंज तक में आयोजनों का सिलसिला सूर्योदय के साथ शुरू हुआ तो गुरु चरणों की रज लेने के लिए श्रद्धालुओं का तांता कोरोना संक्रमण काल के दौर में भी काशी में उमड़ पड़ा।काशी में पड़ाव स्थित अघोरेश्वर आश्रम में अनिल बाबा का गुरु पूर्णिमा पर दर्शन पूजन करने भक्त पहुंचे और गुरु चरणों की वंदना कर प्रसाद ग्रहण किया। वहीं दूसरी ओ कीनाराम आश्रम में भी सुबह से दर्शन पूजन और प्रसाद ग्रहण करने के लिए आस्थावानों की भीड़ लगी रही। वहीं गड़वाघाट आश्रम में भी आस्थावानों ने हाजिरी लगाई और गोशाला में जाकर गायों को गुड़ और चारा खिलाकर पुण्य की कामना की। वहीं अन्य प्रमुख आश्रमों में भी सुबह से पूजन अनुष्ठान और प्रसाद वितरण का क्रम शुरू हुआ तो दोपहर तक दर्शन पूजन का अनवरत क्रम चलता रहा। हालांकिए आश्रमों में सुबह से ही लोग आने लगे मगर कोरोना संक्रमण की वजह से लोगों की भीड़ काफी कम रही।

गुरूपूर्णिमा के अवसर पर गुरूओं के शहर काशी में गुरू वंदना की होड़ लगी है। धर्म जाति विचार के भेद से ऊपर गुरू की पूजा सभी वर्ग और धर्मों के लोग करते आ रहे हैं। अपने हुनर के जानकार उसी हुनर को जब दूसरे को सिखाते हैं तो गुरू कृपा ही होती है। पातालपुरी सनातन धर्म रक्षा परिषद की ओर से पातालपुरी मठए नरहरिपुरा में गुरूपूर्णिमा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पातालपुरी मठ के पीठाधीश्वर महंत बालक दास जी महाराज का दर्शन कर आशीर्वाद लेने के लिये गांवदृगिरांव से लोग पातालपुरी मठ पहुंचे। मुस्लिम महिला फाउण्डेशन की नेशनल सदर नाजनीन अंसारी जिन्हें हनुमान चालीसा फेम नाजनीन अंसारी भी कहा जाता है वह भी मुस्लिम महिलाओं के साथ मठ में पहुंचीं और वहां उन्होंने बालक दास जी की आरती कर श्रीराम नाम दुपट्टा भेंट किया। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के पूर्वांचल सह संयोजक मो0 अजहरूद्दीनए अफसर बाबाए शफीक अहमद आदि मुस्लिम बंधुओं ने भी बालक दास जी का दर्शन किया। इस अवसर पर महंत बालक दास जी महाराज ने कहा कि जिनको भी भगवान श्रीराम में आस्था और भक्ति है चाहे वह किसी भी धर्म और जाति का हो ऐसे सभी लोगों के लिए मठ का द्वार खुला है। गुरू की पूजा करना तो धर्म और जाति के बंधन से मुक्त है।

गुरु पूर्णिमा पर गीता सोसायटी ने सारंगनाथ मंदिर के निकट 1100 लोगों को भोजन पैकेट किया वितरित: श्री श्री गीता सोसाइटी गुरुपूर्णिमा के पावन पर्व के अवसर पर शनिवार को सारनाथ स्थित सारंगनाथ मंदिर के निकट विभिन्न सेवा बस्तियों के करीब 1100 लोगों में भोजन का वितरण किया गयाण! इस महत्वपूर्ण अन्न सेवा में संस्था के सभी सुभचिंतको का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। सेवा कार्य के दौरान संस्था की सचिव वृन्दा अग्रवाल जी ने सभी का स्वागत किया साथ ही संस्था के अध्यक्ष स्वामी त्रिगुणातीतनन्द पूरी जी ने लोंगो को गुरुपूर्णिमा के अवसर पर कहा कि अध्यात्म जगत स्वमं को अध्ययन करने का मार्ग है गुरु हमें उसी प्रकाश की ओर ले जाते है! सेवा कार्य के दौरान आशापुर पुलिस चौकी प्रभारी राजीव सिंह, अभिषेक साहनी, शिवम विन्द, कौशल साहनी, अभय यादव, अतुल साहनी, गुलशन, बाबू, शुभम इत्यादि मौजूद रहे।

बेटियों को दिलायें मुख्यमंत्री सुकन्या सुमंगला योजना का पूरा लाभः डीएम

संवाददाता। सोनभद्र

मुख्यमंत्री सुकन्या सुमंगला योजना के लम्बित मामलों को जल्द से जल्द निस्तारित किया जाय। सभी विभाग मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों में जन्म लेने वाली बेटियों को मुख्यमंत्री सुकन्या सुमंगला योजना के तहत लाभान्वित कराकर पुनीत कार्य के पात्र बनें। महिला कल्याण विभाग सम्बन्धितों के लम्बित प्रकरणों के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी के स्तर से दायित्वबोध पत्र भेजवाने के साथ ही कार्यों में तेजी लाने वालों को प्रोत्साहित करायें और कार्यों में रूचि न लेने वालों के खिलाफ भी पत्राचार करायें। उक्त निर्देश जिलाधिकारी अभिषेक सिंह ने शनिवार को कलेक्ट्रेट मीटिंग हाल में मुख्यमंत्री सुकन्या सुमंगला योजना की समीक्षा करते हुए दियें। जिलाधिकारी अभिषेक सिंह ने कहा कि गरीब परिवार में जन्म लेने वाली बच्चियों का पूरा देख भाल सरकार ने अपने जिम्मे लिया है। पैदा होने से लेकर जूनियर व हाई स्कूल के पढ़ाई का जिम्मा सरकार 6 चरणों में ले रही है। प्रथम श्रेणी में बालिका के पैदा होने पर 2 हजार की मदद सरकार दे रही है। जब बेटी एक वर्ष की हो जायेगी तो एक हजार, जब बेटी कक्षा 01 में जायेगी तो 2 हजार, जब कक्षा-6 में प्रवेश करेगी तो 2 हजार, कक्षा-9 में प्रवेश करेगी तो 3 हजार और कक्षा-12 में प्रवेश करेगी तो 5 हजार रूपये एक मुश्त यानी कुल 6 चरणों में 15 हजार की मदद कर रही है। ऑनलाईन होने वाले आवेदन के सम्बन्ध में गांव स्तर तक प्रचार-प्रसार किया जाय और आनलाईन आवेदन होने पर उसका निस्तारण चरणबद्ध तरीके से करते हुए सुविधाएं मुहैया करायी जाय। सभी सम्बन्धित अधिकारी मुख्यमंत्री सुकन्या सुमंगला योजना के प्रचार प्रसार हेतु अपने अपने विभाग से एक एक नोडल अधिकारी नामित करें। मुख्य चिकित्साधिकारी आयुष्मान भारत के तहत गोल्डेन कार्डों को बनवाने में रूचि लें सभी की जिम्मेदारी तय करते हुए एक दिन में तीन हजार के औसत शत से आयुष्मान भारत गोल्डेन कार्ड बनवाया जाय। उन्होंने कहा कि गोल्डेन कार्ड बनवाने में भारत सरकार की बीएलई क्षेत्रों में जाकर पात्रों से सम्पर्क करके लैपटाप के माध्यम से आयुष्मान भारत के कार्ड को बनाये।

भारतीय संस्कृति में गुरु की बड़ी महिमा

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

गुरु-शिष्य परम्परा आध्यात्मिक प्रज्ञा का नई पीढ़ियों तक पहुंचाने का सोपान। भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य परम्परा के अन्तर्गत गुरु शिक्षक अपने शिष्य को शिक्षा देता है या कोई विद्या सिखाता है। बाद में वही शिष्य गुरु के रूप में दूसरों को शिक्षा देता है। यही क्रम चलता जाता है। यह परम्परा सनातन धर्म की सभी धाराओं में मिलती है। गुरु-शिष्य की यह परम्परा ज्ञान के किसी भी क्षेत्र में हो सकती है, जैसे. अध्यात्म, संगीत, कला, वेदाध्ययन, वास्तु आदि। भारतीय संस्कृति में गुरु का बहुत महत्व है। कहीं गुरु को ब्रह्मा-विष्णु-महेश कहा गया है तो कहीं गोविन्द। सिख शब्द संस्कृत के शिष्य से व्युत्पन्न है। गु शब्द का अर्थ है अंधकार अज्ञान और रु शब्द का अर्थ है प्रकाश ज्ञान। अज्ञान को नष्ट करने वाला जो ब्रह्म रूप प्रकाश हैए वह गुरु है।

उक्त विचार सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के कुलपति प्रो हरेराम त्रिपाठी ने इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली में भारत सरकार के द्वारा चलाये जा रहे अमृत महोत्सव के अन्तर्गत गुरु पूर्णिमा उत्सव एवं स्थापना दिवस के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि कहा। कुलपति प्रो त्रिपाठी ने कहा कि हमारे समाज में माता, पिता, जेष्ठ भ्राता, राजा और उपाध्याय प्रारम्भिक गुरु होते हैं जिसमें सर्वोत्तम गुरु माँ हैं जो लोग मन, वाणी और क्रिया द्वारा गुरुए पिता व माता से द्रोह करते हैं, उन्हें गर्भहत्या का पाप लगता है, जगत में उनसे बढ़कर और कोई पापी नहीं है। गुरु सदाचारी, कुशल, बुद्धिमान, नित्यकर्म वादी तथा ब्रह्मज्ञानी हो।शिष्य विनम्र, मान और समर्पण, धैर्य और निर्भयता, कृतज्ञता, विवेक और निर्णय क्षमता और तालमेल की क्षमता वाला हो। अध्यक्षता केन्द्रीय भारी उद्योग राज्य मंत्री एवं संसदीय कार्य मंत्री;भारत सरकार अर्जुन राम मेघवाल ने करते हुये कहा कि भारतीय सभ्यता और संस्कृति में गुरु की बड़ी महिमा रही है।यहां के जीवन मूल्यों में गुरु परम्परा और भी आत्यंतिक संदर्भो को आत्मसात करती है। काशी की संस्कृति एवं वहां पर स्थापित प्राचीन संस्कृत विश्वविद्यालय इस परम्परा का एक उदाहरण है। वहाँ शीघ्र आने का प्रयास करूंगा। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के निदेशक ने मंचस्थ अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन करते हुये कहा कि गुरु, शिष्य परम्परा हमारे देश की पवित्र और प्राचीन ऋषि परम्परा से युक्त है।जीवन विकास यात्रा में गुरु महत्व है। मंचस्थ अतिथियों के द्वारा डॉ सत्यव्रत त्रिपाठी के पुस्तक ष्आजाद की शौर्य गाथा का लोकार्पण भी किया गया।

क्विक न्यूज

संभावनाओं के प्रति होंगे अधिक सजग

प्रयागराज। गतिविधियों के अवलोकन और तुलनात्मक रूप से आकर्षण के आधार पर लार्ज मिड और स्मॉल कैप में निवेश करके पोर्टफोलियो को विविधतापूर्ण बनाते हुए लंबे समय में पूंजी को बढ़ाना चाहता है। इस न्यू फंड ऑफर का शुभारंभ 26 जुलाई 2021 को होगा। यह 9 अगस्त 2021 को बंद हो जाएगा। इस फंड को नि टी पांच सौ टी आर आई के साथ बेंचमार्क किया जाएगा। इसमें निवेश के लिए न्यूनतम राशि पांच सौ रुपये निर्धारित की गई है। इसके बाद एक रुपये के गुणकों में बोली लगाई जा सकती है। निप्पॉन इंडिया यूचुअल फंड के एसेट मैनेजर निप्पॉन लाइफ़इंडिया एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड ने आज निप्पॉन इंडिया लेक्सी कैप फंड के लॉन्च की घोषणा की है। यह एक ओपन एंडेड डायनेमिक इक्विटी स्कीम है। जो सभी मार्केट कैप में निवेश की संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए निवेशकों को वन स्टॉप सॉल्यूशन प्रदान करती है। सौगत चटर्जी को चीफ बिजनेस ऑफिसर निप्पॉन इंडिया यूचुअल फ़ंड ने कहा निवेशक केंद्रित उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला में इज़ाफ़ा हुआ है।

वैवाहिक सूत्र में बंधे दस जोड़े

धानापुर/चन्दौली। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शनिवार को विकास खंड परिसर में सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें कुल 10 जोड़े वर वधु शादी के बंधन में बंधे। कोरोना महामारी के चलते शारीरिक दूरी व कोरोना गाइडलाइन का पालन किया गया। वर वधू को सभागार में आचार्य द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ और एक मुस्लिम जोड़े को मौलवी साहब स्वर निकाह कराकर 10 जोड़ों की शादी संपन्न कराई गई। सभी जोड़ों को डिनर सेटए बैगए साड़ीए चुनरीए आभूषण व वर पक्ष के लिए वस्त्रए मौरए गमछा आदि सामान उपहार स्वरूप दिया गया। समारोह के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक सुशील सिंह ने वर वधू को आशीर्वाद देते हुए कहा कि जीवन में तमाम उतार.चढ़ाव आते रहते हैं, लेकिन वैवाहिक जीवन के हर परिस्थिति में पति.पत्नी को साथ रहना चाहिए।

विधायक ने पीड़ित के परिजनों को सौंपा राहत चेक

मऊ। कोपागंज ब्लाक क्षेत्र के ढाढाचवर में जिलाधिकारी अमित सिंह बसंलए आदेश उपजिलाधिकारी सदर और घोसी विधान सभा के विधायक विजय राजभर मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को 97 हजार रुपये नकदए 9 लाख रुपये का चेक के साथ खाद्य सामग्री प्रदान किया। उपजिलाधिकारी जयप्रकाश यादव और क्षेत्रीय विधायक विजय राजभर ने पीड़ित परिवार का हाल जाना। घोसी विधायक ने कहा कि आगे जो भी संभव होगा मदद दी जाएगी। जिला मंत्री भारत भीम जनार्दन चौहान ने अपनी तरफसे दो ट्राली ईंट परिवार को दिया। बता दें कि विगत मंगलवार की देर रात बारिश के कारण पीड़ित परिवार का कच्चा मकान ढह जाने से उसमें सो रहे एक वृद्ध और एक बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए थे।

अब घर बैठे करिए बिग पिक्चर का रजिस्ट्रेशन

वाराणसी। वैश्विक महामारी में अब घर बैठे लीजिए मनोरंजन का बेजोड़ अनुभव नया जोश और उत्साह के साथ लेकर आया है और मनोरंजन के अथाह सागर में नए सिरे से पिरोने का प्रयास किया है सत्रह जुलाई से शुरू हो रहा हैए दस दिनों तक हर रोज रात नव बज के तीस मिनट बजे कलर्स पर एक नया सवाल लाइव होगा यूजर्स वूट एप्पएया माय जियो एप्प पर लॉग ऑन कर रजिस्टर कर सकते हैं बॉलीवुड के सुपरस्टार रणवीर सिंह के साथ ष्तस्वीर से तकदीर तक का खेलष् में शामिल होइये!

समाधान दिवस में छाया रहा जमीनी विवाद का मुद्दा

बीजपुर/सोनभद्र। स्थानीय थाना परिसर में शनिवार को प्रभारी निरीक्षक बीजपुर देवतानन्द सिंह के नेतृत्व में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सुबह 10 बजे से शुरू होकर अपराह्न 2 बजे तक चले समाधान दिवस के दौरान अधिकांश मामले जमीनी विवाद से सम्बंधित थे। थानाक्षेत्रान्तर्गत स्थित ग्राम सभा सिरसोती बीजपुर डोडहर जरहां महुली पिण्डारी महरिकला आदि ग्राम सभाओं से आए हुए मामलों में जमीनी विवाद का मुद्दा छाया रहा। जिसमें से कुछ मामलों को तो प्रभारी निरीक्षक श्री सिंह ने सम्बंधित ग्राम के लेखपालों के समक्ष उभयपक्ष की मौजूदगी में सुलह समझौता करवा दिया जबकि अन्य मामलों के निपटारे हेतु लेखपालों को पुलिस की मौजूदगी में मौका मुवायना करने के पश्चात निपटारे के लिए निर्देशित किया। समाधान दिवस के दौरान फरियादियों के अलावा मुख्यरूप से थाना के उपस्थित उप निरीक्षकगण दिवान मुंसी व क्षेत्र के ग्राम प्रधान व प्रधान प्रतिनिधिगण अवस्थित थे।

किन्नर समाज को लेकर आमजनमानस में हैं भ्रांतियां: कल्याणी

● बंधन फाउंडेशन की ओर से किन्नर समाज के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

बंधन फाउंडेशन के तत्वावधान में किन्नर समाज के प्रति जागरूकता बढ़ाये जाने के लिए वेबिनार का आयोजन शनिवार को किया गया। मु य अतिथि महामंडलेश्वर किन्नर अखाड़ा प्रयागराज स्वामी कल्याणी नंद गिरी ने कहा कि किन्नर समाज को लेकर आज आमजनमानस में बहुत भ्रांतियां हैं। जबकि हमें इन्हें बराबरी का दर्जा देना चाहिए। इसी उद्देश्य से युवाओं में किन्नर समाज को लेकर उनके अधिकारों उनकी कठिनाइयों को लेकर संवाद का कार्यक्रम रखा गया। संवाद कार्यक्रम के आयोजक बंधन फाउंडेशन के अध्यक्ष उत्कर्ष तिवारी ने कहा कि हम समाज के ऐसे वर्ग से हैं जहां हमें किसी प्रकार की कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ता। किंतु आज हमारे सामने समाज का एक ऐसा हिस्सा समाज के एक ऐसे लोग जिन्हें हम सिर्फ खुशियों में याद करते हैं और बाकी दिनों हम उनका तिरस्कार करते हैं। किन्नर समाज वैसे तो किन्नर समाज किसी पहचान का मोहताज नहीं इन्हें उप देवता का दर्जा दिया गया है। जो वेदों पुराणों में भी है। रामायण महाभारत तमाम ऐसे युग में किन्नरों का एक महत्वपूर्ण दर्जा रहा है। भगवान भोले शंकर स्वयं एक बार अर्धनारेश्वर का रूप रखा तो हम कौन होते हैं। कार्यक्रम में किन्नर समाज को लेकर तमाम अधिकारों समस्याओं पर चर्चा की गई। महामंडलेश्वर ने तमाम युवाओं के द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी दिए। कार्यक्रम के अंत में संस्था की सदस्य वान्या ने धन्यवाद ज्ञापित दिया। कार्यक्रम में संस्था की प्रदेश उपाध्यक्ष डा स्वाति चौधरी प्रयागराज महामंडलेश्वर स्वामी कल्याणी नन्द गिरी महंत वैष्णवी नन्द गिरी राधिका नन्द गिरी महक नन्द गिरी गंगा नन्द गिरी रितिका नन्द गिरी निष्ठा नन्द गिरी श्रुति श्रीवास्तव अंजलि प्रभान्स इशिता आदि शामिल रहे।

पीरियड लीव की मांग महिला शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन

सोनभद्र। बेसिक शिक्षा में सेवारत समस्त महिला शिक्षक व कर्मचारियों को माह में तीन दिन का पीरियड लीव मासिक धर्म देने हेतु शासनादेश जारी करने की मांग को लेकर उत्तर महिला शिक्षक संघ की जिलाध्यक्ष शीतल दहलान की अगुवाई में महिला शिक्षिकाओं ने शनिवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हरिवंश कुमार से मिलकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान संघ ने नवागत बीएसए को बुके व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। बीएसए ने उनकी मांग को सुनने के पश्चात शासन में पत्राचार करने की बात कही। बेसिक शिक्षा विभाग में समस्त सेवारत महिला शिक्षक कर्मियों को माह में तीन दिन का पीरियड लीव विशेष अवकाश के रूप में देना इसलिए आवश्यक है क्योंकि इस कठिन समय में महिलाओं की शारीरिक व मानसिक स्थिति अन्य सामान्य दिनों की तुलना में अलग और तकलीफदेय होती है, इस समय कमजोरी व पेट में दर्द बनी रहती है। डॉक्टर का परामर्श भी है महिलाओं को इन दिनों भाग दौड़ से बचना चाहिए अन्यथा यूट्रस से होने वाली गंभीर समस्या के कारण उनका स्वास्थ्य प्रभावित होगा, जिस का असर उनके गर्भ पर भी पड़ सकता है। संविधान के अनुच्छेद 15 व 42 के अन्तर्गत राज्य महिलाओं व लड़कियों के कल्याण हेतु विशेष उपबन्ध कर सकती है महिलाओं की इस अनिवार्य व प्राकृतिक समस्या पर मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए समस्त महिला शिक्षक व कर्मचारियां को विशेष अवकाश के रूप में पीरियड लीव मासिक धर्म अवकाश के रूप में प्रदान करने हेतु शासनादेश जारी करने की मांग किया। इसके पश्चात जिलाधिकारी कार्यालय में भी ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर मीडिया प्रभारी कोमल शाहू अंजू जायसवाल वर्षा वर्मा साधना सारंग सोनाली मजूमदार गायत्री त्रिपाठी कुंजलता त्रिपाठी प्रीति यादव प्रज्ञा तिवारी परवीन बेगम नीति शुक्ला, ज्योत्स्ना तिवारी संवेदिता मिश्रा आदि मौजूद रहे।

आज से शुरू होगा सावन माह

मऊ। आषाढ़ मास में सावन आता है। सावन का महीना इस साल 25 जुलाई दिन रविवार से शुरू हो रहा है, सावन महीने को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। पावन सावन मास के स्वागत को लेकर शनिवार को पूरे दिन श्रद्धालुओं द्वारा शिवालयों व शिव मंदिरों की साफसफाई किया गया। उधर रविवार से शुरु हो रहे सावन माह को लेकर जिला प्रशासन द्वारा भी सुरक्षा.व्यवस्था को लेकर काफी पुख्ता इंतजाम किया गया है। साथ ही साथ पूजन.अर्चन के दौरान कोविड नियमों के पालन पर भी सख्त नजर रखा जाएगा।ताने.बाने के मऊ नगर क्षेत्र में रविवार को शुरु हो रहे सावन माह को लेकर श्रद्धालु काफी उत्साहित दिखाई दे रहे हैं। हालांकि इस बार कोरोना काल को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा सख्त हिदायत दिया गया है कि जलाभिषेक समेत पूजन.अर्चन पूरी तरह से कोविड.19 के नियमों का पालन करते हुए किया जाएगा। कोविड नियमों का उल्लंघन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सावन माह को देखते हुए शनिवार को पूरे दिन श्रद्धालुओं द्वारा शिव मंदिरों एवं शिवालयों की साफसफाई किया जा रहा था। श्रावण मास पूरी तरह से देवी.देवताओं के लिए समर्पित माह होता है। इस माह सभी देवी देवी.देवताओं का विशेष पूजन.अर्चन होता है। इस दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय होता है। देवी.देवताओं के जयघोष से वातावरण गुंजायमान होता है। उधर घोसी क्षेत्र अंतर्गत मादी.सिपाह स्थित प्राचीन मां कोयल मर्याद भवानी मंदिर परिसर स्थित शिवमंदिर, रामपुर खजुरही स्थित शिवमंदिर के साथ ही अमिला, चिरैयाडांड़, सोनाडीह, सबरहद विरैचा, कटिहारी, टकटेऊवा रामपुर, पीवाताल, टेघना आदि शिवालयों पर पूरे दिन साफसफाई का दौर चलता रहा। उधर कोपागंज में भी सावन माह को लेकर श्रद्धालु काफी उत्साहित नजर आए। स्थानीय गौरीशंकर मंदिर में पूजन.अर्चन करने वाले श्रद्धालुओं को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा को लेकर काफी मुकम्मल इंतजाम किया गया है। वहीं मंदिर और गर्भगृह की साफसफाई युद्ध स्तर पर चल रही है। चारों तरफमंदिर प्रांगण के साथ.साथ हनुमान मंदिर और गणेश मंदिर की साफसफाई का कार्य भी जोरों पर चल रहा है।

गुरु पूर्णिमा पर मंत्री सहित भक्तों ने मंदिरों में टेका मत्था

सकलडीहा/चन्दौली। गुरूपूर्णिमा पर भक्तों ने शनिवार को क्षेत्र के विभिन्न मंदिर और आश्रम पर पहुंचकर दर्शन पूजन और आर्शिवाद ग्रहण किया। इस दौरान कस्बा के दुर्गा मंदिर पर भंडारा भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। इस मौके पर आश्रम और मंदिरों पर कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से लोगों ने पालन करते हुए अर्चना किया। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस फोर्स तैनात रहा।

गुरूपूर्णिमा पर कस्बा स्थित अभेद आश्रम पर चन्द्रशेखर साधू और आदि आश्रम हरिहरपुर में अघोरेश्वर महाप्रभु अवधूत राम का भक्तों ने दर्शन पूजन किया। इसके बाद दुर्गा मंदिर पर भंडारा का आयोजन किया गया। वही कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर गुरू दरवार गुरू भाईयों के साथ पहुंचकर डाण् संत त्रिपाठी का आर्शिवाद लिया। इसके अलावा संत डगरिया सरकार आश्रमए स्वंय भू कॉलेश्वर महादेव मंदिर और बहरवानी कल्याणपुर आश्रम में श्री श्री 1008 धर्मात्मानंद जी महाराज का दर्शन पूजन और भक्तों ने आर्शिवाद ग्रहण किया। इस दौरान मंदिर और आश्रम अनुवाईयों द्वारा कोविड प्रोटोकॉल का पालन कराया गया। इस मौके पर भाजपा नेता सूर्यमुनी तिवारी, शिवाजी सिंह, पोप सिंह, अमित सिंह, विरेन्द्र सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

डॉ. सोनेलाल पटेल के नाम पर होगा प्रतापगढ़ मेडिकल कॉलेज का नाम

● सीएम योगी आदित्यनाथ ने दी मंजूरी, अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने प्रधानमंत्री गृहमंत्री व मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

संवाददाता। मिर्ज़ापुर

अपना दल के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल के नाम पर प्रतापगढ़ स्थित स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय का नाम डॉ. सोनेलाल पटेल राज्य चिकित्सा महाविद्यालय कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने इसकी मंजूरी दे दी है। अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस फैसले पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को घोषणा की है कि प्रतापगढ़ स्थित स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय का नाम डॉण्सोनेलाल पटेल राज्य महाविद्यालय करने का निर्णय लिया है। बता दें कि श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने पिछले महीने 16 जून को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से व्यक्तिगत मुलाक़ात कर इस बाबत निवेदन करते हुए लिखा थाए श्पार्टी के समस्त कार्यकर्ताओं की भावनाओं से आपको अवगत कराते हुए प्रतापगढ़ में स्थापित मेडिकल कॉलेज का नाम अपना दल के संस्थापक यशरूकायी डॉ सोनेलाल पटेल के नाम पर करने की आग्रह करती हूं। श्रीमती पटेल ने पत्र में यह भी कहा था कि प्रतापगढ़ वह जनपद हैए जहां अपना दल का सबसे पहला विधानसभा सदस्य चुना गया था। पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य श्री आशीष पटेल और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉण्जमुना प्रसाद सरोज ने माननीय मुख्यमंत्री के इस फैसला पर प्रसन्नता व्यक्त की है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेश पटेल का कहना है कि उत्तर प्रदेश सरकार के इस निर्णय से पार्टी के हर कार्यकर्ता में खुशी का माहौल है। प्रतापगढ़ हमारे मार्गदर्शक एवं पार्टी के संस्थापक डॉण्सोनेलाल पटेल जी की कर्मस्थली रही है। उन्होंने प्रतापगढ़ में गरीबों एवं वंचित वर्ग के उत्थान के लिए लंबे समय तक संघर्ष किया।

जिले में नहीं मिला कोई नया कोरोना संक्रमित

मऊ। जिले में कोरोना संक्रमण की रफ्तार में कमी एवं बढ़ोत्तरी का सिलसिला लगातार चल रहा है। शनिवार को आई जांच रिपोर्ट के अनुसार जिले में कोई भी नया कोरोना संक्रमित मरीज नहीं पाया गया है। जबकि एक्टिव कोरोना पाजिटिव केस 2 तथा एक्टिव होम आईसोलेशन मरीजों की संख्या 2 रहा। प्रभारी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉण् एसपी अग्रवाल ने बताया कि अब तक 246768 लोगों का नमूना लैब भेजा गया हैए इसमें 242269 लोगों की रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है। साथ ही साथ 238546 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव है और 4499 की रिपोर्ट प्रतीक्षारत है। जांच में अब तक 8320 संक्रमित मिले हैंऔर 8238 रिकवर हो चुके हैं। जबकि कुल एक्टिव कोरोना पाजिटिव केस 2 है। वहीं कुल एक्टिव होम आईसोलेशन मरीजों की संख्या 2 है।

मोहिनी बी. मनवाणी गर्ल्स डिग्री कालेज
(अल्पसंख्यक संस्थान)
आवास विकास नं.-3, पनकी कल्यानपुर रोड, कल्यानपुर, कानपुर - 208017

डी.एल.एड. (बी.टी.सी.) सत्र 2021-23 हेतु ऑन-लाइन आवेदन

अल्पसंख्यक संस्थान में प्रबन्धकीय कोटे के अन्तर्गत डी.एल.एड. (बी.टी.सी.) 2021 में प्रवेश हेतु ऑन-लाइन आवेदन आमंत्रित है, ऑन-लाइन आवेदन हेतु शैक्षिक अर्हता, आयु एवं अन्य मानक व शर्तें उत्तर प्रदेश शासन के नियमानुसार होगी। प्रवेश मेरिट के आधार पर किये जायेंगे तथा प्रवेश प्रक्रिया व चयन उ.प्र. शासन के मानकानुसार किये जायेंगे। ऑन-लाइन आवेदन महाविद्यालय की वेबसाइट **www.mbmgdc.in** पर दिनांक **25.07.2021** से **12.08.2021** तक कर सकते हैं। अल्पसंख्यक समुदाय के अभ्यर्थियों को वरीयता दी जायेगी।

प्रबंधक

प्रभारी मंत्री ने दो ऑक्सीजन प्लांटों का किया शुभारंभ

संवाददाता। टाण्डा, अम्बेडकरनगर

कोविड की तीसरी लहर से बचाव के लिए तैयारी पूरी जोर से चल रही है। इस महामारी में आक्सीजन की कमी को दूर करने के लिए मेडिकल कॉलेज व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टाण्डा में नवनिर्मित आक्सीजन प्लांट का शुभारम्भ प्रभारी मंत्री बृजेश पाठक ने समारोह पूर्वक करते हुए लोगों को समर्पित किया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टाण्डा में 200 बेड के मातृ एवं शिशु अस्पताल को कोविड अस्पताल के रूप में परिवर्तित कर दिया गया था। कोविड के दूसरे लहर में आक्सीजन की कमी के चलते बढीं मुश्किलों को देख विधायक संजू देवी ने अपनी निधि से आक्सीजन प्लांट की संस्तुति किया था। शनिवार को प्रभारी मंत्री बृजेश पाठक का काफिला एनटीपीसी से चलकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टाण्डा पंहुचा। जहां अगुवानी के बाद फीता काटकर प्लांट का शुभारम्भ किया। इसके उपरांत मंत्री का काफिला मेडिकल कॉलेज पंहुचा। जहां भी भव्य समारोह में फीता काट कर शुभारम्भ किया। मेडिकल कालेज के आडोटोरियम में कालेज के छात्रों को भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर उनके साथ जिला पंचायत अध्यक्ष साधू वर्मा, विधायक संजू देवी, आलापुर विधायक अनीता कमल, जिलाध्यक्ष मिथिलेश त्रिपाठी, सभासद मनोज साहू सहित अन्य कार्यकर्ता भारी संख्या में मौजूद रहे।

जनता के लिए वरदान साबित होंगे नए दोनों प्लांटः बृजेश पाठक

अम्बेडकरनगर। जनपद में दो नव स्थापित राजकीय आक्सीजन प्लांट अम्बेडकर नगर जनपद की जनता के लिए वरदान है। कोरोना महामारी में जिस प्रकार आक्सीजन की महत्ता जानता के स्वास्थ्य के लिए साबित हुआ है उसकी उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार के मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ जी के नेतृत्व में जनता की स्वास्थ्य के लिए सरकार द्वारा किए गए सराहनीय प्रयास से राजकीय मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर और एम सी एच विंग टांडा में नव स्थापित आक्सीजन प्लांट स्थापित हो सका है। उक्त विचार भारतीय जनता पार्टी नीत प्रदेश सरकार के विधि एवम न्याय/जनपद के प्रभारी मंत्री बृजेश पाठक ने आक्सीजन प्लांट के उद्घाटन समारोह में शामिल लोगों को संबोधित करते हुए व्यक्त किया।

उन्होने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में जिस प्रकार से कोरोना महामारी की विभीषिका से जनता को सुरक्षित रखते हुए निपटा

गया वह अपने आप में एक मिशाल है।बृजेश पाठक ने कहा कि विशाल जनसंख्या वाले प्रदेश में कोरोना महामारी से मामूली जनहानि हुई है।जिसका पूरा श्रेय भाजपा सरकार के कुशल प्रबंधन को जाता है। उक्त अवसर पर उपस्थित भाजपा जिलाध्यक्ष डाक्टर मिथिलेश त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा सरकार की जनता के स्वाथ्य और सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के कारण ही वैश्विक स्तर पर जन हानि का केंद्र बिंदु बन चुके कोरोना महामारी से जितना काम जनहानि उत्तर प्रदेश में हुआ वह और प्रांतों के प्रबंधन के लिए एक सबक है। ऐसे कुशल प्रबंधन की कल्पना भी नहीं किया जा सकता है। महामाया राजकीय मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर और सी एच सी टांडा की एम सी एच विंग के आक्सीजन प्लांट की उद्घाटन समारोह के अवसर पर प्रमुख रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुन्दर वर्मा,विधायक संजू देवी,अनीता कमल जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन,भूमि विकास बैंक डायरेक्टर यमुना प्रसाद चतुर्वेदी,भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश चंद्र गुप्त,व्यापार प्रकोष्ठ जिला संयोजक प्रदीप कुमार गुप्ता,आर्दश चौधरी,अनुराग जायसवाल,अजय श्रीवास्तव,राजेश सिंह, सतीशदुबे आदि उपस्थित रहे। उपरोक्त जानकारी देते हुए भाजपा जिला मीडिया प्रभारी बाल्मीकि उपाध्याय ने बताया कि विधि न्याय एवम कानून मंत्री बृजेश पाठक ने संगठन द्वारा संचालित गुरु और संत सम्मान कार्यक्रम के अन्तर्गत बसखारी के डिवहारे बाबा मन्दिर के महन्त श्री श्री 108 गोविंद पूरी दास जी महाराज का अंग वस्त्र भेंट करते हुए माला पहनाकर सम्मानित किया।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

टाण्डा, अम्बेडकरनगर। मोटरसाइकिल से सड़क पार कर रहे युवक की कार की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। कोतवाली टाण्डा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेते हुए पंचायत नामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना टाण्डा धौरहरा एनएच 233 की हैं। जहाँ पर धौरहरा निवासी विनोद मौर्या अपनी सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल लेकर सड़क पार कर रहा था कि कभी तेज रफ्तार में आ रही स्विफ्ट डिजायर कार ने उसे टक्कर मार दिया जिससे विनोद मौर्या की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। घटना की जानकारी होते ही टाण्डा कोतवाली में तैनात वरिष्ठ उपनिरीक्षक सर्वेंद्र अस्थाना अपने हमराही सिपाही राम आशीष चौरसिया, कुशल पाल सिंह के साथ मौके पर पहुँच गए और शव को अपने कब्जे में लेकर पंचायतनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

84 कोसी परिक्रमा पथ के राष्ट्रीय राजमार्ग के रुप में विकसित होने के बाद मिलेगा दोहरा लाभः लल्लू सिंह

संवाददाता। अयोध्या

सांसद लल्लू सिंह ने सिविल लाईन स्थित एक होटल में प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि 84 कोसी परिक्रमा पथ के राष्ट्रीय राजमार्ग के रुप से विकसित होने के बाद हमें इसका दोहरा लाभ मिलेगा। हमारी सांस्कृतिक पहचान चौरासी कोसी परिक्रमा पथ पर मौजूद ऋषि मुनियों की तपोस्थली व रामायण कालीन धार्मिकए पौराणिक स्थल पूरे विश्व के लिए आकर्षण का केन्द्र बन जायेंगे। अयोध्या दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं यहां दर्शन पूजन करने के लिए अयोध्या में विश्राम करेंगे। जिससे रोजगार की सम्भावनाएं बढ़ेगी। इससे जुड़े ग्रामीण परिवेश में भी लोगों को स्वरोजगार मिलेगा।

उन्होने बताया कि परिक्रमा पथ करीब 275 किलोमीटर लम्बा होगा। यह 10 मीटर चौड़ा तथा इसके दोनो तरफ एक से डेढ़ मीटर इण्टरलाकिंग होगी। परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं मिट्टी की सड़क भी बनायी जायेगी। इस मार्ग पर दो सरयू पुल पड़ेगे। जिसमें एक शेरवाघाट तथा दूसरा मूर्तियन घाट पर बनाया जायेगा। पांच रेलवे ओवर ब्रिज का भी निर्माण परिक्रम पथ में किया जायेगा। अयोध्या आने वाले समय में विश्व की सर्वोत्तम नगरी में एक होगा। उन्होने कहा कि हमारा देश हजारों वर्षो तक गुलाम रहा। इसके बाद जो सरकारें आयी उन्होने हमारी सांस्कृतिक विरासत को विकसित करने की ओर जोर नहीं दिया। इसलिए आज का व्यक्ति हमारी सनातन परम्पराए पौराणिक स्थलों व ऋषि मुनियों के विषय में विस्तार से नहीं जानता है। इस मार्ग में मखौड़ा धाम के साथ श्रृंगी, आस्तीक, गौतम, सुमेधा, यमदग्नि, च्यवन, रमणक, वामदेव, अष्टावक्र तथा पाराशर, संत तुलसीदास जैसे ऋषियों की तपस्थलियों के साथ.साथ इस परिधि में भगवान वराह का स्थान मौजूद है।

उन्होने बताया कि फैजाबाद बसखारी फोरलेन की स्वीकृति 2016 में हो गयी थी। जिसमें इस मार्ग में स्थित बाजार उजड़ जा रही थी। 2017 में इस काम को रोक दिया गया। इसके लिए बाईपास होना चाहिए था। जिसके लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा गया। मुख्यमंत्री ने इसको लेकर आख्या मांगी और अब इसकी घोषणा हो गयी है। अयोध्या का बाईपास अपने सुन्दर स्वरुप में होगा। जगदीशपुर फोरलेन पर काम हो रहा है। लखनऊ 6 लेन का निर्माण लखनऊ से रिंग रोड तक होगा। जनपद में 6 रेलवे ओवरब्रिज का सेंशन रेलवे ने दे दिया है। सातवां ओवरब्रिज फतेहगंज का भी निर्माण होना है। मोदहा का फोरलेन ओवरब्रिज का निर्माण तुरंत शुरु हो जायेगा। इसके साथ में टेढ़ी बाजारए दर्शननगरए बड़ी बुआ, परिक्रमा मार्ग, सूर्यकुंण्ड पर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण होगा।

अयोध्या आगमन पर सांसद का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

अयोध्या। 84 कोसी परिक्रमा मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की अधिसूचना जारी होने के बाद दिल्ली से सड़क मार्ग से अयोध्या आगमन पर सांसद लल्लू सिंह का भाजपा के कार्यकर्ताओं ने रात्रि दस बजे पार्टी के नेता नीरज कन्नौजियाए बब्लू पासीए शैलेन्द्र कोरीए रवि सोनकरए शत्रुहन जायसवाल की अगुवाई में रौनाही टोल प्लाजा पर 51 किलो की माला पहनाकर स्वागत किया। सांसद लल्लू सिंह ने कहा यह परिक्रमापथ पांच जनपदों से होकर गुजरता है।

सरयू नदी का जलस्तर लाल निशान के पार

टाण्डा, अम्बेडकरनगर। सरयू नदी के जलधारा में एक बार फिर अचानक वृद्धि होने से तटीय क्षेत्रों के लोगों की दुश्वारियां बढने लगी है। सरयू नदी का जलस्तर खतरे के लाल निशान से 13 सेमी ऊपर बह रही है और आधा सेमी प्रति घंटे की वृद्धि बनी हुई है। वहीं स्थानीय प्रशासन ने बाढ़ राहत चौकियों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया है। सरयू नदी के बाढ़ से सरयू के दो धाराओं के बीच में बसे मांझा उल्टहवा गांव के अलावा मांझा कला, मांझा चिन्तौरा, नैपुरा, नसरूल्लाहपुर, इस्माइल पुर बेल्दहा सहित नगर के मोहल्ला नेहरूनगर, मेहनिया, छ्ज्जापुर, अलीगंज आदि भी प्रभावित होते हैं। मांझा उल्टहवा गांव के सातों पुरवे सहित कई गांवों की स्थिति काफी भयावह हो जाती है।मांझा उलटहवा के कई पूर्वे पानी से घिरना शुरू हो गए हैं। दूसरी ओर मवेशियों को भी परेशानी उठानी पड़ती है। लोगों को बाढ़ राहत चौकियों पर शरण लेने के लिये विवश होना पड़ता है। नगर का थिरूवा नाला भी पूरे उफान पर है। सरयू नदी में नावों का संचालन बन्द हो गया है।

डीएम ने सुनीं जनसमस्याएं

संवाददाता। गौरीगंज, अमेठी

शासन के निर्देश पर जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से आज माह के तृतीय शनिवार को जनपद के सभी थानों में थाना दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें जिलाधिकारी श्री अरुण कुमार गौरीगंज थाने में आयोजित थाना दिवस में पहुंचकर जन समस्याओं को सुना एवं उनके गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद सभी लेखपालों से उनके क्षेत्रों की समस्याओं के बारे में जानकारी ली तथा कहा कि जो भी शिकायतें हैं उनका जल्द से जल्द निस्तारण सुनिश्चित कराया जाए।

उन्होंने सभी लेखपालों तथा कानूनगो को निर्देशित किया कि उनके क्षेत्रों में जो भी समस्याएं हैं चाहे भूमि विवाद से संबंधित हो तथा नालीए चकमार्ग पर कब्जेए सरकारी भूमि पर कब्जेए तालाबों पर कब्जेए अवैध अतिक्रमण इत्यादि से संबंधित शिकायतें हो उनको तत्काल संज्ञान में लेकर निस्तारण कराया जाए तथा जहां पर पुलिस बल की आवश्यकता हो वहां पर संबंधित थाने से संपर्क कर पुलिस टीम के साथ मौके पर जाकर शिकायत का निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी लेखपाल तथा कानूनगो के क्षेत्र में कोई भी शिकायत लंबित पाई गई तो संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक वीके पांडेए पुलिस क्षेत्राधिकारी गौरीगंज गुरमीत सिंहए थानाध्यक्ष गौरीगंजए नायब तहसीलदारए लेखपाल व कानूनगो सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

प्रभारी मंत्री ने बैठक में कोविड टीकाकरण की समीक्षा की

तिलोई, अमेठी। प्रदेश सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मुस्लिम वक्फएवं हज मंत्री मोहसिन रजा ने शुक्रवार को तिलोई विकास खण्ड के सभागार में विकास कार्यक्रमों एवं कोविड टीकाकरण की समीक्षा बैठक में केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं का गुणानवाद किया।प्रभारी मंत्री कांग्रेस पार्टी पर आक्रामक रुख अख्तियार करते हुये कहा कि साठ साल तक सत्ता पर काबिज रहने वाले लोग हमसे सात साल का हिसाब मांग रहे हैं।जनपद के प्रभारी मंत्री मोहसिन रजा ने अपने सम्बोधन में कहा कि इच्छा शक्ति के बगैर कार्य नही किया जा सकता है सरकारी योजनाओं का लाभ किसी जात को नही बल्कि पात्र को दिया जाता है।उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अपनी अच्छी नियत और नियम के साथ योजनाओं का क्रियान्वयन करा रही है जबकि पिछली सरकारों में इच्छा शक्ति की कमी थी।प्रभारी मंत्री ने कहा कि पिछली सरकारें पच्चासी प्रतिशत भ्रष्टाचार में डूबी रही इसीलिये वह क्षेत्र का विकास नही कर सकी और हवा में घोटाले करती रही। प्रभारी मंत्री ने कहा साठ वर्षो तक राज करने वाले लोग हमसे सात वर्षो का हिसाब मांग रहे हैं।हमारी योजनाएं गरीबों के लिये समर्पित है।भाजपा सरकार ने कोरोना महामारी में देश के अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त में राशन पहुंचाने का काम किया है।उन्होंने कहा कि हमें आपके जीवन को बचाना है और आपकी जीविका को भी आगे बढ़ाना है आप सब लोग कोरोना वैक्सीन अवश्य लगवाये।प्रभारी मंत्री मोहसिन रजा ने कहा कि सरकार व्यक्ति विशेष की नही होती है यूपी की सरकार तेइस करोड़ जनता की है।प्रभारी मंत्री मोहसिन रजा ने प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना के लाभार्थियों को राशन व प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया।प्रभारी मंत्री ने इसके पूर्व ब्लाक प्रांगण कोरोना वैक्सीन कक्ष का फीता काटकर उदघाटन किया और वृक्षारोपण किया। ग्राम प्रधान संघ तिलोई के अध्यक्ष वीरेन्द्र तिवारी व अन्य ग्राम प्रधानों द्वारा प्रभारी मंत्री को राम दरवार की प्रतिमा भेंट की गयी। कार्यक्रम का संचालन रमेश सिंह ने किया। खण्ड विकास अधिकारी शरद कुमार श्रीवास्तव ने अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया और आगंतुकों के प्रति आभार जताया। इस मौके पर जिला विकास अधिकारी प्रमोद कुमार पाण्डेय, जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीकांत यादव, उपजिलाधिकारी योगेन्द्र सिंह, भाजपा नेता भवानी दत्त दीक्षित, आपूर्ति निरीक्षक संजय सिंह, प्रधान संघ के अध्यक्ष वीरेन्द्र तिवारी, राम कृष्ण भारती, राजू तिवारी, मोनू जायसवाल, बबलू मिश्रा सहित अन्य तमाम लोग मौजूद रहे।

चार शातिर बदमाश गिरफ्तार, मोबाइल-बाइक,तमंचा बरामद

मुसाफिरखाना, अमेठी। एसपी दिनेश सिंह के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत सीओ मनोज कुमार यादव के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक परशुराम ओझा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर चोरी की मोटरसाइकिल मोबाइल तमंचा व कारतूस के साथ चार शातिर लुटेरों को गिरफतार कर विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा । पुलिस अधीक्षक दिनेश सिंह के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे धर पकड़ अभियान के तहत शनिवार सुबह 9रू30 बजे मुखबिर की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक परशुराम ओझा व उप निरीक्षक हरी लाल यादव मय पुलिस बल के साथ कोतवाली क्षेत्र के रुदौली गांव के पास मुंशीगंज रोड पर वाहन चेकिंग कर रहे थे ।इस दौरान मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने पास के झाड़ी के पास मौजूद अभियुक्त मुकेश मिश्र पुत्र शिवकांत निवासी ग्राम किशुनदासपुर मजरे भीखीपुर सचिन सिंह उर्फप्रियांशु पुत्र सुशील कुमार सिंह निवासी धरौली थाना कोतवाली मुसाफिरखाना व सत्येंद्र पांडेय पुत्र अनिल कुमार पांडेय निवासी रयपुरा मजरे शाहपुर रेसी थाना जामो को देसी तमंचा व जीवित कारतूस के साथ हिरासत में लिया । पूछताछ व पुलिस टीम की तलाशी के दौरान पकड़े गए आरोपियों के पास से तीन मोटरसाइकिल तीन अदद मोबाइल व एक अदद 315 बोर का तमंचा व जीवित कारतूस बरामद किया । कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर उन्हें जेल भेजा ।

समय आने पर बढ़ाई जाएगी अयोध्या की सुरक्षाः डीजीपी

संवाददाता। अयोध्या

● पदभार संभालने के बाद पहली बार अयोध्या के दौरे पर पहुंचे डीजीपी जन्मभूमि परिसर का किया निरीक्षण

श्री राम नगरी दौरे पर पहुंचे डीजीपी अयोध्या में दर्शन पूजन के बाद श्री राम जन्मभूमि परिसर में सुरक्षा को लेकर किया निरीक्षण और पुलिस लाइन सभागार में सभी उच्चाधिकारीगणों के साथ मीटिंग कर फीडबैक लेकर दिए आवश्यक। उन्होंने अयोध्या परिक्षेत्र के सभी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकए पुलिस अधीक्षक के साथ अपराध एवं कानून व्यवस्था के संबंध में समीक्षा बैठक की। बैठक में अपराध नियंत्रण पर उन्होंने संतुष्टि जताई वहीं अयोध्या जनपद में बीते दो साल से लंबित पड़ी विवेचनाओं को देखकर हुए नाराज । उन्होंने जनपद के अधिकारियों को इन विवेचनाओं को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

डीजीपी का पद संभालने के बाद अयोध्या का पहला दौरा। राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा का लिया जायजा। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम। सुरक्षा को लेकर हो रहा अध्ययन। बेहतर की गुंजाइश हमेशा। सुरक्षा के लिए कमेटी बनी हुई है। समय.समय पर बैठक होती है। बैठक में जो भी निर्णय लिए गए हैं उनको फॉलो करा कर और सुरक्षा मजबूत करने की आवश्यकता।अयोध्या के बढ़ते स्वरूप की सुरक्षा के लिए उन्होंने कहा कि समय आने पर यहां पुलिस बल व थानों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके अलावा एयरपोर्ट बनने पर भी यहां की सुरक्षा का अध्ययन कर समुचित प्रबंध किया जाएगा।

सरयू नदी में एसडीआरएफ की एक टीम तैनात करने का ऐलान किया। इसके लिए उन्होंने मंडलायुक्त एमपी अग्रवाल से टीम के ठहरने के लिए स्थान उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इसके अलावा उन्होंने अयोध्या में तैनात जल पुलिस के स्टाफ की संख्या बढ़ाने व उन्हें आवश्यक संसाधन भी उपलब्ध कराने की बात कही।उन्होंने सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की व उनके सुझाव लिए। इसमें सांसद लल्लू सिंहए विधायकों में इंद्र प्रताप तिवारी खब्बूए रामचंद्र यादवए गोरखनाथ बाबा शामिल रहे। डीजीपी ने मंडलायुक्त एमपी अग्रवालए जिलाधिकारी अनुज झा से भी मुलाकात की व अयोध्या की सुरक्षा को लेकर विचार विमर्श किया।कांवड़ यात्रा को लेकर उन्होंने कहा कि कोविड को ध्यान में रखते हुए इस बार भी कांवड़ यात्रा स्थगित की गई है। इसको लेकर पब्लिक को भी जागरूक होना पड़ेगा। शेष हम सभी आवश्यक इंतजाम कर रहे हैं।

करंट की चपेट मे आने से दो सगे भाइयों की जान गई

संवाददाता। मिल्कीपुर अयोध्या

खंडासा थाना क्षेत्र के पूरे गोसाईं मजरे कीन्हूपुर मे शनिवार सुबह विद्युत करंट की चपेट में आने से दो सगे भाइयों की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों सगे भाईयों को आनन.फानन में ग्रामीण जिला अस्पताल लेकर गए जहां डॉक्टरों ने दोनों भाइयों को मृत घोषित कर दिया । दोनों सगे भाइयों की आकस्मिक मौत से घर का चिराग बुझ गया। अपने माता पिता की आंखों के तारे अट्ठारह और 20 वर्षीय धीरज और सूरज की मौत की खबर सुनकर परिवार समेत पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया। चौकी इंचार्ज खंडासा ब्रह्मदत्त पांडे व ग्रामीणों ने बताया कि सूरत में रह रहे पिता के घर आने पर शव के पोस्टमार्टम कराए जाने पर निर्णय लिया जाएगा। सूचना के बाद पीड़ित पिता सूरत से घर के लिए रवाना हो गया हैं।

खंडासा थाना क्षेत्र के कीन्हूपुर गांव के पूरे गोसाई का पुरवा निवासी उमाशंकर गोस्वामी के 2 पुत्र व एक पुत्री है उमाशंकर गुजरात में प्राइवेट नौकरी करते हैं घर पर दोनों बच्चे और पत्नी व पुत्री रह रहे थे। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि शनिवार 24 जुलाई को प्रात: 7रूबजे धीरज और सूरज धान की फसल की सिंचाई के लिए अपनी

बगल कि ग्राम पंचायत बोडेपुर में स्थित ट्यूबेल पर गए थे जहां विद्युत करंट लगने से दोनों भाई झुलस गए जबकि कुछ ग्रामीणों का कहना है कि निर्माणाधीन मकान में बिजली का तार जोड़ते समय घटना घटित हुई है। ग्रामीण जब तक पूरे मामले को समझ पाते और इकट्ठा होते हैं तब तक उनमें से एक ने दम तोड़ दिया था लेकिन फिर भी ग्रामीण दोनों को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया । एक साथ दोनों भाइयों की मौत हो जाने से यह नहीं स्पष्ट हो सका कि वह विद्युत करंट की चपेट में कैसे आए। शव गांव में पहुंचते ही पूरे गांव में कोहराम मच गया और लोग चीखने चिल्लाने लगे मृतक धीरज जहां 20 वर्ष का था वही उसका छोटा भाई सूरज 18 वर्ष का बताया गया है।

प्रदूषण केंद्रों का निरीक्षण

प्रदूषण केन्द्रों पर जांच करतीं एआरटीओ बबिता वर्मा

गोंडा। उ0प्र0 शासन द्वारा दिनांक 22 जुलाई से 28 जुलाई 2021 तक प्रथम सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाए जाने का निर्देश जारी किया गया था। इस क्रम में शनिवार को एआरटीओ (प्रशासन) एवं संभागीय निरीक्षक संजय कुमार की टीम ने सरकार द्वारा पंजीकृत जिले में संचालित प्रदूषण केंद्रों का गहन निरीक्षण किया गया। इस दौरान मिली खामियों को दुरूस्त करने का निर्देश देते हुए उन्हें सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति जागरूक किया गया।

यह जानकारी देते हुए संभागीय निरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि यह प्रथम सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत तीसरे दिन जिले में संचालित पंजीकृत प्रदूषण केंद्रों का गहन निरीक्षण किया गया। जिसमे शिवा-शिवांश प्रदूषण केन्द्र, बाबा प्रदूषण केन्द्र, बालाजी प्रदूषण केंद्र एवं न्यू कानपुर प्रदूषण केंद्र शामिल हैं।

भंडारे का आयोजन

करनैलगंज (गोंडा)। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर ग्राम जहाँगीरवा में स्थिति श्रीराम कुंज आश्रम में गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य पंच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ व भंडारे का आयोजन किया गया। गायत्री परिवार के वरिष्ठ कार्यकर्ता अमिताभ मिश्र ने बताया गुरु पूर्णिमा सच्चे अर्थो में शिष्यों का महापर्व है। गुरुजनों के दिये हुए वाक्य हम बदलेंगे युग बदलेगा के वाक्य पर चलने का सभी को प्रयास करना चाहिय। गुरुजनों का संकल्प मनुष्य में देवत्य का उदय, पृथ्वी पर स्वर्ग के अवतरण की उक्ति को यतार्थ रूप देने के उद्देश्य से गुरु पूर्णिमा पर विशाल यज्ञ व भंडारे के साथ मनाया गया। क्षेत्र के सैकड़ो यज्ञसाधक व श्रद्धालुओं ने सुबह प्रभात फेरी निकालकर यज्ञ हवन किया। मुख्य प्रबन्ध ट्रस्टी हृदयनारायण मिश्र ने आये हुए सभी श्रद्धालुओं को पुस्तकें व एक एक पेड़ भेंट स्वरूप प्रदान किया तथा शक्तिपीठ के परिविर्जक पारस नाथ तिवारी ने सभी को यज्ञ व गुरु की महिमा के बारे में बताया।

अविवादित वरासत के लम्बित मामलों में राजस्व निरीक्षक व लेखपालों पर होगी कार्रवाईः डीएम

संवाददाता। गोंडा

● डीएम व एसपी ने परखी थाना समाधान दिवस की हकीकत

थाना समाधान दिवस में शिकायतें सुनते डीएम मार्कण्डेय शाही व एसपी संतोष मिश्रा

शासन के निर्देशानुसार शनिवार को जनपद के सभी थानों में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। स्वयं डीएम मार्कण्डेय शाही व पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने समाधान दिवस की हकीकत देखने के लिए थाना धानेपुर तथा कोतवाली इटियाथोक का औचक निरीक्षण किया तथा फरियादियों की शिकायतें सुनकर उनका निस्तारण किया।

इस दौरान डीएम ने थाने में उपस्थित राजस्व निरीक्षकों तथा लेखपालों को नसीहत दी कि वरासत अभियान में व्यक्तिगत रूचि लेकर यह सुनिश्चित करें वरासत का कोई भी मामला लम्बित न रह जाए अन्यथा राजस्व निरीक्षक तथा सम्बन्धित लेखपाल को निलम्बित करने के साथ ही विभागीय कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने आदेशित किया कि सभी राजस्व निरीक्षक व लेखपाल इस आशय का प्रमाण पत्र दें कि उनके क्षेत्र अन्तर्गत किसी भी ग्राम में अविवादित वरासत का एक भी प्रकरण लम्बित नहीं हैं। इसके अलावा चबकन्दी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन गांवों में चकबन्दी चल रह है उन गांवों में अभियान चलाकर वरासत दर्ज कराएं तथा इस सम्बन्ध में अपना प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें कि उनकी ग्राम पंचायत में वरासत का एक भी मामला लम्बित नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया है यदि प्रमाणपत्र देने के बाद सम्बन्धित लेखपाल के क्षेत्र से यह शिकायत आती है कि लेखपाल द्वारा वरासत दर्ज नहीं की गई है तो सम्बन्धित लेखपाल के विरूद्ध निलम्बन के साथ ही कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। फोनः (0522) 4036600 फैक्सः 2346443/2345582

एसपी ने थाना समाधान दिवस में सुनीं शिकायतें

संवाददाता। पुखरायां, कानपुरदेहात

थाना समाधान दिवस में शिकायतें सुनते एसपी केशव कुमार चौधरी पायनियर

शनिवार को भोगनीपुर में पुलिस अधीक्षक केशव कुमार की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस आयोजित किया गया। जिसमें 10 शिकायती प्रार्थना पत्र मिले। जिनमें से दो शिकायती प्रार्थना पत्रों को मौके पर ही निस्तारित कर दिया गया। विकास खंड अमरौधा के मांचा ग्राम प्रधान पूनम देवी ने शिकायती की गांव के मजरे माचा खेड़ा के शरारती तत्वों ने गांव की ही एक सड़क पर ऊंची ऊंची नुकीली वस्तुएं स्थापित कर दी हैं। जिससे आवागमन में परेशानी हो रही है। बहेरी माह के देशराज एवं प्रताप नारायण ने शिकायत की कि गांव के राजकिशोर एवं नंहेलाल कुंआ और उससे सट के बने खरंजे पर अवैध कब्जा कर रहे हैं। बाल्मीक नगर पुखरायां के बसीमुद्दीन शेख और उसके भाई अलीमुद्दीन ने बताया कि उनके दो भाई पैतृक संपत्ति में जबरिया कब्जा किए हैं। जबकि बटवारे में उनकी हिस्सेदारी है। चंदीपुरवा निवासी स्व. चंद्रशेखर की पत्नी सियाजानकी ने बताया कि उसका पुत्र संजय यादव झांसी पुलिस में तैनात है और सीओ का हमराही है। उसके बड़ी और छोटी दो पुत्रियां हैं। पांच वर्षीय बड़ी पुत्री उसके साथ करीब चार से रह रही है। जिसका अच्छे से पालन पोषण कर रही है। पुत्र संजय और उसकी बहू जबरिया बड़ी पुत्री को ले जा रहे हैं। विकास खंड मलासा के भजनपुर निवासी जीत सिंह ने बताया कि वह अपने पुस्तैनी खेत में मकान का निर्माण कराना चाहता है लेकिन गांव के ही दबंग लोग निर्माण कराने से मना कर रहे हैं। आजादनगर पुखरायां के इमरान अली ने बताया कि उसकी पत्नी को उसके भाई जबरिया उठाकर ले गए हैं। बहेरी खुर्द के पुष्पेंद्र कुमार ने बताया कि गांव के ही सज्जाद आदि खरंजे के ऊपर मवेशी बांधते हैं। जिससे आवागमन में परेशानी हो रही है। बंदीपुरवा निवसी बलवान सिंह ने वह अपने घर के सामने खुद की जमीन पर इंटरलॉकिंग करा रहा है। देवेंद्र सिंह आदि इंटरलॉकिंग कराने से मना कर रहे हैं। भोगनीपुर के अरविंद ने उनकी जमीन जबरिया जोतने और इंद्रानगर पुखरायां के ऊदल ने पड़ोसियों के धमकी देने की शिकायत की। इनमें से दोनों शिकायतें मौके पर निस्तारित की गई हैं। एसडीएम दीपाली भार्गव, हल्के लेखपाल भी मौजूद रहे।

गुरु पूर्णिमा पर गंगा स्नान कर मांगी सुख और समृद्धि

संवाददाता। फर्रुखाबाद

गुरु पूर्णिमा को लेकर शहर के पांचाल गंगा घाट का नजारा शनिवार को बदला-बदला रहा। अल सुबह से ही गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ गंगा तट पर उमड़ पड़ी। काफी संख्या में श्रद्धालु दूरदराज से देर रात को ही घाट पहुंच गए थे। सुबह गंगा स्नानार्थियों की भीड़ से गंगा तट पटा पड़ा रहा। हजारों लोगों ने आस्था की डुबकी लगायी। साथ ही विधि-विधान पूर्वक पूजा अर्चना भी की। वहीं श्रद्धालुओं को खराब यातायात व्यवस्था केचलते जाम का सामना भी करना पड़ा। इस दौरान कोरोना प्रोटोकाल का कही भी पालन होता नजर नही आया। श्रद्धालुओं की भीड़ में कोराना का भय नहीं देखा गया।

गुरू पूर्णिमा के मौके पर हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। भोर पहर से शुरू हुआ स्नान देर शाम तक चलता रहा। दूर-दराज से चलकर आने वाले श्रद्धालुओं का दिनभर तांता लगा रहा। इस दौरान हर हर गंगे के जयघोष से गंगा के सारे घाट गूंजते रहे। स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं ने बड़े ही विधि विधान से मां गंगा का पूजन अर्चन किया। इस दौरान धूप, दीप, अक्षत, रोली, चंदन, पुष्प, दूध, दही, शहद, घृत व नैवे। समर्पित कर लोगों ने मां गंगा से सुख और समृद्धि की कामना की। विधि विधान से श्रद्धालुओं को पूजन अर्चन कराने वाले आचार्यो ने बताया कि गुरू पूर्णिमा स्नान का विशेष महत्व होता है। इस दिन गंगा स्नान करने वाले भक्तों के सारे कष्ट दूर हो जाते है। उन्हें सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है। उन्होंने बताया कि पूर्णमासी के दिन भगवान सत्यनारायण की कथा सुनने से सारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

थाना समाधान दिवस में एसडीएम ने सुनीं शिकायतें

संवाददाता। घाटमपुर

करीब सोलह महीने बाद आज पहली वार कोतवाली के साथ सजेती और साढ़ थानें में समाधान दिवस के आयोजन हुए। कोतवाली में उप जिलाधिकारी अरुण कुमार श्रीवास्तव ने आयी शिकायतें सुनी, समाधान दिवस में नायब तहसीलदार अतुल हर्ष व कोतवाली प्रभारी धनेश प्रसाद भी मौजूद रहें वहीं महिलाओं की शिकायत सब इस्पेक्टर पूजा यादव ने सुनी। जबकि सजेती में वहाँ के थाना प्रभारी रावेंन्द्र मिश्रा ने सुनी। साढ़ थाने में भी अन्य जगह की तरह थाना दिवस आयोजित हुआ यहॉ एसडीएम नर्वल ने शिकायतें सुनी।

मुख्यमंत्री ने नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष को भेजा बधाई संदेश

उन्नाव। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शकुन सिंह को जिला पंचायत अध्यक्ष निर्वाचित होने पर बधाई संदेश भेजा है। अपने बधाई सन्देश में कहा जनपद की प्रथम नागरिक चुना जाना अपने आप मे एक गौरव का विषय है। उन्होंने कहा संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए जि मेदारियों का पूर्ण सफलता के साथ निर्वहन करिये। मु यमंत्री जी ने अपने संदेश में यह भी कहा है कि प्रदेश की जिला पंचायतों को राज्य वित्त आयोग एवं केन्द्रीय वित्त आयोग के अन्तर्गत लगभग 2500 करोड़ रूपये की धनराशि उपलब्ध करायी जा रही है। इस धनराशि से जहॉं एक ओर ग्रामीण क्षेत्र में अवस्थापना सुविधाओं का विकास किया जाना चाहिएए वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाले नागरिकों के लिए स्वच्छताए पेयजल एवं स्ट्रीट लाइट आदि की उच्च गुणवत्ता की सुविधएं भी उपलब्ध कराने में अपना योगदान दें।

संचारी रोग नियंत्रण और दस्तक अभियान की गहन साप्ताहिक समीक्षा की गई

संवाददाता। उन्नाव

जिलाधिकारी रवींद्र कुमार की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान व दस्तक अभियान की समीक्षा की गई।

समीक्षा में पाया गया कि अभियान के दौरानए जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर झाड़ी कटान हैंडप प रिपेयरए उथले हैंडप प का चिन्हीकरण सहित एंटी लार्वा का छिड़काव एवं फागिंग का कार्य कम कराए जाने एवं बाल विकास पुष्टाहार विभाग की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा घर.घर भ्रमण के दौरान आशाओं के साथ कुपोषण की रोकथाम हेतु परिवारों को कम संदेश दिए जाने पर कड़ी आपत्ति व्यक्त करते हुए जिला अधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आगामी समीक्षा बैठक तक कार्यों की शत प्रतिशत पूर्ति करने हेतु निर्देशित किया । जिला अधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया की संचारी रोग नियंत्रण अभियान व दस्तक अभियान की मॉनिटरिंग का कार्य ग्राम स्तर तक सुनिश्चित कराया जाए तथा मॉनिटरिंग फीडबैक ओण्डीण्केण्एप पर अपलोड किया जाए जिससे शासन स्तर पर कार्यक्रम की समीक्षा प्रभावी ढंग से हो सके। जिलाधिकारी ने संचारी रोग अभियान से जुड़े विभागों जिला पंचायत राज, शिक्षा विभाग, नगर विकास, दिव्यांगजन, कृषि व सिंचाई विभाग एपशुपालन विभागए महिला व बाल विकासए जिला उद्यान विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया की विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के दौरान लक्षित विभागीय कार्यों की शत.प्रतिशत पूर्ति प्रत्येक दशा में सुनिश्चित कराएं। कार्यों में प्रगति कम पाये जाने पर जिलाधिकारी द्वारा जिला पंचायतराज अधिकारीए अधिशाषी अभियंता नगर पालिका उन्नावए अपर मु य चिकित्साधिकारी डा0 ललित तथा उपमु यचिकित्साधिकारी वेक्टर बोर्न डिजीज डॉ विवेक गुप्ता के वेतन आहरण पर रोक लगायी गयी है। उन्होंने कहा कि जिस विभाग की प्रगति खराब पाई जाएगी उस विभाग के अधिकारी के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। समीक्षा बैठक में अपर मु य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरके गौतम, डॉ. ललित कुमारए डॉ. नरेन्द्र सिंह, डा. अर्जुन सिंह, डिप्टी सीएमओ डॉ विवेक गुप्ता, जिला मलेरिया अधिकारी रमेश चंद्र यादव, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर प्रमोद कुमार सिंह सहित स बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ससुर के निधन पर ससुराल जा रहे युवक की ट्रैक्टर की टक्कर से मौत

कायमगंज फर्रुखाबाद। ससुर की मौत पर ससुराल जा रहे टैम्पों सबार युवक को ट्रैक्टर नें कुचल दिया। जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गयी। पुलिस नें शव का पंचनामा भरा। थाना कंपिल क्षेत्र के ग्राम अनरतला खेतलपुर सौरिया निवासी 26 वर्षीय सुनील पुत्र इंद्रपाल माथुर के ससुर सुर्जन माथुर निवासी जैजना जलालाबाद शाहजहाँपुर की मौत हो गयी थी। जिससे वह अपनी पत्नी शारदा, माँ कलावती, रिश्तेदार भाग्यश्री पत्नी उदयवीर व अपनी बेटी सोनिका के साथ टैम्पों में सबार होकर ससुराल जा रहा था। तभी कोतवाली कायमगंज क्षेत्र के ही मंडी समिति के निकट पंहुचा तो ट्रैक्टर नें उसके टक्कर मार दी। जिससे वह टैम्पों से नीचे गिर गया। जिससे सुनील कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से सुनील को सीएचसी लाया गया जहाँ उसे डॉ0 विपिन नें मृत घोषित कर दिया।

नानामऊ गंगा तट पर श्रद्धालुओं की उमड़ी भारी भीड़, लगा जाम

संवाददाता। बांगरमऊ उन्नाव

गुरु पूर्णिमा पर आज नानामऊ गंगा तट पर गंगा श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। पैदल व साइकिल तथा बाइक से गंगा तट पर पहुंची भीड़ के चलते नगर के नानामऊ तिराहा तथा नानामऊ गंगा पुल पर दोनों तरफ करीब 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। जिससे स्नान करने पैदल पहुंचे श्रद्धालुओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जाम लगा होने से सैकड़ों श्रद्धालु खेतो से होकर को मजबूर हो गए। लेकिन महिलाओं और उनके छोटे बच्चों कथा वृद्धों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जबकि पुलिस प्रशासन ट्रैफिक व्यवस्था के मामले में असहाय स्थित में बना रहा।

पवित्र गंगा में स्नान कर पंडों को दिया दक्षिणा

बांगरमऊ उन्नाव। आषाढ़ पूर्णिमा के दिन आज क्षेत्र के मशहूर नानामऊ गंगा तट पर स्नान व पूजन हेतु श्रद्धालु भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। क्षेत्र ही नहीं बल्कि पड़ोसी जनपद कानपुरए कन्नौज, हरदोई, लखनऊ, बाराबंकी व सीतापुर के श्रद्धालुओं ने भी इस वि यात घाट पर पहुंच कर पवित्र गंगा में डुबकी लगाई। श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर पंडोए ब्राह्मणों और गंगापुत्रों से श्री सत्यनारायण व्रत कथा का श्रवण कर उन्हें अन्न व धन के रूप में दान. दक्षिणा अर्पित किया। दूरदराज क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने पवित्र गंगा के किनारे मिट्टी की हांडी में खिचड़ी पका कर अन्य श्रद्धालुओं में आवंटित किया और प्रसाद के रूप में स्वयं भी भोग लगाया। गुरु पूर्णिमा के मौके पर गंगा नदी की रेती में मेला भी लगा। खासकर महिला श्रद्धालुओं और उनके बच्चों ने मेले में प्रसाधन सामग्रीए खेल खिलौना और मिष्ठान आदि की जमकर खरीदारी की। तहसील प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुरक्षा हेतु पुलिस बल भी तैनात किया गया। लेकिन यह पुलिस बल नाकाफी साबित हुआ और चोर उचक्को ने श्रद्धालुओं की जमकर जेबे साफ की। गंगा तट पर जाने वाले वाहनों की भारी भीड़ के चलते पुलिस की ट्रैफिक व्यवस्था भी धड़ाम हो गई।

अधेड़ किसान ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

फर्रुखाबाद। किसान नें फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। परिजन कर्ज में डूबने से फांसी लगानें की बात कह रहें है जबकि पुलिस घरेलू कलह कारण बता रही है। पुलिस नें शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जिंदापुर निवासी 55 वर्षीय छोटेलाल बीती रात घर से लगभग 9 बजे निकल गये और उन्होंने गाँव के निकट ही प्रदीप सिंह के खेत में खड़े जामुन के पेड़ में रस्सी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। रात में पड़ोसी उमेश नें छोटेलाल को खेतों की तरफ जाते हुए देखा तो परिजनों को सूचना दी। जिस पर परिजन जब मौके पर पंहुचे तो छोटेलाल फांसी पर झूल रहे थे। आनन-फानन में परिजनों नें उसे फंदे से नीचे उतारा और चिकित्सक के पास ले गये तो चिकित्सक नें उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक छोटेलाल के पुत्र प्रमोद नें बताया कि 3 जुलाई को मेरी सबसे छोटी बहन कल्लो की शादी थी। जिसके लिए पिता नें साढ़े तीन बीघा खेत डेढ़ लाख रुपए में रखा दिया था। इसके साथ ही बैंक के किसान क्रेडिट कार्ड पर भी लगभग डेढ़ लाख रुपए कर्ज हो गया था। जिससे वह परेशान रहते थे। मृतक फल तथा सब्जियां बेचने का कार्य करता था। मृतक छोटेलाल के 4 पुत्र राजेश, विनोद, प्रमोद तथा बृजेश तथा चार लड़कियां है जिसमें तीन की शादी हो चुकी है। सूचना मिलने पर कोतवाल दिलीप कुमार बिंद मौके पर पंहुचे और जाँच पड़ताल की। उप निरीक्षक विश्वनाथ आर्य सब का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। कोतवाल नें बताया कि घरेलू कलह के चलते छोटेलाल नें फांसी लगा ली है।

क्विक न्यूज

शिकायतों के निस्तारण के डीएम ने दिए निर्देश

उन्नाव। थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी रविंद्र कुमार एवं पुलिस अधीक्षक आनंद कुलकर्णी द्वारा थाना सोहरामऊ में जनता की समस्याओं को सुना गया तथा निस्तारण हेतु संबन्धित को निर्देशित किया गया एवं श्रावण मास को दृष्टिगत रखते हुए उपस्थित आम.जनमानस को कोविड गाइडलाइन्स का पालन करने एवं अन्य लोगों को भी जागरूक करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

दो बाइकों की भिड़ंत में चार युवक घायल

बांगरमऊ उन्नाव। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र में आगरा एक्सप्रेस वे की सर्विस रोड पर दो बाइकों की स यक भिड़ंत हो गई । हादसे में दोनो बाइकों पर सवार चार युवक ग भीर रूप से घायल हो गए । घायलों को यहाँ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया । यहाँ के चिकित्सकों ने घायलों की हालत नाजुक बताई और जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के ग्राम जोगीकोट निवासी असलम पुत्र जाहिद गांव के ही राजा पुत्र बापू के साथ बाइक से बांगरमऊ जाने के लिए निकला था । रास्ते मे आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर विपरीत दिशा से आ रही बाइक से जोरदार टक्कर हो गयी । हादसे में एक बाइक पर सवार असलम तथा राजा और दूसरी बाइक पर सवार सुफियान पुत्र मोह मद रिजवान निवासी ग्राम कबीरपुर व मो असरफपुत्र तैयब निवासी ग्राम दरौली चारो युवक ग भीर रूप से घायल हो गए । सूचना पर पहुँची सरकारी ए बुलेंस चारो घायलों को सीएचसी लेकर आई । सीएचसी के चिकित्सकों ने चारों की हालत गंभीर बताकर जिला अस्पताल रेफर कर दिया । घायलों में असलम की हालत नाजुक बताई जा रही है।

पूर्णिमा पर विधायक ने किया महात्माओं को सम्मानित

फतेहपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व का पालन करते हुये गुरू पूर्णिमा के अवसर पर सदर विधायक विक्रम सिंह के द्वारा वर्मा चौराहा स्थित सांई मन्दिर में जाकर विधिवत् पूजा अर्चना की और वहां उपस्थित गुरू महात्मा को माल्यार्पण व अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने गुरूओं के सम्मान का संकल्प लिया। इस मौके पर नगर अध्यक्ष जयप्रकाश सिंह फौजी, दिनेश गुप्ता, राम सिंह पाल, लकी द्विवेदी, ज्योति प्रवीण, अर्चना त्रिपाठी, पुष्पा पासवान, सुनिधि तिवारी, मोविना वारिसी, ग्याना पासवान, रामप्रकाश गुप्ता, पंकज मिश्रा, अतुल तिवारी, जसवन्त गिहार, शिवशरण गुप्ता, उत्कर्ष श्रीवास्तव, अभिजीत भारती, विशिष्ठ दीक्षित, बलकेश, कप्तान, दीपक समेत आदि मौजूद रहे।

समाधान दिवस में रही भूमि संबधी मामलों की भरमार

फर्रुखाबाद। जिले के सभी थानों में शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमे तीन थानों में खुद जिलाधिकारी मानवेन्द्र सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा की अध्यक्षता में आयोजन हुआ। शहर कोतवाली में नगर मजिस्ट्रेट अशोक कुमार मौर्य की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमे कुल 7 शिकायतों में केबल 1 का निस्तारण हुआ। वहीं थाना मऊदरवाजा, थाना शमसाबाद एवं कोतवाली कायमगंज में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमे डीएम-एसपी पंहुचे। डीएम नें थाना समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों पर राजस्व-पुलिस विभाग को संयुक्त कार्यवाही कर गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए।थाना दिवस में भूमि विवाद से संबंधित शिकायतें अधिक पंहुची।

छत से गिरकर अधेड़ की मौत

फतेहपुर। बिन्दकी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खांडेदेवर में शुक्रवार की रात छत से गिरकर लगभग 56 वर्षीय अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए अस्पताल ला रहे थे तभी रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार खांडेदेवर गांव निवासी स्व0 रामनारायण पाण्डेय का पुत्र महाराज नारायण खाना खाकर छत पर सो रहा था। रात लगभग तीन बजे बारिश होने के कारण जल्दी उठकर नीचे आने लगा तभी पैर फिसल जाने से सिर के बल नीचे गिरकर गम्भीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे आनन-फानन सरकारी एम्बुलेंस द्वारा उपचार के लिए अस्पताल ला रहे थे तभी रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

राधा नगर नहर में मिला अज्ञात शव

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के राधानगर नहर पुलिया के समीप राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने लगभग 40 वर्षीय अज्ञात युवक का शव बरामद किया है। पुलिस ने आस-पास के लोगों से शव की पहचान कराने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिल पाई। वहीं नहर में शव आने से आस-पास के लोगों में तरह-तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है। समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी।

घरेलू कलह के चलते अधेड़ ने खाया जहर

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के मुचुवापुर में शनिवार की सुबह घरेलू कलह के चलते 50 वर्षीय अधेड़ ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया। जहां उसकी हालत गंभीर देख कानपुर के लिए रिफर कर दिया। जानकारी के अनुसार मुचुवापुर गांव निवासी पित्तन का पुत्र होरीलाल ने आज सुबह लगभग आठ बजे घरेलू कलह के चलते जहर खा लिया। कुछ देर बाद जब उसकी हालत बिगड़ने लगी तो परिजन उसे तत्काल उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाये। जहां इमरजेन्सी में तैनात चिकित्सक ने उसकी हालत चिन्ताजनक देखते हुए कानपुर मेडिकल कालेज के लिए रिफर कर दिया।

किशोर समेत दो को सर्प ने डंसा

फतेहपुर। जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के अन्तर्गत किशोर समेत दो लोगों को जहरीले सर्प ने डस लिया। जिन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार सदर कोतवाली क्षेत्र के सिविल लाइन निवासी गया सिंह का 17 वर्षीय पुत्र सत्यम सिंह घर में कुछ काम कर रहा था तभी जहरीले सर्प ने उसे डस लिया। इसी प्रकार औंग थाना क्षेत्र के अभयपुर गांव निवासी सुरेन्द्र सिंह की 45 वर्षीय पत्नी ममता देवी शुक्रवार की देर शाम खाना बना रही थी तभी जहरीले सर्प ने उसे डस लिया। जानकारी होने पर परिजनों ने दोनों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां इलाज कर रहे चिकित्सक ने दोनों की हालत में सुधार बताया है।

अनियंत्रित बाइक गिरने से युवक घायल

फतेहपुर। थरियांव थाना क्षेत्र के रसूलाबाद रोड पर शुक्रवार की देर शाम अनियंत्रित होकर बाइक गिर जाने से 25 वर्षीय युवक बुरी तरह घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार थाने के रसूलाबाद गांव निवासी देवराज का पुत्र रमेश मोटरसाइकिल द्वारा घर से थरियांव कस्बा जा रहा था जैसे ही वह घर से कुछ दूर पहुंचा तभी अनियंत्रित होकर बाइक गिर जाने से बुरी तरह घायल हो गया। सूचना पर पहुंची सरकारी एम्बुलेंस ने घायल को उपचार के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया।

सरकारी दावे की पोल खोल रहा लखनऊ मार्ग पर स्थित खंदक

संवाददाता। बांगरमऊ उन्नाव

नगर के अति व्यस्त लखनऊ मार्ग पर अरसे से मौजूद गहरा और चौड़ा खंदक गड्ढा मुक्त सड़क के सरकारी दावे की पोल खोल रहा है। इस गहरे गड्ढे में फंस कर तमाम दुपहिया वाहन सवार गिरकर घायल होते रहते हैं । नागरिकों ने प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री एव जिले के आला अधिकारियों को पत्र भेजकर नगर के लखनऊ मार्ग को गड्ढा मुक्त कराए जाने की मांग उठाई है।

नगर के इस महत्वपूर्ण मार्ग के जरिए दिल्ली ए गाज़ियाबाद ए अलीगढ़ ए एटा व इटावा आदि शहरों से राजधानी लखनऊ तथा पूर्वांचल जाने वाले सैकड़ो हल्के एवं भार वाहन गुजरते हैं इसी मार्ग पर जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण घरों से बहने वाला गंदा पानी सड़क पर जमा होता है । जिससे सड़क पर बिछा डामर उखड़ जाता है । डामर उखड़ जाने के कारण सड़क की गिट्टी उखड़ उखड़ कर फैलती रहती हैं और फिर बड़े.बड़े गड्ढे बन जाते हैं । नगर के लखनऊ मार्ग पर भारत इंटरप्राइजेज के सामने जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने से यहाँ भरने वाले गन्दे पानी के चलते करीब 15 फीट लंबा ए 10 फीट चौड़ा तथा 2 फीट गहरा गड्ढा बन गया है । यह गड्ढा अरसे से मौत को दावत दे रहा है। इस गड्ढे में फँस कर तमाम दोपहिया वाहन सवार गिरकर घायल हो चुकें हैं । अक्सर बड़े वाहन इस गड्ढे में फंस जाते हैं । जिससे बांगरमऊ लखनऊ मार्ग पर भीषण जाम लग जाता है । नागरिकों की तमाम शिकायतों के बाद भी लोक निर्माण विभाग खामोश है । नगर के संदीप बाजपेयी ए शैलेश दीक्षित ए मोह मद यासिर ए रामचन्द्र ए डॉक्टर यूनुस ए कुलदीप बाजपेयी आदि नागरिकों ने प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री एवं जिला अधिकारी को पत्र भेजकर लखनऊ मार्ग को गड्ढा मुक्त कराए जाने की मांग उठाई है।

अनियंत्रित लोडर पलटने से युवक की मौत, दूसरा घायल

फतेहपुर। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के बेरागढ़ीवा के समीप शुक्रवार की देर रात अनियंत्रित होकर लोडर पलट जाने से जहां 21 वर्षीय युवक की मौके पर मौत हो गई वहीं दूसरा गम्भीर रूप से घायल हो गया। उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया। जहां उसकी हालत गंभीर देख कानपुर के लिए रिफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार रायबरेली जनपद के थाना भदोखा गांव सरांय दामू निवासी मो0 रऊफ का पुत्र मो0 अफसर अपने साथी नफीस पुत्र इसराइल 27 वर्ष व अन्य दो लोगों के साथ लोडर से फतेहपुर किसी काम से आ रहे थे। रात लगभग साढ़े आठ बजे लोडर जैसे ही बेरागढ़ीवा के समीप पहुंचा तभी अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे मो0 अफसर की घटनास्थल पर मौत हो गई जबकि नफीस गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची सरकारी एम्बुलेंस ने घायल को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां उसकी हालत चिन्ताजनक देख चिकित्सक ने कानपुर मेडिकल कालेज के लिए रिफर कर दिया।

सीडीओ ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के कार्यों की समीक्षा, दिये निर्देश

संवाददाता। कानपुर देहात

● समूह गठन में झींझक राजपुर, अकबरपुर मलासा, मैथा, डेरापुर के द्वारा लक्ष्य के सापेक्ष समूह गठन न होने पर जताई कड़ी नराजगी

मुख्य विकास अधिकारी सौम्या पांडेय की अध्यक्षता में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा बैठक विकास भवन में आयोजित की गई, इस बैठक में डीसी मनरेगा, जिला पंचायतराज अधिकारी सहित समस्त एडीओ आईएसबी, बीएमएम आदि ने प्रतिभाग किया। इस समीक्षा बैठक में समूह गठन, खाता खोलने, एमआईएस फीडिंग, सीआईएफ के गठन एवं खाता खोलना, आजीविका गतिविधियों, सामुदायिक शौचालय, गोवर्धन प्लान्ट आदि के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। सर्वप्रथम समूह के गठन के संबंध में चर्चा की गई, जिसमें डीसी मनरेगा हरिश्चंद्र ने बताया कि इस वर्ष तीन हजार समूह का गठन किया जाना है तथा प्रत्येक विकासखंड में 100-100 समूह का गठन होना है, जिसके सापेक्ष अभी अकबरपुर में 60, अमरौधा 52, डेरापुर 55, झींझक 38, मैथा 51, मलासा 55, राजपुर 52, संदलपुर 78, सरवनखेड़ा 68 मे समूह का गठन किया गया है, जिसमें सबसे खराब प्रगति झींझक, राजपुर, मलासा, अकबरपुर, अमरौधा का है, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए झींझक एडीओ आईएसबी के द्वारा सबसे कम गठन पर वेतन रोकने के निर्देश दिये तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इसमें प्रगति लाएं अन्यथा की स्थिति पर कार्रवाई की जाएगी, यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, वहीं उन्होंने कहा कि समूह गठन के बाद सभी का खाता शीघ्र खुल जाए तथा जहां कहीं भी बैंक समस्या उत्पन्न कर रहे हो उससे तुरन्त अवगत कराया जाये। वहीं गोबर गैस प्लान्ट, ग्राम पंचायत की गौशालाओं में लगाये जाने हेतु कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये तथा कहा कि इसमें समूह की महिलाओं को लगाया जाये, वहीं सामुदायिक शौचालयों को सही प्रकार से संचालित करने के निर्देश दिये तथा कहा कि जिन समूह की महिलाओं को सामुदायिक शौचालयों में लगाया गया है वह प्रतिदिन भली प्रकार साफसफाई करेंगी तथा इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये अन्यथा कड़ी कार्यवाही की जायेगी। इसीक्रम में मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि रक्षाबन्धन का त्यौहार निकट है, समूह महिलायें ब्लाक मुख्यालयों व विकास भवन में राखी का स्टाल लगाये, जिससे उन्हें आमदनी प्राप्त हो सके। बैठक में अन्य बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की गयी। इस मौके पर अधिकारीगण व कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे।

गौशालाओं में गंदगी देख बीडीओ ने सफाईकर्मियों को जमकर फटकारा

● बीडीओ के अचानक निरीक्षण से मचा हड़कंप

संवाददाता। कदौरा (जालौन)

गौशालाओं पर फैली अव्यवस्थाओं की खबर प्रकाशित होने पर अधिकारियों में हड़कम्प मच गया। शनिवार को बीडीओ अतिरंजन सिंह की अगुवाई में टीम ने क्षेत्र की आधा दर्जन गौशालाओं का निरीक्षण किया। गौशालाओ के अंदर गंदगी मिलने पर सफाई कर्मियों को फटकार लगाई।

शनिवार को बीडीओ ने चतेला, बड़ागाँव, हरचन्द्रपुर उदनपुर व परौसा स्थित गौशालाओ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चतेला, हरचन्द्रपुर व परौसा की गौशाला में मवेसी न मिलने एंव अंदर गंदगी व्याप्त होने पर नाराजगी जता कर सफाई कर्मियों को फटकार लगाते हुए कार्यवाही की चेतावनी दी। वही सचिवों ने बीडीओ को बताया कि रात्रि में मवेशियों को गौशाला में रखा जाता है और सुबह चरवाहे मवेशियों को चराने के लिए ले जाते है। बीडीओ ने गौशालाओ की व्यवस्थाओं के साथ भूसे चारे के इंतजाम के निर्देश सचिवो को दिए। बीडीओ अतिरंजन सिंह ने कहा कि उन्होंने सचिवो सेक्टर प्रभारियों सहित ग्राम प्रधानों को गौशालाओ की व्यवस्था दुरुस्त करने के आदेश दिए है। लापरवाही बरतने वाले कर्मियों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। वह लगातार क्षेत्र में निरीक्षण कर रहे है। इस मौके पर ग्राम प्रधानो सहित ग्रामीण व ब्लॉक कर्मी मौजूद रहे।

तीन दर्जन पशुपालकों के खिलाफ तहरीर

कदौरा। अन्ना मवेशियों के विचरण पर प्रशासन ने सख्ती दिखाना शुरू कर दी है। क्षेत्र के हरचन्द्रपुर, बड़ागांव व उदनपुर के ग्राम प्रधानों व सचिवों ने तीन दर्जन पशुपालकों के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। गौरतलब है कि इस समय अन्ना मवेशियों द्वारा गांव गलियों व हाइवे पर अपना डेरा जमा रखा है जिस कारण आए दिन दुर्घटनाए हो रही है दो दिन पूर्व उदनपुर गांव में अन्ना मवेशियों ने एक दर्जन किसानों की 46 बीघा उड़द, मूंग, तिल, धान आदि की फसल को रौंद डाला था। जिस पर बीडीओ अतिरंजन सिंह ने सभी प्रधानों व सचिवों को सख्त निर्देश दिए थे। कि किसी भी गांव में अन्ना मवेसी न दिखे। अगर पशु पालकों के मवेसी सड़क पर घूमते दिखाई दे तो तत्काल इसकी सूची बना कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराए जिस पर शनिवार को उदनपुर बड़ागांव व हरचन्द्रपुर के प्रधान लाखन दीपक व महेंद्र सचिव धीरेंद्र, जगत, प्रभात ने कदौरा पुलिस को तीन दर्जन पशुपालकों की सूची देकर कार्यवाही की मांग की है। बीडीओ अतिरंजन सिंह ने कहा कि वह लगातार गांवों में मुनादी करा रहे है साथ ही पूर्व में नोटिस भी दिए थे। लेकिन कोई असर न दिखने पर पशुपालकों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह ने कहा कि कड़ी कार्यवाही होगी।

दबंगों ने मारपीट कर वृद्ध का तोड़ा पैर, मामला दर्ज

राठ (हमीरपुर)। जरिया थाना क्षेत्र के इटैलियाबाजा गांव में आधा दर्जन दबंगो ने घर के बाहर बैठे वृद्ध को मारापीट कर घायल कर दिया। पीड़ित वृद्ध ने जरिया थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पुलिस के मुताबिक गांव के सुरेशचंद्र ने बताया कि कल रात उसके गांव में हबीव के यहां कुआं पूजन था तभी वह अपने पुत्र व परिवार के साथ खाना खाने के लिये गया था। वहां पर गांव का निखिल पटाखा दाग रहा था। पटाखा दागते समय में उसकी बारूद उसके पुत्र पंकज की आंखों में चली गई। जब उसने मना किया तो वह गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर वह उसके साथ मारपीट करने लगा। सूचना पर पहुंची पुलिस को देख उक्त लोग भाग गये। आज सुबह वह अपने बाड़े में बैठा था। उसी दौरान मुकेश, निखिल, अशोक अपने डेढ़ दर्जन साथियों के साथ आया और अंदर घुसकर उसके साथ मारपीट करने लगा। मुकेश ने लाठी मार उसका पैर तोड़ दिया। जान माल की धमकी देते हुये भाग गये।

भाजपा से व्यापारियों को नहीं मिली कोई राहतः अभिमन्यु

संवाददाता। चित्रकूट

सपा कार्यालय में बोलते व्यापार सभा के प्रदेश महासचिव अभिमन्यु गुप्ता पायनियर

सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष/पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर सपा व्यापार सभा की समीक्षा व्यापार सभा के प्रदेश महासचिव अभिमन्यु गुप्ता ने की। उन्होंने 2022 में अखिलेश यादव की सरकार बनवाने की कार्यकर्ताओं को शपथ दिलाई। शनिवार को सपा जिला कार्यालय में बतौर मुख्य अतिथि व्यापार सभा प्रदेश महासचिव अभिमन्यु गुप्ता समेत मंडल अध्यक्ष नन्दकिशोर का जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता ने स्वागत किया। सपा जिलाध्यक्ष अनुज सिंह यादव ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार लगातार लोकतंत्र की हत्या कर रही है। प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त है। योगी सरकार में महिलाओं, बच्चियों का शोषण हो रहा है। विपक्ष के नेताओं को निशाने पर लिया जा रहा है। धारा 124ए का दुरुपयोग कर राजनैतिक लोगों पर राजद्रोह लगाकर उन्हें भयभीत किया जा रहा है। भाजपा सरकार को लोकतंत्र व संविधान पर भरोसा नहीं है। देश-प्रदेश की जनता देख रही है। 2022 के चुनाव में अखिलेश यादव को पूर्ण बहुमत देकर जनता सरकार बनायेगी। अभिमन्यु गुप्ता ने कहा कि प्रदेश का व्यापारी विधानसभा चुनाव में निर्णायक भूमिका निभायेगा। प्रदेश का व्यापारी अखिलेश यादव की ओर चल चुका है। व्यापारी समाज अपने सुनहरे भविष्य के लिए सपा की सरकार बनवाने का मन बना चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में जिले में व्यापारी त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। सब अपने को ठगा महसूस कर रहे हैं। भाजपा सरकार में नोटबन्दी, जीएसटी, इंस्पेक्टर राज, उत्पीडन, महंगाई, लॉकडाउन से व्यापारी पीड़ित है। भाजपा राज में व्यापारी प्रदेश से पलायन को बाध्य हो रहा है। नफरत फैलाने की राजनीति को प्राथमिकता देने वाली भाजपा ने संवेदनहीनता की हद पार कर दी है। इस मौके पर सत्यनारायण पटेल, सुभाष पटेल, रामचन्द्र वर्मा, हिमांशू गुप्ता, गन्नू गुप्ता, आशुतोष अग्रहरि, नरेन्द्र यादव, राधेश्याम निषाद, सियाराम गुप्ता, शिवनारायण गुप्ता, संजय अग्रहरि, राजेन्द्र साहू, सालिगराम कुशवाहा, साहबलाल द्विवेदी, अनुज निगम, सुरजीत कुशवाहा, सीताराम कश्यप आदि मौजूद रहे।

करंट की चपेट से महिला की मृत्यु

राठ (हमीरपुर)। कस्बे के सिकंदरपुरा मोहल्ले में कूलर में पानी भरते समय शार्ट सर्किट से उसमे आये करंट की चपेट में आकर एक महिला गम्भीर रूप से झुलस गई। परिजन इलाज के लिए सीएचसी ले गये। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। जनपद महोबा के ग्राम बघौली निवासी इंदल ने बताया कि उसके चाचा महेश व चाची अभिलाषा नगर के दातागढ़ी सिकंदरपुरा में रहकर अपना जीवकोपार्जन करते थे। आज सुबह कूलर में पानी भरते समय शार्ट सर्किट के चलते उसकी चाची अभिलाषा (40) को करंट चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गई। परिजन आनन फानन में इलाज के लिये सीएचसी ले गये। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

गुरु के उपकारों की याद दिलाता है गुरुपूर्णिमा:जैन

गुरु की पूजा करते डॉ जैन आदि पायनियर

चित्रकूट। परमहंस संत श्री रणछोरदास महाराज जानकीकुण्ड स्थित आश्रम श्री रघुवीर मन्दिर बडीगुफा समेत तीर्थक्षेत्र के विभिन्न मठ-मन्दिरों में गुरुपूर्णिमा कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए उत्साहपूर्वक मनाई गई। शनिवार को डॉ बीके जैन व श्रीमती ऊषाबी जैन ने विधिवत संत रणछोरदास महाराज की आरती कर पादुकापूजन वैदिक मंत्रोच्चार से किया। ट्रस्टी डॉ बीके जैन ने कहा कि ये पावन दिवस सभी को गुरु के घर पर किये उपकारों की याद दिलाता है। हर शिष्य के लिए आनन्द, उमंग और हर्ष का दिन होता है। हर शिष्य के मन में अभिलाशा होती है कि अपने गुरु का श्रद्धाभाव से पूजन करे। श्रीमती ऊषा जैन ने कहा कि गुरु का महत्व इसी बात से समझा जा सकता है कि ब्रम्हा, विष्णु व महेश की संज्ञा दी गई है। परम उपकारी गुरुदेव रणछोरदास महाराज की आध्यात्मिक चेतना आज भी साक्षात यहां विराजमान है। उन्होंने कहा कि पूज्य गुरुदेव का ध्येय वाक्य था कि भगवान पर भरोसा रखो, भगवान पूर्ण करेंगे। तुम सब निमित्य हो। यह महामंत्र हमे हर कठिनाई के समय में साहस और नई ऊर्जा देता है।

बगैर पूर्व सूचना के अनुपस्थित दस लेखपालों का एक दिन का वेतन काटा

संवाददाता। कोंच(जालौन)

बगैर किसी पूर्व सूचना के गैरहाजिर रहने वाले 10 लेखपालों के खिलाफएक दिन का वेतन काटने की कार्यवाही की गयी है।एसडीएम अंकुर कौशिक एवं तहसीलदार नरेंद्र कुमार के इस कड़े रुख के बाद लेखपालों में खलबली मची है। स्वामित्व योजना की कार्य प्रगति को लेकर शुक्रवार को एसडीएम अंकुर कौशिक की अध्यक्षता एवं तहसीलदार नरेंद्र कुमार की मौजूदगी में लेखपालों की बैठक तहसील मुख्यालय के सभागार में संपन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम अधिकारियों ने उपस्थिति पंजिका देखी जिसमें 10 लेखपाल बगैर किसी पूर्व सूचनाध्कारण के गैरहाजिर पाए गए। एसडीएम ने उन सभी 10 लेखपालों अशोक कुमार, सत्यप्रकाश, पीयूष वर्मा, प्रमोद, महेंद्र सिंह, संतराम पाल, आरती पटेल, ब्रजराज सिंह, मुन्नालाल व शंकरलाल साहू का एक दिन का वेतन काटने की संस्तुति कर दी है। अधिकारियों के इस सख्त रुख से लेखपालों में खलबली मची है। एसडीएम ने चेतावनी देते हुए कहा कि कामचोरी बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, बगैर पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने वाले कर्मियों को बख्शा नहीं जाएगा।वहीं अधिकारियों ने बैठक में आबादी सर्वेक्षण को लेकर लेखपालों को निर्देश दिए कि स्वामित्व योजना के तहत घरौनी का काम हर हाल में आगामी 15 अगस्त तक पूरा किया जाये।

सत्तर फीसदी वाहन फेंक रहे कच्चा धुंआ एआरटीओ को जांच में मिला सब सही

● डीएम को भेजी गयी रिपोर्ट में नहीं किया गया वाहनों का जिक्र,स्विच आफकर निकल गये जिले से

संवाददाता। हमीरपुर

यातायात सुरक्षा सप्ताह के तीसरे दिन एआरटीओ को सभी प्रदूषण केंद्र सही मिले व एक भी प्रदूषण फैलाने वाला वाहन नही मिला है एआरटीओ की अभियान की खानापूरी कर जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेज दी है। डीएम को फर्जा रिपोर्ट देने के बाद एआरटीओ ने स्विच आफकर लिया है।

यातायात सुरक्षा सप्ताह की जिस प्रकार खानापूरी की जा रही है जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है। जिले में हर साल यातायात की खानापूरी की जाती है, अभियान की शुरुआत तो बड़े जोर शोर से की जाती है,डीएम से आरटीओ उद्घाटन कराते है मगर अभियान की खानापूरी कर दी जाती है। आज तीसरे दिन कच्चा धुआ फेकने वाले वाहनो व प्रदूषण केंद्रो की जांच की जानी थी, मगर एआरटीओ भगवान प्रसाद ने जांच के नाम पर खानापूरी कर डीएम को रिपोर्ट भेज दी है, डीएम की दी गयी रिपोर्ट में कितने प्रदूषण फैलाने वालो पर कार्यवाही की गयी कही जिक्र नही किया गया है जब कि हकीकत यह है कि जिले मे सत्तर फीसदी वाहन कुच्चा धुआ फेकते हुये सडको पर चलते है आज किसी भी वाहन को नही रोका गया है।

प्रदूषण केंद्रो में सौ रुपये देकर मनमानी प्रदूषण मुक्त वाहन की रिपोर्ट कई सालो से बनवायी जा रही है यह बात उच्चाधिकारियो को पता है मगर आज तक किसी ने कोई कार्यवाही नही की है। यही नही इसकी जिम्मेदारी संभागीय निरीक्षक अश्वनी पाल की है मगर वह दफ्तर में बैठकर कर कागजी कार्यवाही करते रहते है एआरटीओ भगवान प्रसाद ने खानापूरी कर अपना मोबाइल भी स्विच आफकर लिया है।

खेतों में आरी वाले तार लगे मिले तो होगी कार्रवाई:डीएम

● किसान फसल सुरक्षा के लिए कटीले तार लगवाएं

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने किसानों द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले ब्लेड वाले/कटीले तारों को पूर्णतया प्रतिबंधित किये जाने के संबंध में पुलिस अधीक्षक/समस्त उप जिलाधिकारी/क्षेत्राधिकारी को अवगत कराया कि 22 जुलाई 2021 द्वारा पशुक्रूरता निवारण अधिनियम 1960 तथा उप्र गोवध निवारण अधिनियम 1955 (यथा संशोधित अधिनियम 2020) के प्राविधानुसार शासन के पत्र 16 मार्च 2018 के माध्यम से किसानों द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले ब्लैड वाले/कटीले तारों को पूर्णतया प्रतिबंधित किये जाने विषयक निर्णय का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिये गये हैं। तद्क्रम में इस कार्याकल के पत्र 4 सितम्बर 2017, सितम्बर 2018 एवं तद्विषयक समय-समय पर प्रेषित पत्रों का संदर्भ ग्रहण करना चाहें जिसके द्वारा जनपद के कृषकों द्वारा अपने खेतों की सुरक्षा हेतु लगाये गये आरी वाले तारों को प्रतिबंधित किये जाने हेतु कृषकों को प्रेरित किये जाने तथा उनके स्थान पर कटीले तार लगवाये जाने की अपेक्षा की गयी हैं। अत: प्रकरण की संवेदनशीलता के दृष्टिगत एवं मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए अधीनस्थ प्रभारी निरीक्षकों/थानाध्यक्षों को निर्देश निर्गत करने का कष्ट करें कि वह कृषकों को प्रेरित करें कि वह आरी वाले तार न लगाकर अपने खेतों में कटीले तार लगाये जिससे कृषकों के खेतों की सुरक्षा भी होती रहे तथा गौवंश को क्षति भी न पहुंचने पाये।

औषधि निरीक्षक को दुकानदार नहीं दिखा सके दस औषधियों के बीजक

चित्रकूट। एसडीएम कर्वी पूजा यादव व सीओ सिटी शीतला प्रसाद पाण्डेय के निर्देश पर मे सूरज प्रसाद पहारिया एण्ड संस मेडिकल स्टोर नया बाजार कर्वी के मालिक कृष्ण कुमार पहारिया की दुकान पर औषधि निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने सघन जांच की। शनिवार को औषधि निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने पहारिया मेडिकल स्टोर का निरीक्षण कर जांच में पाया कि दस औषधियों के क्रय-विक्रय बीजक मौके पर दुकान मालिक नहीं दिखा सके। उन्होंने फार्म 15 पर अंकित कर एक कागज के गत्ते में भरकर प्रतिष्ठान के मालिक के पास सुरक्षित रख दिया। उन्होंने चेताया कि तीन दिनों के अन्दर फार्म 15 में अंकित औषधियों के क्रय-विक्रय बीजक सत्यापन करा लें। उन्होंने जांच में दो संदिग्ध औषधियों के नमूने भी लिए। जिन्हें राजकीय विश्लेषक उप्र लखनऊ को जांच को भेजा है।

डीएम ने नमामि गंगे के कार्यों का किया निरीक्षण, 39 गांवों की अब बुझेगी प्यास

संवाददाता। हमीरपुर

जिलाधिकारी डॉ ज्ञानेश्वर त्रिपाठी ने नमामि गंगे एवं जलापूर्ति विभाग द्वारा निर्माणाधीन कुरारा ब्लाक की हरौलीपुर ग्राम समूह पेयजल योजना का निरीक्षण किया। इस योजना में 39 राजस्व ग्रामों को पेयजल उपलब्ध कराया जाना है।इस मौके पर उपस्थित अधिशासी अभियन्ता जल निगम मोहित वर्मा ने डीएम को बताया कि योजना के अन्तर्गत 9 एम0एल0डी0 का इन्टेकवेल, 8 एम0एल0डी0 का वाटर ट्रीटमेन्ट प्लांट, 5 नग सी0डब्लू0आर0, 12 नग अवर जलाय, 181 किमी0 वितरण प्रणाली एवं 83 किमी0 राइजिंगमेन के कार्य प्रस्तावित है।

इस मौके पर जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम कुरारा के समीप स्थित निर्माण कार्य हेतु चयनित संस्था पीएमसी0-एसपीएमएल(जेवी) आगरा के पाइप यार्ड का निरीक्षण किया गया। अधिशासी अभियन्ता जल निगम द्वारा बताया गया कि योजना में प्रस्तावित 181.00 किमी0 वितरण प्रणाली का पाइप स्थल पर आ गया है। जिलाधिकारी द्वारा पाइप की गुणवत्ता सम्बन्धित जानकारी चाही गयी। इसके बाद जिलाधिकारी द्वारा ग्राम हरौलीपुर के समीप निर्माण स्थल जहां पर वाटर ट्रीटमेन्ट प्लांट 8 एमएलडी का निर्माण प्रस्तावित है का स्थलीय निरीक्षण किया गया। अधिशासी अभियन्ता जल निगम द्वारा वाटर ट्रीटमेन्ट प्लांट एवं इन्टेकवेल में प्रस्तावित कार्यों की जानकारी दी गयी एवं गुणवत्ता सुनिशचित कराये जाने हेतु समय-समय पर किये जाने वाले टेस्ट की जानकारी दी गयी। जिलाधिकारी महोदय द्वारा साइट लैब का निरीक्षण किया गया, जिसमें उनके द्वारा स्वयं लैब में पहुंचकर निर्माण कार्यों में प्रयुक्त होने वाली सामग्री की गुणवत्ता अपने सामने स्वयं टेस्ट कराकर देखा गया। जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिये गये कि समस्त निर्माण कार्य निर्धारित मानक एवं गुणवत्ता के अनुरूप निर्धारित टाइम लाइन के अन्तर्गत ही पूर्ण किये जाये एवं कार्यों की गुणवत्ता अनुमोदित ड्राइंग एवं डिजाइन के अनुरूप सुनिचित की जाये।इस मौके पर जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से सामुदायिक शौचालय एवं गांव के अन्य विकास कार्यों के बारे में फीडबैक लिया तथा जरूरी दिशा निर्देश दिए।इस मौके पर अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे राजेश कुमार यादव अधिशासी अभियंता जल निगम तथा अन्य संबंधित मौजूद रहे।

क्विक न्यूज

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को पोषण वाटिका प्रशिक्षण

कोंच(जालौन)। नगर के महन्तनगर क्षेत्र में संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय कोंच के प्रांगण में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों हेतु एक दिवसीय पोषण वाटिका प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें कोंच एवं नदीगांव ब्लॉक की कार्यकत्रियों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण में अपने अपने केंद्रों समेत स्कूल एवं घरों में पोषण वाटिका लगाने के लिए कार्यकत्रियों को प्रेरित किया गया। पोषण वाटिका के महत्व एवं संतुलित आहार के सम्बन्ध में डॉ राजकुमारी ग्रह वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र जालौन द्वारा विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। उन्होंने परिवार को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए कार्यकत्रियों को एससीएसपी योजना के अंतर्गत उन्नत किस्म की खरीफसब्जी बीज किट भी इस दौरान वितरित कीं साथ ही उन्होंने सब्जी की नर्सरी तैयार करने की विधि बतायी।विद्यालय की वॉर्डन वंदना वर्मा ने इस दौरान अपरिहार्य कारणों से स्कूल छोड़ चुकी ऐसी किशोरियां जो अभी आंगनबाड़ी केन्द्र में दर्ज हैं, के नाम पुनः स्कूल में दर्ज कराने की कार्यकत्रियों से अपील की जिससे कि ऐसी सभी किशोरियां शिक्षा लाभ प्राप्त कर सकें। प्रशिक्षण में सीडीपीओ वंदना वर्मा सहित कार्यकत्री भगवती देवी सदूपुरा, अंजलि चचेंडा, सावित्री देवी,रेखा देवी सिकरी, सीमा सचान, रजनी भदेवरा, अनीता दिरावटी, स्नेहलता जुझारपुरा, मुख्य सेविका श्रीदेवी, विद्यालय शिक्षका बबीता, रितु वर्मा, वंदना प्रजापति, अनीता पाल आदि उपस्थित रहीं।

सोलर प्लांट ने किसान की भूमि पर किया अवैध कब्जा

चित्रकूट। राजापुर तहसील के गोबरौल गांव के किसान रामलोटन पाण्डेय की चार बीघा भूमि अडानी सोलर प्लांट छीबों ने जबरियां बिना किसी एग्रीमेन्ट के कब्जा कर लिया है। शनिवार को किसान रामलोटन पाण्डेय ने बताया कि जिस भूमि पर कम्पनी ने अवैध कब्जा किया है। उसका उसके परिवार ने कोई एग्रीमेन्ट नहीं किया है। किसान परिवार ने संबंधित विभागीय लोगों से बात की तो कम्पनी के जिम्मेदारों ने कहा कि उन्हें नहीं जानते। वह लोग हर तरह से सक्षम हैं। अंग्रेजी हुकूमत किस्म की कम्पनियों के लोग किसानों का शोषण कर रहे हैं। किसानों के साथ कम्पनी मालिक के गुर्गे धमकियां दे रहे हैं। भाकियू ने किसान परिवार की भूमि के अवैध कब्जे को गम्भीरता से लेकर समस्या निदान का भरोसा दिया है। ऐसी कम्पनियां किसान परिवारों का कब तक शोषण करती रहेंगी।

रवि कुमार ने संभाला कार्यभार, किया दफ्तर का निरीक्षण

उरई (जालौन)। नवागंतुक जनपद जालौन के पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने शनिवार को विधिवत कार्यभार संभालने के बाद कार्यालय में स्थापित विभिन्न पुलिस प्रकोष्ठों का बारीकी के साथ निरीक्षण किया साथ ही कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने सोशल मीडिया सेल का भी गहनता के साथ निरीक्षण किया। इसके साथ ही नवागंतुक पुलिस कप्तान रवि कुमार अधीनस्थों को आवश्यक निर्देश भी दिये। बाद में उन्होंने पत्रकारों से वार्ता करते हुये स्पष्ट किया कि पीड़ितों को न्याय व अपराधियों को सजा दिलायी जायेगी यदि शासन की मंशा है।

भूमि संबंधी मामलों को मौके पर करें निस्तारितः डीएम

चित्रकूट। जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने सम्पूर्ण समाधान दिवस थाना पहाडी में थानाध्यक्ष नायब तहसीलदार, सहायक चकबन्दी अधिकारी, कानूनगो व लेखपालों को निर्देश दिये कि गांवों में जो भूमि संबंधी मामले हैं। उन्हें तत्काल निस्तारित करायें। शनिवार को जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने कहा कि जो समस्यायें निस्तारित कराई जायें। उनकी सूचना उपलब्ध करायें। प्रचार-प्रसार भी करायें, ताकि आम जनता में अच्छा संदेश जाये। सहायक चकबन्दी अधिकारी से कहा कि जिन गांवों में चकबन्दी प्रक्रिया चल रही है। वहां कोई समस्या हो तो पुलिस को लेकर निस्तारित करायें। कहीं कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। थाना समाधान दिवस में मिली समस्याओं को लेखपालों व पुलिस को मौके पर भेजकर निस्तारित कराने के निर्देश दिये। कहा कि मौके पर सही ढंग से समस्या निस्तारित करेंगे तो समस्या खुद समाप्त हो जायेगी। लोगों में पुलिस व राजस्व विभाग के प्रति अच्छा संदेश जायेगा। किसी के दबाव में कार्य न करें। उन्होंने कहा कि आज मिली समस्यायें निर्धारित समय सीमा के भीतर निस्तारित करायें। थानाध्यक्ष को निर्देश दिये कि थाने के अन्दर खडे निष्प्रयोज्य वाहनों को निस्तारित करने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। इस मौके ज्वाइंट मजिस्टेªट जयदेव सिंह, नायब तहसीलदार पुष्पेन्द्र सिंह, सहायक चकबन्दी अधिकारी गुरु प्रसाद तिवारी, थानाध्यक्ष रामआसरे यादव, दरोगा तपेश कुमार मिश्रा, कानूनगो महेन्द्र सिंह पटेल समेत लेखपाल मौजूद रहे।

पुत्री की बरामदगी की मां ने लगाई गुहार

संवाददाता। चित्रकूट

पहाडी थाने के कस्बे की माधुरी देवी पत्नी बिहारीलाल चमार ने थानाध्यक्ष को दी तहरीर में कहा कि 19 जुलाई को मनरेगा की मजदूरी कर घर लौटी तो उसकी पुत्री कोमल (16) को रामबाबू पुत्र चुनकावन सोनी निवासी गोकुलपुरी गल्लामंडी भगा ले गया है। पीड़िता ने बालिका को बरामद कर आरोपी के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। शनिवार को पीड़िता माधुरी ने थानाध्यक्ष पहाडी को दी तहरीर में कहा कि पुत्री के बैग में उसकी व रामबाबू सोनी की फोटो तथा मोबाइल नम्बर मिला है। इससे पता चला कि पुत्री को रामबाबू सोनी कहीं भगा ले गया है। रामबाबू सोनी शातिर व बदमाश किस्म का व्यक्ति है। वह पुत्री के साथ दुष्कर्म कर जान से मार सकता है।

पीड़िता ने बताया कि पुत्री के पिता ने सभी रिश्तेदारी में खोजबीन की तो कोई पता नहीं चला। पीड़िता ने रिपोर्ट दर्जकर कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

थाना दिवस में सीओ, एसडीएम ने सुनी फरियादियों की समस्यायें

संवाददाता। माधौगढ़ (जालौन)

शनिवार को होने वाले पहले व तीसरे समाधान दिवस में फरियादियों की समस्याएं सुनी गयी शासन द्वारा लोगों की समस्याओं का निस्तारण करने के लिये थाना समाधान समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है जिसमें कोरोना काल के दौरान स्थगित थाना दिवस फिर से शुरु हो गया जिसमें कोतवाली में आयोजित थाना दिवस में एसडीएम सालिकराम, सीओ शाहिदा नसरीन, प्रभारी निरीक्षक प्रवीण यादव ने फरियादियों की समस्याएं सुनी जिसमें 9 शिकायती पत्र प्राप्त हुए जिसमें जमीनी विवाद, चकरोड, घरेलू समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें 5 समस्याओं का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया जिसमें एक बंगरा की जमीनी समस्या बटवारा को लेकर आयी जिसमें समस्या का निस्तारण मौके पर कर दिया गया व राजस्व लेखपाल को बटवारे को लेकर मापतौल करने को आदेश दिया जिसमें एक समस्या अवैध कब्जे के सम्बन्ध में दिया गया जिसमें सदर लेखपाल ने मौके पर पहुँकर जगह की माप की रकबे का निरीक्षण किया एक प्रार्थना पत्र चकरोड पर रोक के सम्बन्ध में प्राप्त हुआ जिस पर उप जिलाधिकारी ने जांच कर निस्तारण करने का आश्वासन दिया इस मौके पर बंगरा चौकी इंचार्ज गौरव मिश्रा, राजस्व लेखपाल मनीष, मंसूर खांन, संतोष वर्मा, हर भजन, निशा, चद्रपाल निरंजन, तपस्या गौतम, उपनिरीक्षक नरेन्द्र सिंह, जितेन्द्र सिंह, धीरेन्द्र पटैरया, सिपाही पंकज यादव, राहुल, मनीष व अन्य पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

कुठौंद में चौदह जोड़ों ने एक दूजे के गले में डाली वरमाला

संवाददाता। कुठौंद (जालौन)

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शनिवार को 14 जोड़ें एक दूजे के बंधन में बंध गए। बरसात को देखते हुए मुख्यमंत्री सामूहिक योजना के अंतर्गत लक्ष्मी गार्डन में शादी समारोह का कार्यक्रम रखा गया इसके मुख्य अतिथि विधायक माधवगढ़ मूलचंद निरंजन, समाज कल्याण अधिकारी कुलभूषण यादव, खंड विकास अधिकारी संदीप कुमार यादव की देखरेख में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का कार्यक्रम संपन्न हुआ विधायक माधवगढ़ के साथ तमाम भाजपा पदाधिकारी मौके पर मौजूद रहे

14 कन्याओं ने अपने अपने बरो के गले में माला डालकर एक जीवन के लिए साथ रहने की दांपत्य जीवन को इस बंधन में एक जीवन के लिए एक दूजे के हुए आज इस मौके पर आए हुए जनाती व बराती सभी मौके पर मौजूद रहे। मुख्यमंत्री सामूहिक योजना से 15 शादियां होनी थी जिसमें कुल 14 साड़ियां हुई एक वर वधू का जोड़ा नहीं आया इसलिए वह शादी नहीं हुई और मंडप के नीचे विधि विधान से शादियां संपन्न कराई गई। खंड विकास अधिकारी संदीप कुमार यादव ने जानकारी देते हुए सभी को यह बताया समय से रजिस्ट्रेशन करा लें यह योजना गरीबों के लिए बनाई गई है जिसमें अपना संबंध तय करने के बाद इसवबा में रजिस्ट्रेशन समय से करा लें के बाद मुख्यमंत्री योजना के अंतर्गत पूरा 51 हजार रुपए शादी के उपलक्ष में दिया जाता है इससे कमजोर तबके के लोग आराम से अपनी कन्या की शादी कर सकते हैं। समाज कल्याण विभाग से समय से पैसा उपलब्ध होता है सभी के लंच पैकेट की व्यवस्था होती है दबाव को शुभ मुहूर्त के अनुसार कराया जाता है विधि विधान से क्योंकि यह शादी 1 दिन के लिए नहीं होती है। सीता रूपी बहिन, राम रूपी भगवान सीता के विवाह के बराबर होता है।

हौसलों की उड़ान, सत्र 2021

10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षा में शानदार सफलता

रीजेन्सी हाईस्कूल के यह है मेघावी

इंटर मीडियट रीजेन्सी के यह है होनहार

संवाददाता। सीतापुर

आईएससी और आईसीएसई के नतीजे शनिवार को आउट हो गए। दसवीं और बारहवीं के परिणाम में रीजेन्सी पब्लिक स्कूल सीतापुर के 10वी एवं 12वी के छात्रों ने बोर्ड परीक्षाओ में शानदार सफलता प्राप्त की। आईसीएसई (कक्षा 10) में भव्या सिन्हा ने 97.8 प्रतिशत तो वहीं आईएससी (कक्षा 12) में खुशी अग्रवाल ने 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में अपना नाम रोशन किया और विद्यालय का मान बढ़ाया। जारी सूची के मुताबिक भव्या सिन्हा- 97.8, शक्ति ईशान, मनस्वी अग्रवाल, ओस्वी जायसवाल, यशस्वी जायसवाल ने 97.2 फीसदी अंक अर्जित किए। सुहानी मेहरोत्रा ने 96.6, दीक्षा कश्यप, सौजन्या तिवारी, अंशिम वर्मा ने 96 फीसदी अंक हासिल किए। अतुल कुमार ने 95.8, श्रेया महेश्वरी ने 95.6, अक्शिता ने 95.4, आदित्य टंडन ने 95, सार्थक जायसवाल ने 94.6, देवान्शी ने 94.4, अनिला शर्मा ने 94.4, साम्या राहुल, जरयाब फारुक ने 94.2, काव्या अग्रवाल, नन्दिनी कपूर ने 94, अनुष्का श्रीवास्तव, समृद्धि वर्मा ने 93.6 फीसदी अंक हासिल किए। नव्या पाण्डे, कनिष्का यादव ने 93.4, उर्विका मेहरोत्रा ने 93.2, गुरसिमर कौर, अंकुर, चेष्ठा होटवानी ने 93, जिकरा, कुशाग्र शुक्ला ने 92.8, अनुक्रत अग्रवाल ने 92.6 फीसदी अंक प्राप्त किए। इसी प्रकार खुशी अग्रवाल ने 99, यशी पाण्डे ने 95.25, कंचन शुक्ला ने 94.75, उत्कर्ष अग्रवाल, आव्या मिश्रा ने 94.25, रिद्दिमा शुक्ला ने 94, आर्य शर्मा ने 93.25, मुस्कान अरोरा ने 93, रविन्दर कौर बग्गा ने 92.75, देवान्श बाजपेयी ने 92.5, मोहम्मद लारेब हसीब, रिया श्रीवास्तव ने 92.25, मयूर जगवानी, अनुग्रह प्रसाद, सुयश निगम ने 92, मो0 ऐजम ने 91.75, श्रेया श्रीवास्तव ने 91.5, कविता श्रीवास्तव ने 91.25, अमन खेतान ने 91, किंजल मेहरोत्रा, तुषार लेखवानी, मुस्कान कुकरेजा, वहब मुजतबा ने 90.75, कुलप्रीत सिंह ने 90.5, गौरान्गी टंडन ने 90 फीसदी अंक हासिल किये। परीक्षार्थियों की शानदार सफलता पर 'रीजेन्सी शैक्षिक समूह' के संस्थापक 'श्री एम0एफ जैदघे' ने छात्रों व उनके अभिभावको को बधाई देते हुए कहा कि 'रीजेन्सी पब्लिक स्कूल' विद्यार्थियो के सर्वागींण विकास के लिए प्रयासरत है। विद्यालय की प्रधानाचार्या 'श्रीमती राशिदा जैदी' ने सभी छात्रों एवं अध्यापकों को बधाई दी।

एक पंडाल में हुए विवाह व निकाह

बन गए हमसफर, दो रास्ते एक सफर

● मछरेहटा ब्लॉक में दिखी हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल

मछरेहटा-एक दूजे के हुए नवविवाहित जोड़े।

संवाददाता। मछरेहटा सीतापुर

हिंदू और मुस्लिम एकता की मिसाल शनिवार को मछरेहटा ब्लॉक परिसर में दिखी। यहां पर एक पंडाल के नीचे मिश्रिख और मछरेहटा ब्लॉक के 90 विवाह और निकाह कराए गए। पुरोहितों के वैदिक मंत्रों के संग हिंदू समाज के युगलों ने सात फेरे लिए तो मौलवियों ने मुस्लिम समुदाय के जोड़ों का निकाह कबूल करवाया। मौका था मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का था। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि, मिश्रिख विधायक रामकृश्ण भार्गव, मछरेहटा ब्लॉक प्रमुख मिथिलेश कुमारी, मिश्रिख ब्लॉक प्रमुख रामकिंकर पांडेय ने सभी को उपहार स्वरूप गृहस्थी सामान का देकर उन्हें आशीर्वाद भी दिया। आपको बता दें कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में मिश्रिख और मछरेहटा ब्लॉक में 90 जोड़ों के रजिस्ट्रेशन हुए थे। शनिवार को विकासखंड मछरेहटा के परिसर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का आयोजन था। इसे लेकर सुबह से ही युगल अपने-अपने परिवारों के साथ ब्लॉक परिसर में पहुंचने लगे थे। बतौर मुख्य अतिथि, क्षेत्रीय विधायक रामकृष्ण भार्गव व विशिश्ट अतिथि, ब्लॉक प्रमुख मछरेहटा मिथिलेश कुमारी व मिश्रिख ब्लॉक प्रमुख रामकिंकर पांडेय व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की मौजूदगी में समारोह में मिश्रिख के 50 और मछरेहटा के 40 जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ सात फेरे लिया और एक संग रहने की कसमें भी खाई। इनके अलावा उसी पंडाल में 11 मुस्लिम जोड़ों का मौलाना मोहम्मद रब इमाम ने निकाह भी कराया। इस अवसर पर बीडीओ आरके उपाध्याय, एडीओ पंचायत विनोद कुमार चौधरी, एडीओ समाज कल्याण अमिताभ कुमार वर्मा, राम गोपाल अवस्थी, गप्पू सिंह, बबलू सिंह, जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष अजय भार्गव, पूर्व ब्लाक प्रमुख मछरेहटा विजय भार्गव, गया प्रसाद तिवारी, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रेम शंकर पांडेय आदि उपस्थित थे।

संदेश के साथ युवाओं में बीच पहुंच रहा भाजयुमो

● ओलंपिक खेलों में आगे आएं युवा

● युवा तरूणाई खुद को बनाएं फिट

संवाददाता। सीतापुर

ओलंपिक खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए भारतीय जनता युवा मोर्चा देश भर में जनजागरण अभियान चलाए है। शहरी और गंवई इलाकों में ये जनजागरण अभियान चलाने के पीछे असल मकसद ओलंपिक खिलाड़ियों का प्रोत्साहन बढाना तो है ही, साथ ही ओलंपिक खेलों में युवा तरूणाई की सहभागिता कराना भी है। ये बातें भारतीय जनता युवा मोर्चा अवध क्षेत्र के मंत्री लोकेश सिंह ने पत्रकारवार्ता में कही। भाजपा नगर कार्यालय पर सर्व प्रथम क्षेत्रीय मंत्री लोकेश सिंह समेत अन्य कार्यकर्ताओं ने भाजपा के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी व दीनदयाल उपाध्याय व भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र कुमार गुप्त के चित्र पर पुश्पांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि देश का सबसे बड़ा राजनीतिक दल भाजपा ओलंपिक खिलाड़ियों में प्रोत्साहन बढ़ाने के लिए देश में जागरूकता अभियान चला रही है। इसके जरिए युवाओं में ओलंपिक खेलों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इन खेलों से युवाओं का शरीर तो चुस्त और दुस्स्त होगा, साथ ही उनका मस्तिश्क भी स्वस्थ बनेगा। इस अवसर पर भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष के अनूप विश्वकर्मा, ऋशभ मिश्रा, दीपांशु मिश्रा आदि उपस्थित थे।

57 वाहनों को प्रदूषण प्रमाण-पत्र हुए जारी

चला धरपकड़ अभियान, मची खलबली

● अभियान में 206 वाहनों का किया चालान पांच वाहन हुए बंद, चार लाख जुर्माना भी लगाया

संवाददाता। सीतापुर

परिवहन विभाग के सड़क सुरक्षा सप्ताह के तीसरे दिन शनिवार को खैराबाद टोल प्लाजा पर आयोजित कैंप में वाहनों के प्रदूषण की जांच की गई। जांच में दो वाहन मानक से अधिक प्रदूषण देते पाए गए। 57 वाहनों को प्रदूषण प्रमाण-पत्र भी जारी किया गया। अभियान में 206 वाहनों का चालान किया गया, जबकि पांच वाहन बंद किए गए। इसके एवज में लगभग 4 लाख रूपये कर, प्रशमन शुल्क लगाया गया। इनके अलावा बस व ट्रक एसोशिएशन के पदाधिकारियों के माध्यम से व्यवसायिक वाहनों में रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप भी लगवाए गए। एआरटीओ (प्रवर्तन) डॉ उदित नारायण पांडेय ने बताया कि धुंध, बरसात या रात में दृश्यता कम होने से सड़क दुर्घटनाओ की सम्भावना बढ़ जाती है। अगर वाहनों के आगे और पीछे तथा साइड में रेट्रो रेफ्लेक्टिव टेप लगाया जायोगा तो रात में हेडलाइट की रोशनी पड़ने पर टेप चमक जायेगी और ये आभास हो जायेगा कि सामने कोई खड़ा है इससे चालक सर्तक हो जायेगा। मानक के अनुसार रेट्रो रेफ्लेक्टिव टेप लगा होने पर मार्ग दुर्घटनाओं को रोकने में सहायता मिलती है। उन्होने बताया कि व्यवसायिक वाहनों में आगे सफेट, साइड में पीला तथा पीछे लाल रंग का रेट्रो रिफ्लेक्टि टेप लगा होना चाहिए। बिना रेडियम टेप के वाहनों विशेषकर ट्रैक्टर ट्रालियों का आभास पीछे से आ रहे वाहन चालकों को नही हो पाता जिससे दुर्घटना घटित हो जाती है। एआरटीओ (प्रशासन) माला बाजपेयी ने बताया कि वाहनों का फ्टिनेस करते समय मानक के अनुसार रेट्रो रेफ्लेक्टिव टेप लगवाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रभारी यातायात निरीक्षक सुरेश चन्द्र मिश्रा ने जिले के समस्त ट्रैक्टर के मालिको एवं अन्य वाहन स्वामियों से अपील की कि वे अविलंब अपने वाहनों में नियमानुसार रेट्र रेफ्लेक्टिव टेप लगवा लें। यात्रीकर, मालकर अधिकारी शैहपर किदवई ने कहा कि बिना प्रदूषण नियन्त्रण प्रमाण-पत्र के तथा बिना रिफ्लेक्टर के वाहन का संचालन करना न सिर्फ गैरकानूनी है, अपितु यह खतरनाक भी है तथा इनके बिना वाहन संचालित पाये जाने पर दोनो अभियोगो में 10 हजार का जुर्माना आरोपित किया जाता है। परिवहन व यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों को तोडने एवं शीशो पर काली फिल्म लगाने व हूटर, सायरन व मानक से अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनो इत्यादि नियम विरूद्ध वाहन संचालन करने अभियान चलाकर कार्यवाही की गई। अभियान में रामजतन सहायक उप निरीक्षक यातायात तथा परिवहन विभाग के सुशील कुमार, कपूर गोंड़, अजय कुमार, टोल प्लाजा के प्रबन्धक अंकेश कुमार आदि शामिल थे।

दुकानदारों ने नगर पंचायत पर लगाए आरोप

हटाई गईं महोली में अस्थाई सब्जी दुकानें

महोली-अतिक्रमण हटवाती जेसीबी

● महोली विधायक ने कहा-पहले जगह आवंटन करें

संवाददाता। महोली सीतापुर

महोली कस्बे में महज 4 अस्थाई सब्जी दुकानों पर शनिवार दोपहर चला नगर पंचायत का बुलडोजर अपने पीछे तमाम सवाल खड़े कर गया है इसमें एक सवाल यह भी है कि क्या जिस भूमि पर यह अस्थाई दुकानें थी वहां से हटाने का अधिकार नगर पंचायत के पास था क्योंकि दुकानदारों का आरोप है कि वह लोग स्टेशन रोड की पूर्वी पटरी जो कृषक इंटर कॉलेज की है उस पर दुकान चलाते थे और नगर पंचायत के एक कर्मी द्वारा अकारण उत्पीड़न कराया गया है नगर पंचायत की इस कार्यवाही से सभी सब्जी दुकानदारों में आक्रोश व्याप्त हो गया सूचना पाकर महोली विधायक शशांक त्रिवेदी मौके पर पहुंचे और वहां मौजूद अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार को खूब खरी-खोटी सुनाई विधायक ने कहा कि बगैर दूसरी जगह दिए इन दुकानदारों को कदापि परेशान न किया जाए।

कीटनाशक की दुकानों पर भरे गए सैंपल

मोहम्मदी-खीरी। कस्बे में जिला कृषि रक्षा अधिकारी द्वारा कीटनाशक की दुकानों पर छापा मारकर सैंपल लिए गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला कृषि रक्षा अधिकारी द्वारा कीटनाशक की दुकानों पर छापेमारी करके कीटनाशकों के सैंपल लिए गए। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि यदि हम लोगों के सैंपल होते हैं तो जिस दवाई का सैंपल लिया जाता है उसकी 3 शीशियां शील्ड की जाती है। एक शीशी सैंपल के लिए भी जाती है। एक शीशी दुकानदार के पास रहती है और एक शीशी अधिकारियों के पास रहती है। सैंपल किए गए प्रोडक्ट का फार्म भरकर प्रोपराइटर को दिया जाता है। इसके विपरीत आज मोहम्मदी कस्बे में हुए सैंपल के बाद सैंपल तो लिए गए। न ही तीन शीशियों को शील्ड किया गया और ना ही दुकानदारों को फार्म साइन करके दिया गया। बस इतना बता दिया गया कि आपके सैंपल ले लिए गए हैं। मोहर जिला मुख्यालय पर रह गई है।

बिना डिग्री व रजिस्ट्रेशन के चल रहे अस्पतालों पर छापे

संवाददाता । ढखेरवा-खीरी

डा. पवन कुमार ने चार्ज मिलते ही कई जगहों पर छापेमारी की। बिना डिग्री व रजिस्ट्रेशन के अस्पताल चला रहे डाक्टरों में कोहराम मचा हुआ है।

तहसील धौरहरा के अंतर्गत सीएचसी रमियाबेहड़ अधीक्षक डा. पवन कुमार ने चार्ज मिलते ही क्षेत्र में चल रहे अवैध अस्पतालों पर अपनी टीम के साथ कर्तव्यनिष्ठ होकर सघन चेकिंग अभियान चलाया। इससे क्षेत्र में चल रहे अवैध अस्पतालों के डाक्टरों में हड़कंप व कोहराम मचा हुआ है। इस सघन चेकिंग के दौरान ग्राम चहलुवा में जमालु उर्फ चांद मियां का क्लीनिक फर्जी पाया गया। ग्राम अभयपुर व नैनापुर में हास्पिटल फर्जी पाए गए। ढखेरवा में हास्पिटल फर्जी पाया गया। सीएससी अधीक्षक डा. पवन कुमार ने बताया कि कोई डिग्री नहीं है। कोई रजिस्ट्रेशन भी नहीं है। फर्जी हॉस्पिटल चला रहे हैं। मासूम मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यदि बिना रजिस्ट्रेशन के या बिना डिग्री के कोई भी हॉस्पिटल चलते हालात में पाये जाते हैं तो उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही करते हुए सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करके उन्हें जेल भेजा जाएगा। बीपीएम पंकज अस्थाना ने बताया कि अभी उनका एक सूत्री कार्यक्रम फर्जी अस्पतालों का निरस्तीकरण कराना है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रमियाबेहड़ के सीएचसी अधीक्षक डा. पवन कुमार के इस सराहनीय कार्य से पूरे क्षेत्र में जनता के प्रति प्रशंसा व हर्ष तथा चर्चा का विषय बना हुआ है।

संत, महात्मा व पुजारियों का किया गया सम्मान

संवाददाता। गोला गोकर्णनाथ-खीरी

गुरुपूर्णिमा के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा संत, महात्मा एवं मठ मंदिरों के पुजारियों का सम्मान कार्यक्रम के निमित्त धर्मेश्वरनाथ मंदिर लक्ष्मी नगर कालोनी लखीमपुर रोड गोला के पुजारी सुरेश शुक्ला संदेश का सम्मान भाजपा जिला उपाध्यक्ष विजय शुक्ल द्वारा किया गया। गुरुपूर्णिमा के अवसर शुक्ल ने कहा कि अनंत काल से ही गुरु की महिमा का वर्णन किया जाता रहा है। गुरु को समाज में सबसे श्रेष्ठ माना गया था। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति का विकास गुरु की कृपा से ही होता है। इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष शत्रोहन मिश्रा, नगर महामंत्री राजेश राठौर, नगर मंत्री राजीव वर्मा व मंडल अध्यक्ष बांकेगंज राजीव कौशल ने भी गुरु पूजन किया।

धार्मिक भावना भड़काने के मामले में कोर्ट का स्टे आर्डर

संवाददाता । मोहम्मदी-खीरी

2018 में थाना मोहम्मदी में दर्ज कथित धार्मिक भावनाओं को भड़काने के मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर हाईकोर्ट से स्टे हो गया। विपक्षी संख्या 2 वादी मुकदमा को नोटिस जारी कर दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2018 में नगर मोहम्मदी निवासी ने नगर के ही रहने वाले एक व्यक्ति पर कथित रूप से धार्मिक भावनाओं को भड़काने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें खान ने उच्च न्यायलय में गिरफ्तारी से रोक के लिए हाईकोर्ट में याचिका योजित की थी। उच्च नयायालय ने खान की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। मामले की विवेचना के बाद मैगलगंज की पुलिस ने आरोप पत्र मोहम्मदी की अदालत में दाखिल किया था। जिस पर मोहम्मदी अदालत ने आरोप पत्र पर संज्ञान लेते हुए डा. खान को मामले के विचारण हेतु तलब किया था। जिस पर डा. खान ने एक बार फिर उच्च न्यायालय की शरण लेते हुए मोहम्मदी न्यायलय के तलबी आदेश व आरोप पत्र को चुनौती दी थीं। इसमें उच्च न्यायलय ने अधिवक्ता मोहम्मद अजीज मंसूरी के तर्कों को सुनने के बाद वादी मुकदमा को नोटिस जारी करते हुए मामले के संदर्भ में निचली अदालत की सभी कार्यवाहियों पर रोक लगा दी है।

रोटरी क्लब ऑफ बरेली ने किया पौध रोपण

बरेली। रोटरी क्लब ऑफ बरेली ऐट पी एम के सदस्यों द्वारा आज पूर्व वर्षों की भांति सी बी गंज भूमि की सड़क के दोनों ओर पीपल ,पाकड़, नीम एवं बरगद आदि के लगभग 30 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर सभी मौजूदा सदस्यों ने अपने पूर्वजों और बुजुर्गों की याद में पौधे लगाए। यह समस्त कार्य क्लब के अध्यक्ष सरदार त्रिलोचन सिह के दिशा निर्देशन मैं मूर्त रूप हुआ। इस अवसर पर सेक्रेटेरी सुशील चटवाल , पी0 डी0 जी0 टी पी एस सेठी, जी पी एस सेठी ,सरदार हरजीत सिंह , अश्वनी भाटिया , अनिल आनंद व पास्ट प्रेसिडेंट शिरोज खान आदि ने पौधों का रोपण किया। यह समस्त कार्यक्रम पी0 डी0 जी0 टी पी एस सेठी, जी पी एस सेठी के संयोजन में किया गया। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफबरेली ऐट पी एम बरेली के बाकी सदस्य भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सभी पौधरोपण करने वालों ने अपने पूर्वजों की नाम की पट्टिकाएं एवं ट्री गार्ड भी लगाए ।

बैठक में अनुपस्थित बीएलओ के विरुद्व कार्रवाईः एसडीएम

संडीला (हरदोई)। आगामी विधानसभा चुनाव को दृष्टिगत रखकर मतदाता सूचियों के संशोधन के लिए आहूत बीएलओ की बैठक से बीएलओ के अनुपस्थित रहने वाले बीएलओ के विरुद्व कार्रवाई करने के निर्देश विभागाध्यक्षों को एसडीएम ने दियें।160 विधानसभा बालामऊ एवं 161 विधानसभा संडीला के समस्त बीएलओ की बैठक का आयोजन एसडीएम मनोज कुमार श्रीवास्तव द्वारा तहसील सभागार में किया गया था। इस बैठक में विधानसभा संडीला के 39 तथा विधानसभा बालामऊ के 45 बीएलओ गैरहाजिर रहे। इस पर एसडीएम ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए समस्त

अनुपस्थित बीएलओ का एक दिन का वेतन बाधित करने तथा अन्य विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश समस्त विभागाध्यक्षों को दिये। बैठक में बोलते हुए एसडीएम मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि जिन युवक युवतियों की 1 जनवरी 2021 को अठारह वर्ष की आयु पूर्ण हो चुकी है। उनके नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए फार्म 6 भरकर जमा करायें साथ ही साथ जो मतदाता दिवंगत हो गये। उनके नाम मतदाता सूची से हटाने के लिए फार्म 8 भरकर जमा करें। उन्होंने समस्त बीएलओ से कहा कि वे पूर्ण निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ इस मतदाता सूची संशोधन के पुनीत कार्य में लगें। उन्होंने कहा कि आगामी 26 जुलाई को एक अन्य बैठक का आयोजन होगा। जिसमें सभी विभागाध्यक्ष, खण्ड शिक्षाधिकारी , बाल विकास परियोजना अधिकारी आदि उपस्थित रहेगें।

अभिषेक सक्सेना बने जिलाध्यक्ष

अभिषेक सक्सेना

संवाददाता। सीतापुर

सीतापुर हाईटेक फोटोग्राफर एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन हुआ जिसमें अभिषेक सक्सेना '(सक्सेना फोटोग्राफर)' को सर्वाधिक मतो से समर्थन मिला और उन्हें सीतापुर हाईटेक फोटोग्राफर एसोसिएसन का अध्यक्ष घोषित किया गया। उसके पश्चात संरक्षक पद पर संदीप गुप्ता 'गुप्ता स्टूडियो',उपाध्यक्ष जीतू गुप्ता,सचिव रविकांत शुक्ल, उपसचिव कमलपाण्डे,महामंत्री सुनील कश्यप (एस के कलर), संगठन मंत्री विनय तिवारी, कोषाध्यक्ष अंकित शर्मा,सलाहकार विवेक श्रीवास्तव,मीडिया प्रभारी विशाल कश्यप, प्रचार मंत्री दिलीप जायसवाल, लहरपुर प्रभारी अमित जोशी को नियुक्त किया गया है।

लापता श्रमिकों के आश्रितों को दो-दो लाख

लखीमपुर-खीरी। निघासन तहसील सभागार में उत्तराखंड त्रासदी में लापता जिले के 29 श्रमिकों के वारिसों को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से 2-2 लाख की सहायता राशि चेक के माध्यम से दी गई। यह चेक विधायक शशांक वर्मा, सांसद प्रतिनिधि अरविंद सिंह संजय, डीएम डा. अरविंद कुमार चौरसिया व एसपी विजय दुल ने संयुक्त रुप से प्रदान की। विधायक शशांक वर्मा ने कहा कि दुख की घड़ी में सरकार आपके साथ है। सांसद प्रतिनिधि अरविंद संजय ने कहा कि अपने को खोने की जो क्षति हुई है उसे कोई पूरी नहीं कर सकता। फिर भी हर संभव मदद का प्रयास किया जा सकता है। डीएम डा. अरविंद कुमार चौरसिया ने कहा कि लापता श्रमिक परिवारों को चरणबद्ध रूप से सरकारी सहायता उपलब्ध कराई गई है। कार्यदाई संस्था एनटीपीसी के द्वारा भी अनुग्रह राशि मुहैया कराई जाएगी। एसडीएम ओपी गुप्ता व तहसीलदार डा. धर्मेंद्र पांडेय ने बताया कि उत्तराखंड राज्य के चमोली जनपद में स्थित जोशीमठ में ग्लेशियर के फटने से ऋषि गंगा व धौली गंगा नदी में आई बाढ़ के कारण एनटीपीसी के निर्माणाधीन जलविद्युत परियोजना में काम कर रहे जिला खीरी, तहसील निघासन के 33 श्रमिक लापता हो गए थे। इनमें से 4 श्रमिकों के शव मिले। शेष 29 श्रमिकों को उत्तराखंड शासन द्वारा 2 जून को सिविल डेड घोषित किया।

राष्ट्रीय सचिव का आगमन

मैलानी-खीरी। अखिल भारतीय सफाई कर्मचारी कल्याण संघ राष्ट्रीय सचिव शत्रोहन लाल वाल्मीकि ने आदर्श नगर पंचायत मैलानी पहुंच कर वहां मौजूद अधिकारी व कर्मचारियों को साफ-सफाई को ध्यान में रखते हुए कहा कि जब से हमारी भाजपा की सरकार केन्द्र व प्रदेश में बनी है तब से सरकार द्वारा उज्ज्वला योजना के गैस सिलेंडर व खुले में शौच जाने के शौचालय तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सभी को मुफ्त में आवास मुहैया कराए हैं। साथ ही मार्च में हुए आवास आवेदनों मे ढाई लाख की किस्त बढ़ाकर सवा तीन लाख रुपए कर दी गई है। इसका जनता को लाभ मिलेगा। सरकार ने जो वादा किया था सबका साथ सबका विकास तथा स्वच्छ भारत मिशन को सफल बनाने आप सब लोग सहयोग करें। इससे प्रधानमंत्री जी का सपना पूर्ण हो सके। वहीं सफाई कर्मचारियों ने नगर पंचायत से सम्बंधित समस्याएं जैसे उनका ईपीएफ नहीं काटा जा रहा तथा आउट सोर्सिंग कर्मियों का ईपीएफ काटा जा रहा है। सभी कर्मियों की वार्डवार सूची तैयार है। सभी कर्मचारियों का वेतन भुगतान किया जा रहा है। कोविड 19 से चुनाव काल तक किसी कर्मचारी की मौत नहीं हुई। सभी लोगों ने बड़ी ही सावधानी व सतर्कतापूर्वक डयूटी का निर्वहन किया।

थाना समाधान दिवसःडीएम और एसपी ने सुनीं समस्याएं

लखीमपुर-खीरी। शनिवार को सभी थानों पर थाना समाधान दिवस का आयोजन हुआ। डीएम डा. अरविंद कुमार चौरसिया व एसपी विजय दुल थाना फूलबेहड़ व निघासन में आयोजित थाना समाधान दिवस पहुंचे। जहां दोनों अधिकारियों ने फरियादियों से रूबरू होकर समस्याएं सुनी। वहां मौजूद संबंधित राजस्व पुलिस अधिकारियों को मौके पर जाकर शिकायतों का शत प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। डीएम डा. अरविंद कुमार चौरसिया ने कहा कि राजस्व व पुलिस से संबंधित शिकायतों का निस्तारण आपसी सामंजस्य से सुनिश्चित किया जाये। इसमें किसी भी स्तर पर हीलाहवाली क्षम्य नहीं होगी। उन्होनें वहां मौजूद शिकायत पंजिका का निरीक्षण करते हुए निस्तारित हो चुकी शिकायतों के बावत स्वयं दूरभाष पर शिकायतकर्ताओं से बात कर उनका सत्यापन कर जानकारी ली कि वह शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता से सहमत है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी शिकायतकर्ता अपने शिकायती प्रार्थना पत्र में मोबाइल नम्बर का अवश्य उल्लेख करें। जिससे कि शिकायत निस्तारण में सहूलियत मिल सके। इस दौरान एसडीएम ओपी गुप्ता, सीओ पीके वर्मा सहित पुलिस और राजस्व के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

जनता जनार्दन के 'अधिकारों' का दुरुपयोग कर रहे 'जनप्रतिनिधि'

संवाददाता। बस्ती

● नियम विरुद्ध प्रतिनिधि नियुक्ति कर अनियमितता को दे रहे हैं बढ़ावा

●प्रतिनिधि व्यवस्था को समाप्त करने की उठ रही मांग

● लोकसभा और विधानसभा की तरह बैठकों में भाग न लेने वाले जनप्रतिनिधियों की सदस्यता हो समाप्त

● अधिकतर जनप्रतिनिधि बंगले में सोने और सैर-सपाटे में बिता रहे हैं समय

लोकतंत्र में जनता को ही जनार्दन माना जाता है, मगर अधिकतर जनप्रतिनिधि जनता के द्वारा दिए गए अधिकारों का दुरुपयोग कर रहे हैं, नियम विरुद्ध तरीके से प्रतिनिधि नियुक्ति कर रहे हैं। यही कारण है कि इस कुप्रथा को समाप्त करने की मांग उठने लगी है। इतना ही नहीं लोकसभा और विधानसभा की तरह सदनों में भाग न लेने वाले जनप्रतिनिधियों की सदस्यता पर ग्रहण लग जाता है, ठीक उसी तरह जिला योजना सहित अन्य महत्वपूर्ण बैठकों में भाग न लेने वाले जनप्रतिनिधियों की सदस्यता पर ग्रहण लगने जैसी कार्रवाई होनी चाहिए। कहा भी गया है कि 'डेलीगेटेड कैन नाट बी डेलीगेटेड' क्यों कि किसी भी एमपी या एमएलए को प्रतिनिधि नियुक्ति करने का अधिकार नहीं हैं, अगर ऐसा होता तो लोकसभा और विधानसभा में भी प्रतिनिधि जनप्रतिनिधि का प्रतिनिधित्व करते? जनता के द्वारा चुने गए एमएलए और एमपी से जनता प्रत्येक बैठकों में स्वंय भाग लेने और प्रतिनिधि बनाने की प्रथा को समाप्त करने की अपील कर रही है, साथ ही उन अधिकारियों से भी अपील कर रही है, जो अवैध रुप से नियुक्ति प्रतिनिधियों को बैठकों में भाग लेने की अनुमति देते हैं, और जनप्रतिनिधियों की तरह उन्हें सम्मान देते है। जनप्रतिनिधियों के द्वारा नियम विरुद्ध और अवैध तरीके से प्रतिनिधि नियुक्ति करने का फैशन बनता जा रहा है। जबकि संविधान में एमपी और एमएलए को यह अधिकार ही नहीं दिया गया है, कि अपना प्रतिनिधि बनाए। जानकारों का कहना है कि प्रतिनिधि नियुक्ति करने का अधिकार सिर्फ राज्य सभा सदस्य और विधान परिषद के सदस्य को दिया गया, क्यों कि यह माननीयगण कई जिलों का प्रतिनिधित्व करते हैं। मगर देखा जा रहा है कि एमपी, एमएलए के साथ प्रधान और ब्लॉक प्रमुख एवं जिला पंचायत अध्यक्ष तक अपना प्रतिनिधि बनाकर बैठकों में प्रतिभाग करने के लिए भेजते हैं। यह सही है कि एक जनप्रतिनिधि का स्थान कोई प्रतिनिधि नहीं ले सकता और न ही निर्णय ही ले सकता है। जानकारों का कहना है कि अधिकतर प्रतिनिधि ठेका पट्टी और निजी कामों के लिए अधिकारियों पर दबाव बनाते हैं, इनमें कई ऐसे भी हैं, जो जनता के काम कराने के साथ अपना भी काम कराते है। अधिकतर प्रतिनिधि खुद तो भ्रष्टाचार में लिप्त रहते ही है, बल्कि भ्रष्टाचार को बढ़ावा भी दे रहे है। कई ऐसे प्रतिनिधि हैं, जिन पर धन उगाही करने तक का आरोप लग चुका है। कोई भी ऐसा प्रतिनिधि नहीं है, जो चार पहिया मंहगी गाड़ी में न घूमता हो। इससे प्रतिनिधि नियुक्ति करने के पीछे की मंशा का पता चलता है। कहा जाता है कि जनप्रतिनिधि जनता के द्वारा दिए गए अधिकारों का रखवाला है, मालिक कदापि नहीं है। दुर्भाग्य इस बात का है कि जनप्रतिनिधि और और सभी राजनैतिक पार्टियां इसका गलत व्याख्या कर अपनी-अपनी सुविधानुसार प्रतिनिधि नियुक्ति करती है, जो अवैध और अलोकतांत्रिक है। कहा जा रहा है अगर किसी जनप्रतिनिधि को जिला स्तरीय बैठकों में भाग लेने में संकोच या परहेज होता है, तो जनप्रतिनिधि बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। होता यह है कि अधिकतर जनप्रतिनिधि अपने बंगले में सोने या फिर सैर सपाटे में समय बिताते हैं, और जिला योजना सहित अन्य महत्वपूर्ण बैठकों में अपने प्रतिनिधियों को भेज देते है। कानून के जानकारों का मानना है कि अगर प्रतिनिधि नियुक्ति करने की परम्परा को जनप्रतिनिधि समाप्त कर देते हैं, तो काफी हद तक भ्रष्टाचार पर काबू पाया जा सकता है, और जनता की आवाज बैठकों में पुरजोर तरीके से सुनाई देगी।

कई प्रतिनिधि जिला पंचायत 'अध्यक्ष' और ब्लॉक 'प्रमुख' बनने की होड़ में रहे शामिल

एमपी और एमएलए के कई प्रतिनिधियों ने जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख की कुर्सी हथियाने के लिए अपने-अपने आकाओं के रुतबे का खूब इस्तेमाल किया, कई इसमें सफल हुए और कईयों के हाथ निराषा लगी। निराषा लगने वालों में सांसद प्रतिनिधि राजेष पाल चौधरी का नाम प्रमुख रुप से लिया जा रहा है। सदर विधायक के प्रतिनिधि राजकुमार षुक्ल ने भी अपने गांव कूड़ी से बीडीसी का चुनाव लड़ने के लिए जोरषोर से प्रचार-प्रसार किया, सीट भी सामान्य था, मगर दूसरे चरण में सीट आरक्षित होने के कारण ब्लॉक प्रमुख बनने का सपना अधूरा रह गया।

मानसून के दौरान मजबूत सुरक्षा प्रबंध पर आगे बढ़ेगी एनटीपीसी

ऊंचाहार,रायबरेली। मानसून के आने के साथ ही उससे जुड़ी सुरक्षा का ध्यान रखना बहुत जरुरी हो जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए एनटीपीसी के केन्द्रीय कार्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार ऊंचाहार परियोजना में मानसून सुरक्षा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इसका शुभारंभ समूह महाप्रबंधक कमलेश सोनी ने किया।

कार्यक्रम के दौरान श्री सोनी ने विद्युत गृह के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर यह समीक्षा की कि परियोजना में मानसून के दौरान सुरक्षा के मजबूत प्रबंध हों। उन्होंने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी कार्य को करने से पूर्व यह सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है कि वह कार्य पूर्णरूप से सुरक्षित है या नहीं। सुरक्षा के प्रति सजगता दुर्घटनाओं को रोकने में सक्षम होती है। खासतौर पर मानसून में सुरक्षा का ध्यान रखना और अधिक आवश्यक हो जाता है।

गुरु चरणों में सियासी सूरमा

● चुनाव जीतने को लिया साधु-संतों महात्मा, पुजारी और ज्ञानी से आर्शीवाद

●गुरुपूर्णिमा पर जिले भर के मंदिरों, धार्मिक स्थलों और गुरुद्वारों में पहुचे भाजपाई,अंगवस्त्र फल, मिष्ठान से किया सम्मानित

संवाददाता। बस्ती

2022 को फतह करने के लिए गुरुपूर्णिमा के दिन निर्धारित कार्यक्रम के तहत सांसद, विधायक और भाजपा जिलाध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारी जिले भर के मंदिरों, धार्मिक स्थलों और गुरुद्वारा में जाकर पुजारियों और ज्ञानियों से आर्शीवाद लिया। इस अवसर पर नेताओं ने पुजारियों को अंगवस्त्र, फल और मिष्ठान देकर सम्मानित किया। गायत्री मंदिर और हनुमानगढ़ी में सांसद हरीश द्विवेदी, जिलाध्यक्ष महेश शुक्ल एवं महामंत्री ने पुजारी को अंगवस्त्र एवं फल मिष्ठान भेंटकर आर्षीवाद लिया। इसी तरह कंपनीबाग स्थित गुरुद्वारा में सांसद और जिलाध्यक्ष ने ज्ञानीजी को अंगवस्त्र और मिष्ठान देकर आर्शीवाद लिया। इसी कड़ी में भाजपा प्रदेश कार्य समिति के सदस्य राजेंद्रनाथ तिवारी अमहट स्थित मंदिर जाकर पुजारी को अंगवस्त्र एवं फल मिष्ठान भेटकर आर्शीवाद लिया। अखंडप्रताप सिंह और अजय सिंह गौतम भदेश्वरनाथ मंदिर के पुजारी का सम्मानकर उनसे आर्शीवाद लिया। दिवाकर मिश्र ने कड़र मंदिर में आर्शीवाद लिया। भाजपा जिला प्रभारी चिंरजीव चौरसिया तिलकपुर मंदिर पहुंचकर आर्शीवाद लिया। हनुमानबाग चकोही में भी सांसद और जिलाध्यक्ष गए, और वहां आर्षीवाद लिया। अमरनाथ सिंह और जिला मंत्री वीरेंद्र गौतम ने अपने गुरु राजेंद्रनाथ तिवारी को अगंवस्त्र और फल मिष्ठान देकर उन्हें सम्मानित कर उनसे आर्षीवाद लिया। सबसे अधिक आर्षीवाद सांसद और जिलाध्यक्ष के हिस्से में आया।

पार्टी के निर्देश पर गुरुपूर्णिमा के दिन सभी जनप्रतिनिधियों व पदाधिकारियों को साधू, संतों, महात्माओं, मठ-मंदिरों में जाकर पुजारियों को अंग वस्त्र, फल एवं मिष्ठान माला भेंटकर उनसे आर्षीवाद लेने को कहा गया। कहना गलत नहीं होगा कि षनिवार का दिन मंदिरों के पुजारियों और गुरुजी लोगों का रहा।

जमीनी शिकायत निस्तारण में मौके पर जाएं अफसर: आईजी

● डीएम-एसपी ने खलीलाबाद कोतवाली व एडीएम-एएसपी ने धर्मसिंहवा थाने में सुनी जनसमस्या दिया निस्तारण का निर्देश

संवाददाता। संतकबीरनगर

खलीलाबाद कोतवाली में जनसमस्या सुनते आईजी पायनियर

शासन के आदेश के क्रम में जनपद में पुन: माह के द्वितीय एवं चतुर्थ शनिवार को थाना समाधान दिवस की शुरूआत हो गई है। माह के चतुर्थ शनिवार को जनपद के समस्त थाना परिसर में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जहाँ राजस्व एवं पुलिस के अधिकारी ने जमीनी विवाद सहित अन्य समस्याओं को सुनते हुए अधीनस्थो को निस्तारण का निर्देश दिए। खलीलाबाद कोतवाली में आई0जी0 रेंज बस्ती अनिल कुमार राय ने जनसमस्या सुनते हुए पारदर्शिता के साथ निस्तारण का निर्देश दिए। उनके आगमन से पूर्व जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल एवं पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ थाना समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए खलीलाबाद कोतवाली में जनसमस्या को सुने। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व मनोज कुमार सिंह एवं अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह जनपद के धर्मसिंहवा थाने में पहुँचकर जमीनी विवाद से सम्बन्धित फरियादियों की समस्याओ को सुना। आई0जी0 रेंज बस्ती अनिल कुमार राय ने राजसव एवं पुलिस के अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रार्थना पत्रो की शिकायत निस्तारण मौके पर जाकर करें इसमें पारदर्शिता बरती जाय तथा निस्तारण की रिपोर्ट जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को प्रेषित करें। उन्होंने इस दौरान आगामी त्योहार को मद्देनजर रखते हुए भी खलीलाबाद के पुराने त्योहार रजिस्टर को जॉचते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होने कोविड को देखते हुए अभी भी सतर्क रहने का निर्देश दिया है। खलीलाबाद कोतवाली में उपजिलाधिकारी सदर राज नारायण त्रिपाठी, सीओ सदर अंशुमान मिश्र, इंस्पेक्टर कोतवाली मनोज त्रिपाठी उपस्थित रहे। पीआरओ सेल के माध्यम से पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ ने बताया कि थाना समाधान दिवस पर जनपद के समस्त थानो में फरियादियों द्वारा कुल 93 मामले प्रस्तुत हुए जिनमें 19 मामलो का निस्तारण मौके पर अधिकारियों की निगरानी में किया गया तथा शेष मामलो के लिए राजस्व एवं पुलिस के अधिकारियों को निस्तारण के लिए निर्देश दिया गया। उन्होंने बताया कि खलीलाबाद कोतवाली में 24 मामले आये 4 निस्तारित, थाना दुधारा में 6 मामले आये 1 निस्तारित, धनघटा थाना में 13 मामले 4 निस्तारित, महुली थाना में 14 मामले आये 2 निस्तारित, मेंहदावल थाने में 13 मामले आये 4 निस्तारित, बखिरा थाने में 10 मामले आये 1 का निस्तारण मौके पर किया गया। बेलहर कला थाना में 5 मामले आये 2 का निस्तारण तथा धर्मसिंहवा थाने में 8 मामले आये 1 मामले का निस्तारण मौके पर किया गया।

गुरु पूर्णिमा विशेष

कोरोना की तीसरी लहर पर प्रशासन पंगु

● महामंडलेश्वर स्वामी देवेंद्रनंद गिरी की अपील दरकिनार, कोविड प्रोटोकाल तार-तार

संवाददाता। डलमऊ रायबरेली

सरकार की हिदायत के बावजूद गुरु पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ ने महामारी की संभावित तीसरी लहर की आशंका को बढ़ा दिया लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के आने से कोविड प्रोटोकाल की जमकर बखिया उधेड़ी श्रद्धालुओं द्वारा सोशल डिस्टेंस तो दूर की बात मास्क का प्रयोग भी करना उचित नही समझा वाहनों की लंबी कतार व वाहनों के अंदर परमिट संख्या से कई गुना लोगों को बैठाकर डलमऊ प्रशासन को जमकर चिढ़ाया वाहनों द्वारा सड़क पर घंटो जाम की स्थिति ने सोशल डिस्टेंसिंग व कोविड प्रोटोकाल की जमकर धज्जियां उड़ाई गयी जिसे प्रशासनिक अधिकारी कींकर्तव्यमूढ़ असहाय होकर खड़े देखते रहे प्रशासन ने सख्त रुख के स्थान पर अपील का रास्ता चुना जिसे लोगों की भक्ति भावना ने नेस्तनाबूद कर दिया डलमऊ नगर पंचायत क्षेत्र मे जगह जगह भारी जाम व उसमे फंसे श्रद्धालुओं के बीच कोविड प्रोटोकाल के तहद सोशल डिस्टेंसिंग का पालन तो दूर किसी भी श्रद्धालु ने चेहरे पर मास्क पहनने की जरूरत भी नहीं समझी। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ का अनुमान लगाए बिना और गंगा स्नान के लिए शारीरिक दूरी के साथ मास्क लगाने के लिए स्नान घाटों के निरीक्षण के दौरान ही प्रचार प्रसार कर स्नान पर्व में आने वाले श्रद्धालुओं की देखरेख के नाम पर खानापूर्ति कर दी गई थी। गुरु पूर्णिमा स्नान पर्व पर शनिवार सुबह से ही भारी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ से मुराई बाग चौराहे के साथ गंगा तट के विभिन्न स्थानों पर जाम की स्थित उत्पन्न होने लगी और देखते ही देखते मुराई बाग चौराहे पर भीषण जाम लग गया प्रात: लगभग 7.00 बजे से 9.00 बजे तक मुराई बाग चौराहे के लालगंज रोड रायबरेली रोड ऊंचाहार रोड मकनपुर रोड और डलमऊ घाट रोड पर लगभग एक किलोमीटर दूर तक भीषण जाम लग गया और लोग जहां के तहां खड़े हो गए वाहनों की लंबी कतारें लग गई डलमऊ पुलिस टीम द्वारा घंटों मशक्कत करने के बाद जाम से छुटकारा दिलाया गया।

धर्म गुरुओं की अपील हुई बेमानी, मठ पर जमा रही श्रद्धालुओं की भीड़

डलमऊ प्रशासन की ढुलमुल रवैये के चलते कोरोना की संभावित तीसरी लहर की संभावनाएं बढ़ती नजर आ रही है ऐसा प्रतीत होता है कि डलमऊ प्रशासन भी समुदाय देखकर ही सख्ती लागू करता है महामारी के संभावित तीसरी लहर के संकेत भी मिलने शुरू हो चुके है इसी के मध्य गुरू पूर्णिमा पर्व और ईद उल अजहा पर्व के आने से भीड़ की भारी संभावना से इनकार नही किया जा सकता है इसे रोकने के लिए प्रशासन ने दोनों समुदाय के धर्म गुरुओं द्वारा कोरोना महामारी की संभावित तीसरी लहर को लेकर अपने अपने समुदाय के लोगों से पर्व को घर पर ही मनाने की अपील जारी किया गया ईद उल अजहा पर्व पर डलमऊ के अल्पसंख्यक समुदाय द्वारा कोविड प्रोटोकाल का सम्पूर्ण पालन किया गया वही दूसरे समुदाय की आस्था पर धर्म गुरु महामंडलेश्वर स्वामी देवेंद्रानंद गिरी महाराज की अपील को नजरअंदाज करते हुए मठ के अंदर ही हजारों श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगा रहा जहां से महज दस मीटर की दूरी पर स्थित डलमऊ पुलिस प्रशासन असहाय होकर श्रद्धालुओं द्वारा कोविड प्रोटोकाल की उड़ती धज्जियों के मूकदर्शक बनी देखती रही।

गुरु पूर्णिमा पर गंगा तटों में उमड़ी आस्था की भीड़

ऊंचाहार,रायबरेली। कोरोना के तीसरे लहर की दस्तक को लेकर गाइडलाइन को धता बताते हुए गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भारी भीड़ उमड़ी। लाखों लोगों ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई और पूजा अर्चना की। ऊंचाहार क्षेत्र के गोकना, पूरे तीर, कोटरा बहादुर गंज गंगा घाटों पर लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। गोकना गंगा घाट पर शुक्रवार शाम से ही स्नानार्थियों का आना शुरू हो गया था। शनिवार सुबह से भारी भीड़ उमड़ गई। जिसमे ऊंचाहार समेत सलोन , डीह , परसदे पुर , जगतपुर , अमेठी , गौरीगंज आदि स्थानों से लोग बस , कार व अन्य साधनों से गंगा स्नान करने पहुंचे थे । शनिवार प्रात:काल से शुरू हुआ गंगा स्नान का सिलसिला दोपहर बाद तक चलता रहा ।

लालगंज क्षेत्र मे कई स्थानों पर हुये गुरू पूर्णिमा उत्सव

लालगंज रायबरेली। शनिवार को गुरू पूर्णिमा के पावन अवसर पर दूर दराज से आये श्रद्धालुओं ने कोविड 19 का पालन करते हुये गेगासो मे गंगा स्नान किया है।मौके पर प्रसासनिक व्यवस्था चुस्त दुरूस्त थी।पुलिस व गोताखोरों की भी व्यवस्था थी।एसडीएम विनय मिश्रा ने भी गंगा स्नान का निरीक्षण किया।उन्होने बताया कि अभी गंगा नदी का जल स्तर सामान्य से कम है।किसी भी प्रकार का खतरा नही है।श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के बाद मां संकठा देवी मन्दिर और अपने गुरूओं के आश्रमों मे जाकर विधिवत पूजा अर्चना की।

जीएम ने निर्माणाधीन एयरपोर्ट का किया निरीक्षण

● अवशेष कार्यों मे तेजी लाकर पूरा करने का दिया निर्देश

संवाददाता। श्रावस्ती

जिले के कटरा श्रावस्ती में निर्माणाधीन एयरपोर्ट का जिलाधिकारी टी0के0 शिबु के साथ एयरपोर्ट अथारिटी ऑफ इंडिया के महाप्रबंधक ए0पी0 गुप्ता एवं सहायक महाप्रबन्धक मुकेश सक्सेना ने आकस्मिक निरीक्षण कर कराए जा रहे कार्यो का जायजा लियाए और गुणवत्तापूर्ण ढंग से मानक के अनुरूप अधूरे कार्यो को पूरा करने के लिए कार्यदायी संस्था राजकीय निर्माण निगम के परियोजना प्रबन्धक पंकज चोपड़ा एवं बिजली विभाग के सहायक अभियंता निशान्त अग्रवाल को निर्देश दिया। जिलाधिकारी के साथ महाप्रबन्धक एवं सहायक महाप्रबन्धक एयरपोर्ट अथारिटी ऑफ इंडिया ने पूरे एयरपोर्ट क्षेत्र का भ्रमण कर कराए गए कार्यों का जायजा लिया तथा अधूरे कार्यों को मानक के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य में तेजी लाकर पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होने कहा कि यदि गुणवत्ता में कहीं भी कमी मिली तो निश्चित ही कार्यवाही की जाएगी। उन्होने सम्बन्धित अभियंताओं को निर्देश दिया कि वह अधूरे कार्यों को पूरे गुणवत्ता के साथ पूरा कराएं तथा कार्यों के प्रगति की निरन्तर रिपोर्ट देते रहें। इसलिए संबंधित विभागीय अभियंता अपने दायित्वों का सही ढंग से निरंतर एयरपोर्ट के अधूरे कार्य को तत्काल पूरा कराएं जिससे एयरपोर्ट का संचालन हो सके। जिलाधिकारी, महाप्रबन्धक एवं सहायक महाप्रबन्धक के एयरपोर्ट पर निरीक्षण के दौरान ज्ञात हुआ की यहां पर बैगेज स्कैनिंग मशीन, पैसेंजर ट्रालीए एटीसी काउन्टर, चेकिंग काउन्टर, थ्री.सीटर चेयर आ गई है तथा पैसेंजर को देखने हेतु कलर टी0वी0 भी आ गई है। इसके साथ ही सीसीटीवी कैमरे भी लग गये है।

आईजी ने बछरावां थाना दिवस के दौरान किया गहन निरीक्षण

संवाददाता। बछरावां रायबरेली

शासन की मंशा अनुसार जमीनी विवादों एवं जनता के वादों को सुनने के लिए शासन द्वारा जनता दरबार लगाकर फरियादियों की फरियाद निपटाने के लिए थाना दिवस एवं तहसील दिवस की शुरुआत की थी। इसी क्रम में आईजी रेंज लक्ष्मी सिंह ने बछरावां थाने का निरीक्षण किया। जिसके बाद आईजी फरियादियों की फरियाद निपटाने के लिए स्वयं थाने में बैठकर प्रार्थना पत्रों पर त्वरित कार्रवाई के दिशा निर्देश जारी किए हैं ।बताते चलें कि शीतल पुत्र सिद्धनाथ निवासी पलही बाजार, निर्मला निवासी सेहगों पश्चिम गांव में जमीनी विवाद को लेकर आईजी ने त्वरित निस्तारण के दिशा निर्देश जारी किए हैं। साथ ही उन्होंने चार प्रार्थना पत्रों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए निस्तारित किए गए हैं। इस दौरान आईजी ने कहा कि प्रत्येक फरियादी को थाने से न्याय की आशा होती है। इसलिए किसी भी वाद को निस्तारण करने में देरी न बरती जाए उन्होंने कहा कि जमीनी विवाद में राजस्व टीम एवं पुलिस टीम की सहायता से फरियादियों की फरियाद मौके पर पहुंचकर निस्तारित करें। जिससे कि फरियादियों को दर-दर न भटकना पड़े ।

आईजी ने कहा कि शासन की मंशा अनुसार प्रत्येक दशा में फरियादियों की फरियाद सुनी जाए ।इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ,उप जिला अधिकारी सविता यादव ,थाना अध्यक्ष राकेश सिंह ,उपनिरीक्षक श्री बाबू उप निरीक्षक चंद्र प्रताप सिंह, लेखपाल राकेश यादव, राजेंद्र चौधरी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लेखपाल मौजूद रहे।

ईमानदार बीएसए के कैबिनेट की असल कहानी!

संवाददाता। बस्ती

● शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने टीम के लोगों परलगाए गंभीर आरोप

...सुनने में अजीब लग रहा है, मगर यह सच है कि ईमानदारी का ढ़ोलक पीटने वाले बीएसए के कैबिनेट में भ्रष्टाचार के सूत्रधारों की भरमार है। ये आरोप और कोई नहीं बल्कि प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने लगाया है, और कहा कि अगर बीएसए वाकई ईमानदारी दिखाना चाहते हैं, तो उन्हें सबसे पहले अपने कैबिनेट के खंड शिक्षा अधिकारियों को ईमानदारी का पाठ पढ़ाना होगा। कहते हैं कि खंड शिक्षा अधिकारी खुलेआम डाटा कैप्चर फार्म के प्रशिक्षण के नाम पर आए लाखों रुपये का बंदरबांट बिना प्रशिक्षण कराए कर चुके हैं, और अब स्कूलों तक नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक पहुंचाने के नाम पर आए धन का बंदरबांट की साजिष रच रहे हैं। इतना ही नहीं हर साल 30 से 35 फीसद पाठ्य पुस्तक की आपूर्ति कम होती है, गुणवत्ता अलग से खराब रहती है, मगर भुगतान शत प्रतिशत होता है। इसमें भी खंड शिक्षा अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। शिकायत करने के बाद न तो बीएसए कार्यालय ध्यान देता है, और न प्रशासन ही स1ज्ञान में लेता है। शिकायतों पर ऊपर से जांच के आदेश भी होते हैं, मगर वह जांच डीएम और बीएसए कार्यालय के बीच कहीं दम तोड़ देता है। कहते हैं कि समग्र शिक्षा अभियान के धन का सबसे अधिक दुरुपयोग इसके जिम्मेदार ही कर रहे है। यही कारण है कि न तो भ्रष्टाचार रुक रहा है और न षिक्षा की गुणवत्ता में ही अपेक्षित सुधार हो रहा है। प्राथमिक षिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद सिंह, मंत्री बालकृष्ण ओझा एवं कोषाध्यक्ष दुर्गेष यादव का कहना है कि संगठन पहले भी भ्रष्टाचार के खिलाफ और षिक्षा की गुणवत्ता में सुधार को लेकर लड़ता आ रहा है, और आगे भी लड़ता रहेगा।

संघ के पदाधिकारियों के आरोपों में इस लिए दम लगता है, क्यों कि आरोप लगाने वाला कोई बाहर का नहीं बल्कि इसमें कोई प्रधानाचार्य तो कोई शिक्षक है। यह पदाधिकारी इससे पहले भी बीएसए कार्यालय एवं बीआरसी में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर कई बार धरना प्रदर्षन और ज्ञापन दे चुके है। उच्चाधिकारियों को साक्ष्य के साथ आरोप भी लगा चुके है। मगर इन जिम्मेदारों की आवाज दबकर गुम हो जाती रही। इन पदाधिकारियों का दावा है कि अगर संघ के आरोपों की जांच हो जाए तो कई अधिकारी कार्रवाई की चपेट में आ सकते है, और शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक सुधार हो सकता है। पहले नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक में हो रहे गोलमाल पर नजर डालिए। संघ के पदाधिकारियों के अनुसार हर साल कक्षा एक से आठ तक बच्चों के लिए लगभग दो लाख बच्चों के नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकें आती हैं। इनमें कक्षा एक से पांच तक के पांच-पांच पुस्तक, एक एवं दो में दो-दो पुस्तक और तीन, चार और कक्षा पांच में पांच पुस्तक और कार्य पुस्तिका दिया जाता है। इस साल एक लाख 93 हजार 879 बच्चों के लिए पुस्तक आना है, और आ भी गया है। पुस्तकें बीआरसी पर रखी जाती है, और वहां से संबधित स्कूलों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी खंड शिक्षा अधिकारियों की होती है। इसके लिए सरकार ने 12 लाख 56 हजार 354 रुपया जिले को एलाट किया, यह धन सभी बीआरसी को भेज दिया जाता है। संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि पिछले तीन साल से एक भी खंड षिक्षा अधिकारी के द्वारा स्कूलों तक पुस्तकें नहीं पहुंचाई गई। बल्कि स्कूल के प्रधानाचार्य और शिक्षक अपना धन लगाकर पुस्तक ले जाते है। इस तरह लगभग 40 लाख रुपये का बंदरबांट कर लिया गया, षिकायतें भी की गई, मगर उसे अनसुना कर दिया गया। अब आ जाइए, नि:शुल्क पुस्तकों की गुणवत्ता और कम आना है। संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि हर साल लगभग 30 से 35 फीसद पुस्तक कम आपूर्ति की जाती है, और गुणवत्ता भी खराब रहती है। मगर इन दोनों पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता। इस मामले में सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी समग्र शिक्षा की भूमिका संदेहात्मक रही है। ताज्जुब होता है कि हर साल लाखों रुपये की पुस्तक कम दी जाती है, और भुगतान शतप्रतिशत होता है, फिर भी देखने और सुनने वाला कोई नहीं है। जबकि इसकी सारी जिम्मेदारी खंड शिक्षा अधिकारियों की है।

उर्दू के बच्चे और गुरुजी भी हैं, मगर किताबें लापता!

जिले में 24 से 25 ऐसे स्कूल हैं, जहां पर मुस्लिम बहुल के बच्चे पढ़ते है। सरकार ने इन बच्चों को उर्दू की शिक्षा देने के लिए पहले उर्दू के शिक्षकों की तैनाती की और उसके बाद उर्दू के नि:शुल्क पुस्तकों की व्यवस्था की। संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि एक भी उर्दू की किताबे नहीं आती, एक तरह से बच्चें उर्दू के शिक्षा से मरहूम हो रहे हैं। जबकि इसके लिए विशेष रुप से उर्दू के शिक्षकों की तैनाती की गई।

बीमारी से ग्रसित युवक ने लगाई फांसी, हुई मौत

बछरावां रायबरेली। जहां एक तरफ सबका साथ सबका विकास की तर्ज पर गरीबों को आयुष्मान भारत योजना के तहत पांच लाख का निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करा रही है। वहीं दूसरी तरफ जानकारी के अभाव में व उचित इलाज ना हो पाने के कारण बीमारी से मानसिक रूप से ग्रस्त होकर युवा अब आत्महत्या की ओर और रुख कर रहे हैं। मामला बछरावां थाना क्षेत्र के अंतर्गत कसरावां ग्राम सभा के सुरजूपुर में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का घर के बरामदे में शव लटका हुआ मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, तथा आगे की जांच में जुट गई है। मृतक के परिजनों के मुताबिक देशराज उम्र लगभग 35 वर्ष लम्बे समय से बीमारी से ग्रसित रहता था। काफी इलाज दवा करने के बाद भी मृतक को आराम नहीं मिलता था। जिसके कारण बीमारी से ग्रसित होकर उसने फांसी लगा ली। वही मृतक की मां ने बताया कि पेट में पथरी होने के कारण वह लंबे समय से परेशान रहता था इसी पर कारण शायद उसने फांसी लगा ली है।

‘पहले दिन से किया चुनौतियों का सामना’

● एदियुरप्पा ने गिनाईं अपनी उपलब्धियां

● कोरोना महामारी को लेकर जताई चिंता

भाषा। बेंगलुरू

बी एस एदियुरप्पा ने शनिवार को कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री का कार्यभार संभालने के बाद पहले दिन से ही उन्हें कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन वह इस बात को लेकर संतुष्ट हैं कि उन्होंने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए ईमानदार प्रयास किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने शिवमोगा जिले और अपने शिकारीपुरा निर्वाचन क्षेत्र का चौतरफा विकास सुनिश्चित कर लोगों से किया गया वादा निभाया है, जिस पर उन्हें गर्व महसूस होता है।

एदियुरप्पा ने अपने कार्यालय से ऑनलाइन तरीके से शिवमोगा जिले में 1,074 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन करने और 560 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा, मैं इस बात को लेकर संतुष्ट हूं कि पिछले दो वर्षों में हमने शिवमोगा जिले के विकास के लिए अधिकतम प्रयास किए हैं। जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया जा रहा है, वे इसका प्रमाण हैं। मुझे गर्व है कि शिवमोगा जिले और अपने शिकारीपुरा निर्वाचन क्षेत्र के चौतरफा विकास को सुनिश्चित कर मैंने लोगों से किया गया वादा निभाया है। शिकारीपुरा ने ही मुझे राजनीति में प्रवेश दिलाया। एदियुरप्पा ने कहा, जिस दिन से मैंने मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला है, उस दिन से लेकर अब तक मुझे प्राकृतिक आपदाओं जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिनका सामना राज्य ने पहले कभी नहीं किया था। अब यह कोविड-19 महामारी आ गई है, जिसने लोगों की जिंदगी ही बर्बाद कर दी। एक बार फिर बाढ़ जैसी स्थिति बन रही है। शिवामोगा समेत अन्य आठ जिलों के उपायुक्तों को राहत एवं बचाव कार्य चलाने के निर्देश देने के बाद उन्होंने कहा, मैं इस बात को लेकर संतुष्ट हूं कि तमाम चुनौतियों के बावजूद मैंने लोगों के जीवन और उनकी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए ईमानदारी से प्रयास किए हैं। लोगों के समर्थन के लिए मैं उनका शुक्रिया अदा करता हूं। सोमवार को पद पर उनका आखिरी दिन होने का संकेत देते हुए एदियुरप्पा ने हाल में कहा था कि वह 25 जुलाई को भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से मिलने वाले निर्देश के आधार पर वह 26 जुलाई से अपना काम शुरू करेंगे। सोमवार 26 जुलाई को एदियुरप्पा सरकार के दो साल पूरे हो रहे हैं। गौरतलब है कि शिकारीपुरा में पुरसभा अध्यक्ष के रूप में अपना राजनीतिक जीवन शुरू करने वाले एदियुरप्पा पहली बार 1983 में शिकारीपुरा सीट से विधानसभा के लिए चुने गए थे और वहां से आठ बार जीते हैं।

हाथियों के गलियारों की बहाली को अध्ययन जारी

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने मद्रास उच्च न्यायालय को सूचित किया कि वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड की मदद से एक व्यापक अध्ययन किया जा रहा है जिसमें यह सुनिश्चित किया जाएगा कि नीलगिरी क्षेत्र में हाथियों के वास और आने-जाने के रास्तों (गलियारों) पर यदि कोई अतिक्रमण है तो उसे हटाया जाए और उसे वन तथा वन्यजीवों के लिए समर्पित रखा जाए। पशुओं के लिए काम करने वाले कार्यकर्ता मुरलीधरन एवं अन्य की जनहित याचिका पर सुनवाई के समय शुक्रवार को मुख्य न्यायाधीश संजीव बनर्जी और न्यायमूर्ति सेंथिलकुमार राममूर्ति को सूचित किया गया कि अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ भी इस पहल का हिस्सा हैं। पीठ ने मामले पर सुनवाई दो सितंबर तक के लिए टाल दी और राज्य सरकार को निर्देश दिया कि क्षेत्र का किस तरह इस्तेमाल हो रहा था और उसकी वर्तमान स्थिति क्या है यह जानकारी देते हुए चार सप्ताह के भीतर वह एक हलफनामा दायर करे।

सुप्रीम कोर्ट समय पूर्व रिहाई की नीति को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई को सहमत

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय उस याचिका पर सुनवाई करने को सहमत हो गया है, जिसमें कानूनी मुद्दा उठाया गया है कि समय पूर्व रिहाई के लिए दोषसिद्धि के वक्त लागू नीति अमल में लाई जाएगी या ऐसी राहत देने का विचार करते वक्त लागू नीति।

शीर्ष अदालत ने इस याचिका पर मध्य प्रदेश सरकार और अन्य से चार हफ्ते में जवाब देने को कहा है। मामले में याचिकाकर्ता उम्र कैद की सजा काट रहा कैदी है और उसने अदालत से अनुरोध किया है कि राज्य को उसे रिहा करने का निर्देश दिया जाए, क्योंकि उसने छूट की अवधि सहित 20 साल कैद की सजा पूरी कर ली है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि वह मामले में सजा सुनाए जाने के वक्त लागू समयपूर्ण रिहा करने की नीति की अर्हता रखता है। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय की पीठ के समक्ष यह याचिका शुक्रवार को सुनवाई के लिए आई, जिसमें राज्य सरकार और अन्य को नोटिस जारी किया गया। पीठ ने कहा चार हफ्ते में नोटिस का जवाब दें। अधिवक्ता ऋषि मल्होत्रा के जरिए दायर याचिका में याचिकाकर्ता ने कहा कि उसे एवं अन्य को वर्ष 1996 के मामले में निचली अदालत ने दोषी ठहराया और सितंबर 2005 में उम्र कैद की सजा सुनाई। याचिका में कहा गया, हालांकि, 10 जनवरी 2012 को पहली बार उस नीति में बदलाव किया गया, जिसमें कहा गया कि उम्र कैद की सजा पाए व्यक्ति को कुल 26 साल की सजा के साथ 20 साल की वास्तविक सजा भुगतनी होगी जबकि दिसंबर 1978 की नीति में उल्लेख था कि 18 दिसंबर 1978 के बाद उम्र कैद की सजा पाया व्यक्ति अगर कुल 20 साल और 14 साल की वास्तविक सजा को पूरा कर लेता है, वह तो समय पूर्व रिहाई की अर्हता रखता है। याचिकाकर्ता के मुताबिक अधिकारियों ने पिछले साल दिसंबर में उसकी समय पूर्व रिहा करने की अर्जी पर दिसंबर 1978 की नीति के तहत विचार करने के बजाय जनवरी 2012 की नीति के आधार पर उसे अस्वीकार कर दिया। याचिका में कहा गया, याचिकाकर्ता की समय पूर्व रिहाई की अर्जी पर चार दिसंबर, 1978 के संदर्भ में विचार किया जाना चाहिए और अदालत से अनुरोध है कि वह उसे तत्काल रिहा करने के लिए उचित निर्देश दे।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने आषाढ़ पूर्णिमा के अवसर पर भगवान बुद्ध के दर्शन कर पुष्पांजलि दी

पश्चिम बंगाल के कॉलेज स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नई व्यवस्था तैयार करने में जुटे

● बिना किसी परीक्षा के प्रवेश लेने की तैयारी

भाषा। कोलकाता

कोलकाता स्थिति महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों और सरकारी यादवपुर विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि इस साल पश्चिम बंगाल में उच्चतर माध्यमिक परीक्षा अधिक वैज्ञानिक और तार्किक रहे। उच्च शिक्षण संस्थानों के अधिकारियों ने बताया कि वे आईएससी और सीबीएसई के नतीजे आने के बाद स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में बिना किसी परीक्षा प्रवेश के लिए नई व्यवस्था तैयार करेंगे। लेडी ब्रेबोर्न कॉलेज की प्रधानाचार्य सिउली सरकार ने पीटीआई-भाषा से कहा, इस साल उच्चतर माध्यमिक कक्षा के परिणाम अधिक संतुलित और उचित तरीके से वैज्ञानिक मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत आने की उम्मीद है और यहां तक कि अगर कोई उम्मीदवार महसूस करता है कि वह ऑफलाइन परीक्षा में बेहतर किया होता, तो ऐसों की संख्या अधिक नहीं होगी।

सरकार ने कहा कि कॉलेज ऐसी व्यवस्था पर विचार कर रहा है जिसमें वर्ष 2019 में 10वीं की बोर्ड परीक्षा के अंक को प्रवेश के दौरान न्यूनतम अर्हता अंक के साथ संबंधित कला और विज्ञान संकाय के विषयों में महत्व दिया जाए। स्कॉटिश चर्च कॉलेज के प्रवक्ता ने बताया कि उनके संस्थान ने मोटे तौर पर फैसला किया है कि प्रवेश के दौरान उच्चतर माध्यमिक (12वीं कक्षा) के साथ-साथ 10वीं बोर्ड परीक्षा के अंकों के लिए भारांक दिया जाए। हालांकि, अन्य बोर्ड के नतीजों की समीक्षा के आधार पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। यादवपुर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि संस्थान ने राज्य उच्च शिक्षा विभाग को विज्ञान संकाय के विषयों में प्रवेश के लिए 80:20 का फार्मूला दिया है।

उन्होंने बताया, फार्मूला के तहत 80 प्रतिशत अंक विद्यार्थी को 10वीं और 12वीं कक्षा में किए गए प्रदर्शन के आधार पर देने और शेष 20 प्रतिशत अंक विद्यार्थी के साथ ऑनलाइन चर्चा, संवाद के आधार पर देने का प्रस्ताव है। हालांकि, कोई ऑफलाइन परीक्षा नहीं हो सकती है, ऐसे में हमने उच्च शिक्षा विभाग से इस फार्मूले में उम्मीदवार से ऑनलाइन चर्चा की व्यवहारिकता पर राय मांगी है, जैसा कि हमारे शिक्षकों और प्रबंधन ने विचार किया है। अधिकारी के मुताबिक अगले सप्ताह शनिवार तक इस मामले पर फैसला ले लिया जाएगा।

इस बार आयोजित नहीं होगा बाली तर्पणम

● केरल में कोविड महामारी के इस दौर में टीडीबी ने नहीं दी आयोजन करने की अनुमति

भाषा। तिरुवनंतपुर

केरल में मंदिरों का संचालन करने वाले सर्वोच्च निकाय त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) ने कोरोना वायरस संक्रमण के मद्देनजर वार्षिक अनुष्ठान बाली तर्पणम के आयोजन को इस बार रद्द करने का फैसला किया है। बाली तर्पणम एक धार्मिक अनुष्ठान है, जिसमें हिंदू समुदाय के हजारों लोग मंदिरों के परिसर में एकत्र होकर अपने-अपने पूर्वजों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं। टीडीबी के सूत्रों के मुताबिक हाल में हुई बोर्ड की एक उच्चस्तरीय बैठक में इस धार्मिक अनुष्ठान के आयोजन को अनुमति नहीं देने का फैसला किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रत्एक वर्ष हजारों की संख्या में लोग केरल के छोटे और बड़े मंदिरों के घाटों पर एकत्र होकर यह अनुष्ठान करते हैं। टीडीबी द्वारा सबरीमला के विश्व प्रसिद्ध भगवान अयप्पा मंदिर समेत केरल के 1200 से अधिक मंदिरों का संचालन किया जाता है। लिंग और उम्र की तमाम बाधाओं को दरकिनार कर हिंदू समुदाय के लोग आमतौर पर प्रत्एक वर्ष कर्किडका वावु के अवसर पर केरल में नदियों और समुद्र तटों पर यह पारंपरिक अनुष्ठान करते हैं। इस साल आठ अगस्त को यह अनुष्ठान किया जाना था। हिंदू मान्यता के अनुसार, यदि कर्किडका वावु के दिन ही बाली तर्पणम का आयोजन किया जाए तो मृत व्यक्ति की आत्मा को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

सिक्कम में कोरोना के 225 नए मामले

गंगटोक। सिक्किम में 225 और लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई, जिसके बाद राज्य में शनिवार को कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 24,823 हो गई। वहीं, संक्रमण से एक मरीज की मौत हुई जिससे यहां मृतक संख्या बढ़कर 330 हो गई है। एक स्वास्थ्य बुलेटिन में यह जानकारी दी गई। पश्चिम सिक्किम जिले में सबसे अधिक 81 नए मामले सामने आए, इसके बाद पूर्वी सिक्किम में 72, दक्षिण सिक्किम में 71, और उत्तरी सिक्किम में एक मामले आए। सिक्किम में अब 2,849 उपचाराधीन मरीज हैं, जबकि 21,380 लोग इस बीमारी से उबर चुके हैं और 264 मरीज अब तक दूसरे राज्यों में चले गए हैं। राज्य में कोरोना वायरस रोगियों के ठीक होने की दर 87 प्रतिशत है। बुलेटिन में कहा गया है कि हिमालई राज्य में अब तक कोविड-19 के लिए 1.87 लाख से अधिक नमूनों की जांच हुई है, जिसमें पिछले 24 घंटों में हुईं।

पीएम-किसान योजना का इस्तेमाल असम में वोटरों को प्रभावित करने के लिए हुआ: एजेपी

भाषा। गुवाहाटी

एजेपी ने शनिवार को आरोप लगाया कि असम में पूर्ववर्ती भाजपा सरकार ने केंद्र के पीएम-किसान योजना के तहत लाभ किसानों के एक ऐसे धड़े को दिया जो इसके लिए पात्र नहीं थे और भाजपा ने इस वर्ष की शुरुआत में यह फायदा कई अन्य राज्यों में भी दिया जहां विधानसभा चुनाव हुए।

असम जातीय परिषद (एजेपी) ने यह भी दावा किया कि किसान कल्याण योजना के तहत सबसे अधिक संख्या में अपात्र लाभार्थियों की संख्या का पता पूर्वोत्तर राज्यों में चला है जहां भाजपा नीत सरकार सत्ता में थी और पिछले विधानसभा चुनाव में फिर से सत्ता में आई है।

एजेपी के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई ने आरोप लगाए कि केंद्रीय योजना के तहत तमिलनाडु 7,22,271 अपात्र किसानों की संख्या के साथ दूसरे स्थान पर रहा जहां उसका अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन था।

गोगोई ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, पीएम-किसान योजना के तहत लाभ राजनीतिक फायदे के लिए दिया गया। यह इस तथ्य से पता चलता है कि असम और तमिलनाडु में अपात्र किसानों को इस कार्यक्रम के तहत लाभ पहुंचाया गया। भाजपा यहां सत्ता में रही है और दक्षिणी राज्य में उसका सत्तारूढ़ अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन था।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा 20 जुलाई को लोकसभा में दी गई सूचना के मुताबिक असम में 8,35,268 ऐसे किसानों को पीएम-किसान का लाभ दिया गया जो इसके लिए पात्र नहीं थे। एजेपी अध्यक्ष ने कहा कि देश में कल्याणकारी योजना के तहत 42 लाख अपात्र किसानों को इसका फायदा दिया गया। गोगोई ने कहा, बहरहाल, असम एवं तमिलनाडु के साथ पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनाव हुए लेकिन वहां केवल 19 अपात्र किसानों को लाभ पहुंचाया गया। भाजपा बंगाल में सत्ता में नहीं थी। पीएम-किसान योजना के तहत पात्र किसान परिवारों को प्रति वर्ष छह हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती है जो दो हजार रुपए की तीन बराबर किस्तों में दी जाती है। यह राशि लाभार्थियों के सीधे खाते में भेजी जाती है। गोगोई ने कहा, अगर हम मानें कि एक परिवार में चार व्यक्ति हैं तो असम में 33.41 लाख मतदाताओं को प्रभावित किया गया। यह घोटाला यह भी सवाल उठाता है कि अन्य सरकारी योजनाओं में कितने वास्तविक लाभार्थियों को शामिल किया गया है।

पटना में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना के तहत 350 से अधिक एम्बुलेंस लाभार्थियों को दीं

गुवाहाटी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजभवन के सामने पेगासस मामले को लेकर प्रदर्शन किया

स्कूल खोलने की तारीख का फैसला करेंगे सीएम: डोटासरा

● स्कूल खोलने की घोषणा के बाद दी सफाई

भाषा। जयपुर

कोरोना वायरस के घटते मामलों के बीच राज्य में स्कूल खोले जाने की घोषणा पर उठे विवाद के बाद स्कूली शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा ने शनिवार को कहा कि इस बारे में अंतिम फैसला मुख्यमंत्री अशोक गहलोत करेंगे। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा व पढ़ाई दोनों सरकार की प्राथमिकता है। डोटासरा ने शनिवार को ट्वीट किया, स्कूल खोलने को लेकर विस्तृत प्रक्रिया एसओपी बनाने के लिए गठित मंत्रिमंडल की समिति की बैठक में सभी पहलुओं पर चर्चा के बाद मुख्यमंत्री गहलोत स्कूल खोले जाने की तारीख और स्वरूप पर निर्णय करेंगे। इसके साथ ही डोटासरा ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और पढ़ाई दोनों हमारी सरकार की प्राथमिकता में है। उल्लेखनीय है कि राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक बृहस्पतिवार को हुई जिसमें कोरोना की दूसरी लहर के बाद राज्य में विद्यालयों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों को शिक्षण कार्य के लिए खोलने पर सैद्धांतिक सहमति जताई गई। बैठक के बाद डोटासरा ने ट्वीट किया था कि सभी स्कूल दो अगस्त से खुलेंगे। हालांकि इस पर मुख्य विपक्षी भाजपा ने कहा कि बिना कोई प्रक्रिया तय किए स्कूल खोलना उचित नहीं है। इस पर पैदा हुए विवाद के बाद मुख्य विपक्षी भाजपा भी आक्रामक हो गई। इसके बाद शुक्रवार को मुख्यमंत्री गहलोत ने शिक्षण संस्थाओं को खोलने की तिथि और एसओपी के संबंध में निर्णय लेने के लिए पांच मंत्रियों की समिति गठित की। इस समिति में चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा, कृषि मंत्री लालचंद कटारिया, शिक्षा राज्यमंत्री गोविंद सिंह डोटासरा, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री भंवर सिंह भाटी तथा तकनीकी शिक्षा राज्यमंत्री डॉ सुभाष गर्ग शामिल हैं।

आतंकी साजिश के आरोपी की जमानत याचिका खारिज

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर अनीस अंसारी की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी है जिसे शहर में अमेरिकी प्रतिष्ठानों को उड़ाने की साजिश रचने के आरोप में 2014 में गिरफ्तार किया गया था। अंसारी ने कोविड महामारी के कारण अस्थाई जमानत का अनुरोध किया था लेकिन शुक्रवार को उसकी याचिका को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एस एच ग्वालानी ने शुक्रवार को खारिज कर दिया। एटीएस ने अदालत को बताया कि अंसारी ने एक निजी कम्पनी में काम करते हुए एक फर्जी फेसबुक खाता खोला और कम्पनी के कम्प्यूटर का इस्तेमाल कर आपत्तिजनक सामग्री प्रकाशित की। एजेंसी ने अदालत में कहा कि अंसारी ने आतंकी संगठन आईएसआईएस की गतिविधियों का भी समर्थन किया। अदालत ने कहा कि आरोपपत्र में आरोपी और उमर इल्हाजी नामक व्यक्ति की बातचीत का खुलासा करने वाला ब्यौरा है।

एमपी सरकार ने स्कूल फिर से खोलने के लिए एसओपी जारी की

भाषा। भोपाल

मध्य प्रदेश सरकार ने प्रदेश में 26 जुलाई से स्कूलों की 11वीं और 12वीं कक्षा को 50 प्रतिशत उपस्थिति के साथ फिर से खोलने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की हैं। प्रदेश सरकार के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार को इस संबंध में एसओपी जारी की गई हैं। इसके साथ ही कक्षा 9 एवं 10वीं के विद्यार्थियों के लिए स्कूलों में कक्षाएं पांच अगस्त से शुरु होंगी। उन्होंने कहा कि 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए सप्ताह में दो बार स्कूलों में कक्षाएं होंगी तथा इसके साथ ही ऑनलाइन कक्षाएं भी जारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि 11वीं के विद्यार्थी मंगलवार और शुक्रवार को स्कूल जाएंगे तथा 12 वीं कक्षा के विद्यार्थी सोमवार और बृहस्पतिवार को स्कूलों में बुलाए जाएंगे। अधिकारी ने बताया कि 9वीं कक्षा के विद्यार्थी शनिवार को तथा 10वीं कक्षा के विद्यार्थी बुधवार को स्कूल जाएंगे। दिशा निर्देशों के अनुसार, कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए एहतियात के तौर पर सुबह की सभा और तैराकी आदि की अनुमति नहीं दी गई है। इसके अलावा प्रदेश सरकार ने स्कूल प्रबंधन से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की कोविड-19 की जांच जैसे उपाय करने के लिए भी कहा है। महामारी के चलते मध्य प्रदेश में लंबे समय बाद स्कूलों को फिर से खोला जा रहा है। प्रदेश में संक्रमण के मामलों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। शुक्रवार को प्रदेश में संक्रमण के मात्र 11 नए मामले सामने आए तथा प्रदेश में शुक्रवार को किसी भी व्यक्ति की इस बीमारी से मौत की सूचना नहीं है। इस बीच, प्रदेश के मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस ने जिलाधिकारियों और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को स्कूल व कॉलेज के शिक्षकों और गैर शिक्षक कर्मचारियों को टीका लगाने के निर्देश दिए हैं।

एकीकृत स्वास्थ्य इंटरफेस पर परामर्श पत्र को लेकर टिप्पणियां आमंत्रित

नई दिल्ली। आने वाले दिनों में राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन (एनडीएचएम) की शुरुआत के मद्देनजर एकीकृत स्वास्थ्य इंटरफेस (यूएचआई) की प्रस्तावित डिजाइन, कार्यक्षेत्र एवं भूमिका का विवरण प्रदान करने के लिए एकपरामर्श-पत्र जारी किया गया है और जनता से इसपर टिप्पणी मांगी गई है। देश में एनडीएचएम की डिजाइन एवं शुरुआत के लिए जिम्मेदार राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) ने शनिवार को एक बयान में कहा कि जनता से टिप्पणियां इसलिए मांगी गईं ताकियह सुनिश्चित हो सके कि यूएचआई सहयोगात्मकएवं परामर्शी प्रणाली से डिजाइन एवं विकसित किया जाए। एनएचए ने कहा कियूएचआई के माध्यम से, एनडीएचएम का लक्ष्य भारत में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को प्रदान करने के तरीकेको बदलना है।

DOC टॉक

डॉ. गुनीता सिंह

बीडीएस, एमडी, डेंटल लेजर, निदेशक, डेंटम और एसोसिएट कंसल्टेंट, सर गंगा राम अस्पताल

बच्चों के दांत निकलना एक चुनौती

बच्चे का जन्म और पालन-पोषण बहुत सारी चुनौतियों के साथ आता है और हर दिन अपने आप में एक अनुभव होता है, ऐसे ही अनुभवों में से एक है शुरुआती। यह वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा बच्चे के दांत मसूढ़ों से निकलते हैं।

दांत आमतौर पर छह से 24 महीने की उम्र के बीच होते हैं और आम तौर पर चिड़चिड़ापन निविदा और सूजन वाले मसूड़ों से जुड़ा होता है, शिशु असुविधा को कम करने के प्रयास में वस्तु या उंगलियों को मुंह में रखना चाहता है। जब बच्चे के दांत निकलते हैं तो बुखार, खांसी, दस्त और सर्दी के लक्षण नहीं पाए जाते हैं।

दांत निकलने के लक्षणों की शुरुआत आम तौर पर एक दांत के फटने से पहले चार से 10 महीने की उम्र के बीच दिखाई दे सकती है, पहला दांत आमतौर पर लगभग छह महीने की उम्र में फूटता है। कुछ दंत चिकित्सकों ने शुरुआती औसत या देर से आने वाले दांतों के पारिवारिक पैटर्न पर ध्यान दिया है।

दांत आमतौर पर मसूड़े और जबड़े की परेशानी से जुड़े होते हैं क्योंकि शिशु का दांत मसूड़े के ऊतकों की सतह से फूटने की तैयारी करता है। यह क्षेत्र थोड़ा लाल या सूजा हुआ दिखाई दे सकता है कभी-कभी फटने वाले दांत के ऊपर खून के समान तरल पदार्थ से भरा क्षेत्र दिखाई दे सकता है। कुछ दांत फूटने पर दूसरों की तुलना में अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। कुछ दांत कृन्तकों की तरह फूटते समय कम परेशानी पैदा करते हैं और कुछ जैसे ज्ञान दांत बहुत दर्दनाक हो सकते हैं।

दांत निकलने से निम्नलिखित लक्षण हो सकते हैं :

- बढ़ी हुई लार।
- मसूढ़ों की परेशानी के कारण बेचैनी या नींद कम होना।
- मसूड़े के क्षेत्र में दर्द के कारण भोजन से इनकार।
- आहट जो आती है और चली जाती है।
- हाथ मुंह पर लाना।
- त्वचा में जलन के कारण मुंह के चारों ओर हल्के दाने, अत्यधिक लार आने के कारण।
- दाढ़ के फटने के दौरान निर्दिष्ट दर्द के परिणामस्वरूप चेक या कान क्षेत्र को रगड़ना।

अपने बच्चे को चबाने के लिए सुखदायक अंगूठियां दें। यह मसूड़ों के दर्द को कम करने में उनकी मदद करने के लिए एक बहुत अच्छा विकल्प है। उन खिलौनों को इस्तेमाल करने से पहले कुछ देर के लिए फ्रिज में रख दें, कूलिंग इफेक्ट कमाल कर सकता है।

खैर, जो कुछ भी कहा और किया जाता है, वह आपके बच्चे के लिए सबसे खूबसूरत मील के पत्थर में से एक है। एक बार जब आप उन छोटे-छोटे मोतियों को देख लेते हैं जिन्हें आप हमेशा के लिए अपनी यादों में कैद करना चाहते हैं, लेकिन आपके बच्चे को होने वाली परेशानी से कैसे निपटा जाए, यह एक माता-पिता की एक बड़ी चिंता है।

इस समय अपने बच्चे को अपना अधिकतम दें। बच्चे को आपकी सबसे ज्यादा जरूरत है मां के स्पर्श और निकटता से ज्यादा कुछ भी बच्चे को शांत नहीं कर सकता है।

बच्चे के मसूड़ों को दिन में दो या तीन बार अपनी उंगली से रगड़ें, ऐसा करने के लिए आप जैतून का तेल/विटामिन ई तेल जैसे प्राकृतिक तेलों का उपयोग कर सकते हैं। सुनिश्चित करें कि आपके हाथ बिल्कुल साफ हैं।

सुखदायक खिलौनों का भी उपयोग कर सकते हैं। अपने बच्चे को चबाने के लिए सुखदायक अंगूठियां दें, यह मसूड़ों के दर्द को कम करने में उनकी मदद करने के लिए एक बहुत अच्छा विकल्प है। उन खिलौनों को इस्तेमाल करने से पहले कुछ देर के लिए फ्रिज में रख दें, कूलिंग इफेक्ट कमाल कर सकता है। दोबारा, सुनिश्चित करें कि वे पूरी तरह से निष्फल हैं।

जमे हुए सेब/नाशपाती/गाजर या कोई भी कुरकुरे फल और सब्जियां जो आपके बच्चे को पसंद हैं, मसूड़ों के दर्द को स्वस्थ रूप से शांत करने का सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है और यह शुरुआती होने से निपटने का प्राकृतिक तरीका है। अपने बच्चे को पैरों की अच्छी मालिश दें। फुट रिफ्लेक्सोलॉजी शरीर को शांत करती है और पूरे शरीर, दांतों और मसूड़े को भी शांत प्रभाव देती है। अंत में, बच्चे को अतिरिक्त सहायता देने के लिए दांतों की बूंदों या जैल के लिए दंत चिकित्सक से संपर्क करें।

समरकूलर

शकरकंद

शकरकंद एक स्टार्चयुक्त जड़ वाली सब्जी है जो मीठी और स्टार्चयुक्त दोनों होती है। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर, विटामिन और मिनरल्स होते हैं। वे एंटीऑक्सिडेंट में भी उच्च होते हैं, जो आंतों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं।

शकरकंद में मैग्नीशियम की मात्रा भी अधिक होती है, जो तनाव और चिंता को दूर करने में मदद कर सकता है। वे अपने विरोधी भड़काऊ प्रभावों के लिए भी जाने जाते हैं, जो शरीर को सूजन को कम करने में सहायता करते हैं।

चूंकि शकरकंद में मैग्नीशियम और पोटेशियम की मात्रा अधिक होती है, इसलिए वे रक्तचाप को प्रबंधित करने में मदद कर सकते हैं। वे विटामिन ए में भी उच्च होते हैं, जो हमारी दृष्टि के लिए फायदेमंद होते हैं। शकरकंद को याददाश्त बढ़ाने वाला भोजन भी माना जाता है।

रोबोट से घुटनों का इलाज

घुटने की सर्जरी करने के तरीके में रोबोटिक्स का प्रवेश घुटने बदलने के मामले में क्रांति ला रहा है। डॉ. शुभांग अग्रवाल का कहना है कि इन उन्नत रोबोटों ने ऑपरेटिंग रूम के फर्श में अपनी जगह बना ली है, जिससे सर्जनों को सटीक परिणाम प्राप्त करने में मदद मिलती है।

सिरी, एलेक्सा से लेकर सेल्फ ड्राइविंग कार और ऑटो पायलट प्लेन से लेकर सैटेलाइट मैपिंग तक, दुनिया ने तकनीक की ताकत देखी है। चिकित्सा क्षेत्र अछूता नहीं है; जो हमने कहानियों और फिल्मों में कल्पना के रूप में देखा था, वह अब एक वास्तविकता है; आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट लोगों को अपना काम बेहतर और आसान तरीके से करने में मदद कर रहे हैं। आर्थोपेडिक सर्जरी के क्षेत्र में, रोबोटिक्स-असिस्टेड नी रिप्लेसमेंट नी रिप्लेसमेंट के तरीके में क्रांति ला रहा है। इन उन्नत रोबोटों ने ऑपरेशन रूम के फर्श में अपनी जगह बना ली है, जिससे सर्जनों को सर्जरी के दौरान सटीकता और सटीकता प्राप्त करने में मदद मिलती है। आज रोबोटिक्स अस्पतालों में सर्वोत्तम उपचार प्रदान करने का एक नया उपकरण बन गया है।

रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट क्या है?

कल्पना कीजिए कि एक पायलट घने कोहरे में एक विमान उड़ा रहा है। अगर कुछ साल पहले की बात होती तो वह प्लेन को सुरक्षित लैंड करने के लिए अपनी इंद्रियों और कल्पनाओं का ही इस्तेमाल करते। लेकिन प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, उसी पायलट के पास अब उच्च गुणवत्ता वाला उपग्रह मार्गदर्शन है; ऑटोपायलट मोड सेंसर और एल्गोरिथम को विमान को सुचारू रूप से उतरने की अनुमति देता है।

इसी तरह, जब एक आर्थोपेडिक सर्जन ने एक पारंपरिक सर्जरी की थी, तब से चीजें बदल गई हैं, जहां उन्होंने विकृति का आकलन करने और हड्डियों को काटने के लिए अपनी द्विआयामी दृष्टि के साथ नेत्रगोलक पर भरोसा किया। अब, वह उच्च अंत रोबोटिक्स का उपयोग कर सकता है, स्वयं सीखने वाली कृत्रिम बुद्धि के साथ संयुक्त का एक लाइव चतु:आयामी नक्शा बनाने के लिए और कृत्रिम प्रत्यारोपण के आदर्श स्थान को देखता है और फिर रोबोटिक उपकरण केवल उतनी ही छोटी हड्डी को बंद कर देता है, जिसकी आवश्यकता होती है प्राकृतिक हड्डी और स्नायुबंधन को बचाने के लिए, प्रत्यारोपण का सही फिट पाने के लिए।

तकनीक पिछली इम्प्लांट पोजिशनिंग तकनीकों से आगे बढ़ी है जिसमें जिगलेस रोबोटिक योजना और निष्पादन के लिए सर्जिकल कटिंग गाइड के लिए एक लगाव बिंदु प्रदान करने के लिए फीमर (जांघ की हड्डी) की केंद्रीय नहर में ड्रिल की गई लंबी छड़ का उपयोग किया जाता है।

सबसे उन्नत नवाचार नेवियो सर्जिकल सिस्टम है, एक रोबोटिक प्लेटफॉर्म जिसे किसी सीटी स्कैन या एमआरआई की आवश्यकता नहीं है और अंग और विकृति की वास्तविक समय की छवि बनाता है और सर्जन घुटने के चारों ओर कल्पना करने और योजना बनाने में सक्षम है कि कैसे यह हड्डी को छूने से पहले ही सर्जरी के बाद होने वाला है। यह रोबोटिक प्रणाली स्पष्ट रूप से घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्षेत्र में उत्कृष्टता को प्रदर्शित करती है।

नेवियो प्रणाली का उपयोग करते हुए, एक सर्जन प्रत्येक व्यक्ति के घुटने की अनूठी शारीरिक रचना को समझने में सक्षम होता है, कूल्हे और टखने के प्राकृतिक संरेखण में घुटने को प्राप्त करता है और सही आकार यह सुनिश्चित करता है कि कृत्रिम प्रत्यारोपण में घुटने की ट्रैकिंग पूरी रेंज में संतुलित है। आंदोलन का। सर्जन अब इम्प्लांट को सब-मिलीमेट्रिक प्रिसिजन के साथ लगा सकता है जो आपके भगवान द्वारा दिए गए प्राकृतिक घुटनों की तरह काम करता है और महसूस करता है। इस तरह की रोबोट-समर्थित घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी में नगण्य रक्त हानि, बहुत कम दर्द, थोड़ा ऊतक आक्रमण और लंबे समय तक चलने वाले परिणामों के साथ प्रत्यारोपण की सटीक स्थिति शामिल है।

इस तरह की प्रक्रिया के बाद, एक मरीज सर्जरी के तीन घंटे बाद ही चलना शुरू कर सकता है और तीन दिनों के भीतर घर वापस जा सकता है और बेहतर एनेस्थीसिया और पुनर्वसन के तौर-तरीकों के साथ, हम एक दिन की छुट्टी का लक्ष्य बना रहे हैं! इसलिए रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी से मरीज के अस्पताल में रहने की अवधि कम हो जाती है। यह कोविड के इन समयों में सभी अर्थों को प्रभावी बनाता है इसलिए जोखिम को न्यूनतम स्तर तक कम करता है।

रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट के क्या फायदे हैं?

रोबोटिक प्रणालियों के विकास का प्राथमिक कारण रोगियों के लिए परिणामों में सुधार करने का प्रयास था। हालांकि, अनुसंधान के साथ हमारे पास कूल्हे और घुटने के प्रतिस्थापन कृत्रिम अंग में बेहतर धातु और चीनी मिट्टी की चीज़ें हैं, लेकिन इन प्रत्यारोपणों को सही तरीके से लगाने से सभी फर्क पड़ता है। यह देखा गया है कि शल्य चिकित्सा के पारंपरिक तरीकों का उपयोग करने के साथ, कुछ ऐसे रोगी हैं जो परिणाम से असंतुष्ट हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता-सक्षम रोबोटिक तकनीक के उपयोग के साथ और लक्ष्य और आशा है कि इन प्रक्रियाओं को प्रत्यारोपण स्थिति में सटीकता मिलेगी, और प्राकृतिक नरम ऊतक संतुलन के साथ, ट्रैकिंग में सुधार होगा और इसके परिणामस्वरूप सर्जरी से संतुष्टि के स्तर में और सुधार होगा।

नेवियो सिस्टम दो महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करता है : पहला, यह सर्जन को रोगी के लिए विशिष्ट व्यक्तिगत योजना बनाने में मदद करता है और सीटी स्कैन के पहले के तरीकों के विपरीत, वह किसी भी संभावित हानिकारक विकिरण के संपर्क में नहीं आता है। दूसरा लाभ रोबोटिक सहायता है जो उन्नत तकनीक को जोड़ती है ताकि कृत्रिम घुटने का सही सटीक स्थान दिया जा सके और बेहतर दीर्घकालिक परिणामों का लक्ष्य रखा जा सके, जो लंबे समय तक 30-40 वर्षों तक बहुत सस्ती कीमत पर हो।

पिछले कुछ वर्षों में, अध्ययनों ने रोबोट-असिस्टेड नी रिप्लेसमेंट सिस्टम की सटीक सटीकता पर ध्यान केंद्रित किया है। घुटने की सर्जरी के जर्नल में प्रकाशित आर्थोपेडिक सर्जन जेफ्री वेस्ट्रिच और उनके सहयोगियों द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि रोबोटिक प्रणाली अधिक सटीकता और सटीकता की अनुमति देती है और आर्थोपेडिक सर्जनों के प्रशिक्षण में फायदेमंद है। यूनाइटेड किंगडम में शोधकर्ताओं के एक अन्य अध्ययन में, 2018 में बोन एंड जॉइंट जर्नल में प्रकाशित हुआ, यह पाया गया कि रोबोट-असिस्टेड टोटल नी रिप्लेसमेंट को कम अस्पताल में रहने, सर्जरी के बाद दर्द में कमी और जल्दी कार्यात्मक वसूली में सुधार के साथ जोड़ा गया था।

सटीकता के साथ-साथ, रोबोट-समर्थित प्रक्रियाएं सर्जिकल साइट पर आसपास के कोमल ऊतकों को अधिक सुरक्षा प्रदान करती हैं और अधिक स्वस्थ हड्डी को संरक्षित करने की सुविधा प्रदान करती हैं। सर्जरी के दौरान, आपके पुराने जोड़ों को बदलने वाले इम्प्लांट या घटक आमतौर पर धातु, सिरेमिक या प्लास्टिक से बने होते हैं। रोबोटिक सहायता आपके सर्जन को आपके इम्प्लांट को अधिक कुशलता से लगाने की अनुमति देती है। और रोबोटिक सर्जरी पारंपरिक सर्जरी की तुलना में बहुत छोटे और कम आक्रामक निशान छोड़ती है।

रोबोटिक्स के आने से डॉक्टरों के सर्जरी करने के तरीके में सुधार हुआ है, जिसमें जॉइंट रिप्लेसमेंट भी शामिल है। जैसे-जैसे तकनीक बढ़ती है, अधिक से अधिक लोग इस तरह की सटीकता की मांग करते हैं कि रोबोटिक्स उनके कूल्हे और घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी के लिए प्रदान कर सके। एआई के नेतृत्व वाले ये रोबोट सर्जन को अपने निर्णय और ज्ञान को रोबोट के नियंत्रण और सटीकता के साथ संयोजित करने की अनुमति देते हैं, जिससे भविष्य में सर्जरी करने का तरीका बदल जाता है।

-लेखक एनएचएस हॉस्पिटल, जालंधर के सीनियर ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जन हैं।

सबसे महत्वपूर्ण है टीकाकरण

गर्भावस्था के दौरान कोरोनारोधी टीकाकरण और बरती जाने वाली सावधानियों पर प्रकाश डाल रही हैं नई दिल्ली स्थित लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज की प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की अध्यक्ष **डॉ. मंजू पुरी।**

■ क्या टीकों से महिलाओं में बांझपन हो सकता है?

गलत सूचना वायरस से भी खतरनाक है। कोविड-19 के टीके समय परीक्षण तकनीकों का उपयोग करके विकसित किए गए हैं। टीके शरीर को एक विशिष्ट रोगज़नक़ के खिलाफ प्रतिरक्षा विकसित करने में मदद करते हैं, यह शरीर के किसी अन्य ऊतक को प्रभावित नहीं करता है। वास्तव में, हम महिलाओं को और उनके अजन्मे बच्चे को विभिन्न बीमारियों से बचाने के लिए गर्भावस्था के दौरान भी हेपेटाइटिस बी, इन्फ्लुएंजा, पर्टुसिस जैसे कुछ टीके देते हैं। ये टीके किसी भी तरह से प्रजनन अंगों को प्रभावित नहीं करते हैं।

■ क्या एक भ्रूण मां से कोविड-19 का संक्रमण प्राप्त कर सकता है?

इस चिंता का समर्थन करने के लिए कोई सबूत नहीं है। हमने कुछ अध्ययन किए हैं और पाया है कि प्लेसेंटा, एक अंग जो गर्भाशय में बनता है जिसमें एक भ्रूण बढ़ता है, एक सुरक्षात्मक बाधा के रूप में कार्य करता है। ऐसे कुछ मामले हैं जहां नवजात संक्रमित पाए गए लेकिन हमें यकीन नहीं है कि उन बच्चों को मां के गर्भ में संक्रमण हुआ या जन्म के तुरंत बाद। हालांकि, गर्भवती महिलाओं को संक्रमण को रोकने के लिए सभी सावधानियां बरतनी चाहिए क्योंकि कोविड-19 उन्हें और उनके बच्चे को कई अन्य तरीकों से प्रभावित कर सकता है।

■ अगर गर्भवती महिला में कोविड-19 के लक्षण दिखें तो उसे क्या करना चाहिए?

सबसे पहले, यदि उनमें कोविड-19 के कोई लक्षण हैं, तो उन्हें जल्द से जल्द अपना परीक्षण करवाना चाहिए, क्योंकि जितनी जल्दी हम निदान करेंगे, उतना ही बेहतर हम बीमारी का प्रबंधन कर सकते हैं। गर्भावस्था के दौरान कोविड प्रबंधन डॉक्टर की सख्त निगरानी में ही किया जाना चाहिए।

इसके अलावा, जिन महिलाओं को मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, मोटापा आदि जैसी बीमारियां हैं, उन्हें अधिक सावधान रहने की जरूरत है, क्योंकि उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता हो सकती है। इसलिए, अपने चिकित्सक से परामर्श करें और पुनर्प्राप्ति अवधि के दौरान अपने चिकित्सक के संपर्क में रहें।

हम यह सुनिश्चित करने के लिए कि मां और भ्रूण ठीक हैं, कोविड-19 रिकवरी के बाद समग्र स्वास्थ्य जांच की जोरदार सिफारिश करते हैं।

■ एक कोविड-19 पॉजिटिव मां अपने नवजात शिशु की सुरक्षा कैसे कर सकती है? क्या वह स्तनपान करा सकती है?

एक मां को बच्चे को स्तनपान कराना जारी रखना चाहिए, लेकिन उसे सलाह दी जाती है कि जब वह स्तनपान नहीं कर रही हो तो बच्चे को उससे छह फीट की दूरी पर रखें। मां और बच्चे को हवादार कमरे में रहना चाहिए। नवजात शिशु को स्तनपान कराने से पहले, उसे अपने हाथ धोने चाहिए, मास्क या फेस शील्ड जैसे सुरक्षात्मक गियर पहनने चाहिए। उसे अपने आस-पास के वातावरण को भी बार-बार सेनेटाइज करना चाहिए। अगर बच्चे की देखभाल करने वाला कोई और न हो तो मां को हर समय मास्क पहनना चाहिए और जितना हो सके बच्चे से शारीरिक दूरी बनाए रखनी चाहिए। सरकार ने मंजूरी दी है कि गर्भावस्था के दौरान भी महिलाओं को कोविड-19 के टीके लगाए जा सकते हैं। विस्तार से बताएं। दूसरी लहर के दौरान, कई महिलाओं ने गर्भावस्था के दौरान कोविड-19 का अनुबंध किया। कोविड, यदि गंभीर है, तो गर्भावस्था के दौरान गंभीर जटिलताएं पैदा कर सकता है, विशेष रूप से अंतिम तिमाही के दौरान क्योंकि गर्भाशय बड़ा हो जाता है और डायाफ्राम पर दबाव डालता है, जिससे महिला की ऑक्सीजन संतृप्ति में गिरावट का सामना करने की क्षमता से समझौता होता है। इससे मां और बच्चे दोनों की जान को खतरा हो सकता है। टीके गर्भवती महिलाओं में गंभीर बीमारी को रोकने में मदद करेंगे।

कदम उठाने का समय

डॉ. पूनम खेत्रपाल सिंह का कहना है कि कोविड -19 प्रतिक्रिया के बीच, एनसीडी को रोकने, पता लगाने, नियंत्रण और उपचार के अवसरों का पूरी तरह से उपयोग किया जाना चाहिए।

गैर-संचारी रोग (एनसीडी) हर साल वैश्विक स्तर पर 41 मिलियन लोगों की जान लेते हैं, जिनमें से एक तिहाई से अधिक समय से पहले ही मर जाते हैं। चार प्रमुख एनसीडी – हृदय रोग, कैंसर, पुरानी सांस की बीमारियां और मधुमेह – सभी समय से पहले होने वाली मौतों में 80 प्रतिशत से अधिक के लिए जिम्मेदार हैं, जिनमें से 85 प्रतिशत निम्न और मध्यम आय वाले देशों में होती हैं, जिनमें डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व भी शामिल है। एशिया क्षेत्र। प्रमुख एनसीडी जोखिम कारक जैसे तंबाकू का उपयोग, शारीरिक निष्क्रियता, शराब का हानिकारक उपयोग और अस्वास्थ्यकर आहार भी अवसाद और चिंता जैसे मानसिक स्वास्थ्य विकारों में योगदान करते हैं और उन्हें बढ़ाते हैं। चल रही कोविड-19 प्रतिक्रिया के बीच, इस क्षेत्र के सभी देशों के लिए समय आ गया है कि वे एनसीडी को रोकने, पता लगाने और नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई में तेजी लाएं, और हर किसी को इसकी जरूरत है।

एनसीडी के साथ रहने वाले लोगों को गंभीर कोविड -19 से संबंधित बीमारी और मृत्यु का खतरा अधिक होता है। वे कई समूहों में से हैं जो विशेष रूप से महामारी से प्रभावित हुए हैं, जिसे सार्स सीओवी2 संक्रमण की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ परस्पर क्रिया द्वारा चिह्नित किया गया है, जो स्वयं सामाजिक और आर्थिक नुकसान से मध्यस्थता कर रहे हैं। संक्रमण की चल रही लहरों के बीच, डब्लूएचओ इस क्षेत्र के देशों को आक्रामक तरीके से प्रतिक्रिया देने के लिए समर्थन देना जारी रखेगा, साथ ही स्वास्थ्य इक्विटी को बढ़ाएगा और एनसीडी सहित आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं को बनाए रखेगा। टेलीमेडिसिन, विस्तारित नुस्खे, और दवाओं की डोर-स्टेप डिलीवरी जैसे उच्च-प्रभाव वाले नवाचारों का लाभ उठाना जारी रखना चाहिए, और सभी जोखिम वाले समूहों को सक्रिय रूप से राष्ट्रीय तैनाती और टीकाकरण योजनाओं के अनुरूप टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

एनसीडी के खिलाफ क्षेत्र की प्रगति रुकी नहीं, उलटी तो नहीं। 2014 से, इस क्षेत्र ने प्रमुख प्राथमिकता के रूप में एनसीडी को रोकने और नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई तेज कर दी है। सभी देश राष्ट्रीय बहुक्षेत्रीय एनसीडी कार्य योजनाओं को लागू करना जारी रखते हैं। कोविड -19 प्रतिक्रिया के बीच भी, वे वैश्विक 2025 और 2030 एनसीडी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अधिकांश देशों ने राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य नीतियां विकसित की हैं, जिन्हें आने वाले महीनों और वर्षों में मजबूत करना जारी रखना चाहिए। क्षेत्र के लिए अपने कई लाभों की रक्षा और बचाव करने के लिए, और अधिक उत्प्रेरित करने के लिए, कई प्राथमिकताओं पर लक्षित ध्यान देने की आवश्यकता है।

सबसे पहले, नई पहल का पूरा लाभ उठाएं। उदाहरण के लिए, अप्रैल में, डब्लूएचओ ने अपना ग्लोबल डायबिटीज कॉम्पैक्ट लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी लोग बिना किसी वित्तीय कठिनाई के गुणवत्ता वाले मधुमेह निदान उपकरण, दवाएं और अन्य चिकित्सा उत्पादों तक पहुंच सकें। इस क्षेत्र ने हाल के वर्षों में गुणवत्ता-सुनिश्चित इंसुलिन तक पहुंच बढ़ाने पर महत्वपूर्ण प्रगति की है, हालांकि बाधाएं बनी रहती हैं, खासकर सबसे कमजोर लोगों के लिए। आने वाले महीनों में, कॉम्पैक्ट प्रौद्योगिकी और मूल्य निर्धारण में नए नवाचारों को चलाने के लिए तैयार है, जिसका क्षेत्र के सभी देशों को उपयोग करना चाहिए और अधिकतम प्रभाव पर लागू करना चाहिए।

दूसरा, सर्वश्रेष्ठ खरीद हस्तक्षेपों को लागू करना जिन्हें हम काम जानते हैं। साक्ष्य बताते हैं कि अस्वास्थ्यकर उत्पादों पर कराधान बढ़ाकर, नीति निर्माता खपत को कम कर सकते हैं, समग्र स्वास्थ्य को बढ़ा सकते हैं और व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वास्थ्य लागत को कम कर सकते हैं। इस प्रक्रिया में, वे राजकोषीय राजस्व में वृद्धि करेंगे, जिसे यदि स्वास्थ्य के लिए आवंटित किया जाता है, तो कोविड -19 से एक स्वास्थ्य और आर्थिक सुधार प्राप्त करने में मदद मिलेगी जो अधिक न्यायसंगत, लचीला और टिकाऊ है। अस्वास्थ्यकर उत्पादों के विपणन पर प्रतिबंध भी आवश्यक है, लेकिन इसमें सरोगेट विज्ञापन शामिल होना चाहिए, जिसका उद्देश्य युवाओं में ब्रांड की वफादारी पैदा करना है।

तीसरा, स्वास्थ्य प्रणालियों के भीतर एनसीडी को संबोधित करने के लिए कार्रवाई को मजबूत करना, विशेष रूप से फ्रंटलाइन पर। क्षेत्र का 2016 कोलंबो घोषणापत्र सभी लोगों के लिए प्राथमिक स्तर पर गुणवत्ता, एकीकृत एनसीडी सेवाओं तक पहुंच की आवश्यकता पर जोर देता है, जिसमें स्वस्थ जीवन शैली परामर्श, शीघ्र निदान के लिए लक्षित जांच, और प्रभावी एनसीडी प्रबंधन के लिए गुणवत्तापूर्ण दवाएं और चिकित्सा उपकरण शामिल हैं। इस क्षेत्र के सभी देशों ने इनमें से प्रत्येक क्षेत्र में और अधिक में जबरदस्त प्रगति की है, जो प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए डब्ल्यूएचओ का नया परिचालन ढांचा पूरे कोविड -19 प्रतिक्रिया, वसूली और उससे आगे में तेजी लाने में मदद कर सकता है।

जन केंद्रित नीति समय की मांग है। सामुदायिक पहुंच और जुड़ाव को तेज करके, नीति निर्माता यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जीवन के सभी क्षेत्रों के लोग एनसीडी के लक्षणों और लक्षणों को समझें, और परीक्षण और इलाज कैसे करें। महत्वपूर्ण रूप से, वे आम तौर पर स्वास्थ्य और एनसीडी साक्षरता को भी बढ़ा सकते हैं, लोगों को निवारक कार्रवाई करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं, जैसे नियमित और पर्याप्त शारीरिक गतिविधि, स्वस्थ भोजन और तंबाकू और अन्य अस्वास्थ्यकर उत्पादों से परहेज।

संपूर्ण-सरकार, संपूर्ण-समाज की खरीद-फरोख्त हासिल करना आवश्यक है। नीति निर्माताओं को सभी क्षेत्रों में प्रमुख अभिनेताओं के साथ जुड़ाव तेज करना चाहिए, और एनसीडी के साथ रहने वाले लोगों की अंतर्दृष्टि और दृष्टिकोण की तलाश करनी चाहिए, जो मौजूदा अंतराल की सबसे अच्छी पहचान कर सकते हैं।

लेखिका डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया की क्षेत्रीय निदेशक हैं।

महामारी के साए में शिक्षा

महामारी के दौरान शिक्षा कई बदलावों से गुजरी है। हालांकि, उनकी स्थायीता पर सवाल अनुत्तरित है। विशेषज्ञों का मानना है कि बेहतर परिणाम के लिए सिस्टम में बदलाव की जरूरत है। प्रस्तुत है मुसबा हाशमी की रिपोर्ट।

पिछले साल मार्च में कुछ महीनों में खुलने की उम्मीद में स्कूलों के गेट बंद कर दिए गए थे, लेकिन वह महीना कभी नहीं आया। महामारी में 18 महीने से अधिक समय हो गया है, और यह स्पष्ट नहीं है कि भौतिक कक्षाएं कब फिर से शुरू होंगी – हालांकि, यह इतिहास का हिस्सा नहीं बनेगी।

ऑनलाइन क्लास से लेकर नो बोर्ड्स तक, इस दौरान शिक्षा क्षेत्र में कई अभूतपूर्व बदलाव देखने को मिले। क्या ये बेहतर के लिए थे एक सवाल अभी भी अनुत्तरित है।

50:50 परिदृश्य

हालांकि, बोर्ड या स्कूल मूल्यांकन निर्णयों में लगातार आना-जाना शिक्षा क्षेत्र में कई दोष रेखाओं को उजागर करता है। शोर-शराबे के बीच छात्र-छात्राएं अपने भविष्य को लेकर असमंजस में हैं। ''महामारी ने वास्तव में, शिक्षा क्षेत्र में दोष रेखाओं और मूलभूत दोषों को उजागर किया है जो पहले भी मौजूद थे। हमें इस अवसर का उपयोग न केवल महामारी के माध्यम से करने के लिए करना चाहिए, बल्कि अच्छी शिक्षा के ध्वनि वैज्ञानिक सिद्धांतों के आधार पर प्रणाली को खरोंच से सुधारने के लिए करना चाहिए'', कहना है, डॉ जमशेद भरूचा, संस्थापक कुलपति, साईं विश्वविद्यालय का। वह कहते हैं कि सीबीएसई बोर्डों पर 50-50 का फॉर्मूला संकट की परिस्थितियों में एक समझने योग्य निर्णय है, लेकिन इसे भविष्य के लिए प्रणालीगत सुधार को बढ़ावा देना चाहिए।

हालांकि, भरूचा कहते हैं, ''मुझे यह जानने में दिलचस्पी होगी कि 10वीं और 11वीं को समान महत्व क्यों दिया जाता है, क्योंकि छात्रों को 11वीं को कम महत्वपूर्ण के रूप में देखने की शर्त है।

छात्रों को 11वीं की परीक्षा को गंभीरता से नहीं लेने के लिए दंडित नहीं किया जाना चाहिए, जो कि सिस्टम द्वारा उन्हें एक सनकी संदेश दिया गया है।''

जेके लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय के पदनामित कुलपति प्रोफेसर धीरज सांघी का मानना है कि छात्रों में चिंता और तनाव को कम करने के लिए एक अल्पकालिक उपाय के रूप में, यह एक स्वागत योग्य कदम है। लेकिन यह गुणवत्ता के मुद्दे को बिल्कुल भी संबोधित नहीं करता है।

दूसरी ओर, डॉ संजय गोविंद पाटिल, एसोसिएट डीन और निदेशक - आरआईसीएस स्कूल ऑफ बिल्ट एनवायरनमेंट, एमिटी यूनिवर्सिटी, मुंबई का कहना है कि पाठ्यक्रम को तोड़ने में मदद करने के लिए यह एक बहुत ही सराहनीय कदम है। ''मैं इस कदम की पूरी तरह से पुष्टि करता हूं क्योंकि यह पूरे मूल्यांकन को छोटे भागों में तोड़ देगा; इसलिए, सीखना बहुत बेहतर होगा। पिछले भाग की परीक्षा में छात्रों की कमियों को अगली परीक्षा में एक मजबूत प्रतिक्रिया तंत्र के माध्यम से दूर किया जा सकता है, इस प्रकार एक बेहतर सीखने का परिणाम प्राप्त होता है'', पाटिल का मानना है।

व्यवस्था को पुनः ऊर्जावान बनाएं

भरूचा कहते हैं, उच्च-दांव परीक्षा, सीखने पर शोध में कोई अनुभवजन्य समर्थन नहीं है। सीखने की प्रवृत्ति क्षणिक होती है, सार्थक संदर्भ से रहित होती है, और उन समस्याओं के लिए अच्छी तरह से स्थानांतरित नहीं होती है जिन्हें छात्रों को पेशेवरों के रूप में हल करना होगा। अनुसंधान से पता चलता है कि, यदि बार-बार प्रशासित किया जाता है - प्रत्येक परीक्षा के बाद प्रतिक्रिया और अलग-अलग तरीकों से एक ही सामग्री के बार-बार परीक्षण के साथ - परीक्षा केवल मूल्यांकन के लिए नहीं, बल्कि सीखने के लिए शक्तिशाली उपकरण हो सकती है।

''उच्च-दांव परीक्षाओं पर भरोसा करना जारी रखते हुए सिस्टम ने छात्रों को विफल कर दिया है। हाई स्कूल में आपने जो सीखा है उसका माप एक हाई स्कूल परीक्षा में एक अंक क्यों होना चाहिए? इसे यह क्यों निर्धारित करना चाहिए कि आप भविष्य में क्या कर सकते हैं और क्या नहीं? मस्तिष्क कैसे सीखता है, इस पर शोध पूरी तरह से सीखने और मूल्यांकन की इस प्रणाली के विपरीत हैं'', भरूचा कहते हैं।

वह कहते हैं कि इस बैच के लिए सीबीएसई बोर्ड के फैसले समझ में आते हैं, लेकिन वे बैंड-एड्स हैं; उन छात्रों को फिर से सक्रिय करने, सलाह देने और सशक्त बनाने के लिए सार्थक कदम उठाए जाने चाहिए जिनकी शिक्षा बाधित हो गई और जीवन भ्रम में पड़ गया। इनमें से अधिकांश छात्र, शायद, समायोजित हो जाएंगे और ठीक हो जाएंगे। लेकिन, कुछ संकीर्ण क्रीडेंशियल और करियर चैनलिंग की इस कठोर प्रणाली की दरार के बीच पड़ सकते हैं।

पोषित करने का समय

भरूचा कहते हैं, ''बोर्ड को एक समिति की स्थापना करनी चाहिए जिसमें हितधारकों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल हो - छात्रों सहित - प्रतिकूल रूप से प्रभावित छात्रों की चिंताओं को सुनने और इन छात्रों को जीवन में वापस ट्रैक पर लाने के तरीकों का प्रस्ताव करने के लिए। एक राष्ट्र की जिम्मेदारी है कि वह यह सुनिश्चित करे कि हर एक बच्चे के पास एक उत्पादक मार्ग हो।''

बोर्ड को हाई स्कूल स्तर पर एनईपी की सिफारिशों को लागू करने के लिए एक विविध ब्लू-रिबन समिति भी स्थापित करनी चाहिए। लक्ष्य छात्रों की अनूठी प्रतिभाओं और कमियों को सक्षम करना और उन्हें अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए मौलिक संज्ञानात्मक उपकरण देना होना चाहिए। समाज को तब लाभ होता है जब सभी प्रतिभाओं को उजागर किया जाता है - अपनी सभी समस्याग्रस्त लेकिन शानदार विविधता में।

''छात्रों को धाराओं के बीच अपरिवर्तनीय विकल्प बनाने के लिए मजबूर करने का कोई अनुभवजन्य आधार नहीं है। एक छात्र को गणित और साहित्य, कंप्यूटर और संगीत, जीव विज्ञान और अर्थशास्त्र से प्यार हो सकता है। यह विचारों का अप्रत्याशित संयोजन है जो भविष्य के नवाचारों को गति देगा - और निरंतर नवाचार ही अर्थव्यवस्थाओं को संचालित करता है। हम, शिक्षकों के रूप में, गहराई से गलत हैं यदि हम मानते हैं कि हम जानते हैं कि ज्ञान की कौन सी शाखाएं हमारे बच्चों के सर्वोत्तम हित में हैं।'' भरूचा कहते हैं।

सांघी का कहना है कि शिक्षा में गुणवत्ता की समस्या महामारी से बहुत पहले से ही जानी जाती थी। ''मुझे लगता है कि स्कूली शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्ता की समस्याएं महामारी से बहुत पहले से जानी जाती थीं। एनुअल स्टेट ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (एएसईआर) हमें बता रही है कि हमारे छात्र हमारे मानकों के साथ भी कितना खराब प्रदर्शन कर रहे हैं। जहां तक अंतरराष्ट्रीय मानकों का सवाल है, हमने प्रोग्राम फॉर इंटरनेशनल स्टूडेंट्स असेसमेंट (पीआईएसए) में भी हिस्सा नहीं लिया है।''

> ''जब हम अंत में खुलते हैं, तो हमें अगले कुछ वर्षों के पाठ्यक्रम को फिर से डिजाइन करने की आवश्यकता हो सकती है। शायद कुछ फ्रेशर कोर्स। प्रत्येक स्कूल बोर्ड को महामारी के बाद के परिदृश्य की सावधानीपूर्वक योजना बनानी होगी। ऐसा नहीं होना चाहिए कि वे अब दोनों को कवर करना चाहते हैं - महामारी और अगली कक्षाओं के सामान्य पाठ्यक्रम के दौरान क्या बचा था। यह छात्रों पर बहुत अधिक बोझ होगा''
>
> — प्रो. धीरज सांघी, वीसी डेसिगनेट जेके लक्ष्मीपत यूनीवर्सिटी

प्रौद्योगिकी मिथक का भंडाफोड़

फिर भी, महामारी ने एक मिथक को उजागर कर दिया है कि तकनीक हमारी सभी समस्याओं का समाधान करेगी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रौद्योगिकी मदद कर सकती है, लेकिन हमने महामारी के दौरान देखा है कि प्रौद्योगिकी तक पहुंच सीमित है। इंटरनेट का उपयोग करने वाले या उच्चतम प्रति व्यक्ति डेटा खपत वाले मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं की सबसे बड़ी संख्या होने पर हमें गर्व हो सकता है, लेकिन यह सब विषम है, और गरीबों की अभी भी ऑनलाइन शिक्षा तक बहुत कम पहुंच है। अगर हम अपनी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी पर निर्भर रहना चाहते हैं, तो हमें इस बारे में गंभीरता से सोचना होगा कि हमारे समाज के वंचित वर्गों को उपकरणों और डेटा दोनों तक कैसे पहुंच प्राप्त हो सकती है, और शायद ऐसी जगह जहां वे शांति से अध्ययन कर सकें, सांघी का कहना है।

ऑनलाइन पढ़ाने के लिए मजबूर होना सीखने के निष्क्रिय रूपों की ज्ञात कमजोरी को उजागर करता है जिसमें शिक्षक बोलते हैं और छात्र सुनते हैं। छात्रों का ध्यान ऑनलाइन रखने के लिए शिक्षकों को ऑनलाइन सत्र को और अधिक इंटरैक्टिव बनाना पड़ा है।

''लेकिन सक्रिय और संवादात्मक शिक्षण भौतिक कक्षा में भी आदर्श होना चाहिए। भौतिक कक्षा में, एक छात्र शारीरिक रूप से उपस्थित हो सकता है लेकिन मानसिक रूप से अनुपस्थित हो सकता है। केवल छात्रों को कक्षा में सक्रिय रूप से व्यस्त रखने (बोलने, समस्याओं को हल करने, सहयोग करने, निर्माण करने) से ही सार्थक और स्थायी सीखने को अनुकूलित किया जा सकता है। तो, आइए मौलिक सुधार के एजेंडे के साथ महामारी से बाहर निकलें जो एक अस्थायी संकट से अधिक है'', भरूचा कहते हैं।

महामारी के बाद की योजना

चूंकि हम उस तरह की महामारी के बीच हैं जो 100 वर्षों से दुनिया में नहीं हुई है, सांघी कहते हैं, एक आपातकालीन प्रतिक्रिया होने जा रही है, और निर्णय बदल जाएंगे क्योंकि वायरस का प्रक्षेपवक्र बदल जाता है।

वो आगे बताते हैं, ''तो, भ्रम होगा, और इससे छात्रों में चिंता और तनाव पैदा होगा। हमें दो पहलुओं पर काम करने की जरूरत है। एक, क्या करें जबकि महामारी अभी भी एक खतरा है, और शिक्षा में व्यवधान देखना जारी रहेगा। और दूसरा, क्या करें जब महामारी का खतरा पर्याप्त रूप से फीका हो गया है, और हम कुछ सामान्य स्थिति में वापस आ गए हैं।''

वर्तमान परिदृश्य में, विशेषज्ञों का मानना है कि हमें शिक्षा के कुछ अंशों को जारी रखना चाहिए, कम से कम जो इसके अधिक महत्वपूर्ण पहलू माने जाते हैं, इसलिए हमने पाठ्यक्रम, आसान परीक्षा, ऑनलाइन शिक्षा में शिक्षक प्रशिक्षण, गरीबों के लिए प्रौद्योगिकी तक पहुंच को कम कर दिया है। और इसी तरह।

''जब हम अंत में खुलते हैं, तो हमें अगले कुछ वर्षों के पाठ्यक्रम को फिर से डिजाइन करने की आवश्यकता हो सकती है। शायद कुछ फ्रेशर कोर्स। प्रत्येक स्कूल बोर्ड को महामारी के बाद के परिदृश्य की सावधानीपूर्वक योजना बनानी होगी। ऐसा नहीं होना चाहिए कि वे अब दोनों को कवर करना चाहते हैं - महामारी और अगली कक्षाओं के सामान्य पाठ्यक्रम के दौरान क्या बचा था। यह छात्रों पर बहुत अधिक बोझ होगा'', सांघी का कहना है।

मूल्यांकन में लाएं ईमानदारी

विशेषज्ञों का कहना है कि स्कूली शिक्षा के हर पहलू में कई मुद्दे हैं। और हमें संपूर्ण शिक्षा प्रक्रिया पर समग्र रूप से पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। हालांकि, कुछ साधारण चीजें अल्पावधि में शिक्षा की गुणवत्ता में काफी सुधार कर सकती हैं।

''एक विचार यह सुनिश्चित करना है कि बोर्ड की मार्कशीट पर छपे अंक छात्रों की शैक्षिक उपलब्धियों को दर्शाते हैं। और, मैं इस वर्ष की प्रक्रिया की बात नहीं कर रहा हूं, जहां आपको अपने प्रदर्शन के आधार पर कुछ पूरी तरह से अलग अंक दिए जाते हैं। पूर्व-कोविड समय में भी, सीबीएसई छात्रों द्वारा प्राप्त वास्तविक अंकों में बहुत सारे अंक जोड़ देगा। यह उन व्यावहारिक अंकों के बगल में है जहां पूरे देश को सही अंक मिलते हैं। और वह आसान पेपर और एक अत्यंत उदार ग्रेडिंग के शीर्ष पर है। यह ध्यान दिया जा सकता है कि सीबीएसई की भारत में सर्वश्रेष्ठ स्कूल बोर्डों में से एक होने की प्रतिष्ठा है। अगर हम बोर्डों द्वारा मूल्यांकन में ईमानदारी ला सकते हैं, तो सिस्टम के भीतर बेहतर प्रदर्शन करने का बहुत दबाव होगा'', सांघी कहते हैं।

वह कहते हैं कि बोर्ड ईमानदार नहीं हो सकते क्योंकि स्कूल बोर्डों के बीच दूसरों की तुलना में अधिक बेईमान होने की प्रतिस्पर्धा है - नीचे तक की दौड़। वे इसे इस आधार पर सही ठहराते हैं कि अगर एक बोर्ड ईमानदार होने की कोशिश करता है, तो उसके छात्रों को उन विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा जो केवल बारहवीं कक्षा के अंक देखते हैं। इसके अलावा, अगर एक राज्य बोर्ड ईमानदार होने की कोशिश करता है, तो उस राज्य में उत्तीर्ण प्रतिशत कम हो जाएगा, जिससे राजनीतिक मुद्दे पैदा होंगे। और स्पष्ट रूप से, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए कोई राजनीतिक क्षेत्र नहीं है। गुणवत्ता के लिए भुगतान की जाने वाली केवल एक होंठ सेवा है।

अधिक बोर्डों की आवश्यकता

सांघी कहते हैं कि इन बदलावों की शुरुआत बड़ी संख्या में स्कूल बोर्ड होने से होनी चाहिए। ''शायद हर जिले में एक होना चाहिए। कुछ स्कूल बोर्ड हो सकते हैं जो राज्यव्यापी हैं और कुछ राष्ट्रीय हैं। 100 छोटे स्कूल बोर्ड होने से, कुछ बोर्डों के लिए गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयोग करना संभव होगा जो सफल हो सकते हैं, और अन्य इससे सीख सकते हैं। इसके अलावा, व्यक्तिगत बोर्डों पर राजनीतिक दबाव कम होगा यदि वे सभी कम संख्या में छात्रों को प्रभावित करते हैं'', सांघी का कहना है।

दूसरा, विभिन्न विषयों में कुछ मानकीकृत परीक्षण हो सकते हैं जो छात्रों के लिए वैकल्पिक होंगे। छात्र उन परीक्षाओं को तभी देंगे जब वे जिस विश्वविद्यालय की तलाश कर रहे हैं, वह इन परीक्षा अंकों को प्रवेश तय करने में एक इनपुट के रूप में मानता है। ''विश्वविद्यालयों को प्रवेश रणनीतियां विकसित करनी चाहिए जो कई मानकों पर विचार करती हैं (और लोकप्रिय धारणा के विपरीत, एक पूरी तरह से उद्देश्य प्रणाली होना संभव है जो कई मानकों पर विचार करता है)। यदि प्रवेश मानकीकृत परीक्षणों और छात्रों की अन्य उपलब्धियों पर आधारित हैं, तो हम छह महीने पहले प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं। छात्रों को बोर्ड परीक्षा से पहले प्रवेश की पेशकश की जा सकती है, और फिर वे उन परीक्षाओं को तनाव मुक्त तरीके से देंगे'', सांघी कहते हैं।

भरूचा का मानना है, ''भविष्य में, मूल्यांकन के निरंतर तरीकों को अपनाया जाना चाहिए (द्वि-साप्ताहिक या मासिक)। अनुसंधान से पता चलता है कि बार-बार मूल्यांकन अंत में एकल मूल्यांकन की तुलना में अधिक स्थायी सीखने का उत्पादन करता है; यह आखिरी महामारी नहीं होगी, और न ही होगी यह आखिरी संकट है जो हमारे जीवन को बाधित करता है। सीखना और मूल्यांकन दोनों निरंतर होना चाहिए। किसी भी समय क्रॉस-सेक्शन में, छात्र, स्कूल और बोर्ड को पता होना चाहिए कि छात्र कहां खड़ा है।''

भारत की पुरुष हाकी टीम का जीत से आगाज

पुरुष टीम ने न्यूजीलैंड व महिला टीम को नीदरलैंड ने हराया

● पी आर श्रीजेश का उम्दा प्रदर्शन

भाषा। तोक्यो

निर्णायक क्षणों में दीवार की तरह अडिग गोलकीपर पी आर श्रीजेश के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शनिवार को न्यूजीलैंड को 3 -2 से हराकर अपने ओलंपिक अभियान का आगाज जीत के साथ किया।

वहीं भारतीय महिला हॉकी टीम ने भी शनिवार को तोक्यो ओलंपिक में यहां पूल के शुरूआती मैच में दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंड के खिलाफ पहले दो क्वार्टर में दमदार खेल दिखाया लेकिन अंत में ।-5 से हार गई। फेलिसे एलबर्स ने छठे ही मिनट में नीदरलैंड को बढ़त दिला दी थी लेकिन भारतीय कप्तान रानी रामपाल ने 10वें मिनट में टीम को ।-। से बराबरी पर ला दिया। भारतीय खिलाड़ियों ने पहले दो क्वार्टर में बेहतरीन रक्षात्मक खेल दिखाया जिससे हाफ टाइम तक स्कोर बराबर रहा। लेकिन ब्रेक से उनकी लय टूट गई और नीदरलैंड ने आक्रामक खेल दिखाते हुए तीन गोल कर डाले। इससे भारतीय टीम की उलटफेर करने की उम्मीद टूट गई। मारगोट वान जेफेन ने 33वें मिनट में नीदरलैंड को बढ़त दिला दी। इसके बाद तीन बार की ओलंपिक चैम्पियन और मौजूदा रजत पदक विजेता टीम ने लगातार दो गोल कर दिए जिसमें एलबर्स ने 43वें मिनट में और फ्रेडरिक माटला ने 45वें मिनट में गोल दागे। इतना ही काफी नहीं था कि नीदरलैंड ने काईया जैकलीन वान मासाकर के 52वें मिनट में छठे पेनल्टी कार्नर से पांचवां गोल कर दिया। भारतीय टीम अब पूल ए के अगले मैच में 26 जुलाई को जर्मनी से भिड़ेगी। न्यूजीलैंड के लिए पहला गोल छठे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ केन रसेल ने दागा। रूपिंदर पाल सिंह ने दसवें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल करके भारत को बराबरी दिलाई। हरमनप्रीत सिंह ने 26वें और 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किए जबकि न्यूजीलैंड के लिए 43वें मिनट में स्टीफन जेनिस ने दूसरा गोल दागा। लगभग बराबरी के इस मुकाबले में आक्रामकता और गेंद पर नियंत्रण के मामले में बार बार पलड़ा बदलता रहा। मैच में बेशुमार रेफरल लिए गए जिससे दक्षिण अफ्रीकी वीडियो अंपायर पीटर राइट को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

भारत के अनुभवी गोलकीपर श्रीजेश ने आठ में से छह शॉट बचाए और छह पेनल्टी कॉर्नर में सिर्फ एक बार नाकाम रहे। न्यूजीलैंड को मैच खत्म होने से 24 सेकंड पहले भी एक पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन उस पर गोल नहीं हो सका। भारत को अब रविवार को आस्ट्रेलिया से खेलना है जिसने पूल ए के एक अन्य मैच में जापान को 5-3 से हराया। भारतीय कोच ग्राहम रीड ने जीत के बाद कहा, ओलंपिक में पहले ही मैच में पूरे तीन अंक लेना अहम है। हमें हालांकि प्रदर्शन में सुधार करना होगा। वीडियो देखने के बाद पता चलेगा कि कहां कमियां रह गई। उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलिया का सामना करने के लिए उनकी टीम पूरी तरह से तैयार है।उन्होंने कहा, हमने बेंगलुरू में इस पर मेहनत की है। यह कठिन मैच होगा लेकिन हम इस चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं।

आठ बार के ओलंपिक चैम्पियन भारत ने आखिरी बार खेलों के महासमर में पदक मॉस्को में 1980 में जीता था। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंची मनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली मौजूदा टीम को तोक्यो में पदक के दावेदारों में गिना जा रहा है। पहले क्वार्टर में हालांकि 1976 मांट्रियल ओलंपिक की रजत पदक विजेता न्यूजीलैंड का पलड़ा भारी रहा जिसने छठे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर बढत लेकर भारतीय खेमे में हलचल मचा दी। भारत को मिले पेनल्टी कॉर्नर पर रूपिंदर पाल का शॉट क्रॉसबार के ऊपर से निकल गया। जवाबी हमलों में भारत को दसवें मिनट में पहले पेनल्टी कॉर्नर और फिर पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे रूपिंदर ने गोल में बदलकर भारत को बराबरी दिलाई। दूसरे क्वार्टर की शुरूआत में ही भारतीय कप्तान मनप्रीत सिंह गोल करने से चूके जिनके शॉट को न्यूजीलैंड के गोलकीपर लियोन हैवर्ड ने बचा लिया। भारत ने 26वें मिनट में वीडियो रेफरल पर पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। भारतीय टीम ने इस पर वैरिएशन लिया और हरमनप्रीत ने ड्रैग फ्लिक पर गोल दागा जो उनका 75वां अंतरराष्ट्रीय गोल था। दूसरे क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों के बीच बेहतर तालमेल देखने को मिला और उन्होंने तेज रफ्तार हॉकी भी खेली। तीसरे क्वार्टर की शुरूआत भी रेफरल से हुई जब दिलप्रीत सिंह ने मनप्रीत को सर्कल के पास गेंद सौंपी लेकिन वह न्यूजीलैंड के डिफेंडर के पैर से टकराई। वीडियो अंपायर राइट ने भारत को पेनल्टी कॉर्नर दिया और हरमनप्रीत ने 33वें मिनट में मिले इस मौके को भुनाते हुए भारत को 3-1 से बढ़त दिला दी। न्यूजीलैंड ने इसके बाद लगातार जवाबी हमले बोले लेकिन श्रीजेश, अनुभवी डिफेंडर बीरेंद्र लाकड़ा और अमित रोहिदास ने उन्हें कामयाब नहीं होने दिया। इस क्वार्टर के आखिरी मिनटों में हालांकि भारतीय रक्षा पंक्ति ने ढिलाई बरती और उसका खामियाजा भुगतना पड़ा। निक विल्सन से मिले शानदार पास पर अनुभवी स्ट्राइकर जेनिस ने खूबसूरत फील्ड गोल दागकर मैच को जीवंत कर दिया। आखिरी क्वार्टर में न्यूजीलैंड का प्रदर्शन बेहतर रहा। हूटर से चार मिनट बाकी रहते ललित उपाध्याय का शॉट विरोधी गोलकीपर हैवर्ड ने बचाया। न्यूजीलैंड को 57वें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले जिनके खिलाफ भारत का रेफरल वीडियो अंपायर ने ठुकरा दिया। न्यूजीलैंड टीम हालांकि इस पर गोल करने में नाकाम रही। मैच खत्म होने में 24 सेकंड बाकी रहते न्यूजीलैंड को पेनल्टी कॉर्नर मिला और रसेल जैसे दिग्गज के उनकी टीम में रहते भारतीय प्रशंसकों की सांसें थम गई। श्रीजेश ने हालांकि मुस्तैदी से बचाव करके संकट को टाला और भारत की जीत सुनिश्चित की।

तीरंदाजी मिश्रित युगल क्वार्टर फाइनल में कोरिया से हारा भारत

तोक्यो। रैंकिंग के आधार पर यह उचित फैसला था लेकिन तीरंदाजी मिश्रित युगल में दीपिका कुमारी के साथ अतनु दास की जगह प्रवीण जाधव की जोड़ी बनाना रणनीतिक रूप से गलती नजर आती है और अंतिम लम्हों पर बनाई गई यह जोड़ी शनिवार को यहां तोक्यो खेलों में पदक की दौड़ से बाहर हो गई। दीपका और जाधव की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया के खिलाफ 2-6 की हार के दौरान बिलकुल भी लय में नहीं दिखी और शीर्ष वीरीय टीम के उम्मीद के मुताबिक नहीं खेलने के बावजूद हार गई। कोरियाई टीम में 17 साल के किम जे दियोक और 20 साल की आन सान थी जो दोनों ओलंपिक में पदार्पण कर रहे थे। कोरियाई जोड़ी ने दो सेट संभावित 40 में से 35 अंक बनाने के बावजूद जीत लिए जो दर्शाता है कि दोनों ही जोड़ियां उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाईं। पुरूषों के रैंकिंग दौर में शुक्रवार को खराब स्कोर के बाद भारत ने दीपिका के साथ उनके पति अतनु दास की बजाय जाधव को मिश्रित युगल में उतारने का फैसला किया। एक महीने से भी कम समय पहले दास और दीपिका ने पेरिस विश्व कप में मिश्रित युगल में स्वर्ण जीता था। मिश्रित टीमों का गठन स्कोर के आधार पर होता है और शुक्रवार को जाधव ने रैंकिंग दौर में 31वें स्थान के साथ दीपिका के पसंदीदा जोड़ीदार दास से बेहतर प्रदर्शन किया। दास 35वें स्थान पर रहे थे। देश के पास हालांकि एक घंटे के भीतर अपना सर्वश्रेष्ठ संयोजन चुनने के लिए खिलाड़ियों को बदलने का विकल्प होता है लेकिन भारतीय थिंक टैंक ने दीपिका और जाधव के साथ ही उतरने का फैसला किया।

नागल एकल मैच जीतने वाले तीसरे भारतीय बने

तोक्यो। सुमित नागल ओलंपिक में 25 साल में पुरूष एकल स्पर्धा में जीत दर्ज करने वाले तीसरे भारतीय टेनिस खिलाड़ी बन गए जिन्होंने तोक्यो खेलों में डेनिस इस्तोमिन को तीन सेटों में हराया। नागल ने दो घंटे 34 मिनट तक चले मैच में इस्तोमिन को 6-4, 6-7, 6-4 से मात दी। अब उनका सामना दूसरे दौर में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव से होगा। जीशान अली ने सियोल ओलंपिक 1988 की टेनिस पुरूष एकल स्पर्धा में पराग्वे के विक्टो काबालेरो को हराया था। उसके बाद लिएंडर पेस ने ब्राजील के फर्नाडो मेलिजेनी को हराकर अटलांटा ओलंपिक 1996 में कांस्य पदक जीता था। पेस के बाद से कोई भारतीय खिलाड़ी ओलंपिक में एकल मैच नहीं जीत सका है। सोमदेव देववर्मन और विष्णु वर्धन लंदन ओलंपिक 2012 में पहले दौर में ही हार गए थे। नागल ने मैच के बाद कहा, दूसरा सेट 5-3 से गंवाने के बाद इस तरह के गर्म मौसम में वापसी करना आसान नहीं था। मैं देश की तरफ से खेल रहा था और इससे मुझे प्रेरणा मिली। मैं नहीं जानता कि यदि मैं चैलेंजर में खेल रहा होता तो मैं क्या करता। मैं कोर्ट से खुश होकर लौटा। यहां वास्तव में काफी गर्मी और उमस है। ऐसे मौसम में खेलना बहुत मुश्किल है विशेषकर दोपहर 12 बजे के आसपास स्थिति बुरी होती है। इसलिए मैं सर्विस पर ध्यान देने की कोशिश कर रहा था। यह चुनौतीपूर्ण है और मैं क्ले कोर्ट से हार्ड कोर्ट पर सामंजस्य बिठाने की कोशिश कर रहा हूं। अब उनके सामने आस्ट्रेलियाई ओपन के उप विजेता मेदवेदेव की कड़ी चुनौती होगी।

विकास का मुक्का निकला बेदम, ओलंपिक से बाहर

● पहले दौर में जापान के ओकाजावा से हारे

तोक्यो। भारतीय मुक्केबाज विकास कृष्ण (69 किग्रा) शनिवार को यहां ओलंपिक खेलों में अपने पहले मुकाबले में स्थानीय दावेदार सेवोनरेट्स क्विन्सी मेनसाह ओकाजावा के खिलाफ कंधे में चोट के साथ खेले और उन्हें 0-5 की एकतरफा हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले के दौरान 29 साल के विकास की बाईं आंख के नीचे कट भी लग गया। भारत के हाई परफोर्मेंस निदेशक सेंटियागो नीवा ने इटली में टीम के ओलंपिक से पहले ट्रेनिंग सत्र के संदर्भ में कहा, इटली में टीम के अंतिम ट्रेनिंग सत्र (तोक्यो के लिए टीम के रवाना होने से पहले) के दौरान उसके कंधे में चोट लग गई थी। उसका उपचार किया गया और हमने उम्मीद की थी कि वह ठीक हो जाएगा, उसने बिना किसी समस्या के शुरुआत की।लेकिन जब उसने ओकाजावा के शरीर पर मुक्का जड़ने का प्रयास किया तो उसके कंधे में फिर चोट लग गई और वह अपने बाएं हाथ का सही इस्तेमाल नहीं कर पाया। उसने आज एक हाथ के साथ मुकाबला लड़ा। विकास शनिवार को चुनौती पेश करने वाले एकमात्र भारतीय मुक्केबाज थे। उन्होंने ओकाजावा को पिछले साल एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर के दौरान हराया था। शनिवार को जापान के ओकाजावा ने शुरुआत से अंत तक मुकाबले में दबदबा बनाए रखा और उन्हें दो बार के ओलंपियन भारतीय मुक्केबाज के खिलाफ किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। विकास के करीबी मित्र और नियमित तौर पर उनके साथ अभ्यास मुकाबले करने वाले नीरज गोयत ने कहा, पूरे मुकाबले के दौरान विकास को काफी दर्द हो रहा था। घाना मूल के 25 वर्षीय मुक्केबाज ओकाजावा 2019 एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता हैं और उन्होंने उसी साल विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। ओकाजावा राउंड आफ 16 में तीसरे वरीय क्यूबा के रोनियल इग्लेसियास से भिड़ेंगे। इग्लेसियास 2012 ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन भी हैं। रविवार को छह बार की विश्व चैंपियन एमसी मेरीकोम (51 किग्रा) और राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता मनीष कौशिक पहले दौर के अपने मुकाबले खेलेंगे। नीवा ने कहा, भारतीयों के लिए ड्रॉ मुश्किल है लेकिन हम ओलंपिक में हैं और यहां कुछ भी आसान नहीं होता। सभी चाहते हैं कि शुरुआत थोड़ी आसान हो लेकिन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाने का यह कोई कारण नहीं है।

ओलंपिक में रविवार को भारत का कार्यक्रम

भारतीय (खिलाड़ियों और टीम) कार्यक्रम (भारतीय समयानुसार), कलात्मक जिमनास्टिक्स : सुबह साढ़े छह बजे : महिला क्वालीफिकेशन - सब डिविजन : प्रणति नायक ,बैडमिंटनःसुबह 7:10 बजे - महिला एकल ग्रुप मैच मे पीवी सिंधु बनाम केसेनिया पोलिकारपोवा (इस्राइल),मुक्केबाजीः दोपहर 01:30 बजे : 51 किग्रा के शुरूआती राउंड 32 मुकाबले मे एम सी मैरीकॉम बनाम हर्नाडिज गार्सिया (डोमिनिका गणराज्य),दोपहर 03:06 बजे : 63 किग्रा के शुरूआती राउंड 32 मुकाबले मे मनीष कौशिक बनाम ल्यूक मैकोरमैक (ब्रिटेन),हॉकीःदोपहर 03:00 बजे - पुरुषों के पूल ए मैच में भारत बनाम आस्ट्रेलिया, सेलिंगःसुबह 08:35 बजेः- महिला वन पर्सन डिंघी - लेजर रेडियल (पहली रेस, दूसरी रेस) नेत्रा कुमानन ,सुबह 11:05 बजे : पुरुषों की वन पर्सन डिंघी - लेजर (पहली रेस, दूसरी रेस) भारत के विष्णु सरवनन,नौकायन : सुबह 6 बजकर 40 मिनट : लाइटवेट पुरुष डबल स्कल्स रेपेशाज (भारत), निशानेबाजीःसुबह 05:30 बजे : महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल क्वालिफिकेशन मे यशस्विनी सिंह देसवाल और मनु भाकर, सुबह 07:45 बजे : महिला 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल , सुबह 06:30 बजेः स्कीट पुरुष क्वालिफिकेशन - पहला दिन (मैराज अहमद खान और अंगद वीर सिंह बाजवा) ,सुबह 09:30 बजेः पुरुषों के 10 मीटर एयर राइफल क्वालिफिकेशन मे दीपक कुमार और दिव्यांश सिंह पंवार। दोपहर 12:00 बजे : पुरुष 10 मीटर एयर राइफल फाइनल टेबल टेनिसः सुबह 10:30 बजे : पुरुष एकल दूसरा दौर : जी साथियान बनाम लाम सियु हांग (हांगकांग), दोपहर 12:00 बजेः महिला एकल दूसरा दौर : मनिका बत्रा बनाम मारग्रेटा पेसोत्सका (यूक्रेन),टेनिसः सुबह 7:30 बजे से शुरू महिला युगल के पहले दौर के मैच में सानिया मिर्जा और अंकिता रैना बनाम लिडमयला और नादिया किचनोक (यूक्रेन)तैराकी : दोपहर तीन बजकर 32 मिनट : महिलाओं की 100 मीटर बैकस्ट्रोक : पहली हीट - माना पटेल ,दोपहर चार बजकर 26 मिनट : पुरुषों की 100 मीटर बैकस्ट्रोक : तीसरी हीट - श्रीहरि नटराज

जिन्होंने कजाखस्तान के बुबलिक को 6-4, 7-6(8) से हराया।

मिश्रित युगल में हारी भारतीय जोड़ी, मनिका और सुतिर्था ने जीत से की शुरूआत

तोक्यो। भारत की मिश्रित टेबल टेनिस स्पर्धा में पदक जीतने की उम्मीदों पर शनिवार को पानी फिर गया लेकिन मनिका बत्रा और सुतिर्था मुखर्जी ने यहां तोक्यो ओलंपिक की महिला एकल स्पर्धा में जीत से अभियान शुरू किया।

अचंत शरत कमल और मनिका बत्रा के मिश्रित युगल वर्ग के अंतिम 16 में हारने से भारत का टेबल टेनिस अभियान निराशाजनक तरीके से शुरू हुआ था। भारतीय जोड़ी को तीसरी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपै के लिन युन जू और चेंग आई चिंग से 0-4 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि दुनिया की 62वें नंबर की खिलाड़ी मनिका ने ब्रिटेन की 94वीं रैंकिंग की खिलाड़ी टिन टिन हो को एकल स्पर्धा के शुरूआती मुकाबले में 4-0 से हरा दिया जबकि 98वीं रैंकिंग की सुतिर्था ने भी ओलंपिक पदार्पण में प्रभावित किया, उन्होंने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्वीडन की 78वीं रैंकिंग की लिंडा बर्गस्ट्रोम को 4-3 (5-11, 11-9, 11-13, 9-11, 11-3, 11-9, 11-5) से मात दी। सुतिर्था का सामना अब दूसरे दौर में पुर्तगाल की फु यु से होगा जबकि मनिका यूक्रेन की 32वीं रैंकिंग की मार्गिटा पेसोत्स्का से भिड़ेंगी। इससे पहले लिन युन जू और चेंग आई चिंग ने भारतीय जोड़ी को 11-8, 11-6, 11- 5, 11-4 से हराया। पहले दो गेम में 5-1 और 5-3 से बढ़त बनाने के बाद भारतीय जोड़ी लय कायम नहीं रख सकी।

लक्ष्य से चूके भारतीय निशानेबाज

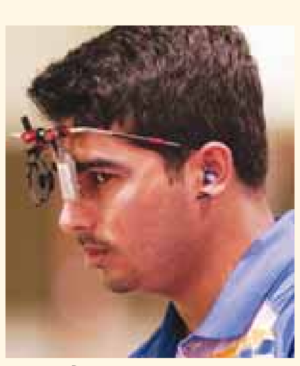

● सौरभ सातवें स्थान पर रहे

तोक्यो। भारतीय निशानेबाज तोक्यो ओलंपिक में अपनी स्पर्धाओं के पहले दिन शनिवार को यहां लक्ष्य पर सटीक निशाना साधने से चूक गए और सबसे अधिक निराश सौरभ चौधरी ने किया जो क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहने के बाद पदक जीतने में नाकाम रहे। चौधरी क्वालीफिकेशन की फॉर्म में फाइनल में दोहराने में नाकाम रहे और पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में सातवें स्थान पर रहे। कमरे में चौधरी के साथ रह रहे उनके मित्र अभिषेक वर्मा तो आठ खिलाड़ियों के फाइनल में भी जगह नहीं बना पाए और उस स्पर्धा में 575 अंक के साथ 17वें स्थान पर रहे जिसमें भारत के पदक जीतने की सबसे अधिक संभावनाएं जताई गई थी। ओलंपिक से पहले दोनों विश्व कप जीतकर शानदार फॉर्म में चल रहे ईरान के जावेद फोरोगी ने 24 शॉट के फाइनल में 244.8 अंक के ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। सर्बिया के दामिर मिकेच ने 237.9 अंक के साथ रजत पदक जीतते हुए अपने चौथे ओलंपिक में पदक का सपना साकार किया। बीजिंग खेलों के चैंपियन चीन के वेइ पेंग ने 217.6 अंक के साथ कांस्य पदक हासिल किया। महिला 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में ओलंपिक में पदार्पण कर रही इलावेनिल वालारिवन और अपूर्वी चंदेला फाइनल्स में भी जगह नहीं बना सकी। ए दोनों अकासा रेंज पर क्रमशः 16वें और 36वें स्थान पर रहीं। चीन की कियान वैंग ने आठ खिलाड़ियों के फाइनल में ओलंपिक रिकॉर्ड 251.8 अंक के साथ मौजूदा खेलों का पहला स्वर्ण पदक अपने नाम किया। रूस ओलंपिक समिति की अनास्तासिया गालाशिना ने 251.1 अंक के साथ रजत जबकि स्विट्जरलैंड की नीना क्रिस्टीन ने 230.6 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। क्वालीफिकेशन में शानदार प्रदर्शन के साथ फाइनल में जगह बनाने के बाद सभी की नजरें चौधरी पर टिकी थी कि वह महिलाओं के निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोड़कर पदक जीतेंगे लेकिन नतीजा वह नहीं रहा जिसकी देश की निशानेबाजी टीम ने उम्मीद की थी।भारतीय दिग्गज 137.4 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहा। चौधरी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले पांच शॉट के बाद वह 47.7 अंक के साथ आठवें स्थान पर चल रहे थे।

चिराग-सात्विक ने दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी को हराया

प्रणीत पहला मैच हारे

तोक्यो। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रुप ए में दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी चीनी ताइपै के यांग ली और ची लिन वैंग को हराकर ओलंपिक बैडमिंटन प्रतियोगिता में शानदार शुरूआत की लेकिन शनिवार को यहां पुरुष एकल में बी साई प्रणीत को हार झेलनी पड़ी।

दुनिया की दसवें नंबर की जोड़ी चिराग और सात्विक ने तीसरी वरीयता प्राप्त ली और वैंग को 21-16, 16-21, 27- 25 से हराया। इस साल ली और वैंग ने योनेक्स थाईलैंड ओपन, टोयोटा थाईलैंड ओपन और विश्व टूर फाइनल्स जीते थे। पुरूष एकल वर्ग में हालांकि भारत के 13वें नंबर के खिलाड़ी प्रणीत ओलंपिक में पदार्पण करते हुए अपने पहले ही मैच में इस्राइल के निचली रैंकिंग वाले मीशा जिल्बरमैन से सीधे गेम में हार गए।

प्रणीत को ग्रुप डी मुकाबले में दुनिया के 47वें नंबर के खिलाड़ी के खिलाफ 41 मिनट में 17-21 15-21 से हार झेलनी पड़ी। पिछले कुछ महीनों से डेनमार्क के कोच मथियास बो के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग कर रहे सात्विक और चिराग ने बेहतर रणनीतिक खेल दिखाया और अहम लम्हों में धैर्य बरकरार रखते हुए एक घंटे और नौ मिनट चले मुकाबले में जीत दर्ज की।

भारतीय जोड़ी को पांच मैच प्वाइंट मिले लेकिन विश्व चैंपियनशिप 2018 की कांस्य पदक विजेता चीनी ताइपे की जोड़ी ने इन सभी को बचाते हुए खुद मैच प्वाइंट हासिल किया। चिराग और सात्विक ने हालांकि धैर्य बरकरार रखते हुए मैच प्वाइंट बचाया और फिर गेम और मैच जीत लिया।

टी-20 में भी भारत का पलड़ा भारी

● वरुण चक्रवर्ती का पदार्पण करना तय

भाषा। कोलंबो

इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन करने वाले कई खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ रविवार से यहां शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला में भी जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी जिसके पहले मैच में रहस्यमई स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को पदार्पण का मौका मिल सकता है। शिखर धवन की अगुवाई वाली टीम ने वनडे श्रृंखला 2-। से जीती लेकिन वह आखिरी मैच में हार गई थी। इसके बावजूद भारतीय टीम का पलड़ा भारी नजर आता है। कोच राहुल द्रविड़ इस श्रृंखला में चक्रवर्ती को आजमाना चाहेंगे जो ऑफ ब्रेक, कैरम बॉल और दाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए लेग ब्रेक भी कर लेते हैं। वह आईपीएल में अपनी इस काबिलियत का अच्छा नमूना पेश कर चुके हैं। वह खराब फिटनेस और चोटिल होने के कारण आस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं जा पाए थे और इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में भी नहीं खेले थे लेकिन भारतीय टीम यूएई में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले एक स्पिनर की तलाश में हैं और ऐसे में इस 29 वर्षीय गेंदबाज को यहां आजमाया जा सकता है। इसके अलावा देवदत्त पडिक्कल और रुतुराज गायकवाड़ में से भी किसी को पदार्पण का मौका मिल सकता है। दोनों ने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया था। पृथ्वी सॉव और सूर्यकुमार यादव दोनों इंग्लैंड रवाना होने के लिए तैयार हैं और ऐसे में टीम प्रबंधन पडिक्क्ल और गायकवाड़ दोनों को मौका दे सकता है। इशान किशन और संजू सैमसन दोनों को अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। मनीष पांडे को मध्यक्रम से बाहर किया जा सकता है जबकि पंड्या बंधुओं हार्दिक और क्रुणाल का चयन तय है।

सूर्यकुमार और साव इंग्लैंड जाएंगे

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव को पहली बार टेस्ट टीम के लिए बुलावा मिला और वह सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव के साथ बतौर स्थानापन्न खिलाड़ी इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे। टीम प्रबंधन ने तीन खिलाड़ियों के चोट के कारण बाहर होने के बाद स्थानापन्न खिलाड़ियों की मांग की थी। शुभमन गिल, वाशिंगटन सुंदर और आवेश खान को चोट के कारण मौजूदा दौरे से बाहर होना पड़ा। टेस्ट श्रृंखला चार अगस्त से शुरू होगी। शुभमन को न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के दौरान घुटने के नीचे पैर के आगले हिस्से में चोट लग गई थी।

मीराबाई को ओलंपिक में अपनी दी कानों की बाली पहने देखकर भावुक हुई उनकी मां

भाषा। नई दिल्ली

मीराबाई चानू के एतिहासिक रजत पदक और उनकी मधुर मुस्कान के अलावा शनिवार को इस भारोत्तोलक के शानदार प्रदर्शन के दौरान उनके कानों में पहनी ओलंपिक के छल्लों के आकार की बालियों ने भी ध्यान खींचा जो उनकी मां ने पांच साल पहले अपने जेवर बेचकर उन्हें तोहफे में दी थी।मीराबाई की मां को उम्मीद थी कि इससे उनका भाग्य चमकेगा। रियो 2016 खेलों में ऐसा नहीं हुआ लेकिन मीराबाई ने आज सुबह तोक्यो खेलों में पदक जीत लिया और तब से उनकी मां सेखोम ओंग्बी तोम्बी लीमा के खुशी के आंसू रुक ही नहीं रहे हैं।लीमा ने मणिपुर में अपने घर ने पीटीआई से कहा, मैं बालियां टीवी पर देखी थी, मैंने ए उसे 2016 में रियो ओलंपिक से पहले दी थी। मैंने मेरे पास पड़े सोने और अपनी बचत से इन्हें बनवाया था जिससे कि उसका भाग्य चमके और उसे सफलता मिले। उन्होंने कहा, इन्हें देखकर मेरे आंसू निकल गए और जब उसने पदक जीता तब भी। उसके पिता (सेखोम कृति मेइतेई) की आंखों में भी आंसू थे। खुशी के आंसू। उसने अपनी कड़ी मेहनत से सफलता हासिल की। मीराबाई को तोक्यो में इतिहास रचते हुए देखने के लिए उनके घर में कई रिश्तेदार और मित्र भी मौजूद भी मौजूद थे।मीराबाई ने महिला 49 किग्रा वर्ग में रजत पदक के साथ ओलंपिक में भारोत्तोलन पदक के भारत के 21 साल के इंतजार को खत्म किया और तोक्यो खेलों में भारत के पदक का खाता भी खोला।